१८२: अ र्श्वेम अ मित्र हुँ दे प्रमाद मित्र हुँ म हुँ मित्र हुँ अ हू र्क्षेष्रभार्स्ष्रिष्याः पाउँषा दुः तसूर्यायः भेवः यें केदेः वः यः र्हेषा उर्श्वायः तत्व्यायः र्से। वि.सं.सं.राष्ट्रस्त्रेत्वा यदम् वित्रस्त्रेत्रः वित्रस्त्रात्त्रुत्रः वर्ष्याः वि.सं.र तुषायव क्रिंट द्वेषा शुरा छेटा। । यद्विव प्राचट यो व्यट पार्ड प्राचे हे स्ने दे ने बा वुरःबेदःक्दःगञ्जाबायह्रवःपग्। ।सुःबेदःदर्गेःयःपञ्चेःपवाहेबःदर्गेदवः बिटावस्य मु सर्वेद म्बूब पर्मेद या । मुल गुरु ष्या गुरेग पह्रा यदे <u>२ मुलात्रिं र लूटबा बी मैं बार्चे र ट्राज्य के राज्य प्राप्ति र वर्ष</u> चर्केन्'यम्बर्'यदे अविदःयः स्वाम्बर्यः श्रुवः चर्क्ष्वः यद्भेदः न्वादः र्क्षयः अर्क्षेत्र *ऻॎ*ऄॱॸॹॸॱॻढ़ॏॸॱॸॆ॓॔ॹॾॕॹॺॱॷक़ॱॸॸॱॻॕक़ऀॱॸॖॖ॔ॺॱॾॢॕक़ॱॿॢॸॱख़ॸॱॸॸॱॻॸॱॻॖॺऻ *ऻऀ*ऄॱॠॖॱॺॖॕय़ॱय़ॖॱय़ॖॖॖॖॖਸ਼ॱय़ॿॾॱॺऻॸॖ॓ॾॱड़ॾॱड़य़ॺऻॱय़ॺय़ॱऄॗॕक़ॱय़ढ़ॆॱऄॄॾॱय़ॱऄॕॺऻॺऻ । (युअ उव :ग्वाव :य खेव :य खेव : वे अ :य है वा हेव :य दे :व : या वा अ : ऑप : प्रे । । दे : द वा : म्बर्भात्रमात्रे केंद्रे देव र्यं स्वेष्य स्वाप्य स्वाप्य स्वर् स्वर केव वि । या प्रवर *ୠ୕*୲ୡୖୣଽ୕୵୷ୖଢ଼୕ଽ୶ଽୡ୲ୢୖୄୡ୕୕୕୕୕୕୶୶୲ୠ୕ଽୖୄୠ୕ଊୡ୶୕୵୳ୡ୕୵୷ୡ୕୶୴ୠ୲୴ୠ୲ <u>देःयःददेरःश्चर्ळेःद्रयगःकृत्रेदःयःद्रश्चयम्बन्धःयरःयत्रदःयःवःव्यःश्वः</u> म्बार्यात्राच्यात्रीया नेदायदाश्चीयायदान्त्रीयात्राच्यान्द्राम्बार्यान्द्रा र्भेत्रमायात्रम्भः भ्राष्ट्रियायदे र्भ्रेष्ठाय बराये त्यम् वराप्तायस्य स्त्रीय मञ्जूरा न्दर हे बा खुर बचे व्या लेटा। वे बा अवयः च रा मञ्जूरा नु र वो स्वये र दे व वबर्धिः क्षेत्रा त्वु वबर्धे क्षेत्र शक्षेत्र य ५८ क्षेत्र केत्र देवे त्राक्ष्र कर्

केंत्रचं बद्बेद्र केट्र प्रदे प्रके प्रकार हित्र श्री प्रकार दे र येग्र रायर त्रवेषक्षयम् अर्द्राया हे पर्दुव् त्रु अप्ययाय तह्र अप्ययाप्त के अपये रदासद्यालेश्वासर्वन ग्री ग्राम्याया श्रेत लेति विदान सर्वेत प्राप्त स्वाप्त प्राप्त उव गर मी गश्रद मी क नशा द्वाया श्रेंगश मातुद श्रेंदे दगाद मावद भ्रें र શું નશુદ ક્ર્યું શર્શે રાસુ તમાર લેવા મેં ત્રેયા સેવાલા શું દેશ વાસે દારા સુવા चेंदे'अर्दें, विटाट्या देव चें केंदे बाया हैंगा क्षु त्य मुंबी माना देगा हु प्रसूत्रा यायश्चर्तितारेदेर्स्याउवायवायस्य वरायदेश्वत्रुताङ्ग्रेश्वरदेत्। स रेगायालेश रेगाया सेन्या उसा सेन्छ। वर्षेर्य यदे विवास स्वामा वर्षे र्वेव पश्चीर वुष्ण प्रते सः पाउव पीव प्रषा रेगा प्रते पो नेषा रूप प्रहेव सूर र्देश्रुख्ययायायायून्यार्वेर्त्रुव्हेन्याक्ष्र्यं वेषेत्र्र्वाचेरायर्वा यावेश्वास्त्रात्रहेव प्रति सार्चयाया सुरायश सुरायश सुरायश क्षा पक्षा क्षेत्र पक्षा पदे राष्ट्र या स्वा क्षा क्षा वित से स्वा पश्रम्भापदे : बन : केर : वर्षा वे विराम कुवा कराया र्मा सेषा या बराया र्या की सेरार्षा न्दिं अयेन संभित्र हो। धोव व वेषा न्यव सुदायन् अयः स्रे कुव कन न्द विर्सेर्प्रेर्प्रयादेख्रण्येष्ययदे हेबाबुद्ध्याव्यक्षेत्र्या स्ट्रिष्यय श्रे.जेंब.च.च्या.कुर.शेट.पर्यायोथ्य.श्रेट.तर.पर्योन्य.यथा योष्ट्रायाया

वे : ले : व का क्षूर : क्षूर : बुर : यहुवा : लेव : क्युं : क्षूर : या मुर : यथे : द्युं दका खु : खु : दव : यशयद्वरायाः से दार्वे स्टायं वे वे दिन मुक्यायदे मिने मुक्स से दार्थे । तर्भायानुबान्नी र्विद्याची मारा व्याप्य देशम् तर्भा मारे बात्रा ग्वं नुद्रमादिक्षामादे केंबा बस्रवा उत् क्षेत्र या त्राहेव त्वुद्रमे । सूरा या नुद्र वह्याधिव की। विद्याय वसाय र से से दिन हो से र विकेश विका ग्रीःश्वरःयात्रेवसायराक्क्वाकरायास्रीःश्वराया श्वरायार्षेर्वराराःश्वराया यः ह्रेंद्र हेर् रुप्त हम्बारा हो। इद्या सेर्प्य देश देश देश हैंद्र यानित्रां दिवासायवाति। वास्तुत्त्रियायवाया देवित्यो द्राद्रार्ह्सित गै। वः श्रुनः श्रुनः ष्यदः गान्न सोनः ग्रीः नें नः षेतः वें। । श्रें नः वेन वे वः श्रुनः नुः पेनः यदे केंबा ह्या की केंबा के दाये की नित्र दिन हैं दाया के वार्य दिन हैं वन्बाग्री केंबा मरा धरा सेन सिंदा वासी बूदा वा की विद्या में केंद्रा वा से त्यं या धीव विं । दिवाव क्रेंट या केट विं च क्रेंट र खेंद या वे केवा च या विं च गुःरदाविवावयाम्बरास्म्यासासुन्यूयायरागुःयाधेवागु। बेर्'च'लेग'में केंश'हेर्'रु'चक्क्ष्य'ग्रु'ने गठन बेन कें। रिदेक्षु बर्कन र्ने इंश लेव तह्या य दूर में वा वहुवा हो दाये माले वा श्रूर हेव वहुर में र्नेदेशर्चे द्वार्या देश हो। वःक्षुर्न् नुसेर्न्य देश देश प्रमाणिक न्यायाञ्चरान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्यान्त्रेन्य र सेंग्रामा से दार्थ दिया राष्ट्रीय स्थान से स्थान से से स्थान से से से स्थान से यश्रम्बर्द्र्यद्र्यर्भ्यत्ये दर्भेश्वर्ष देव्यायद्र्य्ये भेट् र्ने। । देते धिर क्रेंट केट वेशय शक्ष्य दुर्धेन यदे केंब द्रेंश क्रा केट

धेवाया ह्रेंदावेदायवामार्तुमवद्यायाद्देशयायायीश्चेदादी ।देख्ररावा क्रॅंटरहेवरदेवुटाणेरवका बुटरदह्या धेवरया बुटरदह्या मेर्डेटर्से क्रेंबर व्या ब्रां ब्रां स्टाम् ब्रां स्वायस्य न्या व्या क्रिंटा केवा व्या नियम व्या नियम ब्रां के ब्रां ग्राव वर्त्रा दिः अवअः चल्याः में ख्याः धेन्दिः यः क्रेंटः क्रूटः मवेशः शुः वर्ते दाः येदादेश्री के प्रदार्भ पाया है ग्राया है ग्राया है वा है विचेत्र केटा दे माने बार्ट विषय प्राप्त का का का का का का का का किया है। यह का की बार का की का का की का किया की का ववुरारी |देशवाबेगाळेवाग्रीक्यार्गेवावदीवर्षेतावाबदावदेकदार्श्वेदा उन्सेन है। दिन राज्य ज्ञान केन स्थान केन <u> ક્ર્યુ</u>:૧૮:બે.બે.ક્યાં સાંત્રા સાંત્રા સાંત્રા ક્રાં ક્રા बेर्'पर्दे र्वेरम्रेर्'र्देव र्यापर्व पायवर बुग्'येव र्वे। ग्वस सूर सञ्जन्यान्द्रत्वुवायदे तज्ञुन्यान्द्राच्याना येव यदे स्रुप्त अन्त्यका ऀॸॕ॔ॿॱॸॺॱॸ॔ग़ॕॸॱॻ॔॓ड़ॖॿॱऀॸ॔ॱय़ऀॱक़ॖऀॸॱॸॖॱख़ॗॿॱॹॖऀॺॱॹॗॖॼॱय़ॱॿ॓ॺॱॺऻॶॸॺॱय़ॱढ़ॸऀॱ**क़**ॱ च्दे इस गुरु सकें न स्व के के हैं र के र दर्र हो न के व र स न व व स स्व व व स रेषा पर्दे माने व सें प्रे ने का क्रेका प्रकार सेषा पर सेषा माने व सेषा पर सेषा प युर देवाय वेवायवे कु अर्द्ध अर्द्ध या देवा विकास विकास के वा के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के व दर्नेन्रकग्राकेत्रचेंग्यन्रिकेत् शुंखे विश्वाधेत्र यशा विषेत्र यदि श्रेन्य अन् गुरा वर्देन:कन्र केव दें से वेंना परे नवन दें सेन वेंन गुर सकेंना हु से त्युर्यत्येषे ने शञ्चताया श्रम्भात्या राद्रेते प्रवीत्या देवा यो मान प्रवीता अवराध्याकी र्रेव इंगरग्व अर्केया स्व की क्रेंट केंद्र तक्क्ष्य द्या विया

ग्रेग्'क्रु्य'र्द्ध्य'र्द्र' श्र्ग्रां'ग्रे'वेग्'द्दे'र्ग्रेद्र्य'र्द्द्र्याद्देंग्रां कुः लेंद्र तद्र प्रशाद्दे वद म्बा मुंद्र द्विश क्षेत्र प्रश्ने प्रशासी **ऻॎऄॴॴख़ॴॱऄऀॱॴक़ॖॴॱक़ॗॴढ़ऻॴज़ऻ**ऻॖॳॴॴड़ॴ येत्। तुयः वित्रवित्रवित्रव्याः शुर्वेशायस्वायः स्रमान्यत्रवित्रवित्राः स्र तचेता त्व त्यम पद्भ महिका तममका पक्ष सवर सम्भ मुनु कर्ति प्र बेग'न्यव'सुट'यन्बार्डस'वेग'यबुट'य'यबागवन'सेन्'यं सेन्हे। दम्या पर्राम्केश दम्माना या यश ह्रया मुद्दा मी पद्देव दिव पर्राम्केश मी र्राचित्रपुर्वे रावशर्रे हे चित्रिषे थे थे त्रा क्षे स्त्री स्त्र के प्रेर के प्रेर के प्रेर के प्र न्ध्रेश्वेत्रायमायह्यान्ययार्दे हेशान्त्रेत्रा श्रेशार्द्वेत्रश विगरेगायं भे अग्री हैं तथायश होता गढ़ियातमा कग्यात्र या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हें अ अ जो जे अ त्याया या या ये व हो। अहार या अव या वें या गुरा स्टाया से क्रिंगः यः चलेतः राष्ट्रीयमहिषान्यः व्यायदेः यो नेषान्यायायः प्राययः न्यायहा यदेःगव्याशुरासवरः व्याः ह्रे व्याधारः वदः से वेया वे १५ द्धाराबन क्रां अष्टिक से त्या प्राप्त विदानिया विदानिय विदानिया विदानिय विदान व्यू र दर्गे बाब वर द दे से बिदादी क्षेत्र दे बाव विषय व विषय सब्वित्यायाः से त्राम्या देवे ह्ये त्रामा से दार स्टाम्या से त्रामा से त्राम से त्रामा से त्राम से त्रामा से त्रामा से त्रामा से त्रामा से त्रामा से त्रामा सर्दर् उसामकायोव दर्गेकार्की । । मात्रुदः यहीव उत्र श्री कोसकाय तुः श्री द्रां क्युं वे स्त्रूर महारा दर्वे कमाना प्रवास ने रामाना निष्या माना स्त्री का निष्या माना स्त्री का निष्या माना स् क्रम्बर्ग्येश्चर्मम्बर्धात्रेर्धः प्रमान्यः द्वार्यः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्व वर्गमायाधिताया देवे के वर्षे कम्बारी क्षेताया के द के हा क्षे वर्गमाया के वर्षे

यामान्त्राये दे। भ्रुप्तमानानुः भूतायादेवां क्रमायानी द्वारामीया सेययाया भूता वर्ते। दिःसूरःदर्वे क्रम्बन्दः यं व मृति रद्युदः मे प्ये व बाद्युरः ये द रे द अर्देव र शुरु र परे पे पे के शी श्रुप्येव प्रमाण श्रम्या श्रम्य प्रमाण स्वीका की विकास के वित क्रुव अव्दे दें र फेट बोब दे खेंग वुष प्रवास में व देंग क्राया ग्री गावेव दें। बेर्प्यक्षेत्रर्ते। । द्येर्प्तरहेर्ष्यश्चेत्रः श्चीः श्वरः प्रवित्र वित्र वित्र त्यार्थित् मंडिमा सेव प्रदे द्रिया मासुरसाया सूर्या मानि मंडिमा त्या श्राप्त हुन्तु र्षेर्पार्यार्यार्वे वार्यायम् येर्पायदे स्रीत् येर्पार्ये मित्र यो विष्यं ये विषय विष्यं विषय विषय विषय विषय रु:तुअः र्केषाकाञ्चरः प्रदेशः भेरा देशः सुका गुरा विषाका सी:त्कावा रे हें दे न्धुँन ग्रेंबा वर्डवा हे हेन नैवन्वार्ड्या सेन्या सेन्या सेन्या सेन्या सेन्या र्धेदे कें अंदे र ग्री अश्चरायाया अअग्री र क्षेत्र र से र र है। । वर्ष स्थर वर्क र स त्ययदे क्रेंट के न क्रुप्त न । याने या के या यी क्रेंट्रा या व क्रिंट्रा या व क्रिंट्र या व क्रिंट्रा या व क्रिंट्र तम्यायमार्थे में वित्राचेत्राम्ये स्वर् स्वर याडेया.ज.हं.केंच.उर्? प्रट.केंश.चेशी लूर.कें.वेश.ती शुर.कें.चटुच.बींच. यव मरा विवादिव वै। वि क्षुर र विर विर ग्रीका वार केर या र वार र्षेर् यायव र्द्व श्रुट है। देगयाया वी। दे वेंद्र द द्वायाया वीवा गडिया बेर्मडेम् वर्षेर्प्यदे । रेप्ट्रिकें क्षेत्रहे वस्त्रुप्तु वर्षेर्प्यदे वेर् ५८१ र्नेव-८मःसम्अद्धार्थः स्रोतः प्राचेत्रः यात्रेक्षः यात्रेक्षः यात्रेक्षः यात्रः स्वायः स्रोतः र्नेवः याउँयाः हार् द्वार्थे । अर्थाः वर्षे व

ॱॾॢॸॱॸॖॱख़ॕॸॱक़ॕॸॱॸॕक़ॱॸॺॱॺॸॱॺॸॱऄॸॱय़ॾॱऄॱढ़ॹॗॸॱॿऻ<u>ॗ</u>ॱॕॸॿॱॸॺॱॸॗऄॕॗॸॱ यसन्ग्राचित्रासेन्यम् ब्रुचान् व स्नुन्न् सेन्यते में स्क्रान्य गुवः हें च हु चें ५ यदे केंबा गुडेग गुट देंव ५ या यर ५ येग्बा खु ये ५ यर नुर्धेन प्रभान्भेग्राम सुर्भेन प्रमासुत् नु । व स्नुन नु र्भेन प्रभेग स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स मिन्यात् स्मानात्रे स्थानात्रे स् यरमञ्जूयानुवयायरसेवाने। देवानुर्धनासेनाचुरान्यान्यान्या न्ध्रन ग्रेक न्ध्रन के क्ष्म में मार्च मुना कु केवम सेन पका नेव नर्धेन ग्रेक न्धन ख्या श्रेव वैं। । विश्व श्रेव शात्र हैं न हि खेंन या यन हमा विश्व श्रेव हैं। न्याः र्वेषाकाः ग्रेकान्युनः वः स्याः दंधान्येषाकाः स्यायेनः रेटः या हेनः या वे निर्देषः ક્રુંતરા ગુૈરા શુત્ર પશ મદ મુલ્તુ ક્રુરા ગુદ દ્વે દ્વાપામ દ્રોપાય પ્રમુંત . अंतुकायकार्देव द्यायम् अद्गयम् श्रुपात्य देव द्यायम् अद्गयन् अद्गयम् अद् हेव त्यु र में क्षू र पाय शु ओ र र्ड अ शु अ गु र ओ निया अ प्या अ श के र र र र ओ र यम्बुयायदे मेग्रायान्य। देवान्यायमध्येन्यदे मेग्रायाके श्रेन्यका ॔ख़ॱॸ॔॔ॸॱॻॾॺॱय़ढ़ऀॱढ़ॾ॓ॺॱॾॖ॓ॿॱढ़ॸ॓॔<u>ॸॱॿॖ</u>ॺॱॻॖॸॱॸ॓॔ॱख़ॸॱॿॣॕॺॱॿॖ॓ॱॿॖॗॱऄॱॿॖॺॱय़ॱ वै। र्केषायदेखेरदेंद्रभीश्वायाधेवाहे। द्रार्थिदेकेशकेद्रभीहेंद्रश् ग्रीश्राम्यान्यतः भ्रीतः द्वीतः स्वाराष्ट्रा स्वाराष्ट्रीतः। स्वाराष्ट्रीतः स्वराष्ट्रीतः स्वाराष्ट्रीतः स्वारा दम्यासेन देव महिम्ह वराया वेषा तुः धे। केंबर र देव व बास हेंद्र या क्रिंश मालव मीश क्रेंट या वे तहिमा हेव यदि क्रेंट द्वा पोव मी देव द्वा स्वा

वर्चे र परिः र्श्वे द खुवावा क्षेत्र है। व्याया क्षेत्र या द र दे विश्वे या या ये द या ग्वगामी रार्धेर रहा दे होट रे वेंट र बेर या कु तुमा गुव हें या हु र्षेत्रप्रदेश्केश्वस्थर्भेद्रप्रदेशेंग्यायार्केत्।तुस्रार्थेत्रत्या देःयाब्रुस्रासेत् ५८। गवमा द र्षे ५ 'दे द से द से न किया मा मुव के या मा मुव के या द हिंद पर के द स्था । ब्यूयः यार्वित स्पेत श्री देव दर्शित श्रीकाञ्चर्या येत सेंग्रवाञ्चर्या या या स्पेत्र नुस या यद द्या यर दस्याका शुस्रेद या देव दर्धेद ग्रीका येवानुसाया व यदेव से द से व स्वापा यदेव से द सुय व सुराय देव द साम से द पार्यो न्वीं अर्थे। ने वाले अरथ ने बन्धाय र विन् सेन् सेन् र्थे। खन्या विन वाला ने यदेव'श्रुय'श्रुद्र'तु'षद्र'श्रेद्र'व। वर्द्रे'श'श्रुद्र'तु'श्रेद्र'यर'श्रुव'हेद गुर्द हैं या ग्री र्रंद राया धेर रादित दर्धित की दर्शिय या या शर्दित ग्रीय शुवा बेव या या र्वेव पर्धेन श्रीका की का विषा वार्वेव पर्धेन सेन या स्थापना र्देव द्रींद ग्रेश तुम्र या सेद यम सार्युय व विवदेव सुय है सूम विवस्य बेर् यर शुवा वारे किरार्देव रुषायर हैंदाया धेवा श्रीरे अवागाववायते यदेव स्याया धवाया प्रताय में मान्या प्रतीय निवास के । देव दिंद रे से निवास स्वाय प्रतीय निवास स्वाय स्वाय स्वाय यान्य्रेम्बान्ते। नेबान्नान्त्रन्त्र्यम्बान्यत्यस्यः श्रीन्ते। ।र्नेवान्धिनः ग्रीसान्धन्त्व वास्त्रन्त्रिन्या रे.स्.सेन्यस् ग्रुवाया स्त्रम् केंसावसस उन्गर्नेन्त्रशञ्चीत्रार्श्वेत्। नेदिष्टीन्त्रवावार्यार्श्वेत्रःह्ये। हिस्त्रस्यावस्या श्चेरायर हैंग्राणी व श्रुन रुश्चे लेखायवर श्रेन्श्रीमा निर्माण वःश्चे सेर संभीव यं र त्यू र दें। विदे गुव ता द्या वह वा सर द्रा देश

व हे शर्चे प स्रूप स्रूप व्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प र्व,र्य,त्य,त्य,त्यूर व्याकृत्राक्षेत्रस्यापान्दात्वेत्रम् ग्रास्त्रस्यापाञ्चीः पाष्ट्रताचाञ्चरान्त्रस्य वयका से दाया है दर देश में दर प्रति के त्र के का मालव परिवास प्राप्ति से दर उव. बःश्रुपःपुः सेपःपे तर्वा र्श्रेषःपुः सुषा ग्रुपः पेषा सुसाय स्टार्टेश स्वार्धाः क्रॅ्रायते केंबा इसका या प्रेंबा यहीं वा यह वा यह की वा यह की विकास का की कि से विदास बेर-पर-पञ्चर-पर-धुम्बर-ग्री-र्-बेर-पर-बेर-हेंव-प-प्रवेद-हें। রমমত্র-বের্বরের-ব্রের্বরের-বর্তর্বরের-ক্রমরের-র্ক্রম য়য়য়৽ঽ৻৴য়৾ৢঀ৾৽য়ৢ৾য়৽য়ৄ৾ৼ৽৸ৼ৽৻৸ৼ৽ৼ৾য়৽য়য়৽য়৾৽য়ৄ৾ৼ৽য়ৼ৽৻৸য়৽য়ৢৼয়৽ यन्ता वर्वस्यावाशक्ष्रानुस्यान्यान्यस्यान्यस्या रु: यर प्रमानुस्य माना व क्षुर रु: येर परे र्याय व नामा परे र गहन से ५ दे। व क्षु ५ ५ वे वे ५ दे के बाद सब के के दे ५ ५ के दे न के है। रे र मेर मेर मा श्रुवा का ग्री र दे रे कें का ले र र मान का खुवा का कें र मा ले र मा प्येत बिट्। तुम्रायायाञ्चमातुमेर् ग्रीटा इम्मामेर तुमायदे हें द हेरामा विद्या विवर्ते। । देशवर्देवर्म्य द्युंद्र पर्वत्य स्थान्य स्थाने स्थाने प्रमान देवे देन शक्ष्य दिल्ला विषय होता विषय होता है अन्य क्ष्य दिल्ला है दिल्ला है के स्था क्ष्य दिल्ला है के स्था क बेर्पान्त्रुताया अप्येव है। बाब्रुर र्वेर् प्येते हैं राव्याया र्वेष्वा या रा देशदेव'द्रंश'द्रधेद'देंर'द्रंशेष्रशंचदश'र्षेद'य'शे'दश्वाप'य'प्ववेद'र्दे। । 🕆

ह्ये र हें र छे र रेग ब प्य ब गहर पाय देवा है। व स्वर र हिंद हो द हो व स क्षुन्द्रिकेन्यम् सुवः चेत्रायः र्वेत्रन्यः न्धेन्यः यमानायः स्रीतः है। ने न्यायः बें ब्रे अंश्वरागुरायन्यायिकाशुं से तिहेवायार्नेवान्सायर सेनायान्यायनेवा यः ब्रेन्यर देव न्येन क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य क्रेग्रायशयान्यर, र्वे प्रियंश्वरायः इस्रायः वः श्रूर् र्वे स्रायः प्रायाः वः **षेत्रगुटा ग्रेंग्,तुः प्रत्यः श्रेंग्र्यां ग्रे**ग्न्यायदे श्लेष्ठा त्र्यायायाय दि । प्रत्ये बःश्वरः र्वेदः वेदः येः श्वें वदा व्यवः विवादा व त्र वित्र प्रदे नर्देश दें तदे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र महिका स्वीका सुवर्ग षट: द्वाप्य स्वाप्य स्व र्ये के त्रु र र्ये के त्रु र श्रू र ष्टा त्रु त्र ये के ते ते तुत्र स्त्रु वाया श्रेम् श वहिषा हेव रदाया वर्षाया चेव की बादिया हेव विदुद्ध में दियदा की बात्राद्ध र के'न्देशस्युष्ट्राचायने'ष्पदा ब्रुदाषदाने'स्रुदासुदायास्रेन्यरार्नेत्नन्सा नुर्धिन छेन छो र्कन असाम्बूयायसाय्युयाया नेदे र्के र्ने सन्मानुर्धेन छेन ग्रीसान्धन प्राचेन प्राच्या या होने प्राचित्र स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच् बःक्षुन्नुः विनः प्रदेशके वायवा उनः नेवान्यान् विनः विनः विवानिनः निवनः विनः तुः अः शुप्तायः प्रदान । सदः में दिविष्य स्वायः विकासी साम्रीयः प्रदान हिन्द्र स्वायः श्रेन्यन्म यनेवयम्य्यायभ्रेन्यदेशः श्रुन्युश्ययः दन्नि संयायो वर्हेन्र र्स्या र्डं अप्यान्ति । वेद्रायान्ति । वेद्रायान्ति । यह । विद्रायान्ति । विद्रायान्ति । विद्रायान्ति । वययार्वे। दिश्वान्यस्थार्थेगश्चारदे द्यार्देन द्यायम् म्यादे विन्तु न सेर्'गुर्'। दहेग्'हेर् शङ्गर्'र्'खेर्'डेश'वुश्र'यश'से'र्केग्'यर। व्स'य'

नुस्राधकार्धाः सूर्वा नुस्राधायदेव सुवा ग्रीका सूरा देवाव नुस्राधा सराईकार्धाः क्रॅंटा गवन परेन गुरा ग्रेश क्रेंट वेश क्रेंट हेर पक्षिय परे क्रेंच कर क्रिया न्नद्राचात्वार्षेव् पृत्र भूषा दें स्त्रेद्र गुः स्त्रेद्र । अ्रुवि तदे स्त्रे स्त्र सर्वेद स्त्रे। व्रस्य । रदादेशवर्षा श्रेष्ट्राव सुरायादेव द्वाद्या दुर्घन स्वेत सुरायादेव द्वाद्या दुर्घन स्वेत स्वाद्या स्वाद यर वय। देव द्याद्युद्ध प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद प्रमाद्युद्द प्रमाद्युद प्रमाद प्रमा यन्ता वनेव क्रिंत्या प्रवादिक्षा है। क्रिंत्यों क्रिंत्यों वित्यम वित्र प्रवीद्य परि र्मम्यायायर्गायम् वित्र स्टाबर् सेर्पयि स्थित से सेर्प्य विश्वाप्तरा स्वारम् व। र्नेवर्न्धेनर्श्चेश्वर्धन्यर्वेनर्नुवययम्यस्यवर्नेवर्भे न्में भाव पनेव सुवा गुरार्नेव न्या न्येंन प्रभा भेव परायनेव सूवा ग्रीमाभी क्रॅ्रायमावकायेव स्टायकायदेव शुवास्य क्रॅ्रायेव यमायशुमार्मे। बॅग्राच-ब्रुन-तुः विन्यानने वाश्चन वाश्चन तुः येन यया स्टा ब्रेन्य विन स्रुया व। यदेव सुय से दाय सुय से दारी देश में वार्ष मार्थ मार्य मार्थ मार रेग्रायाया देया तुर्याया का द्रायकर होया हे द्वादा वा से द्राया या प्रवास त्याया रहार्देश के त्या ये हिंहा। ये हिंहा त्याया का नहा कर हिशा वशा र्यम्बाक्षः स्रेर् यमः श्रुवायायाया स्रेष्ट्रिंबायदे त्यायदे वर्षे न्यूवायकी म यदे देग्राचायावा क्रिंव हेग् । दे स्ट्रान्देंव द्या दुईंद हेद हो या सुयाया देखात्यायायदेवायेदाशुः शक्षुदात्वयायाद्या स्टार्टेयावयार्बेटायाद्या र्नेत्र'न्य'यर'येर्'यःक्षुर्'चुब्र'य'येत्र'र्र्रा क्षु'पदिःईर'येषा'य'यय' [नुषायाधीवार्द्धवा ने मिलेषार्ने वामिलेषार्ने वामिले स्वाप्त हैं निष्ठ स्वाप्त हैं निष्ठ स्वाप्त हैं निष्ठ स्वाप

गहेशर्नेव से गडेग या स्रम्य । यनेव श्वाय हैं राय से कु सर्व गडेग तु न्य केंग्राक्ष ग्री सेग्रामक प्रकृति क्षित प्राप्ती का प्राप्ती का का की विकास के मान यर्बेर्'यरे'रेग्रायाग्वतः स्वाधित्वः वित्रायेत्व युर्यायान्यन्यां र् गुन्त्र व्यापानदेव गुनि हु गुनि पा सुका गुनि गिति यो त्रापा निर वर्जेंद्र येद्र वर व्या या स्टार्ट्य व्या क्रेंट्र या खुया ग्रुट र्जेंग ये व्या कें। १८६वा हेव र्झे श्चे घ सयाया इसका ग्रेका तुसाया केंद्र यदेव यर दहेंवाया विष्यायाधेव यस्य यदेव वहेंव क्वेंया द्यें स्वया के दर्देव द्वेंद ग्रीसंन्धन्वस्थार्थःन्येषसःयर्थाश्चरःयरःतु। वुयःयःयनेवःवहेवःहेः क्षराविषाया दे: ये विषयाय विषय द्वारा सुयाय सुयाय स्था ये हिंदायर प्रविष्य विष्य त्यायायमान्त्रायदे यदे वदे व गुयायदा माराया रेग्नाया गरायी माही सुर वर्ग्नेम् नम्मा नम्मा मुद्राक्षे प्रमेश के क्षेत्र मुक्त मान्य क्षेत्र मान्य मुक्त क्षेत्र मान्य मुक्त क्षेत्र मान्य मान यायमान्वनायदे प्रदेशम्ब स्थापन सुर्था प्रस्ति सुर्था स्थापन सुर्थ स्थापन सुर्थ स्थापन सुर्थ स्थापन सुर्थ स्थापन त्रर्वेषायाधेवार्श्वेषायेषा । गलवाधराधाक्षरार्याधेराधेराधिया क्रिंग्रां पर्टे द्या ट्रेंव द्या द्रिंद यश द्रिंद या पर्टे या पर्टे या पर्टे या पर्टे या प्रांची यविन्ति। मेरम्बिम्बामानवायेनम्बस्यानेयान्धनायुग्यानुः यो हिन् 'क्षेत्र'व' व 'क्षेत्र' कुत्र' कुत्र क्षेत्रत्येत्यक्ष्यवर्तेवर्त्येत्रयेवर्षेत्रयेवर्षेवर्यक्षेत्रयः क्ष्रन:तु:र्षेन:र्क्रन:र्नेव:न्य:न्धेन:यशन्धन:याव:न्य:न्धन:चु:योव:वान:या नुधुन्यायग्यायस्यन्त्रः श्रुवाद्देश्वरावेयाचा वःक्रुन्तुः व्यन्यस्य

ग्रेंग्'त्'व्य'ग्रे'त्यत्'व्र-'व्र-'व्रक्ष'व्रक्ष'ये'त्यत्'यर्व्यत्व्याय्वायात्र्यः यान्त्रम् मुना ग्रेका गुना के रहेर हो। वाक्ष्रा नुस्याय मन लेन सुका यम यदेव'यर'शुय'य'भव'शुवायायाया व'क्रुद'तुस'र्सेग्रास्टेंश'रूसस र्रो दे व राष्ट्रे रा क्षुर्-च-क्षुर्-र्र्मेर्-पदे-र्कर्-सक्तुय-प-स्रोव-पर-त्यूर-त्य। देवाव-त्रुस-प-रदर्देशवश्यदेव र्भेद्रायव। अयात् र्भेषाश्चिश्यविव श्वेश्यदेव स्ट्रिट रुप्तर्रार्थेट्र विष् विः क्षुर् पर्वे प्यासे पर्वे वा पर्वे वा विषय सेर् या यदेव गिर्व अपन्ते प्राप्त के देश में विषय के प्राप्त के अपन विषय के स्माप्त के अपन विषय के स्माप्त के प्राप्त क्रॅंदर्या बेदर्वणा देर्विव केंद्र दुर्वणू रहे। देरद्दे क्रॅंदर केंद्र सुवा करणी युग्रम् यदर में ५ दे। यदें यम। भेर या वसमा उर में र पे में र या में। विं केंदे हेंद या सहित्र वा उत्तर समा ग्रीका विका महद्याया येवित हैं। <u>|</u>मालकः धराँकः नुसास स्थेतः स्थाने स गुवःहें न पदेव पर दशुर हे पदेव महे बाब हर दह्या थे और दें। हें य हु र्षे द यश षें द र्शे से र्केंद न्या गुर्व हें य से यदेव यवद दे दिर वर्दे। ୲୕ୢଽ୵୵ୄ୕ଽ୕୩ୄୢ୕ଽ୕୕୕୵ୄ୕୵୲ୡ୕୵୲ଢ଼୕୶ୄଌ୕୵ୖୄୡ୵ୖୠ୵୷ୖୢୄୡ୵ୖୄ୕ୡ୷ୡ୲ୡ୲ देॱहेंग्रह्मायाये:खुव्याउत्राक्षायाक्षायाव्याविष्यात्व्यायाः देख्याक्रियाक्ष्याः इ.स.मुक्षायाविष्याच्याः क्रेव यं क्रिया वाक्ष केर वे चेना मासुसा द्वान सेंटा यदे त्यसा तुः दर्ने दः ग्रीसा क्षेटा हे से दान देना वे ।

प्रमाना वे। बुरायह्याः र्ह्यूमान्यायमा स्मानावा सर्वेता स्वार् सूरा होरा छे। तर्विषाधिव पर्दे हिंग्रा ग्राम्य तर्कवाव। हिंद केर डेशपा शहर हुर होर यदे केंब्र विवाय त्व्यायका स्ट्रिय यम क्रिया वर्षाय क्रिया न्यायाः बेयाः ने विष्याः ने ने निष्या विषयः विषय ग्रुं अप्राची व्याची स्वाप्त द्राहें हे वेगाय दे न्नूय श्वर दर दे से द्राहें हे बेग्'यदे'र्र्रायमान्'श्रेन्'स्'ग्रेन्'त्र्रायेन्'डेस्'य्र्रायस्यान्त्र्राय त्व्यः क्यः केर्दे। । देः त्र्देशे श्रीदः विस्कारमान स्वाप्ते : बुदः तह्मा स्वाराप्ते : सर्केषा स्व श्री क्रेंट हेट् देश केव श्री क्रेंय अ देश का श्रीव सेव सेव सेव है। क्र रदावीश द्विवाश द्या थे हिंग शही दे द्वा वादा वादा वादा थे दार बेंग्बा भेर्र्न्यायानी बेंद्र्यार्द्र्यार्थे सुध्या में अर्थे दर्ख्या हिंद्र्या र् व्या. कुष. तथा. रूष. रहीर. क्र्र. शदु. ईश. रत्या. यीश. यी. लेख. यो. ये. ग्रद्भाक्षेत्रम्भे क्षेत्रम्भ प्रमान्यम्भ स्ट्रास् はひ.灯! सर्वरायमान्यस्व सुमात् हेंग्या द्वादी स्वाया ग्री सुरायमाया पहेन व्याक्षें विदेश सर्वेद व्याय देश स्वाय सुरायस धेव। दे प्यट द्यट चें ब्रेव पदे गटावग या तु अदे दें ब्रेंद ग्रेव रटा में बेसवा केंद्र क्रें से द उद्देश, यो, ट्रेंब, बट, योर, ब्रेंज, जंश, ब्रेंब, प्ट्रेंबाब, वेंब,ता, क्र्याब, क्र्य, ब्रें, न्वेंद्रश्यायोव। पर्देवायम्बाराज्य में व्याप्य विश्व मान्य विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व विया परि क्रिंत्र गुंका देंद्र ग्राया न्य परि यदि अदिव सुया हिंग्या पा प्रवा અદૈવ-શુઅ: બેવ-બદ-કૃષચા શું: ર્શ્વેક-ભઅ: શું: સ્નુવચ:શુ: ૬વે: બે: બેવાનદા

ૄૹ૾ઌૹઌ૽૾ૢ૽ૺ૾ૹૢ૽ૣૻૣૻૣૢ૽૱ઌૹઌ૾૽ૼ૾ૢ૽ૡૢ૿૾ઌ૽૱ૹ૾ૺઌઌ૽ૢૺૺ૾૾ૺ૾ઌ૽ૣ૽ૹૢ૽ૺ૱ઌૹ૽૽ૢ૾ૺ ब्रॅंट य क्रेंब केंट कें तरे र केंब अर्केन य नव बाय ने क्ष तुब गुर । अर्दे र र यं अप वर्श्वे अप वंश कें रदे र कें अप हो पदे वर पर अर्दे वर शुअर ही पर खें दर गुर [यम्दर्धंयावसम्बद्धं मुक्तिम्से मुक्तिम्से विकाले। ब्रद्धवादे विवाले गुःष्ं 'स्यार्ड्य'दकर'चयर'। क्षेत्रश्च क्षेत्र' क्षेत्र' यस्यार्थ'ययाः हेस श्रेव पर में श्रेष्ठ्या दे पर्दे अदायहण दे से समा में से दाव में दे से स ૱ૹૄૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣ૱ૢૼૡૹૢ૽ૹૹ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌઌ૱ૹૹ૽૽ૢૼૹૢઌ૱૱૱૱ गुरार्धेदावश्येदाकेशयद्विद्वादगादावश्य श्रेस्रश्चेशसेदादुःगाह्वायाया यायद्री क्र्यां अंदर देश ट्रेंब ट्राया अवर व्याप्त हैं मुका यादे वियं आवका लेव.तर. इय. इट. यहूच. वट. जंबा वीट्य. ता. तांवेव. वूरे । वह. जूरे । व लटा क्रुंबावशबाक्ट. पटार्ट्रबावबाश्चा क्रुंदाचर विवासियाची क्रुंबा वस्रश्चर प्रतायिव द्वराद्या साधिव प्रमारम् सुमाने। प्रदार्देश व्या हे हिरादा यः मदः प्रवितः इसः द्रणः उद्याप्य हिंदा प्राथम। केना वस्त्र स्वर प्रवितः इसः न्यासेवाया परेवाशुपारमापवेवाद्वसान्याधेवावसा ने हिंदापदे हिना यदेव श्रुया अपन्या राष्ट्र त्या क्षेत्र त्या दे से दाया स्टाय तेव स्वसाद या प्रेता यम् कैंभवसम्बद्धान्यदेव स्वाप्त से द्वार्थ स्वाप्त से स्वाप्त से से स्वाप्त से स र्षेरःश्री वर्षाःयः श्रुयः दहितः त्तुयः श्रूरः धेतः यश देः श्रेरः यश र्वेः र्षेरः दरः वनायः र्सुत्यः देशः सदः प्रावेदः इसः द्रमा छेशः साधेद। युसः श्रीमश्राक्षेत्रः मावदः शुं क्षें वश्र स्ट प्रवेत क्या द्या प्रवेत शुं। स्ट मी टें में स्ट प्रवेत क्या द्या भेव पर त्यूर भेंगवाकी । । धरा देव द्यापर भेद पका भेद की भी

कॅर्। गुरुःहें यः हुः बॅर् यक्षाचें र वीं केंद्र : बेर या सुर व। दर्र का खुर रे सुर विश्वास्त्रास्त्रे भुवाकायम्। विवेशक्ष्याः तित्वायाः ति हि हि स्क्षारायाः विश्वा उर् ग्रे भें र में केंद्र या महेशक्षेत्र थे नेश ग्रे खुय दु शुर पर्द महेश श्रूर उवः इस्र ग्रेज्तिन्दर्देख्याम्बेद्यान्यदेवः बेदासवरः बुगायद्दर्गायदेः म्येशस्त्रेर त्राचेशस्त्र प्रदेशस्त्र प्रदेशस्ति प्रदेशस्त्र प्रदेशस्त्र प्रदेशस्त्र प्रदेशस्त्र प्रदेशस्ति प्रद र्देव येव या ५८। १दे:ख्य:५अवश्य:गुव:५८:च्य:घःवाढेश:गःह्व:बेट:येव:घर: निषान्तरम् यमार्सेटायाकेटाट्टाट्रियास्य उत्तरम्बन्धायये से स वस्र उर् त्य क्र्र र दरेयका ग्री क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र या वर्ष या दरे तर क्रू यदे न्तुः अप्याने है त्रेन धोव या यह गायर श्री अपने गा कु कार्रे व कू र्या अपया न्यामीका ने र्र्जेयात्यायका येवाया स्ट्रम्या याले स्ट्रायमका श्रुप्त अकेना त्या चर द्विष्या तच्या स्ट्रेंचया चर्डा या स्वाया चयस उर गी सार्वे र में र्वाक्षरायमात्रम्यात्रम्यापाद्रीत्रात्रम्थ्रयात्र। श्राम्यव्याममात्रम्या बाद्यः क्षुत्रः तुः व्याद्यः विवादेवः तुर्धेतः ग्रेकः तुध्यः ग्रुटः व्येतः या स्रोवः या स्रा नेश्रायवदाम्बेगारु: वें ने कें कें हो ने ने ने या या यो ने स्याय गुनारु बुवाची वास्त्रन्तुः विन्युदार्देवान्यायमः विन्यमः ये ह्विषायस। येने नद मालव परे प्रकार्यव से रद हो। दरे राय में पार्यव कुर्ये र त्या के मार्थिक तास्रीरायदे हो मा इंग्यमानावन हें राया हे माना निम्मा निमा निम्मा निमा निम्मा न र् ज्ञाताक्षे। गुरुषाक्षरायम्यायादे रे व क्षरायदे गुरु हैं या वस्र संस् ग्रीस विंद्र में भ्री केंद्र दे। विषय सम्माय प्रते विश्व ग्री दिस में भ्री केंद्र व्या दिस

वश्रभे ह्रेंद्र बिद्र दे द्रण देंव द्रभाया धेव श्री श्रव हेंद्र भेव प्रश्नेंव द्रभा यर वित्र यश वित्र बेर। रटः ह्रेंटः यदे खुग्रवायः पेर्व द्रायर सेर्यः यः वः ह्रगः यवा देव द्रा यर खें द प्राये के बार हो द या वालव हैं द प्राये खुवा बा या दें व द या पर येद्राव्यावार्ह्स्याद्रा देवाद्यायरार्षेद्रायार्देवाद्यायरार्वेद्राया म्रिंभःम्। । मर्त्युवाबामवायवानुःवाब्ययान्नेः मराङ्गेराङ्कावदेः खुवाबाङ्गे। । भ्रिः याम्बनः हैंदामें देव द्या<u>ञ्च</u>तार्ख्यादे मावका श्वदायाद्व से। यद्यवाची द्वादा रु: नुश्रायदे। देव द्यादि देव द्यादि द्या देव द्या देव द्या द्या देव द्या द्या देव द्या द्या देव द्या द्या देव सेर्या भेर्यायार्वेदार्माय्यास्य मुद्यायारे देवा भेदार्वे । १८दे मिहेशामा गुर्देन न्युंन चेन ग्री क्रिन स्थापित ही। स्टामी दिन्दी से क्रिन स्थापित श्रेव र्वे। । देशव नद्या यहेव गढ़िश ग्री ग्रा मुद्र सुय नद्या गढ़िश दर। देश'वश्चेद'यदे'य'दग'वर्षिर'वदे'श्चर'व'वयशउद'गुव'हेंव'श्चे'गवश ब्रूट्से सञ्जून है। यद्या सेट् यायद्या विद्यार ब्रूट्य द्रा द्रा रूट यंत्रेव गुरु प्रमाण्य स्थाप स् सेन्सुटत्द्रकामुं केंबाद्वस्थार्देव न्या बेबा द्वा हो। सार्ध्या बेटा याववा क्रूर्अञ्चत्रायदे स्रेरिनिन्ना सेर्यायान्ना सेर्याया राज्या र्रायित्र द्यायाया द्याया स्थापत्र स्थापत्र स्थित स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र स्थापत हेव विदुर्ग श्रूर य यशु अदि य गुव हैं य दर्ग देव देव य य र द्युर वर्जेन तुं येन यं वेश सूर हें र वनेव गठिश सूव र्थ ग्री नवर तु गुरा वा

न्गायदे अंनिराणे के अपी केरा ताला र निर्मास के राम हो र मार्थ के र श्चीः भ्रीः क्षेंद्र या आधीव या भागविकार मानिकार के विकास की विकास की विकास की विकास की विकास की विकास की विकास र्देव न्या यहें मार्ख्या माउँमा तृ यशुयाव शायव रख्व से न्या श्रुव मानव सूर रूरमी खुम्ब गुर से त्युव हो। सुब हैं व हि वहें मा छे र रें ब र स र छे र रेग्रां भेत्र त्र रेग्रां पार्रा अभुर्दा भेरा मुद्दार् सेग्रां स्वारा सिंदी स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा शुं र्ह्हेट पर विश्व येव दर्वे बाग्री से ह्हें दव। पर्वा विवाग विद्या यदर से ऄॗ॔ॺऻॱॸॖऻ॓ॎ ৠॖॱॸ॔ॸॱऄॱॳॖॺॱॶढ़ॱॶॖॏॱॺऻॸॱॿॺऻॱॴॱॺॸॱॿॺऻॱॺऻ॓ॱॻॸॺऻॱॵॸॱॻॱॸॸॱऻ ञ्जाप्तरायो ने रायपेत युवापे केंद्रायप्तायत या से वाप्त से प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त रेग्रम्परेत्रह्ग्।याञ्चन्येन्यस्यस्याय्यस्यन्यन्यायारे विष्या लर्वास्त्रस्तिकात्त्रं स्रूर्याच्यतराचन्यायिका मुन्तः स्रूरः यमः त्याचः चै। |घरेब'गढ़ेब'ड्रू'घ'रे'रग'गेब'गुट'र्छेब'द्यसब'उर'ङ्केट'ड्रेट'ड्र्ट' उट्ग' र्श्वेश यथ र् प्रश्चेत य वया यह से श्वें न यर र म्यू य गुरे। सञ्चन सं सञ्चन शुं नियम तु शुक्रा यदे यदि निवेश वदे । यद । यका येव देश धर-दर्शेशकी वव्याञ्चर भेव मे प्रवेश में भेव प्रवेश में प धेव के नवें बाहे। गुव हैं यान्य देवान का यावावया सुवाबा हो केट के कि दंदायदे र्स्या महिना यदे सार्दे प्राचे प्राचित्र महिना से महिना सु त्यभायवित्र केंबा वस्राय उद्देश दाराय शुर्वा वस्रा देते हे बा शुर्वा अवाउत

वस्रश्चर्ग्यी केस्रश्ची केंब्राकेर्ग्यी र्वेद्रश्चरित्र प्रेने प्रमित्र प्र षे क्ष्रम्भी विश्व मार्थ मार्थ क्ष्रमार्थ देश देश मार्थ क्षेत्रमार्थ क्षेत्रमार्थ क्षेत्रमार्थ क्षेत्रमार्थ क्षेत्रमार्थ क्र्यांबाकुबायात्रासुद्रबायादे देवातु वाबुद्रबा दे सुरावाबुद्रबायादे तद्वेद विस्रश्यें व निवासी द्वारा में द्वारा विस्त्रा के वार विस्तर के वार विष्तर के वार विस्तर के वार विष्तर के वार विष् यीवाव। इटार्नेवायीवावाकुरान्नविः सटार्क्षणा इटार्नेशासुः वर्णाया देसार्नेवा धेव हे नुम द्वा ह नेया प्रदेश विष्य होते हैं मान तर है मा से प्रदेश त्यम्बिन क्रेन हें नहार मेन हात होता है। विश्वेन प्रमाण प्रमा <u> न्याः अद्यत्त्रं तुर्वा चुवा ची । विषय विषयः चेवा यव विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व</u>िषय ฃ๊'ฅ฿ุล'๚นิ'ญัรัx'ฅนิ'ळॅब'इผล'ๆฃ๎ฅล'ณ'ฒ'ลฺล'ฌ'ฺผฺลๅ यत्वेव द्वयः प्रमाण्येव यस यस्य यस्य स्टाप्टा वमा सेप्र से मावस यदि सुर वर्षामुर्धेव प्रवाधिया वर्षे वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र व वन्यास्त्री स्टान्स स्टानी केंबा के द्राया स्वाप्ती नाने नावा के दाने से हा मुद्रा र्डम्रासेन् है। क्रेंट्र हेट्र हेट्र म्बर्य प्येत्। ट्रेंस्स वसस उट्र ग्री प्ये विम मिले भे मिन्स स्वास भेता इट यह मा यदेन या दिने से से प्री मिनस युग्रास्त्रस्यागुत्रासर्केषाः भूतः ग्रीः र्हेट रिट्ट प्येतः य। दे र्टिट रिट्ट ग्रीः श्रीट रिट्ट स्थी यावर्यायान्द्रा श्रीत्रा क्रीत्रा क्री व्याप्त क्षेत्र श्रीय प्रिक्षेत्र या दे हिंग्रा यात्रा वेग केव प्यया गुं भें व हव वस्त्र उर द्विर या भव र्वे। प्यम केंव हम ब्रुव् ग्रे.सं प्राचारा बद्रास्व कदा श्वरा ग्राप्त विष्य स्वाप्त वा क्रम्बर्गी बर्जिम्बर्गिव प्रित्। दे ब्रूट्य के ब्रह्म ब्राजिन दे बर्णे वर्ष दे'पवि'श्वप्तः अवरः व्यापि धेंत 'प्रतः श्रेंपका श्रेंपका क्राका क्रुका ग्री केंका क्रु

अर्कें अर्देव रु त्युर य वे र्वित्य ग्री भेव हव हेर अर्देव रु ग्रूर य भेव ঘষা বেই শ্বমেন্ত্র রাশ্রী ইলাকার্নির ঐর শ্রী কর মমর্কিলারা শ্রী মার্শের দি 🕆 बदबाक्कबायदेः खॅवानुवादार प्रदेश केरायदेः खेरार्ये। विरावा विषया ब्र्याबा अप्रवास्त्र व्यास्त्र में अप्रवासी मुन्या प्रस्ति वा प्रस्ति वा प्रस्ति वा प्रस्ति वा प्रस्ति वा प्रम ५ त्राचित्र व्याचित्र व्याचित्र विश्वा क्षेत्र विश्व क्षेत्र याधीत्रकार्धित्रदे। विष्ट्रमार्केकानेत्रमीर्धेकान्त्रकार्धेकान्यकार्धेत्रका र्थेव प्रवासी क्षेत्र के कि का के कि का कि क ये विदाय मञ्जूष राप्त विदाय स्वाप्त विदाय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स यास्त्रिं शुरुष्ठिं तकरायान्यत् हो। स्य शुरुष्ठा शुरा श्री ग्राया वर्षा देवे क्तुर्यार्षेर्पयारे क्रियायशायस्य ग्रीर्षेत्र प्रत्यारेत्र तुर्धे क्रूर्हे। देरस बर देवे रूट बेस व की केंबा के दा कर मुन अर्केंग ख़्व की केंद्र केंद्र खेंद्र कुट सर्देव दु से त्युर व र्षेव प्रव से त्या सर्देव। देवे हिर सर्देव युर दु से दार वर्रे या नम्भानम् क्रिनमान्युः क्रिन्रान्युः क्रिन्यां क्रुं उद्यार्थे र में म ने तर्भा विश्व श्रेयश ग्री प्रेय व श्रेयश प्रेय र्स्ट हैं प्रश्ना पर् ही न रहा त ब्रुटान्गदाय। ब्रेटामहेशनमाक्ष्याचन्यस्य ब्रुटार्स्ट्रेट्य ग्रीय सेयय हेन र्रमी बा हो दार्थिव वा वर्षे वित्वा या हु बा मी दि है वित्वा मी वित्वा मिल यम। श्रीव यते शु रुप्ते रुप्ते । विदे क्ष त्ये विद्या विषय । श्री सम्मारी सम्मारी सम्मारी सम्मारी सम्मारी । देंद्राम्बर्यम्बर्माः बेसबाम्बर्द्यायादे प्येत्। दे त्रसाप्यम् कुतः कदाया सेदः

लर्देन्द्रें र्ह्नेदायमान्स्रेम्बासासर्वामानायदास्त्रेन् गुरा हिंदासुदास्रेन हे सक्त संसे र परि र परि र प्राम्य प्राम्य विष्य क्षित प्राम्य स्था स्थान क्चूर ग्रे मिनेवाबा क्षेट या क्षें यवा यहते थे मेवा अर्देव शुर तु सेर या वे यन्याः उयाः ग्राम्य दिन् देन देन त्रु यो द कें अ ग्री पें व फ्व द वे द अ दे । बेदायाबेदागुरा। बर्देदातुः बेरव्युरायदेः श्चेयायार्थेदायदे ध्वेरार्दे। । विस्रह्य र्रामी दें दी अर्था कुषा ग्री खें व प्रवासी खेव सेव वा दे वह वे विस्थान थे द ग्रम्बर्वा मुक्त ग्री सेवाका खुं को त्या प्राप्त हो। क्षेत्र मुक्त प्रवेत हो। दिवाव क्रिका শ্রুমা-শ্রমশর্রেন্ र्वेटबर्दर्वाबयायम् स्टाबुट्ये वेबर्बम ग्रम्भयायम। पर्नेम्निम्बाङ्गिरार्धे विश्वायाङ्ग्रम्भार्भेता विश्वायाङ्ग्रम् য়ৼয়ॱয়ৢয়ॱয়ৢ৾ॱঽ৾ঀয়[৻]ড়৾ঽ৽ঢ়৾ঀয়ৣ৾৾য়৽য়ঽয়৽য়ৣ৾৾৽য়ৢৢৢৢঢ়৽য়৽ড়৾ঢ়৻য়৾৽য়ৼয়৽য়ৣ৽ঽৢঢ়৽ঀ৾ र्मनश्चरः। सदसः मुसः स्रेंसिर्नु स्थित। सदसः मु: र्रः प्येतः प्रदः ૡૢૼ૱૱૽૽૱ૡૡ૽ૺૹ૽ૼ૱ઌ૽૽ૢઽ૽ૡૻૹ૽ૣૹ૽ૢૺૡ૽ૺૡૢઽ૽ૡૠ૽ઌૢ૱ૹૢ૾ૡૡ૽૱૽ૺ૱૽ૺૺ૾ૺ૽ૼ૽૽ૼ त्युरायेर्'येव'प्रवासी । सूरार्ख्यायायविश्वायुरापते वासूर्'प्रहेर्'रुटार्टे *े*। दे. प्रदेश. श्रद्धाः स्थाः भ्रु. द्रयात्राः प्रदेश स्थाः प्रदेश स्थाः प्रदेश स्थाः प्रदेश स्थाः प्रदेश स्था न्नु ये ५ न ५ न १ में শ্ব্বীমের প্রমান্তর বিষয়ের প্রমান্তর করে বিষয়ের প্রমান্তর বিষয়ের বিষয়ের বিষয়ের বিষয়ের বিষয়ের বিষয়ের বি बेग'गंडेग'त्<u>य</u>्यप्यंत्रं मंत्रद्र'धेत'या र्हे'हे' बेग'यर क्षेत्रकालेद'ये सद्सः मुस्यते यावदः यादः यदे । यद्भाया । おめて、口美り म्बन हैंदर्य अंडेवा वें अप्याञ्चराय। हैंदर हेद्र केंबा उव विदेव शुवा पव यम्बर्या देव न्यान्धेन वेन यो र्क्षन सम्मुन यान्या न्यान्यान्या

न्धन् पर्वेन् न्द्रा हेन् नेव अव पर्वे भी स्वाका वालवा विका न्नुम्बान्धन् पर्वेन खेत्राने नुधन् से पर्वेन पर्वे खेता हेन्य यदे हिन। विनः हे देव दर्धे र र्कर अयद्य र पर्वे द र र अयद्य र पर्वे व रेग्रायदे दर्ग्रायवर रो। व क्षुत र्धेत् चेत् ग्रें क्ष्र्र स्या गुराय दर। न्भेग्रयम्प्रम्। न्धन्यवेत्रम्। हेन्देव्नेन्यक्रम् देशसुदायार्सेम्बादावे में पहेंचा ह्वापाया देश हा सुदारु से दायका से वाद विकास यायिवेदावें। । मावदाया क्रिंटावेदाकें शास्त्रा देवाद्यायर विदायर देव'द्रअ'ध्रेव'र्रे'यां यम्'हेंग्रब'यदे त्वेदे'ख्य'दु'र्षेद्र'यदे' ष्ट्रीमानेमः वया वयम्बाद्याद्यात्रम्भायात्वमामो खुयायेव प्यादे ख्रिमा खुयानु ब्रेन्द्रासुयाबायेव प्रमाद्युमर्दे । । देश्वम्याय प्रवाय केंबाउव। वः [૽]ૠૢઽ૽૽ઽ૽ૡૻઽ૽ૡ૱ૡઌૣઌૢ૱૽ૄૼૼૼૼૼૼૼૹ૽ૢ૽૱૱ઌૻૼૺૼૼઌ૾૽ઌ૱૽૽ૢ૽ૼઌ૽ૡઌ૽૱ૢ૽ૺ विवर्ते। ।देशवःश्रेंदर्वर्द्वर्द्वर्द्वर्ययमः विद्यर्द्वर् देवर्द्वर्यद्विदः विदःग्रीः क्षदः स्रमः शुप्तः प्रदेः ध्रीयः प्रदेशः शुप्तः हुः तशुप्तः देवः त्यार्वेव त्यायायव यमा गुवार्हेच हु वया व त्रा क्षिर के त व देव श्वायाया षवि'यरस्थानिव यरस्युवायराद्युरस्य । विद्रान्निवन्यायदेवस्थानिवान ब्रुन्-तुःचब्रुः से वक्कुदे र्ने ब तुःचर्गेन त्या यने ब शुयः वे से व्हेंन यदे रेने व से ब

र्वे ऋ्र अत्। क्वें द के द त्या व्यव्य क्षें द गुव के द त्य क्षुव व्यव्य क्षें द य र की त्यु र है। क्रेंद्राय हेंद्रायका से तद्वाक्षी यदेवा सेदायादेवा सेदाय है ग्रामा ग्रामा यदेव से द भी प्रत्य स्था से स्वत्य या यदेव से । । या बाद प्रत्य यदेव । यदेव यम शुयाया अप्येव यम ख्या वर्दे द प्यंदे हुमा वर्दे द वा दे रे रें अ उव। क्षेप्यदेवप्यम्श्युयायम्बय। यर्देन्द्रमेश्वर्शे। क्षिप्यदेन्द्रवायदेवः शुनः हुः चयः है। यदेव : येद : र्ह्नेवा : र्ह्याय विव : वेद । विव व : यदा । र्ह्नेद : वेद : गुव र्देव गर भेव। गुव हैंय भेव व र्देव द्याय गर भेव से र पर प्रस येव् दर्भेश्वर्शे । गुवर्हें वर्षे दर्भे देव द्राये द्रायम विश्वर्थ विवास यांत्रेश्राचेत्रायात्रा। ते हें वाश्राश्राचेत्रायात्रा। बुरायह्वाचेत्रायारयश्चर रें स्वाया भुवि स्वाय प्राया । इं इंट द्वा भुवा स्वाय स्ट वी दें दें द्वा न श्चितायमायनमायाध्येताषा ने शक्षुन्तु व्यान्या ने त्रान्याध्याया ५८। देव.२४.४ट्व.अंश.ह्येब.तद्व.संस्थात्र.संस्थात्र.त्यं विश्व के त्येव विवश्येद पश्चा दे त्यदर दे त्वर क्षेत्र क्षेत्र विवश्ये |गाववःषदः। क्रॅंदःकेदःर्षेदःसेदःगाकेशःग्रीःवदःवशःगदःषेव।सेदःवःर्देवः ख्ट न्द रेग्र प्राच्यान्य निव्य वर्षेत् प्राच्या महित्ये निव्य प्राच्या वर्षेत् स्र प्राच्या वर्षेत् । वर्षेत् प्राच्या वर्षेत् । वर्षेत् प्राच्या वर्षेत् । यन्दरवित्रश्चरातुरव्युर्दे । दि र्ह्मेयाव देव न्यान्दरहेट केन येन य <u>ત્રિસ એફ નુર્વો સ ફ્રોફિંડ ગ્રે.લેયો સત્તર્સ્ટ્રેય ટ્રેસ્ટ્રેટ ક્રયો સ.ગ્રેસટ્યો સ.ટ્રેયો સ.ટ્રેસટ્યો</u> સ.ટ્રેયો સ.ટ્ર

क्षुर-रु-सेर-र्गेशयायदेव-श्वायायवेव-वेष् । । शाक्षुदे हे यर्ड्व-सेंग्रशदेव ૡ૽ૼઽ૱ઌૢ૱ૣ૽ૼૼૺઌઌૢઌ૽ૼઽૹૢઽઽૢૼ૱ઽ૱ઌ૱ૠ૽*ૡ*ૹૢ૱ઌ૽ૢૡૢ૱ઌ विवानी रिवान्यायमा येतान दिवान्यायमा विवास व र्नेव न्या यो न प्रमाणिक स्थान ग्रेअन्धन्यं पर्वेन्ने न्यायाः वस्य उत्त्वायाः चुः याः द्वे या वस्य वित्र याधिव यक्षाक्षां लेखा देखेव दुः हुमा ग्रमा क्षेत्र या वे क्षेत्र यम श्रीय है। सु ब्रुवाग्रीका ब्रेंदालेकानुगवादेषदाब्रेंदका विदेश्वराधी ब्रेंदार्थेदायाधीता |ग्रुद्रायाः क्ष्राक्ष्राक्षेत्रं केत्रं क्षेत्रं केत्रं क्षेत्रं क्रेंद्रपाक्षेद्राधेवायायश्चां अपदिवायशङ्क्षेत्राक्षेद्राकेद्रादेवाद्यादुः<u>ब</u>्यादर्गेवा है। अःश्वातःवःगुवःह्रितःहःवयःविदः। ह्रिंदःवेदःर्देवःद्रअःधेवःयवदःवयः षरः भे 'भेर दे। देशक 'र्क्ट्रेंट 'केर 'र्देक र अ'षेक य र दर्देक र अ य र श्रूय य ब्रेंग'से'स्ट्र'ह्री र्ज्जेषा'व'नदेव'सेद'र्सेषा'मश्चादेव'श्चन'र्रु'दश्चर'न' विव। क्रेंद्रचिन्द्रिन्द्रवाद्यायावाद्यावा याव्यायदायायळे अर्थे। विश्वाददा देवादयायेवाव देवादयाय स्युवा याधेव र्श्वेष शर्वेद प्रविव र्वे। स्ट्रिंट रहेद र्देव द्याधेव यद । देव द्याप्य र अः श्वा वित्रे वेद्रायित स्वेद्रायेद्रायेद्रायेद्रायेद्रायेद्रायः श्वा वित्रे वित्रे वेद्रायेद्रायः स्वा लेव.तर.बीच.तपु.चीचेट.वी.बीट.लट.श्रुट.तर.पबीर.बीटा दयदः वैग्। पृःदहें वः श्रेः द्र्ये वायर द्युरः दे। । क्रिवा वसवा उदः रदः रदः र्मायोव यदा रम्पर्म रम्प्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र विष्ट्र वाष्ट्र विष्ट्र विष

नुअयान्तुअयां भेवाव। नुअयान्तुअयमः शुवाद्रेष्ट्रियाय। देरशुवायदे र्कन् अवर सेन् न वे बारा प्रविव केन्द्र र केन् अवर अर्द्ध र बार्श । अर्ह्न र केन् यदेव य दर से य सुर्य प्राप्त देव दुस य दर मवस स्मान संसेव वा ५८.५.४.बीच.२ब्रीब्र.५। गीव.क्ट्रींच.श्र.चट्रेब.क्ट्रेब.च.२८.चर्श्च.च.२८.गीव. इत्तान्त्र श्रूर हुं या यश म्वश्य हुं या सामेवायर वर्तेन निर्मेश या यविवार्ते। |मालवः पर हिंद हो : ख्राका या दिव : द्र अ द होंद : दरे : दे मुका : द्र का ना ना हा : विग्रा बेव त्यः पदेव शुप्त इस पर्व प्यापेग्रा प्राप्त देव से प्राप्त स गर्डिन्तुः श्वादायि क्रिंद्रिन्तेन ने वे वित्व श्वादा हु सेन पर वर्षेष्राचाये नर्धिन ग्रीकान्धन ख्या भेवाने। विंत् ग्री नेंवान्धिन ग्रीकाननेवा ग्रामानिका विंत्र ग्रीकान्धिन ग्रीकान्य विंत्र ग्रीकान्य विंत्य विंत्र ग्रीकान्य विंत्र ग्रीका विग्रायायमाञ्जूनायमातुमायाविग्रमानात्वासामानात्रामुन्ति। ने अ अन् प्रमाश मृत् तु र्षेन य मुस्या ने व नहीं न श्री मानवा ख्या सेव यर्भे वर्रे ५ ५ मा दे प्रवित ५ हें र ने ५ ने । ह्यू र देव ५ ही र ही न ही न साधिव है। दें वें क सेदाया विवाद व्या के देवा का स्वाया स्वाया स्वाया था मु: येर प्रश्रायते क्रें प्रश्री पर्याया में रेग्याया ये प्रश्रायहण हेत त्र या प्रश्री द्वारा येत संदे हुँ र हेन तमुहामी देगायायायायायाया हे महेन से हिंदी स्थान य। श्रेक्ट्रिंचरण्यास्त्रीत्र्युवाक्षे। देवेट्ट्वित्रसण्यक्क्रिंद्रायास्त्रस्त्रीत्रत्तः श्रेहेंदयम्ब्रिंगयां अधिन्दें। विश्वस्थर्ममान्यनुर्वेशस्यान्या

देराबरादेवायाहेवायादराम्याहे केंगाया हेवा केरा वक्रेया प्रबा बचा देवा न्तुः अदे : श्रुपः अवदः दर्केषः विदः श्रुः पः यः नगदः पः अदः प्रेंशः पन्ते । अदः स गडेशक्षुःच बुद्दाव सामावव क्षेंद्रा खुमा सामी। प्रसायोव की वात्तु र मा सामा सीमा गडेग में बा ब्रा नन नर रहा क्षेत्रा र्वा नर रहें र बर नका केंगाया वकेवान्यानु में दाने ने वाया वर्षे प्रमान्या केवा हे या वाया विवास केवा है या वाया विवास व याने निषामी बायवाद्देश मायने विवासाया सर्व मासी बारी विवास व वस्रभाउन्द्रमायाळसेन्येन्यस्य प्रतिस्युतातुत्वयुत्रस्यावेरावस्याययुत्रः हेन्यायानवः सैनायार्नेवः न्यान्दीनः होनः ग्रीयाशुवः याः स्रोवः ययार्नेवः न्यायमः भ्रीत्यूराय। ग्रेग्,र्व्यास्म्यस्य स्थायह्यायारारे त्यार्रे त्रि,र्व्याया द्धर बर सेर पर सर्वे हेश ग्रैश्रुर्र्ध्रियस्मुत्रायस्र्रेवायस् ग्नियां मी स्वापित के देश में स्वापित के प्राप्त के प्र ने के मन्यास न्य रहा का नेवा नया नया हैया केन केन केन स्थान नया नया नया तसम्बाद्याद्यात्रे अनुभावन्याः मे निष्ठे म्याद्याया अवाद्याद्या अवाद्याद्या अवाद्याद्या अवाद्याद्या अवाद्याद्य ळॅगः ह्रार्ययदायाय। । व्याप्तवादिवाद्यादिवादे । अर्थेयाद्वेष्यायाः । अर्थेयाया रुषाळेंगायायळेयाववार्स्रिगवायहेवाण्ये। । शुपायविराष्ट्रायादेटावटारुषा व सरा । दे द्या केंग या दकेया विराङ्का या द्यारा । सराके दिवे व उंदर याववः नया छन् : नु या केंन्। विष्यः अद्योगः दहेवः कवा वा व्यन्यः स्टा से नः दिन मा | दे. प्रकार् अप्यार्थे द्राच्या अद्रार्थे प्रकार | विद्रार्थ प्रकार विद्रार्थ विद्रा यशमधेयाशुरायश । वयार्देवाधीः विश्वावयार्देवाशुरावरार्द्वेश । दे प्रदादे

त्रक्रमायाम्मान्यात्। त्रिःसम्बुनाग्रीत्रस्याम्मान्यासम्बाधी |पि.चेय, चणे, जात्वया कुण देवी बादा खुटा | विस् टि.च श्री जादा कु अर्थे राश्चे बाव र षदा । विदार्सेदे देव यार्गे क्वेद विवाह कुटा । दे दर्दे दकद हैं दरे प्रय द्यांश्रायः खुरा । द्रायश्रायद्यादेवः भेश्रायः तयादः श्रेदः व। । देवः खुरः क्रेयाः योः यहर्भुं अप्यवदादवार्ज्य। विक्रां याज्या कुरायेवा क्षेटायें राया ये द्रा <u>।</u>क्कुःयाश्चरः स्रेंग्रथः शुःचन्डरः याः योडेयाः योः र्देत्र। । ४८: योः क्कुरः त्यः श्कुरः छेः रेतः यश्रमा भूति मून्यायस्या स्वरास्त्र स्वरास्त्र मुक्तरायमुरा । । प्रयायम् राप्त ल्रात्युरावरावेबावुबावबा हिनार्छ्कानी मुलास्याद्धाः बराया हि चर्यायः वर्षा क्रेंद्रायकां क्रों खें हो । क्रेंद्रा चर व्यवाय । वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्ष चुदेळें अद्मर्यसम्पर्टरम् राज्यस्य । । ने नि नि ने से नि ने से नि स व। क्रिंट-५८-क्रूट-च-दगवाक्य क्रेन-४८-मीकार्ये क्रिंट-क्रेन-मानव-धर्वान्द्रव-दें रे'सेव'वस। । यदेव'सेद'खयद'विया'याडेक'यर'दिद्व'य'दर। । ह्रिंद'हेद' यदेव'यर शुव'गुर'रे'लेग'यव। । श्रूर हें र बुर दु र द्वा यदे देव यश्चा विश्वादादे स्वि प्रव दे विश्वादायायाया स्विदा | दि स्व व स्व स्व द स्व व स्व व यम। व्रि.ज.र्गयः इसमाञ्च क्रिंगमा क्रियामा विष्यास्य प्रविमान र्नेत्रायामधियायदे हु। । यदे द्रायदे यदा इस्रमाया समासे मासेता देवा । वित्रा यातर्वेषाष्ट्रीयास्त्रस्याप्रस्यात्रस्यात्रस्यात्राची । तिर्देश्याद्वेषायास्त्रयास्यस्यात्रस्या | भुग्नात्रात्तेः त्रु:पदे:र्ळेश:पर्ञे:ष्ट्र:पर्यो:प्रयापश:प्रयाप्तेश:प्रेश: यावरुष्ट्राची प्राप्त विश्व प्राप्त विश्व विष्य विश्व यदेव ग्रेक प्रचेत्र से प्रक्रिय यथ महत्य प्रविय पर्ये व प्र १५५५मा

यहरवशारे के यंद्र ववशक्षा रट श्रूट र्ख्य अधिय तर श्रूट र्ख्य स्या उव मिलेशाया देव द्या विकास द्या अध्वा प्राचित स्वा स्था स्वा स्व ग्रिंशगाःगुवः हें यः हुः यवगुः यः वै। वः श्रुदः दुः यशुः श्रेषः प्रश्रुदेः द्वदः ग्री शर्देः क्ष्र-तिर्मान्निकाने। देने तदेर-अञ्चन शुप्ता अञ्चल दिना अपन्य तर्मना हेन यायवरानेवे र्ख्या ग्रीका प्यार न मान्या विष्या यवस्य निवा न स्वार ग्रीका हिन वर्रेन्ने। वहिषाहेन स्टाषायदे र्सेदे न्यदात् वुषाना त्रुषा के वा वा विषय त्तु मर्डिमा दरा दे त्रहेंदर ने श्रायाम् हेश्या प्याप्त मायार्दे द द्राप्त प्राप्त दे द न्वीं अर्जी । वि: अर्ने अपवर्षे अपविषा सुरावः स्वा अर्थरः गुतः हैं वा अरस्य व ह्वास्वार्ट्वाद्याक्षे। देलादावाक्षेत्रार्द्याद्याक्षेत्रार्द्यास्याक्षेत्रात्यास्याक्षेत्रात्यास्याक्षेत्रात्यास्य हिंदा डेगा में अर्देन द्राप्त प्राप्त ने प्राप्त है प्राप्त है प्राप्त है प्राप्त है प्राप्त प्राप्त है प्राप् सर्व देव द्वा से वुकाय है। सक्ष्र प्रकृत से व क्ष्र प्रकृत स्वा स्था अवरः व्याद्वः द्वः द्वा विवश्वः श्वरः दयः गुवः च विवशः गुवः ह्या धेरवः गुवः । अवरः व्याद्वः च विवशः विवशः विवशः गुवः च विवशः गुवः । नेवान्यानु पर्नेन। नेवावाम्बर्धाः स्वावास्तरे स्वावासीया विवासीया सुरायन्वा ग्रे केंबा बसवा उन देवान्या धेवाया से सह्या पारे हिंगवा ग्रेवा ब्रूट प्रदेश दिन प्रदेश के अध्यक्ष अद्भाग स्ट स्ट्री वा क्षुट न्धेन् चेन् केन् केन् स्रान्धन् व। श्रुन्य भेन्य के श्रेन्य वस्त्र वस्त्र वस्त्र देवःत्व्यायस्य मुक्तेरायासेवावेटा। यादान्यायदेखेः वेशाग्रीः न्वाद्यस्य सुद्रः य-१८। भ्रीय-प्रश्नातश्चर-यायात्वात्रायिः ध्रीय-यनेत्र विद्यी प्रश्नाय्यः

ग्वापायर्थे। विवित्रायरे केंशा इस्राया दे 'दे त्या केंगा प्रयापदेव प्राया स्वाप डेश नुर्दे। । यर्रदेश्यरेव के यर्वे के ये यशुप्य राम्य सुप्य राम्य सुर्वे र वेदःग्रीः कद्भारा स्वादाः संवद्भी दिः स्वर्गन्य मान्यास्य स्वर्गस्य स्वर्गास्य स्वर्गस्य स्वर्गस्य स्वर्गस्य स्वर् यदे'स्याउद'यायो'नेबालेबानुःक्षे'म्बुदादिंद्व'सेद्र'यदें। सिं'सबुद्रायंत्र' वहेंव या वा क्या वे बा वे बा चु हो मा बुद वहेंव उव वें। । माव बा बूद या शुव यदेखे विका ग्रेष्या वार्कन् यदे महिन्या यस्त्र यसान्या प्राप्त मिन् होन् यो न यश्रायह्रवायायहेषाहेवायये प्रयोग्या चुनावाय स्वर्धवायये ह्या प्रवेत र्वे। । ग्वन्यक्षरसे सञ्जन यदे खुयाय र्कन्स मर्वेन्य क्षेत्र स्थान गर्ने दाया अर्थे दाव रेंगा हे श्रुवा वर्षेव श्री ह्यां प्रवेव अपनिव से प्रवेत हो। दिये श्री र ह्ये क्रुव की नगर र वुष हे नगर व के खर देश का की के र वेंटा येद्रायदे थे विश्व दर्दे केंश केद्राद्य द्वाद्य द्वाद्य द्वाद्य विश्व वि वित्रा गुर देवे खेव यश दर गरिया चे या यश क्षेत्र यदे अवित यक्के तुना ग्रुंअ'ग्रुंअ'ग्रु'र्र्'र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्य्रेअ'उव्'रुंबुद'वेद'र्घे'ह्र्य्'पर्र्ञ्र्र्द'र्घो'ह्या'पर् इंट्यी वेशकी वायश्या शुरायदे द्वया वेशवादे वायश्वर वायश्ये द्रा विद्यक्षात् रेमाञ्जीकाया इसका वा ने नियनित हैं दिका ग्री क्या स्वापका की विद्येत त्र क्रिंद्र मेक्ष त्रव्यातु प्रत्य द्वि प्रते पुराये पुराये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प अन्यम् वन्नम्तुः निर्देन्तर्तुः निर्मात् निर्मात् वित्रम् वसासायदान विते में त्रिन सेवाने। येवाव देया उन में त्रीन ने में साम स

वयायावराग्राद्यवर्षात्रिंग्रीतविदायते र्वेव देया उव तु विदायर ह्रूट र्सेन्। वस्यावतः दर्बाया ग्रुबाया या यो ह्या यदे देवा वत्या पृत्येन या नय वर् वर ने अयर वुर्वे विदेश नवर धुग हग यश र्रेन वर् की नवर र्देव न्त्रेन प्रतर त्युव प्रमार त्युम में लेव। भ्रे त्र हे निवस्युग निर्देश र्यम प्रमायेत्र प्रमायान्यामुनायत् मायान्य स्त्रेत्र प्रमायान्य स्त्र स्त्राच्या र्विद्रसामे बुद्र तहुमार्व सवर वुमा र्विट रेम्ब ग्रीस प्रश्चेत हु मेर् ला न्यर धुवा हवा वाउँवा श्रुवा पार्दे 'रेवाका या ओन 'र्ने। । वालक 'प्यम न्यम धुवा षदःचक्कुदःयःअःष्येवःहे। यशःर्वेवःग्रीशःचक्कुदःवेवःयदेःश्रेअशःउवःयःयवः यरेदे: क्रेंब: वेर:री ्र कुर: तुः अ: पश्चा ववुर: अरः मार्च्याश्रादेव: र्श्वमाश्रा म्बर्यायास्त्रमात्री वियास्त्रमायस्यात्री वसास्त्रायत्वेतात् सुरास्त्र इस्रमान्द्रम् । विमानमुद्रमायदेः द्वाति। विमानमुद्रमायदाद्वी त्रशुरायेत्वा यश्रम् श्रुरायात्रा यो मेश्राश्चार्यात्रश्रमा वतरानेते दूरायश्यायत्श्राया देवाया केंश्रामु निव्यक्षा मेरा लर.श्रेर.तपु.विश्वाताश्रर्भी। श्रेर.खु.र.संर.श्रेर.श्रेस्य.वी.श्रंस्य.वी.श्रेर.व. ववेषायमानुदायायार्केमान्वीदमान्यायायायात्वेतानुर्गाववेनायायात्वे दिते स्रेर मिर्दे : यादे स्रेश दिने स्थान स्थानी व्यवस्था स्थानी का स्थानी का स्थानी का स्थानी का स्थानी का स् योष्ट्रभा देन: ह्रेस:तस्र र्स्स स्थान स्था न्याः स्यासायास्य स्यापाया विवासी । विवासा सेन्या देश तुं साम्राप्त स्यापाया । न्दः चने विवादाः क्षेदः चेंददः क्र्यः ग्वातः अर्केषाः ध्वः म्वीः केंद्राः ग्वीः न्वीद्रद्याः ने

योव वि विकारी निर्मा समार्सेट या हो न मान साम मिन या विवास मिन पदे-द्वरमेशने प्रदेशप्रम्थाम् वर्षम् सूर्यम् स्वर्थन् स्वर्यन् स्वर्यन् स्वर्यन् स्वर्यम् स्वर्यन् स्वर्यम्यन् स्वर्यन् स्वर्यन्यन्यन्यन्यन्यन्यन्यम्यन्यस्यम्यन्यस्यन्यस्यम्यस्यस्यम्यस्यस्यस्यम्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य नियम्भिन्म। नेते सुवाध्यक्षका उन्तर्के कान् विस्वासेन वा विद्या सेन का गुर्रेक्स्निन्द्वेर्द्स्याङ्ग्रिंग्यान्द्रञ्चेन्यायेन्द्वेन्यायेन्द्वेन्यायेन्द्वेन्यायेन्द्वेन्यायेन्द्वेन्याय मो क्रुमापका येव प्रमास्याका प्राप्त । अपका क्रुका ग्री क्रूब ग्री क्रूब प्रमाशी अहा वे कु अहेव त्वे व प्रदेश विव गुरा प्रश्नि अर अ कु अर व कि व कि है व के व सदयः प्रमास्त्रीयः स्वायाः स्वायाः में स्वार् प्रमास्त्रीयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व यञ्चितः तदः श्रूपशः शुः क्रेंश वस्रशः उदः वः श्रूदः तुः धेदः यः देः हेदः देवः दसः न्धन्यमान्धन्त्राम् स्टार्ट्सन्यम् इटार्ट्सन्यम् स्टार्ट्सन्यम् क्रेंट बुट वह्म भेवार्षेन मुस्येन मुस्यु यु सेव यश्रू दर्हेट या व्या दे दे व्यासेवा अप्ताक्षेपसे विश्व अपाय दे प्रमुप्त वर्षे प्रमुप्त वर्षे प्रमुप्त वर्षे प्रमुप्त वर्षे प्रमुप्त वर्षे ब्रिन्यान्ता क्रिन्वाञ्चनाये व्यान्ति न्यान्ति न्यान्ति न्यान्ति क्रिन्यान्ति क्रिन्यानि क्रिन्यान वस्र उर् तहे वा हे वा श्रुर रु श्रुर से श्रेर पा धेव रुवे वा ग्रुर। विराद र दिबान सुंग्रामान सुन्द दुः सुन्य देश सबद विग्रामान साम्य स्थान सुन्। દેંશસી ફેંદ ગુલુવ વદેવ શુવ શેશ ફેંદ લેશ કેર વાક્સશ શેશ ફેંદ વસ્ટ્રદ शे शेट्रेंट्र प्रमानमा स्ट हेंट्र से प्टेंट्र प्रपट्टे स्मान प्राप्त हा हा हि र्षेद्रपदि देव द्यायम् सेद्रप्य यश्या स्वाप्य देव हिंद र्स्य देव या से हिंद देव क्षेत्राची च स्नुद र्डं अर्थे। दि स्नुद यदिव या देवा से स्नुद यदि स्नुद यदि स्नुद यदि स

येद्रायवत्रविष्यवादाः वः क्षुद्रः दुः विद्रायाः यवाष्यव्य दुः येद्रः येषाः क्षेद्रः यवाविद्रः अवर विगमायदर द्वार्यायमा अर् प्रत्या यद्वा ग्रीय अर् प्राथमा मालव र से प्राप्त के वार्ष के वार्ष विश्व विष्य विश्व बेद संदर्भे अप प्रदेश रेंदे केंबा केद ग्री अर्देद प्रमाश्री प्रमाश विषय हैंदि तु ग्वित ग्रेश क्रेंट र्खुव स्वादि विकायन विकाय विकाय क्रिया क्रिया क्रिया प्राप्त करा विकाय क्रिया क्र र्देशवश्वरास्ट्रेंदाव। युर्यायास्टाकेंदासे स्ट्रेंदायसायश्चरायाः स्टार्यार्झेटावः क्रिंश मालव ग्रीश क्रेंट ग्राट क्रूट क्रेंट ट्रेंब माउंग हु से तकर है। र्देव व दर् यम् त्युम् है। बास्नुन् नुस्याय मन्यो स्रो स्ट्रिन्यम स्रूसा तुसा स्रून्य विसे स्ट्रिन्य *केर-रर्नेव से मर्डमाया सूर-रर्शुर-र्से । चिस्राय-ररकेर सार्स्नेट* व। *चस* य'र्र्स्कृत्वित्र्युव'र्गुक्ष'र्श्वे स्त्रुव्यूक्ष्वे व्रम्भाय'र्र्स्कृत्वित्र्युव'हुर्व्यूक्र र्दे। । देशव पदेव शुप्र से दाय विषय थें। । दिव देशविश देव ग्रिका विषय स्था येन्त्र। बुदर्ह्मेदरनद्यनेवर्याम्वेशकरयोन्यश्यनेवरम्वेशम्बर्यन यदे भ्रुव यविष्य वर्षे र रें विष्व। यने व यविष्य विषय हो र से र शी रें विषय प्र * इंटर्क्टर्न्चेर:येट्रग्री:ग्वर्य:युग्य:दे:केंब:उव। यद्यद:पर्व:द्रःन्य:यर: वया वित्यासवया वितादा सेनाय सवया विवादा वारा स्टारी वा नेपार्वेश्वामायाधेवाहे। महिश्वामाधान्ना<u>न्य</u> सेनायदेन हो संयोजन्या न्वेर्यसेन्यंत्रण्यन्यात्रेश्यायाः संत्रायाः हेरस्य वाश्वरान्त्रात्रात्रायाः वा नदे निवित्रोत् प्रभार्थे। निविद्यार्थे स्थित स्थान ेर्र हे सेसस्पर्ययास्त्र स्वीप्ति स्वयालेस्य स्वेर हे सि सेत्र यासे प्यार

स्रेवःयः न्येरः यर्गेन् विषा विषारयः स्राधेवः व्यवश्यानः स्रेवः यः यर्ने विषाः तुषायावरायवाम्बद्धायान्द्र। गुवाहेंचान्द्रावे नेवान्यान्या वेषावा ग्र-तुःदिक्षःयःदेःबुदःदह्गःगेःदिवेरःश्रेदःक्षुदःयदेःद्यदःदुदेःद्वरःसुदः गुरुवायाक्षात्र्यम्। देशक्ष्र्र्र्त्व्याचेवाक्ष्याचेवाक्ष्याचेवाक्ष्याच्या र्षेट्रग्रुट्रा देश्रख्ट्र्स्, देर्झ्, श्रेट्रग्रिश्या, येट्रा क्रूं, मुट्रश्रेट्र श्रेट्र गुर। क्रें बेर दर्बाय वका क्रें बेर मा हे बागा सेव यदे खूर गुमाबर रु विवृद्याः भूर। देव द्रार्थे कें स्टर्भग में खुया तु गुव हें या क्षेत्र या देव न्याग्रम्भेव पत्या सूमायाभेव त्या भे सूमायतम्भेव पत्या भे सूमाय सेव यः क्रेंट या सेव यदे खुट ग्रम्स स्ट क्रुंट या विग दसेग्राय सेव है। दे र्षे र सेर पेतर सेतर मुं र माम क्षुया ग्री घर क्षर प्रति यश वर्ष है सब वर मार श्रेन श्रेम्बर ग्रे. श्रेंबर ता ग्रेव. चेत्रा लुच. तम् श्रिन् नम् निर्दे प्रमान श्रेम्बर वस्त्रवार्वेशग्रावायमास्त्राचित्राचित्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्राच्यात्राहेत्र श्चरक्ष स्थाय स्था लेवा वःश्रुन्त्अेन्यः सः स्वेतः बेरः वश्यन्यन्याः वःश्रुन्तुः सेन्यः वश्य न्नुद्रकात्य। यद्रमार्द्रवाद्रमायमास्रोदायास्रात्येव। शक्कुदादुः विद्रायास्रात्येवः बेशकित हिर्वायाय वे श्रु शुश्र वुश्र देश दे प्रविव केंश हिर ग्री मावश स्माश्र र्देव:५अ:घर:ब्रूट:घ:अ:खेव। च:ब्रू५:५:अं:ब्रूट:घ:अ:खेव:घदआ षट:व: क्रॅंट से क्रेंट में सबत प्रकार दक्षा व क्रुंट दु से क्रेंट य सप्ता दें द र्यायर हिंदायाया धेवा बेरास्या गुवाहें या पुरहें दायाया धेवा देवाद्या

यर भे क्रेंद या अ धेव केंग्रवा के क्रुवा गुद नेवा देश में ग नेवा भे त्येग या यश्र भेर देंद्रश्या विवश्यवाश्र वेर देवर प्रायध्य ख्रा की र पटर तुर्ध्य याधिवाव। ने या गुवार्ट्स वा ग्री नवरात् गुवायदे विश्वायेव निर्मा ने विश्वाय **য়ৢ৾ॱॸय़ॸॱয়ৢৠऻॸॳॱऄढ़ॱॻऻढ़॓ॳॱॻॖ॓ॱॿॗॕॳॱय़ॱऄ॔ॸॱढ़ऻ**॔ॺॿढ़ॱय़ढ़॓ॱऄॹॱक़ॸॱ विष्यश्रद्ध्यायाः यार्षेत्। याववः यदः गुवः देवः ग्रीः र्कतः यः देः देशे र्केदः स्रीः वश्रा ग्वार्क्तातृर्धेन्यायाधेवर्भेषवायायवरावित्येन्यमावयात्वरयो सुन्ये गुवःह्यानुः यो अपविवासिकार्याः सुमाववः मासुयः श्रुपः र्नेवासेन ने । नेवान्या केन्या त्रुट्य येश्वित्य प्रत्य विश्व येत्र यहिश्य येत्र यश्च यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र य उटारें। । गुनारें न महिषामा श्रेयायदे नयर तु मुनाने गुना हैं या हु र्षेत्। र्नेवर्न्यायम् येद्रासेश्वास्य गुवर्ह्ययः हुः विद्या यदेवर् शुवर ग्रीकायेद्र सेवर यः सृ त्दे क्षे त्र अधियः या के अध्ययः या त्य अदि अधि । र्द्धर्याम् विश्वार्यिदे न्यद्युश्चायश्चायेव मिविश्वार्थे । दि मिविश्वार्या धिव यस विश्वायोव द्वीं श्वाया विश्वाया योव श्वायो श्वायवि यावश्योव शेर स्वाया गर्वेशगाः भेवः व। देःग्वेशगाः भेः त्वद्यः संग्रशः द्वरः वशः व्यवस्यः गुरः क्क्रीं वर्षे द्रायशायश्योव सेंदाया श्रीदातु क्क्रीं वर्षे दादी वर्षे वर् येद्रावसायेद्रागुद्राञ्चयायद्रे विसावसाञ्चराचये क्केंद्रायसाय येव र्सेम्बरम्बरम्य प्रविव र्वे। । प्रदेव मिनेबर्रे में मिनेव प्रविव प्रविव प्रविव प्रविव प्रविव प्रविव प्रविव म्बन्धस्मन्यायान्त्रम्बन्धः द्वीराधेनः धेनः छन्। देवेः न्यर-तु-नुश्र-हे-वी-पश्च-येव-क्ष्र-व। गर्वेश-सेव-तु-पश्च-नुर-न्वीश

या ब्रॅं ब्रॅंदे निबाये व क्षेत्र हैं। गुवाहें य हु यें दाय दा पदेव शुपा हो ब शेर् या महिन्ना मा शेव व इं अदे महिन्ना सेव रूप तम्य प्रमा नर तम् र [मिर्वेशनास्त्रमञ्जूयायायेवायमार्गे ख्रुयाव] सुर्धे यामवेशनास्त्र मह्यायर में दर्भे राजा दे स्वरंत है अ महेश यह सुनायर सुद्धे अ यविश्वात्मञ्चार्यते द्वात्वरायदेव यविश्वार्थे श्रीते द्वारायश्चर साम् र्ये येत्रयम् वर्ते व विश्वादि स्ट्रिं ये विश्वादि त्वाया वर्तु व व श्री सञ्जादा यश्र नर्वेश्वर रें व्यवस्थित हैं। । इस्त्रेन व्यन्तर सेन्या निका यंवामानेबासेवामी सम्बद्धान्य स्टान्तिबालेवामा देख्याची सम्बद्धा र्बेशयायश्यायद्यायश्च यदेवागविश्वाधेशका अञ्चलाय सवदायवी ग्राम्या सेत्र प्रमान्य वित्र से प्रमान्य वित्र वि व्याविषाः भेंद्रायाः वेषावायायाः यादाः याद्रायाविष्यायाः विष्यायावायाः विष्यायावायाः विष्यायावायाः विष्यायाः व व्ययः र् केंब्र कें। यदेव गिवेश र ये र ये र ये र वे व ये व य य य देव गिवेश ये थे र दर्गेश्वाया गरिवादवावायश्यक्षित्र श्रुवाया गरिवा श्रुवायश्यका र ॱऄॕॣॴॸॺऻॺऻॱय़ॱक़ॖॱय़ॖढ़॓ॱऻॺॴऄढ़ॱॸॖॱऄॱढ़ॹॕॖॱऄॣ॓ऻॱऄॗॕॴय़ॱॺऻॸॱख़ॸॱऄॸॱय़ढ़॓ॱक़ॱ वर्षा श्रुरासु प्रविदे । तर्दे वासूर वासे दे । या स्थानी के दार द्वा विषय येव'व'वश'येव'ग्व' चय'ग्<u>यु' श्</u>च्रूच'ग्रे'गशुट'श्च'हे'चवेव'वश्येव'ये' सुट' नित्र्युनः ग्रीः विश्वायेतः गुतः वयार्वे त्र रायळ ५ : ५ वीशाया コエ यदेव:श्वाय:श्वी:[मश्रायेव:गुव:य्याश्चीशःमवशःख्याशः र्श्क्वेव:शेद:वि:वर:श्वाय: व। यनेव श्रुय अन्य अञ्चलेदे र्श्वे अया विष्य अन्ति श्रुयः यनेव श्रुयः सेन्यान्य सेन्यामिक स्थित। याक्षेत्रा सेन्यवे प्रत्राचेत्रा सेन्यते सेन्त्र से

यदेव'शुय'सेद'य'र्वि'वर'वशसूद'दर्वेश'शु। सु'ग्रुस'वशसूद'से'रुद'र्दे। विभायायिते विश्वाया भी सामित्र विश्वाया भी सामित्र विश्वाया मित्र विश्वाया मित्र विश्वाया मित्र विश्वाया मित्र विश्वायेत्र त्राय्यमा देशव यदेव श्रुयः श्री विश्वायेत्र या वित्र श्री अद्यय ग्रेशः ५८। वर्षे ५८। वर्षु ५ विष्यं अर्द्ध्य ब्रिं५ ग्रेशं रक्ष ५ श्वव व ५ श्वव व ४ . वशुरवदर। वर्वाभेरादर। शक्ष्रात्र्षेर्याञ्चरत्रभाष्ट्रीरवर। यदेव सेन रु । वर्ष मुद्र य विं वर्ष दे प्रमा सेन सबत वर्षे मा से व्रा र्देशक्षेत्रश्चीश्चातायः हिंद्रशीश्वात्रश्चाद्यस्थाने । अद्रेश्वर भ्रोपियाबाव। भ्रास्त्रीः सामाबुसाहिः तर्नावियाबाबीसाबीसाविया विवास सम्मा क्रिंबाया सेराया राष्ट्रा यहेवा शुया शुः ह्याय रासे हिंगाया वेशा गल्रा वस्त्रा उर्'रे'क्षर'विर्'यर'स'ङ्करप्यर। ह्येर'वश्येव'य'र्श्ववश्युं श्रे'रेर' चरात्मुराया दे संभवता चर्मा चर्मा सेर सँम् स जुर तु हुर चरे यंदे अनुसा चल्या सूर सेन नर या सुर दहें ते या ने सा सेन ने या नित तहा से श्चेर्यम् र्वोदश्यायं उत्रुत्वशयोत्र र्वोश्याय। युर्धार्श्वेषाश्चरायाः वस्र उर् रदा देरेंदे हैं अपा वस्र उर् रस्म अपादे सक्स प्रकार क्या दिन स्पर यविव यनेव श्वया शी महिषा सूर सेन यस महिषा सूर सेन यदि में केंन वा यदेव:श्व्या:ग्री:ग्रेव:श्वर:वे:बेसब:उव:बसब:उद:खदर:श्वर:सार्धेर:यब। बेसबाउन वसबाउन पो नबाय हो बाबूद सेन परि केंबा होने पाय हो बाबूद त्यायाञ्जातुः वयार्थे। ।दे कृषायाद्यदा सेदातुः देशासी वीयाय। द

ग्रेश्चर्येत्यर्यस्यात्र्यायत्वाग्य्यर्त्रं हे सूर्यम्भेत्। रे वेंदर्य्ये वर्षाभेर्पाया र्षात्रसर्तुभेर्पायराष्ट्रभेर्पेत्रपायवेवर्ते। । सङ्ग वै। । न्युः अदे न्युन्यः येग्र व्याप्ति। यने व गिर्वेश में विंग्य विषयः र्थेगायाशन्तायदे देवें गडेगायाने। अपस्रियान हे स्थान देवा वितर है। दे'के'यदेव'गंदेब'दर्धेद'यदे'र्र्ड्र, संबंध्याया है। गट ब्रूट वर्दे हैंदा क्रॅंट्य ने क्रूट्य अशव न्तर्तु व्येन क्रूय के कारे दे दे दे वे के के न्यर विश्व के यश्रद्राम् वृत्राश्रद्धान्त्र्यद्वाद्देश । दिः विः द्वे रायेद्राय्य स्त्रुवायये दिः विः दे वि इयाग्रद्यायेव पदे देव द्याक्षे देव मान्द्रदर पहेंद्र ये ने बाहे कें कें र्राप्तिषायी प्राप्ति । दे वे के बाद्यी रवाद्या के बाद्या के बाद्य के बाद्या के बाद्य श्रवास्त्रम्भास्त्रम्भास्यास्त्रास्त्रम्भास्यते प्रवास्त्रम्भास्य अवतः वित्रम्भा कें। यदेव सेद ग्री भेंद सबद सेवा व सूद दु भेंद प्रमा कर सबद सेयः दर्गे सःय। देः क्षः वः गवसः युग्नसः मदः में देशः वसः सदरः पविः सेयः से तुषान्। गवषासुगषायो द्वारा पार्यो द्वारा सेया यदे तुषाया से दिशी। बेर्'अवत'बेल'च'गुव'हेंच'ल'ॡेंब'चदे'हुर। मवब'ख्नाब'वि'रूर'मे दे केंबा के दाया के बाद के विकास के बाद के ब दर्वीम्बर्धाः व्यव्हें द्राया विदेव मिले बर्गी हें माधारी मिले बाह्य रहिना धेवाव। रदाको दें वें सारदेवायर घार्रा चार्याको दें से सुराधार्रा रु

क्रिंशन्तुंन्रायाञ्चरायदेःस्टायदेवार्यन् यवश्रास्याश्रास्यायाया ॻॖऻॾॣॸॱऄॸॱॾॣॕॸॱक़ॗॸॱऄढ़ॱय़ॸॱग़ॗय़ऻॎॱॱॱॕॸऀ॔ॱॿॱॸ॔ॸढ़ॱॕॕॱक़ॕॱॴॗऄॺॱय़ॱ बेश्ययदर्भी व्यापाय। यदेव गाउँ श्वाच ५५ देव व्याय उव ५ व्याय ५ |हे'क्ष्रम्भेषानुःत्याह्रम्'स्रो'ह्रम्'में'कःर्षेद्गमुम्। देदे'म्मःर्क्षेम्।ह्रम्'यमः वर्हेर्र्र्व्यायाक्ष्म इयाग्रद्यायेवायारे यार्थेवाकाविवार्येर् गुरा ररमें रे.च्.पर्यं पर्यं अ.चे अ.स्यायायाया हूर्र र्यां श यर री तर री तर र्या पर्यं अ. बेंग्बर्नेद्वायविद्या ब्रिटेंस्न्चिर्धेन्युवायायायादिबावेबायहेन्यी। र्<u>देव</u>ॱय'ऄॱतबाद्वीरक्षेत्र'ऄढ़ॱऄढ़। देॱयॱक़ॕॿॱॿॺॿॱड़ॸॱॸॕॱॺढ़ॺॱॸॖॱॹॗॖॗॗॗॗॸॱ पश्चर हैंद व दर्द द्वेर केर केर हैंद में श प्रकृश परे केंश वस्रवार्क्ष विष्यात्रे विषया विषया है विषया है विषया है विषय है यानुकानीः सवतः यासी मानकायर्थे। ।देतेः बूदः कः देः यदः तदेः वेका देवा करः उव रदा वर्षा वुषा है हैं वा मदायदा सेव है। सूदावा सस्य उदारें अवयायराश्चरायदे र्ब्हेटायदे। ब्हिटायादे खटावे के यदे हें दाया आखेवा है। पित्रा जुप. यीय. चिजा ब्री. क्रूंटाचा ब्रैटा चा टेटा बाढ़ेश्चा श्री शुटी चादा क्रिया यीय. सक्ता विश्व मित्र विम्बरग्रमा मुद्रेबर्धवरम्द्रेबर्धवर्षेक्ष्यां स्ट्रिक्ष्य स्ट्रेबर्मिम्बा सदेवर्ग्यमाग्रीः महिकाधेव क्षुराक्षे प्रमें काही दिया या विकास विकास वाक्षेत्र प्राप्त के विकास विकास विकास विकास विकास विकास व पश्रास्त्री । प्रदेव मिलेश से से मार्थ प्रदेश पश्रास्त्र स्वा प्रवित स्वी मार्थ स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स महिनामाधित प्रदेश्वर त्युरिन परिवामिक स्टिन महिना प्रदेश स्टिन दे: व्यद्रायदा व्यवस्थित । व्यवस्थित । व्यवस्थित ।

मी'अवतः श्री'विम्बाद्यसार्देव'म्डिम्'हु'त्र्रु'चर'श्री'त्युर'र्दे। [है'क्रुर्'म्'च' र्थेंद्रप्रादेखाङ्गरायुः येद्रप्यकामा प्रायेदेखेंद्रा सम्बद्धाः क्षेत्राचा प्रायेदे विद्यापा स्थापन च-दे-गा-वर-धेंद्र-च-द्रम्भ्रम-चु-भेद्र-च-म्हेश्र-गा-धेव-द्र्मेश्र-च-विव-द्र्रा <u>|बिॅर्, सेर्रेर्ट्रे, योड्या, यात्याया हे. लेड्रा, याद्रेर् सेर्यं, योद्रा, योद्रेर्यं, योद्रेर्यं, योद्रेर्य</u> यनेव गाँवेश गुरारें में यो यो वेग हे त्याय यर त्युर में। [ब्रूट:ब्रॅंट:यट:टें:बें:बों:वांडेवा:तवाय:यर:तवा्र:वा दे:व्र:व:ब्रेंट:हेव: ववुद्यान् क्षूद्राच्यां कुः क्ष्र्यावश्चर्या । मार्वेश्वः धेवः भेवः भेवः भेवः विषाप्रवायेवासे स्टार्से र्देश दें वादी गाँव गटाया है बाव बार्केश गटाया प्रा गुरुषाय्येव सेव व गुरुषा सेव येव प्रविकाया गुरुषा सेव सेव व गुरुषा धेव धेव दर्गे अहे। दे महिका अधिव दा विका चु त्य से द दे। ये द दा सेव . सेर्प्यासेत्रावेशामश्रायेत्रायासे त्यन्यम् त्यस्त्राया उत्राम्यायेत्रा विष् भ्राविष्यारायदेव्यायाञ्चराया अध्यायावेष्यस्यान्त्रेप्रमास्या शुयामिं वायायायवाळेयायो दे स्वायादेव शुयामिं ववायवदायेव यश्याची। क्रूंट हेत्र त्वुट के क्रिक्ष के चेत्र या यदेत स्वाय केत्र यदे अवतः निवेदे तहें तह है निकार देव मार्च का मानावका खुनाका या धें पा के का निकार येवा विष्याक्षित्राच्याः सुराधीः द्वीं वाही। ह्वें वायवे द्वाया गुवायवाय द्वायवे *'* धुर-र्रे। ।तुअ'य'८८'तुअ'यदे केंब'केट्'ह्य'५टेंब'यकिबार्टे वें'हे सूर गडिम । प्रदेव महिकार में महिमाया प्रदेव के प्रत्याप्त प्रवास महिमाया प्रदेव के महिमा उर्'दिस्रम्'यदे'म्बर्' ध्रम्'उर्'र्षेत्। इस'ग्रद्भ'सेव'य'वि'व'र्देव'

वःक्षुत् वस्रवः उत् वे देव तु संगविषायाते ध्रीय दे । । । । । स्राग्नियाते देवे ্ববির মাউ মাই বি মাউ মা ঐ মা এ । র বি বি 「ちょう。」 「ちょう。」 「ちょう。」 「ちょう。」 「ちょう。」 *৳ঌ৽৻৴ঀৢৼয়৽ড়য়৽য়ড়য়৽৻ড়৾য়৽৴ঀৢৼয়৽*৻ৢয়য়৾ঽ৸ৢ৾ৼয়৽য়ৠয়৽ঀৢ৴৽ঢ়ৼ बेर्।केंबाबमबाउर देशेंटेंबें र देंगेंबा केंबा केंबा केंबा केंब ग्रांब की 到工· न्वीत्रायावस्रवाउन्द्रसाग्नात्रासेत्यायावेत्यां द्रसाग्नात्रायायाहेत्स्र देंदबाहै। देवें वाद्दात्रमम्बस्यादेवायाया केंबाहे केंदा केंदि इयाग्रद्याद्याद्याद्यात्वा वाडिवायी यो स्वार्ग्य वाडिवायी । वाडिवायी र्देशर्थे ग्राव के र्देशर्थे श्रेयश । । तर्य य र्या के शर् के स्कूर कुर के श्रेय के वयम्बर्द्धराषेव र्द्धराषेव मुडेरास्य प्रति स्वाया उव रित्युर रे गर्डम्'में 'दे' प्रबेद' केद 'अर्थेद' व 'द्रिक्ष' गुव 'दे 'क्षेत्र' अर्थेद 'म्बुद्रक्ष' या क्र्य ग्रद्भासेतु पर्दे द्वद रुष्ट्री इस ग्रद्भाय दे दे प्रवित है द सेत है दे थ वह्रमायदे क्वें र्ड्या क्वें । । वाद्या माद्ये श्वापात्र क्वा क्वें माद्ये प्राक्वें माद्ये प्राक्वें माद्ये प क्रुयायदे त्य्वा क्षात्राच्या अवायका याञ्चा क्रिंट लेट त्या क्षेत्राचा क्षा च्रिंद्रा । ব'নেল্ব স্থ্য ব্যামান্ত্র নেস্ক্রীমান্ত। স্থামান্ত্র স্থামান্ত্র বার বি ৾ঀ৾য়৾৾ৢঢ়৾ঀয়য়ড়ৢঽ৻ৼৣঢ়৸৸ঢ়য়ৣ৾য়৾ঢ়ৣ৽৸৸ঢ়য়ৢ৾য়ৼ৻ড়৾৾ৼয়য়ড়য়ৣ৾য় શું '၎ર્વે લાગ્રેન્' સે 'ર્ક્ક્રેંગ કિંકુ 'ર્સેનશ ક્રુવ' શ્રુમ તરેને ન કેં' નર્વે લાગ પેન ક્રુગ

र्शे। [श्रूद: मु: व्यं के दर्गिकाय: श्रेर न मुन् র্ষিবান্ত্রাঝারী দ্রমীশ্বামান্ডী वर्चे र न्येंन्। ये नु न्नु नयु मुर्च मार्थ से सामयु न वि वर्ष । ॱढ़ॱॾॣॕ॔॔॔॔॔ॱय़**ॸॱॾॣॕॴ**ॖॱऄढ़ॱय़ॺॱॾॣॕॴॻॖॱऄढ़ॱॿ॓ॸॱढ़ॱऄढ़ॱढ़ॊॿॱॾॣॕ॔॔॔ॸॱय़ॸॱय़ॾॣॕ॔॔॔॔॔॔॔॔ <u> च.लुच.की। जूब.के.पङ्स</u>्थाच.श.लुच.चू। ।बालु.बीच.च.झूट.तर.पङ्स्थाच. शेरहगायम् सेव हे वसासायत सेंग्रा निवान केंश नुस्रायाकेरायकीयाः है। देवार्सार्धेरायकाविषाकालेकायार्धरायकेरासेवा यवमा देव नधेन ग्रेका सक्तेन यदे देव त्या नहें न छेन । यने व या न न हें ने केंद्रा ग्रेक्ष शुद्रा डेक्ष या देव दार्थेद्रा ग्रेक्ष द्रध्य दार्थ द्रावा वा विषय विकास विकास विकास विकास विकास यशम्बन्धेरार्दे। दिश्वान्यस्याद्युत्वश्याक्षेत्रायादेश्या য়৾ঀॱऄয়ॱॻॾॕ॔ঀॱय़ॱॺऀॺॱॻॖऀॱয়ড়ॺॱतुॱড়ৢॸॱয়ঀॱয়৾ঀॱॸॕऻॗऻज़ ग्रेस-८८८-४-८ मेग्रास-४५-४ मेर्ट- संस्ट-साधित-प्रावित-८। सः स्ट्र-५ ब्रूट वेब य वे केंब हेट ग्रुंब यदेव गहेब त्याय येट र र वर य य रम्बायायते ह्वा ग्री देवा प्रवास्त्रायाय देवा या होता हेता हिता है वि देशासुआयाद्युदान्यास्याद्यायाः स्ट्रेन् क्षीदिः यश्चादेन गलनः स्ट्रासी स्ट्रेन हो। मालव र में न सुअ य न माना सुदे कें अ मालव से अ ऋँ मायदे अ धेव न माना गुः कृत्र तृत्र तृत्य युराय। ते स्वाव क्षेत्र केत् पर्के प्रमुत्र में वस्र कर्तर रहा र्देश से 'ब्रेंट ब्रे' केंबा उव गावव ब्रेंट र् त्यूर है। देवे 'ब्रूटबार र सर्व वे' ग्रुग्रायाम्ब्रायास्य स्राप्त्रायास्य विष्यास्य विष्य शक्षर ग्रे अर्द्धव ने दा

नेशक्षेंद्रायम्यम्द्राणी देश्रेव्यव्यक्षान्यस्यान्यस्यान्यस्यान् र्सेग्रसः ह्रेंद्रः ग्रांवे पर्के प्रकृतः तुः ह्रे प्रांदेव स्रोतः ही । । दे स्रम्भ उत् प्रदेव सुवः वेशयदेकेंश्रासक्व केंद्र सेंग्रस्य श्राच ५५ या देश हैंद्र में स्टर्स्य में स्टर् शे र्ह्सेट प्रस्ति हे त्या हे के त्र प्रस्ति है से प्रस्ति स्तर्भ के देश अवदःदन्भा स्टाअर्छवः श्रेंग्राश्चुःदहेवः यः श्चेंग्रायसः श्चेत्रायशा देः देवे वर्षेत्र यः र्ह्मेत्रा स्रुप्त स्थायः देवा येदः देवा स्वाप्त स्थायः स्वाप्त स्थायः स्वाप्त स्थायः स्वाप्त पन्नद्रम् देरपन्दरप्रश्चिष्याय। पन्नद्रपद्धन्ति ने स्ट्रिंद्रपि हिंद्रप्रम् अव्यानविषा वे र हें दाय वेदा प्रकार के प्रवेदा पदेव स्थान से प्रवेदा पदेव स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स ग्राच्यात्रेष्ठ्राये द्वाराष्ट्रप्रायम् अत्रायात्र्याः अत्रायात्र्याः अत्रायात्र्याः अत्रायात्र्याः अत्रायात्र युरर्देव सेर्दे भग्नेव सुन हिंस दूर व व दे दे से सेर न यद्योगवर्दिन्यम। देख्रेंद्रक्षेत्रपञ्चें य्रायम् य्राच्यान्य विदेव येद्राया ૽૽૱ૹૢઽ૽૾ઽૢૼ૽ૡ૽ૼઽ૽૽ૹૢઽ૽૱ઌઌ૱ઌ૽૽ૡ૽૽ૺ૽ૹ૽૽ૢૼૼૼૼૼઽઌ૽૽ૢ૽૱ૹ૽ૺ૾ૹૣૢ૽ઽ૽ઌ૱ઌ૽ૢ૱૽૱<u>ૺૹ</u>ૢૻૼૼૼૼૼૼ 'જેન'ન્દ્રેંશ'ર્ધે' તહેવા જ્ઞુસ'ત્ર શૂસ'ર્સે કું કેને 'ક્ષેસ'ર્નેન'નુસ'ન્ધુંન हैंगशगर्वश्रापुंदिराद्यअर्थग्रशायाः वर्षाये ५ देवाद्यितः ग्री:विग्रबायशवास्त्रदाद्वींदावेदाग्री:देंदाविग्रबायरास्री:दशुदाय। वास्त्रदा <u>न्धिन विन् ग्री दिर भेन प्रकार्ने वान्यायर भेन प्रकार के त्युर दें। किंबा उव</u> वस्र इत् व सूर् तु सूर प्राप्त सूर से द सुर सुर सुर सिर प्राप्त से दे दे पात्र स र्द्ध्यान् सेम्बर्श्वास्यान्त्रेत्रान्या ने मिन्नात्रेत्रात्मायासेन ने मानिना निर्मात्राया

यः क्रंद्रहेत् त्युद्र बुद्र तह्याया देव याउँ या या विश्व या क्रे न्तुः अदे 'देवाबाध्यायावा'र्कन् 'येन्'न्वावा'रु' दहें व 'न्वीबाने। याधेव' न्यायाः हुः बुकावः नदः देकावका से हिंदा। साहेदावः हेदाहेवः व्युदाईवः गुडेग्'तृ'श्वे'तकर'ते। श्वें'श्वेंदे'र्दे'श्वेंश्वप्यायरप्यायर'त्युर'ते। ते'स्वेंदे'श्वेंद'य हः यः यः त्रुदः वे अः क्षेदः यः यः तुः र्क्ते अः वस्र अः उदः यः येदः गुदः। ब्रैंट य है। केंबा वसवा उन ब्रैंट या नहा। ब्रैंट हेव एवुट नेंव गुडेगाय दे न्यायाः वालवा श्रीका ह्रेंदावा नेति श्रीचार्नेवा केंबा उव सुमाया संदायी दें व्याभे हिंदाच्या हैं चित्रवायायदे चित्र शुचारे चित्र कें प्राय कें या वात्र ग्रीसर्झेट प्रदेश भवि द्यापा हु द्युर या दे सु व र्झेट हेव द्युट रेंव गर्डग्'हु' हैन'वर्द्धुर'में क्षूर्य ने से क्षूर्य के से क्षूर्य के सम्बद्ध से हिर याहेबावबुदादेखाँ पाउं अहिंदा के दारी देवादी पकर देवा के पाउं अहिंदा है। १८ेशक मर कुर पर सम्बन्ध माने का सुन पर स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक र्नेव भेर री रे श्रुम भेर में बाही है बा ग्रम सा श्रुम भेर दे दे व में र र प्रमान याः स्रमात्युमार्भे। विदे तुमायातुमायमामा मे में मायते देवा दुः मायत्वा प्र श्चराग्रद्भवायायाये ५ दे। यदेवायर येदा छेबा देवा दर्धे दार्ग्ये बार्च दर्भ अंश्वायायिः र्रेवः भवि यस यञ्च द्वार्षि । र्रेवः न अ र्रेष्ठि । या ग्विस यविषाः ग्वी क्षेरावर्षाक्षुराधे कवाने। देवान्धेन ग्रेर्याचारायान्धन याने नुसन याँन रु: ब्रें त्र्युय प्रकार्बेग्राक्ष कुर ब्रें प्रमास्य प्राप्त प्रमास क्षेत्र क ५ स्रोग्रास्त्रास्त्रिः गुराने देव ५ सायरास्त्रितायरा त्यूरार्दे । अर्भे पार्टेव ५ सा र्न्धेर्प्यमार्धर कें अवयायंत्रे मर में श्चे र्ख्या के हेरायमापना सुर मे सवदः गटः रुटः रे से दर्गे गवाया सेव वि । सवदः प्रविक्त साहे द्रापे देश व क्ष्र ग्रे क्रे प्रदेश मानवाब क्षर ग्रे क्रे पा वेश देव र ग्रें र ग्रें र में या वेश हैं व र ग्रें र ग्रें र में या यर वित्व क्रि.य र्वे प्रायम वित्य क्षेत्र व क्षेत्र व क्रि. व क्षेत्र व क्रि. व क्षेत्र व क्रि. व क्षेत्र व क्रि. व क्षेत्र व विश्वायेव यदर। श्रु पायदेव यम से दिशेषा हु प्रमाश्चर देवे केंद्र-दर्भ महाविद्या सेवास अवस्य मदित्र सेद्र ग्री । सुद्राध्य स्थ्री महित्र सेद्र । देख्रमञ्जूमाव। यदेवायेदाययदा। सुयायायदेवायायदेवायमायेदार्थेवाया विन्यम्भ्रवासेन् सुमान्वीसायसावादानु देसासे बेन्यमारख्यूमा |कॅग्नरद्यान्यवासिक्तन्त्रीं देव निर्देन सेकान्यन निर्देन व्यानित्रमान्ता रें वें लें ने स्वामान हें ने स्वामान हें ने स्वामान हैं ने स्वामान है ने स्वामान हैं ने स्वामा विवाबायायायदेवायेदार्सवाबायाईदायबा देखावुदायरा श्रुवायेदाये दर्गेशकें लेव। वुअप्यक्केंप्रक्षिण्यप्रदेव द्वित्ये द्वित्वर्वेत्त्र यात्याञ्चे पार्ये प्रस्ताया से पार्ये पार्ये साम्या से पार्थे पार्थे साम्या से पार्थे दर्भग्यस्यनेव श्वायः स्वास्य श्वायः स्वास्य स् रेश ग्रीका ग्रुवा अवतः से खेत्। देव ग्रीका खे दर्शेका की विदेव पर ग्रुव यदर्शक्षूर्र्र्वक्षूर्र्क्र्र्र्अदेर्द्र्र्येर्व्यूव्यम् र्वे किन्। रूट में क्षेत्र रूट प्रवित स्मानाये वास्त्र निर्मा स्माने स्म यः श्रेषाश्राभुः द्वस्य सम्बुद्धायदे दिः दे श्रेषाश्रायददः वी सुद्धा दे सामग्रीया व बःक्रून् ग्रीःतुम्रायः र्षेन् त्या नेदे र्दे र्दे र्वे मेन्द्रे त्य के त्या है। बःक्रून्तु मह मैं र्टें में अन्भ्रम्भयदे सुअयान्स्रम्भ सुवासेन्द्रिय सेन् र्ने । निश्वन र्ने व निस्ति निस्ति । ગ્રીશ્વર્ત્વાં વાસું કે પ્યદ્દ એન્ડ પ્યસ્તવશુર્સો નિવાન શુંન પ્રોક્ષા અફ્રેન્ડ પ્યક્રિયા ग्रेशक्रेंट में केंद्र केंद्र। देवे शक्रुंद्र क्रा देव दुईंद्र मवियान में क्रेंट वयानुयायायोदानेतय। देवीतेदानेदान्यानुदायम्यानुदायम्यानु युर्प्यहेर्द्रियोऽन्यर्षेश्वां अत्यायाया । दिवान्यान्धिर्धायशाविषाया यदे र प्रतिवेद अ श्रुपायदे हिंद पति। देव द्यापर यद श्रुप शहर हिंद ब्रूट:र्रुट:पदे:ब्रूट:ब्रुट:ब्र्ड्ग:ब्रे। ब्रूट:ब्रूट:ग्रुडेग:र्ग्यानारंग:वक्र्य: धेवाया वास्नुनातुः सेनाययामानुवासेनावे सेन्स् सेम्यायावेवासूनासेन्स कर्भेंदर्दे। दिः क्षः वः सदः विवेष सेदः यः ददः सेदः यदे । सुदः सेदः सेदः ची। र्नेव न्यान्धेन यश्यिष्या केत्र वा स्वन्त्र स्वन्य स्वन्त्र वा नेवा खिराक्षे:वार्नेवासेराने। र्नेवान्धिराण्चे।विष्यास्यसानेविधेर्मेरासेरायास्त्रीरा *-*इटःचर:देशःगुटःवर्देर्'यदे:ध्वेर:दें। 🕴 दिंवःवःदेव:द्यःद्येग्रथःय:उवः र्नुमञ्जर क्रीवावी प्रमेवायी अस्त्रीकायी स्टामलेवासेना दें में सेना यदेव य से दा केंद्र कें क्रेंदःयःकेंदःषेवःवेशःददः। युअःयःस्टःदेःवशःक्रेंदः। युअःयःयुअःयशः ब्रैंट बेंग्नब प्रहें ५ ५६ त्या । बे ५६ व ब्रैंट य ५८ पदेव ब्रेंट यहे अक्व. छेट. यहूर. ट्यूंब. जीरट. यखेव. वश. टू. यू. उर्वेर. विट. द्या ही। रे'र्रायरेव'य'र्सेग्राश्चायाउँभासाञ्चराय'रे'शक्ष्र्र'रु'र्सेर'र्सासेर्। क्रून्-तु-तुअः पर्दः र्दे-र्वे न्यः अर्जन्यदे तुअः पः हे स्ट्रूनः दहेष ने वाजः वर्देर वर्रेर श्री दें वें 'केर केंगका श्रुप्त केंग वर्देर श्रीप श्री वर्षेत्र श्री वर श्री वर्षेत्र श्री वर्य श्री वर्षेत्र श्री वर्य श्री वर्षेत्र श्री वर्षेत्र श्री वर्षेत्र श्री वर्षेत्र श्री वर्य श्री वर्य श्री वर्य श्री वर्य श्री वर्य

र्देर-तुअप्याअसूवायवअऔन्अम्बायाने वर्हेन्सी ने त्यक्षा वन्नायवे र्नेवर्डिःष्यराबेन्द्री। । सरायावेवराबेन्यां से र्ह्हेगाव। नेदेर्षेट्यामार्डेन्या यदेव'श्वाय'र्देव'द्रभ'लेश'यहेंद्र'दे। हेंद्र'र्हेद'र्देव'द्रभ'यर'सेद'व'र्देव' नुस्रासेन भेन में निक्र मे सेद्रासेत्रावसायेवार्भ्भेत्रउत्यायेत्। सुस्रासेद्राग्यद्रासेद्रान्द्रवानामान्ध्रस्रस्या बॅं'.चुअ'र्षेर्'य'.दशुर्रार्देव'र्र्धेर्'.ढर्',अब'ह्नेर'र्देव'र्र्र्य'च्युर्य'र्देव'.धेव'य' ८८। र्वेद्गरमाम्बर्धमाम्बर्धमाम्बर्धमान्यस्थान्यस्थान् स्याप्त्रस्थान्यस्यम् । यक्षवरेत्रार्द्धराहेरायदेवाश्चायाधेवादे सूराधेवा यरायदेवाश्चाया येवावा বির'বেট্রবি'শ্রীঝ'ঝ'বৃষ্ণাব্দা অন্তম'অনুষ্ণার্শম'ব্রমান্ধ'মম'বেল্ডুমা रे·ढ़ॖॱवॱर्नेवॱन्यामानवॱयेन् नुःचयायें विश्वायाये खुम्यायायन्। ह्रेंन् केन र्छर् समान्त्रीम्बाम्बारा स्थान्या न्याम्बान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य यर खें ५ प्यक्ष कें। १ देव ५ का यर सार से मुका व देव ५ का की का की सार से का यर् वयाचे । क्रिंद् केदावाक्षदाद्वीदायकाद्रीयाका देवाद्वीदायीकाकी नुर्यम्बान् हेरानेनान्यस्य संस्थान्य । केबानेनानेनान्यस्य लेव.तर.पर्चेत्। विषय.लट.विषात.विषातस्य, क्रंट.चट्र.जीयायाली येत्। श्वां येत् येत् विष्ठः क्षेत्रः क्षेत्रः यात्रविष्ठः यात्रवात् विष्ठः यात्रवात् विष्ठः विष्ठा नुस्रायात्रमार्थे देवी के दार्च साम्रेट वा वास्नुदार्ची नुस्राय देवी के दान्य दा यर त्युर रें। । रूट कुर्र ग्री गुर्द हें य न्नय शुष्ट केंश उद रूट ।

र्रायर्क्व र्षेत् या शक्कृत तुर्षित्। यात्रय क्षेत्राका यो ता या रायते हो क्षेत्र वहेगाहेवावार्षेदायेदावदेग्ध्रमाचेदादे। ध्रिम्बायदेनाच्यार्षेदाच्यायेदा यः दर्भायात्वः हें यः दहेवा हो। वयः यावदः सेवायः दन्यायः चुयः ह्यायः युर-दर्देशक्षेत्रये देवेश दर्देश हेत्र धः क्षूत्र दुः वेदा देवा तक्षायतः शुदार्दे। |तर्बाच्याच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याच्याक्ष्याच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्य चित्राच्याः समितः स्वानाः ताः सद्दाः सः चित्राः सः स्वान् । सद्दाः सः चित्राः सः स्वान् । सद्दाः सः सः सः स्वा यावसाञ्च । यहमाहेव धः स्व । र् देव । स्व । ॻॖऀ॔॔॔য়ॱॿॱॠॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॱज़ॕऀॱऄॕॸॱॸ॓ॗऻॱॿॱॠॖॸॱॸॖॱऒ॔ॸॱऄॸॗॸॱय़ॸॱ शुर्डमामेन दे। दिःयावमामानयःशुरुवा शुमार्येन यान्या यहगमार्येन र्डयायमार्देव महामे दें वि येदायमा शक्ष्य में ये केंदावा व्यामें मामा ग्राहा र्रमे दें ने प्रत्य के के ति प्रकार के किया के र्दे। दिस्तर वर्ष संस्थान के सम्मान स्थान स्यान स्थान र्यम्बर्ध्यस्थितः विकाश्चित्रः सुदार्द्वाकान्ते। यासुदान् स्कूटः सुदायाद्यम्बरः पर्दः द्वार्थाद्वार्था श्रीयाच्या अःश्रीयावः देवे वास्वरः श्रीयावः शें गुरा वुसायायाञ्चरातुषाद्वेतायातुसायाद्येषाषायादे सर्देता सुसा र्देशर्ये प्रेम्बायये अर्दे अर्दे अर्थे अर्थे अर्थे विश्वास्य বেশ্বীঝ'ঝঙ্গা

त्रयुपः धरः मुश्रद्धः सुदः द्वा वयः अविदः अवा निवः गुनः युपः व ग्राचुग्रास्थित्राधित्यम्ब्राचित्राचेम्य देशे प्रवीकाते। व्यास्थायतः सुदायाम्य न्यर्यदेर्द्ध्यः नुशुयायाधेवावाने निष्या ग्राम्यः वया यावदः नवावाया प्रदा र्यर पर्दे ख्रिंय र बुय प्रश्ना बुग्य केंग्र केंग्र कें र में का र ग्राम प्राप्त केंग्र विकाग्रीकाहे सुरागुवा बेराव। या द्रियाका यका गुवा है। विवारिया या र्भेग्राम् ग्री सः यः उत्रः पेतः य। रभेग्राम् भे र्भेग्राम् यः ते र्ययः नेना ग्रीम गुरःदशुवःक्षेष्यःदशुवःवःधुंगवाददेरःत्यायःधंदःसेदःसेषाःवेवाग्रीवासीः वश्वायार्ये। विभार्त्री मञ्जाबनायां ग्री स्थाप्य उत्राधित प्राधी विभार्ते स्थित स्थाप श्चुयायदेगालेशयव र्द्व श्चेश हे शक्त होताया विष्य के विषय व अर्'र्| वुअ'य'क्षुव'यदे र्खुय'श्वव'यशक्षुअ'त् अर्'य'र्श्ववाश्वारदेश गुवायदेखेरारी दिवावायहगासेवायसायाबुससेनार्वेगवायायाद्वरा र्केट कुर्य अवर लट लूट यहेगार सूचा कर्ता हैंट कुर कुर सूट सूट हैं। बेंग्राबाक्षे बेंदादी । दिवाव दग्या ब्रुटा या के वार्टी वा क्षुट दुः वेंदा अक्रा ह्रोप्याद्रम्य स्थाने दिवानी राम्य हे वया यावका सी ही ताय रामे राम्य स्थान र्षेर्दि । दिः षदः श्रुदः देवः अध्वादेवः है। यहिंदः अदः द्वदः देः त्यः श्रूदः वशः दिहेगा हेव. व. ब्रूटाचा उंधा क्रीशा र्देव. व्रीटा या खेंदा क्षंदा वा ब्रूटा दें। खेंदा

ह्रमाय्यनमार्सिम्बाद्यां सेन्यान्य स्वाप्य स्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य वर्षेयाया सेराया सेवासाय वेदावी । द्वावा श्रुपाविसाय राज्य र र्वे किन् सेन प्यम त्रा ने दे सुम स्वायहमा सान्धन परि वहिमाहे व सून ॱॶॺऻॴऒ॔ॳॱॸ॓ऀॱॸ॔ॸॱॸ॓ॸॱॺॸॺऻॴय़ढ़॓ॱॿॱॠॸॱॸ॓ॴग़ॖढ़ॱॾॕ॔ॱॻॱॻॖऀॱॻॱॻॖऀॸॱ ॻॖऀऻॎ ॸॖ॓ॱय़ॣॕॱख़ॺॱॺॸॱॸय़ॖॸॱक़ॺॱख़ॕॸॱय़ॱढ़ॎ॓ॺऻॱढ़ॾॕॺॱक़ॱॿॱॠॸॱऄॱढ़ॿॖज़ॱॸऀऻ रिते हीर वया तशुर परि अ पहना परि क्षूर सुन निका से वा पे प वहेगान्नेवावार्षेत्रपाते प्रकाशुद्रार्षेत्रपार वर्तेत् सेंग्रास्प्रप्रात्रा वर्ते व हेंग'यदे'न्यर'मेश'यलग'य'धेता श्रेंगश'क्षरा श्रूर'ख़गश'ग्रे'देंश'तश' चल्या.तत्। पर्यं चल्या चल्या चल्या स्वा व्याप्त व्यापत स्यासाहास्य स्थानाया वितान्तिया स्थाने क्षायसार म्यानिया स्थाने स | द्वी: प्रश्नादि: प्रश्नेत्र देश | प्रिय: क्षेत्र: प्रश्नेत्र: क्षेत्र: कष्ट: क्षेत्र: क्षेत्र: कष्ट: कष् याश्चर्त्राम्बर्त्राम्बर्त्तान्त्राम्बर्ग्यम्बर्त्तान्त्राम्बर्ग्नान्त्राम्बर्गान्त्राम्बर्गान्त्राम्बर्गान्त्राम्बर् यश्रमात्रश्रञ्जूयायमायत्वाग्रामा विवायायहिवाहेत्रतार्षेत्यदेशस्त्रना द्वासञ्चर्षवायमञ्चरास्य वार्षाची द्वारी द्वारी द्वारी द्वारी विकार देवारी की त्रश्चरायश्चरात्रशुर्याते स्वाश्वायात्र द्वाया व्यापात्र व्यापात्र व्यापात्र व्यापात्र व्यापात्र व्यापात्र व्य निकान सामहना वहिना हेन न है। सुर क्षर या वा क्षर वहिना या वही र्वरात्रात्रानुका यमायन्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राक्षेत्रा त्त्रानु रावे तदेश हेव प्रवास सु मेव त्या सु प्रवास सु प यन्त्रम् तर्भः यः व्रमः कुः क्रेनः क्रीमः यो स्त्रेनः से सः यो स्तर्मा वर्षायः वर्षमः यश्राम्याद्वात्रेर्वे त्राप्त्रात्वे व्याप्त्यात्र्यं व्याप्त्रा हेवात्व्य न्रस्योद्यान्या देखिणहेन्द्रन्द्रम् सूर्यान्यस्य सेद्यान्यस्य विश्वायोत्। अववःविक्षेष्ठीःवः द्रा इष्टिः श्रीवाशः ग्रीः द्र्युदः या से दर्वीश्वाशेष् |वर्दे'य'द'त्रः'वैव'रु:धें'कुःर्षेद्। अर्देरःव'वय'वशुरः'वदे'वःक्षुद्'वुव'ऄव। हेंग्'यश्यविष्'य'येत्रेद्वेर'बेर'य'यदे। अ'यहष्'अ'द्युद्धद्यर'यर'यहेष्'हेर्द् है कुर बूद वादे लायहै वाहे वायदेश के दूर है कुर है दारा वादे कुर विवास यात्रे वयात्यू रावशवास्त्र तर्देषास्य प्रतिस्था वे स्थरावल्याया वः अत्।प्रमायोव रहंप क्रेंव यो त्याव वी क्रुंव वित् ति त्या या प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय ग्री:व:क्रुंद:ग्री:में(केंद्र) शेकेंद्रव:व:क्रुद:वश्रव:वश्रव:वत्रम:यर्:दशुर:वतेः रेग्रायायरेश्च्यायाधेवाग्री हेग्यायश्चनम्बायाउधार्मेश्चा यहगार्डभातुः शुया गुदारे बाधा श्रुताया भी गविता गविता विता यहा सामा भारत यहम् परि व सूर् तुम सम्मार्थित र में सम्मार्थित है सिंद व दिसा सूर्य र श्रूर्।वश्रायेव्ययं विव्यत्रायम् गुर्यायदे। त्रिःग्वाश्रायः द्राया यहगायदे सूर्य इसस्प्रध्य वर्षे देशे देशे देशे देशे वर्षे वरत यश नुवेरः सेन् वर्हेन् वयावश्येव गाव वयान्य विकानवेर सेन् मुनाग्री इसाम्बन्धायदे र्ने बात्यार्थस क्षेत्रा मुनामित है दे सी सामित मान

अदिः क्षं या क्षेत्र त्र स्वी दें र्यो कित्या श्रुवा या वित श्रूवा या वित श्रूवा या वित श्रूवा या वित श्रूवा या रु:अ:शुर-व-रर-कुर-पदे-ब्रेट-रु:य्व ।५५५-वन्ध-४:कुर-प्रविवा-व-रर-क्रुन्यंदे शक्ष्रन् सूर्यक्रुर्या र्श्वेषा वा तह्या न्याया अविव स्वर येषा वा यर खेर'यर'र्नेबा'डेब गुव'र्ह्सेच'वे'र्घर'व'र्यो'यरेव'यर्वे'बेर'व। क्रेंट'वेर' वन्वः श्वाचः अवः वः र्नेवः न्यः श्वाचः न्युनः वः अः वनेवः यदेः ह्र्वः यरः दश्चरः वर्ग सं*भुवायान्यवित्रायाव्यायायाः सेन्द्रि*। ।वर्डेसाक्ष्वायन्त्राण्डेसार्केसा ग्रद्भंग्राम् विभागुरः द्रम्य। स्टायलेव सेर्यं विभागित प्राप्ते प्रमेव प्रमा ने मान्या स्वापाया के में स्वाप्त के स्वाप्त ख्नाबास्त्रम् । देवे खेंद्रवामार्डेद्रमदेव हूँद्र केद्र सुंग्रम् या खेंद्र से बाह्य यदे र्स्या ग्रीका महत्व मह से हार है है का क्रिया से मार से का र्देव-दु:तश्चूर-र्दे। । ४८-प्यवेव-भेद-प्यायश्चे र्दे प्टेंग्सेद-दे र्ह्मण उंग्र-दु: । क्रॅंट्र य' केंट्र 'डेक्र' चु' च 'ट्र क्रेया क्राया प्रेंट्र 'ट्र क्राया क्रेट्र व 'ट्रेक्श या है क्रेट्र क्र ने अर्थेन अर्भे व पार्टे र प्रदाय र्थेन प्रधेन अप व किरा वापार ने अर्थ के ना र्नेव निर्देश निर्देश के निर्देश का का निर्देश का निर्द यरः शुवायर वशुरारी वितान्यान शिंदा रिवान स्थान शिंदा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स वशुराव। देवानधेन श्रीकानधन स्रोता वर्षेन वर्षेन स्रोता है वुर्सायाकुयान्धिनायासिम्सासीयहम् देश्वीकासेन्यासीयासी वह्रमायसन्धन् प्रबेन् र्युवर्ग्या । स्ट्रिन् केन् केन्नमा वु पर्वन् स्ट्रिवस

ग्रीकायप्रमुकाग्री स्टामी दें र्वे के साम्यास मुवार्वे ले त् । सुवाक्षे स्टा यविवासेरायार्डसारुः शुवायकार्से। । देः व्यवसास्यासुवा ने स्वायविवा बेद्रायाक्षे ब्रिन्यायदे द्रवायद्वय द्रवाय द्रवाय विवास विवा योवेशासुन्। स्टायविवासेनायार्थसार्केशाधस्यारुन्यो यावशास्यारु मुनर्ने लेव। ने निधन नर्ने नुर्ने न्यून में । निवन अन्यन उव-र्-तह्व-ताला रवावा-तत्रक्षात्र-र्-ह्याये-र-र्-तज्ञ-लन्। श्रुतः यदे द्वयाय द्रिश में उत् श्वा वा यो वा या या या में त्या ले तर्दे द विवा वा वा वा रदः खुन्न रुक्षे न्युदा हो। हे : श्रेन्। प्रश्ना के त्येन : खेन्। नुः नुः से नुः नुः नुः से नुः नुः निः से नुः से नुः नुः से निः से निः से नुः से निः से नि न्नर गुर रेग्रा प्रमास्त्र सुर सुर कुरे क्कें व उव प्येव वे। । देश व ग्वाय युग्रास्य अवर व्या निर्दे न पारे हे स्वापारे ने ताय निर्दे न व्या के के रहा की स रेषायरातुः या उद्यायका विकाये व र दार् येषा का या ग्राटा यदा ये दिया न्यया ग्रीका के 'त्रेका या केंग्राका । विकायिक 'न्या यक या प्यकायन या के स्ट्रा मुल'यदे श्रम्यं श्राण्टाप्यायेन स्वामाणे स्राम्याया स्वामा शे. देग्रबाय। मुयावबाङ्कावबसावर्हेन परंते खुयायबादन्बायान्य। इस्रा या वस्रका उत् यदि सर्केषा स्वा यदि षो नेका ग्री खुवा वका वत्का या बेंग्रामा बुद्द से देग्राम है। दे सिराम बुद्याय देव देश महित से दे दिया यः तयम्बार्क्षा । देवाव हिंगा गेदे ब्रुप्मब्रा ग्रीः खुवार्षे प्रवाद से दार मीपिकालेकालकावरकाकार्देकान्यामान्वायेन्द्राचलालें ऋयायाके दें करि वर्हेन्यक्षे हेंगमेदेख्यायशयन्यवर्तेवन्यामहवासेन्त्र्वा

र्देव द्रभः हेंग गेब वेब ठुः धेव दर्गेब वेब प्रस्य द्रश ह्या परि ह्ये र है। सर्ने मुन यश बन से उं भे भी में राज में वा में दे खुया साथे वा उं भी राज ना ने वे भ्रुवा यदे ववश्रुवाशुर य द्रा दे भ्रुवा यदे के अपदे भी बॅग्राय-१८। बेयब-२व-इयब-वे-यावब-य-५ विद-ब्र्यायाव्या बिर्-वुंशपदे हुँ ५ 'स्याया सेव प्यश्रा विश्व र्शेग्शग्राश्चर स्थाय ह्या साम्राम्य वृदिः देव वस्र विव र र मेशास्त्र र सुर परि । किंश द्वेर शर्षे र सेर ग्रीः अवतः यश्वादिषाः प्रवित्व। हिंगा गेतः त्र्रीश्वाद्यश्वाश्रीश्वाद्याद्यः र्द्रमे पेंद्रभेद्रम्दर्द्रप्तायकायेत्रपेंद्रप्रभा यश्रभाग्रीश्वर्भभ्राष्ट्रया न्मा विश्वानुः स्रेवायान्मानुष्टिः श्रुप्तायास्त्रवानुः केः र्षेत्। नेः याश्रुप्तश्रया वर्हेर्भर्र्र् हैं अप्रेर्र्भे वर्षे य-१८-१ वर्ष्यायाः सँग्रास्त्रुर-१र्गेश्वाया १ सुर-४ व १ व १ सुवानुः सास्त्रुरान्। नुस्राचार्डसानुः श्रुप्तमस्राच हेन् गुरासे त्वायायम् ने न्वा हेन् वा हेन्। ग्री द्रंबर्ज्या स्ट्रांचर त्र विक्रांच्या विक्रांचर के द्रा के द्रा के विक्रांच के विक्रांच के विक्रांच के विक्रांच म्बेम्'गुरक्षे'दर्गेम्मं पदेव शुप्त डेब्स्यदे र्केब्स्य डेव्स दे देवीया त्या देः यदः हें मान उसा गुः ह्वीं व सार में माने हें माने दें माने से हिमाने से नेबायर त्युराहे। देवावा चायउद र्धेवा तहें वा यदे हें वा या अवा हें वा सेंद्रग्रीकायदेवरसेद्रग्रीप्यायविवरहेर्द्धरादहेवरयहेंद्रप्तकेंकाकें। ।क्रेंद्र केट्-रटःस्यादि। वसम्बाद्यादिः अव्याद्यवम् मे द्विषाद्यम् अयास्याः स्वरः दॅरार्षेत्रवा तेर्व्यत्रवर्षेत्रवृत्रव्युराहे। र्वेवर्र्वेत्र्यीः अत्रीम्बायवया न्युन् स्री नर्बेन् या से हो त्या सूर हिं स्रोत् हो। माय हो न्युन् स्रो नर्बेन् यदर

ब्रूट्य देग्तुवर्ह्यां ग्रेष्या उवर्त्त्व रहे। विषय वार्त्वे या अवस्य विषय इरसेर्या पर्वापानिकाळमासे इराया र्वेतरसायवार विवासूर है। क्रॅंटरहेट्रायामहिकाक्षटात्वायदेरक्ष्मवकायेवादम्बाकात्वा देवाद्धितास्त्रीकायाः द्रियामायावे हे स्परम्बद्धी स्वद्यापदेव सुवायुदासूदावर त्युरारी [क्रॅंट'केट्र'ग्रट'र्देव'ट्रॉडेंट्र'ग्रेक'ट्रंभेगक'य'भ्रेव'व। क्रशामालवासाञ्चर यां क्रेंद्र केंद्र त्ववर लेगा क्रूट वा क्षे देवा की देवा दर्धे दार्थे का वादा दर्भ गुका यादी देव द्यायक्या प्रविद्या था श्रूपा याद्ये व श्री श्रूपाय थेवा न्वीं अप्यदे हो ने देव नहीं न हो अन्य प्राप्त अन्य प्राप्त अन्य प्राप्त अन्य प्राप्त अन्य प्राप्त अन्य प्राप्त ब्रूट्येट्रायार्ट्न, द्यार्ट्या शु. श्रेट्य राज्य विषय विषय विषय विषय व पदेव गर्छेश द्वेर अद गवस स्यास अवर श्वा में द्वेंद पदे द्वर तुः अः ग्रुकः यम्। यम् व ग्रुकः खेका हेः व्यम् अन् ग्रीः मुक्षेण्या यदिः विका योवः उव यः भ्रुव यद प्रमानका विष्। ध्रिमा सेरि मानया र्स्या श्री का वका दे क्षराञ्चा नर्गे बादादे तवन दारे व्यटा वें नर्जे नर्जे ने निमाम विवास हो । विष्यायेव र्ज्यायेव श्री दे त्याया विषये येव से दाये सव मानुवायो देव त्या वह्रम् र्ख्या में बात दे द्रम् में ख्रम्बा गुदा वम्या वा से दारे प्रसाहित स्वार्थ द्रम ५८। यदेव गुर्वेश के से सिंदे ५ ५५ ५ के तर सुर सुर सुर स्था उर्ध । ४८ मी विकास के त दे'यशम्बन्धस्यम्भयोद्यस्य वर्षः द्रियः वर्षः क्षेत्रभुः देव श्वरायदे हें गायोदे श्वर्यदे द्यो व्यत्। यह्या यस्य व्याप्य केर यमि वयायाव्यायकायार्भेह्रा यदेवायकार्भेटालेकायायदे। देवाद्धित ગુૈશ્વાસુત્રાયાત્રાનું સેળજાન મેંત્રાનું ત્રાપ્ય માસેના માના માના સામાના સામાના સામાના સામાના સામાના સામાના સામ

यः सदाङ्केदाधीवः यसामकायोवः सीः सुदायः सेः धिदादी। सुस्रायः देवः दर्धिदाशीकाः न्स्रेम्बरम् चनेवःश्वचार्यः न्स्रेम्बर्यः विनः यस्तिः धिवः श्वीः स्मिबर्यः ब्रुम् सेन् प्रवित्र। ने मिलेश्वाय हेन् र्स्याया विन र्षेन् पास्त्र मेन्त्र त्याविन र्षेन् यमः भ्रुता भे त्राक्षी । वाया हे भ्रिवाका यदी व र्केका उव युमाया भेदादी । कंदा सका यदिश्वाबादादेः द्वीर विवादा हिंदा या सुर। द्वावा विवादाया यदि हो दा द्याया वुः यदेवः श्रुयः यगायाः यः धेवः हेः वुअः यः वः ऋदः तुः धेदः यः दरः। यदेव'श्वय'शक्षद'तु'सेद्'यश्वद'र्षेद'यश्व देव'दर्धेद'य'स्स्रायास र्यम्बर्धाः त्यम्बर्भाः प्रदे प्रदेव सुप्ताः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स न्वीं अग्युरा सुर्यायायान्येवा अग्याने सुर्यायाने ने सुना यो नाये हें न हु बॅरमी तुम्रायामेरायदेर्देन्द्रमार्बेटक्षे। वर्गेद्रकेंद्रायातुमायामेरायम दर्गेषागुरा र्वेटर्केंद्रायाचदेवासूचाचगषायाधेवार्वे स्रुवाव। र्वेटर्केंद्रा याचरेत्रश्च्याचमानायमः र्सेट्त्य। सुस्रायार्द्वान्सायमः चमानायमः षटः ब्रिंद्यम् व्यायार्देव द्यायम् येदाग्रदा शक्ष्य दुर्येदाय द्या व्याया वस्रश्चर दे स्रमायमाये व दर्शे मायमा हिन दिने दे निष्ट्र व दिन दे निष्ट्र व रदर्भूदर्द्वावर्षात्वदायायार्भ्भेवायेद्वि व्यायदेर्द्वितंत्रेद्वायायायद क्रेंदर्र्यहेंद्र। वःक्रुदर्यस्यायासेदर्याक्षरायम्माग्राद्या देंर्वेर्वेर्युवः वगानां परि देव दु सेंद्र वस्ता स्ट हेंद्र दु वस्ता सुद्रस्त गुट दे त्या वस्रा परि वहॅर वर्रे र ग्री र है र व्यव भी। देवे रें बर्र अर्थ र बरे ब श्वाय या ग यदे र्बेट र्केट रो प्रविश्व प्रवास के से प्रवेश में प्रविश्व रिवार के प्रवास मानिया

स्रमा वनायार्षेत्। देःयाञ्चयायेत्। शार्ष्वेनशात्र्यायशङ्गितायास्रमः न्यायायावी स्यापार्वित्। यनेव सुया यो ५ जेशायवा योव स्यापारा वा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त सर्द्रसायमा दे तद्दे स्टामी सामी में हिंदा मान मान स्टामी से हिंदा मान स्टामी सामी से हिंदा मान से हिंद गानवायायां स्थायतीया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स् वेव य दर। देरे दयद में बाक महास्ट हुं। या सेंग सार में मा से वु बाय सा नेश गर्जः च श्रः य षर्वाने स्रम्यस्य पनेत सेन सेश्य व स्र्राचे स्रमः र्रायक्षेत्रयाये नियंत्रेत्रयाये के साम्री त्याया वियाया यदेव यश क्रें या से दा वा क्षर ग्री क्रें या यदेव यग गासे दा वा क्षर ग्री:दबाबा:य:र्षेंद्र:यञ्चा केंत्र:उद:तुय्य:य:द्र:देरेकेंत्र:क्क्री:दबाबा:द्रद्राये: सेन्-तु-सुना-ग्राम् । ब-क्षुन्-ग्री-क्षी-तनाना-नान्धानास्त्रा-सेनिका-सेन र्दः क्रेशं उव द्युयं पः क्र्यशं शः क्रुंदः सदः सर्ववः परः र्षेदः परः त्युरः यः रदासर्वन पर सिंदावा दे त्यादे होता देव पर देव पर विकास के ता के ता होता है का के किया है के ता है के त गुं वेतु सुय रु केंद्र तथा कग्य क्द केंतु केंद्र केंग्रे गरेग के केंग्र वा वा क्रुन् ग्री केंबा सर सर मी सर मी अर्द्धन केन से वर्ने स वर में वेंन ग्रीबा यावसायमा परेव शुपापाया उसा शक्ष र क्षेत्र से दास मार्थ देव रहा सक्षव केर नदेव श्वाप हिर्देश न सा क्षेत्र न स वस्यायते रेग्ना या दे हिंदायदा सर्द्धा अर्थे । भगवा हे शक्ष्र है ।

सर्वत्यम्यान्। वृ.चः क्षुत् सेत् यूरः त्युरः हे। चः क्षुत् रुक्षुं तः देः चः क्षुत् खेः क्षु चत्रमा श्री चति स्टास्म व प्या दे से द्वा व श्रुद् से द्वा व श्रुद् से द्वा व श्रुद् से द्वा व श्रुद् से द्वा व क्ष्मात्र। र्नेत्रन्धेन् ग्रीकायनेत्र श्रुया क्षेष्ठायाना मी धाक्ष्म ग्री क्षेष्ठा श्री या प्रदेश यक्षव या या या या या यो या है। देश द्यु द दें र दें व द या या यो हें द र है। व श्रुन्दुक्रेन्य संश्रुन्द्र। बश्रुन्ग्री श्रुःच स्टास्स्त्र या वर्ते सेन यदे देन न्धिन ग्रीन्याया कुरे क्री प्रायावना यहेया हेव के क्री क्राया करा शिक्ष के प्रमान ने यगमा से नर्गेश व्याधिक्षरमी क्षेत्रमा स्थान स्यान स्थान स र्षेर-र्रे-क्रुसप्रस्य प्रत्वाप्तुः तहेव पा धेव त्या र्वेव प्रस्य से प्रस्थान्य हु षर'रे'षेव'प्रभा र्देव'र्द्धेर'ग्रेश'र्घर'व'यरेव'प'ग्रेशकर'क्के'प्रायेर' ग्री। वःश्वरःग्रीःस्टःसस्त्रंत्रःसःयगमाःस्त्रेश्वाःसःस्ह्रमःसःस्या रेम्बः नेश्वाक्षर्रातुः षदाश्ची सेवाकायमा । वित्रात्ती क्षेत्रावादा वीका प्रवास त्या स विनाम्बरम्। द्वानाम्बरम्। द्वानाम्बर्धानाम्बर्धानाम्बरम् । र्नेव न्या ग्रें बाया नुसेया बाय बाया श्रुन क्रुव या वावकन ने। हे किन या भ्रें बा वहेगाहेवाक्केशाहेगानाना विकामन्द्रमा वहेगाहेवात् हेन ववुराने नियम् ने अञ्चे पास्त्र क्ष्र क्ष्र प्राचीता स्था ग्री राज्य माने । ब्रिं५:५५:५६ेषा:हेब:५५ेर:बे:३४५:५:। बेब:र्बेषाब:पबेब:वें। ।५ेब: श्चे पायरी के अप्राह्म अप्रध्य प्रदेश स्त्रेम हेन शे दें रार्षेत गुरा यर से त्युरा विश्व वेत्रुवि क्षुर यदेव या इस यर द्युर से या विश्व या क्षेत्रा या नहवा या नुधन हो स्थार श्रूता स्थारा स्थारा

वर्षाच क्षेत्र ग्रे क्षे च रेष्ट्र धराष्ट्र धराष्ट्र च्या च या वा क्षेत्र वा व्यापन यदे र्ख्य र् विश्व मुद्दा यदेव क्षे से द यश क्षे से द र में में माय केंद्र या व য়ৢ<u>ॣ</u>ॸॱॻॖऀॱक़ॗॖऀॱ॔ॻॱख़॔ॸॱॻॺॱक़ॗॖऀॱख़॔ॸॱॻॖऀॱॺ॔ॱॎक़ॕॸॱढ़ॖॺॱक़ॗॖऀॱॻॱख़॔ॸऻढ़ॴॴॗॱॻख़॔ॸॱॻॸॱ व्यूरर्दे । क्क्षेरवावाकार्यस्य अर्द्धवायार्थेद्वावार्ये ह्वाय्यराव्यूरारे । दि स्थराव क्व र् र्वे अ ग्री तर्दे द या यश क्ष्मा यदे श्री त्यामा से द यदे विद यर द विश्व यदे हें र छे र से र सुय वी प्राप्त प्राप्त मन्तर से र में देश र्षेत्। यश्रार्षेत्। भूगायभ्यार्षेत् र्श्वेगश्च श्वतः सूत्र तुर्षेत् र्र्कतः भूगिर्देगः श्रे विग्रयाया परेवा ये द्वारा द्वारा में वा में ग्रिन से में में मार्था ग्रुव हैं या श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव संविद्य स्था विद्या स्था 'ञ्ज्ञण'यदि'र्नेव'न्या र्नेव'न्धेन'णुरु'न्धन'न्धन'यर्नेव'न्य'ङ्ग'याँडेया' म्बर्द्ध्या क्षेत्र्यम् देख्द्देश्चर्ष्ट्रिय्त्रम् बेर्द्री वःक्ष्र्र्त्रुबेर्ध्यः वःक्ष्र्र्द्र्युन् वेर्द्ध्यः वेष्ट्र्येर्द्ध्यः देश विभेत्रात्राकेशामान्द्रात्राम् त्यायद्रायदेवाशुयायेदाकेशायहेदायायदे देवा न्यायम् येन् पार्ची होन् प्षेत्र ग्रम् । हित्र न्यायम् येन् प्यायम् अन् प्र णट्येन्सेन्सेन्सेन्स्येक्ष्याः स्थित्।स्यावितः सुर्वाः गुर-दे-क्षर-पर्हेद-य-र्वस्याय-विवाय-योद-सेद्। देवे-पर्हेद-र्द्ध्याय-प्रस्य वर्षा च स्नु ५ मु : स्वा संया सामा वर परे ५ ना ना मु : ना वर ५ में वर स्वया यम्बन् र्ह्मेदर्रावर्षायेव श्री अस्त्रेश्वर्षेदर्य से स्वर्धेन से स्वर्धेन श्री सेर्'यदे'में य'वेग'ग्रासर्'रु ब्रुट'व्याग्वव'र्झेट'रु प्रयान्न्रह्याय'रे'रेदे'

र्देरःक्षेत्रायेग्रात्रायेग्रासद्दायदा। यदेवःग्रवेत्रायग्यायदुरःशुरःवत्रा ब क्षूर् ग्रें म्हा स्राह्म क्ष्या क्षेत्र क्षेत्र प्रते हें द्वा हु क्षेत्र वका परेवा शुप्त ग्री हें हैं यदे मन्दर अर्गे प्रमा पदेन से दर्श मुद्दर प्रमायदेन से दर्श मुद्दर प्रमाय दश्रमः श्रुमः त् क्षेत्रा मी श्रुवा सवशा र्त्ती क्षेया या स्राद्धार दश्रुमः यदे हेर्गुन विमा मञ्जरदिंद क्रु र्केंग्र परंदे प्रमाण के लेंद्र ने कर ग्री क्रेंग्र पर ग्रुट मार्थिद द्या दे पर्र्मेषाया देवे सुवायद्या दर्से अस्य सुवाया द्युदाय से से दार विश्व वर्षायन्यानुः तहेवायान्य केंबा खुर देवायाय ह्रियान्य विषया यहिया यहिया यन्नान्दर्रेशने यत्राम् राया स्थानिक या स्थानिक स्थानि क्ष्रिं शुप्त देव प्यर पञ्चर प्रश्रं श्रेत प्य र श्रुप प्रदेव पर श्रुप प्य प्रश्रं ग नुः भेत्रा विश्वः विः भ्रश्वाश्वाह्या यदमः दर्देशः वेः यर्ज्जेमः नुः भेत्रा । सः मुश्रद्भायदे हु र ५८१ य प्रमा ५८ कें भाव हुँ मा व कर स्र र त्युर र र स्रु अ व। पर्वापरम्युपायावेशयादे। पर्वापरम्केशक्षअकाक्षेक्ष्रीयाया गुशुद्रशया सेवाही हैंदाया द्रायदेवा सेदाया वदाया सेवा त्या श्राय है दिवा अंव या हिंद क्षेत्र व पद्माद्द केंब केंद्र प्राया भवित है। पदेव श्रूप ही क्रॅ्टावेबायासूरात्। बेसबाउन्ह्रसंबाग्रीबाग्रटावाब्रूट्र<u>्</u>यॅट्रायंदेरस्टा कुर्ग्गुःसुरार्धेन्य्रायान्धेम्बावकायन्तेन्ते रहेर्न्ने व्यायबुरायारमायहेनासून श्चेशयाधेवावयापे प्रत्याचे र्श्याया प्रत्या ने प्रतिवादि से स्वराद्य स्त्रीया यदे र्त्ते दे र्केश्च श्रुप्त हें द्वाया थे दाया चित्र त्या चित्र चित्र त्या चित्र त्या चित्र त्या चित्र यन्याः में र्केशः कें लेशः हेंया व । ग्वा हेंया वर्ते र केंया ग्वीका केंवर केंद्र शाया है

श्चेत्। यश्राग्रदायश्रम्श स्यापस्यायदाश्चेदाक्षेत्राच्या यदेखात्रम्या व। दर्भाष्याद्यान्यदे प्रदेशम्बानायावन देशम् क्रिया में मार्थी में मार्थी में मार्थी में मार्थी में मार्थी में यश्चरीयश्चर्यश्चर्यं देवेद्वी द्वार्यं श्वर्ष्य वास्त्र द्वार्यं दे द्वावा दे द्वीश दे पर्वत र हैं र वेद के र वेर भ्रायक हा अंग भ्रायक वर में भ्री अकेद द्वा यावदा धुःषीः द्वायां धुःदे प्राविव गाववः गावायां दे प्रदे दे प्रदे विश्वाया र्डया ग्रीका दे दरदे दे दे दे राजे राजे या है से राजे का वसका उदाया दे र्रात्राविक्वालेवातव्यात्रा देवाल्याक्ष्रियायातेत्त्र्याक्ष्र्यायम् अः क्रॅंदरपरः श्च्यात्र। ध्रेष्ठित्रेत्रः शुव। वदः वदेवः श्वयः श्रेष्वाश्रः श्रेष्टरः यदेः क्रेंदर केंद्र'कें सु: वेश गुरा दे व्हराय वह में केंश शुरा हैं वारा श्रेंग शा दे दे दे विवायाक्षीविषाबायबावरान्याधीन्याधीवराषाविषामा केवार्यान्या हिया य केन सँग्रास य ने नम ने स्वरंद्र यहिंद्र यहिंद्र यहिंद्र प्रति हैंद्र नुष्रुम्स य निर्मेश येन त्या है। ने त्य दे क्रिन है माने मान क्षेत्र क्षेत्र के ने मान क्षेत्र क्ष यदे क्षेत्र र्से । हि श्रेन खुद र्सेन व्हेंन व्हेंन व्हेंन या । ने श्रेन ने व्हेंन ल्रा विश्वरम्याक्षेत्रविद्याम्बर्धरात्रीत्रास्त्राम् र्षेत्व। स्टावहेवार्यार्क्षायम्यारेवास्या क्रियाचुवाय। महासुताची स्टा દાંત્ર વર્ગ્યા વર્ષા વર્ષા દ્રસ્ય લક્ષેત્ર ક્ષેત્ર વ્યવસાય માર્થેન ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્રા ક્ષેત્ર ८र.पहेंब.हे.क्रेर.पञ्चिंब.लेर.के.पटेब.बींच.बाबव.बींब.क्रेंट.तांद.क्रेर.झेंब. बेदःक्रुवाव। सुदःर्वे : स्टर्मे दें : र्वे का क्षेत्रं स्टर्मे दें : र्वे का क्षेत्रं स्टर्मे दें स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व वशद्रावहेवाग्री देःवश्वावव्यायदेःर्वेशाग्रीशःर्हेदायदास्ता स्टार्यर वहेंव या वा दुर बद मिर्वेद से त्या है। युसाया ब्रुस स्ट्रिंट प्यट युसाया

रदानी दें में क्रिंदायाया सुदाबदा श्री सवायाय विवार्वे। दिश्वात सुदासूर स्थापना र्रे.च्.ह्रॅर.खेब्य.तरा यदेव.ग्रेट.ट्रेंब.क.खिट.ग्रेट.ट्रेंचब्र.च.चट्वे.बीय. बेर्'यर पहेंद्र गुर बे त्वाय बेर्। विद विद दिर वृष्ट स्ट देश देश के के केंद्र र बिदा गवर परेत शुपा श्रेका क्रेंदा धराय बुदा दारे पर दे के क्रिया दे पर के र्डमार्गेमबाग्रदासुदार्धेरायहेवायाची दिबावासुमायार्केबाउवा यदेव यम शुवायका हैं महे। यदेव यदे यां डेया दमा यदेव यदे दुः अ दम च्यापदे मुन् वेशपदे ह्याशकेंशर्वेश विश्वा यह में वश्र मुन यदे केंगा मी हे बा बा तम् यदे प्रता स्था स्थाय देव मालत है सेंद यक्त्रिं के प्राप्त के क्रॅंटचा धेव हे। र्नेव न्यान् धेन पक्ष ये न्येष क्षाय दे हिन। वेकाय दे र्नेव रु: अं तहें व प्रम्वियायार्के बाउवा यहे व शुया श्रे बाह्में दाया के दा धेवा है। बेंबायते विन केंबा विन प्रमाय बुदाय ति बुद्या प्रमाय हैंदा यर्देवायाद्याद्रद्रार्श्वेदायभाष्युयादहेवाश्ची विवाद्यायायी विवाद्या विवाद्या व त्या परि स्ट प्रतिव हें द पा धेव हें माना हु स्पा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प् यदे रदाविव व रद्दि दुर्देव या भेंदाया की व विशेषी रदाविव की वादि रही र्देवॱयः घः ५५ : धः राज्यः अंगश्रः शुः त्युः रः दे। । देशः वः स्वेंगः गोः हेशः शुः त्युः रः वशर्रेव यं भेर्हेव यदे यम ग्री अर्झेट हेट तर्सेया य तर् अ। श्रीयश बिना हु क्षेत्र दे स्वर प्रहें द प्याया दें द शी हें नश्च शह हैं द प्र के द शी में प्र शि श्चे परं मेगम् श्रात्युरावा अदावश केंगामी स्वापा अवतः उधा महस भूवश्रञ्जेव यायश हूँ राय के राग्ने में या मवर के तर् है।

्रुः स्चित्रां वात्राया वात्राया वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे विष्या वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे व वेत्राह्म होता की विवास हिंदा की देवा की विवास क यम। क्रॅंटरपरिन्दिस्यार्ग्यपर्वेचरपदेरिक्षेररवस्वर्ग्ये। क्रॅग्यं पर्वेद्राष्ट्रेर र्रें र पर्दे र्ने व र प्रकृत पाया धवार्वे। । रे क्षेत्र ख्राचे क्ष्र क्ष्र प्राच्या क्षु ये र वर्रे या रग्रास्य इस्सार्या स्राप्ता राजी वर्रात्या विगाले। स्टार्या स्राप्ता रेया र्यो र्रा भी हमा परि स्राप्त विवाद्य अर्थित हैं। इस स्राप्त अर्थ स्राप्त विवास र यम् अप्टेशः गुरुषुर विष्युः विष्ठेषाः हुः विदेशः विष्युदे । विदः विदेशे विषयः वि रेदरम्डेग्।स्रादहेंव्याधेर्यायायार्थेराळे। रेख्रदेर्तुयार्याये हेग्। यदे केंबाय वरे दावेबा ये वहेंव है। यन गानु समाध्याय निहा से हुग यर वया यदे 'श्रुवि र र र में 'र्स्विश हें मुश्च वश्च य र मा खेर दि र से र य र में दे व वर्षायन्त्रवृषायार्ध्रयायम्। स्टाक्षीः देश्वेदायेदायस्विषायादेषायद्वाः वहेंत नर्ज्जे मानुसाने। वर्षे सामा जन में सामा जन में सामा प्रियो भ्रायमा सु: सुद: यें : स्वास: या से : सें द: वो : स्वास: या देत : सुव: री से सेंदः । अक्षेरमे रुअपनिवास्त्राचारीकार्केटाकास्त्राचारम्यास्त्राहेरम यनेव ग्र्या ग्रीका क्षें र विकास्त्र र यदि गावन क्षें र दिने साक्ष्र र ग्राम्य र गायि गायि । हेंग्रास्त्रस्य। ह्यु-राव्यान्यस्य स्याधान्यस्य स्वाधान्यस्य स्वाधान्यस्य स्वाधान्यस्य स्वाधान्यस्य स्वाधान्यस् यदे र माना प्राप्त विकास क्रा के स्वार्थ माना स्वार्थ धेर् रमाश्रया शे ह्रें राय रे यार्ग मी मार्ग श्रामाले र युशा यर्ग यहें त शे स्यायद्याः स्वाद्याः वर्षेत्रायः वर्षेत्रः या वर्षेत्रः या वर्षेत्रः या वर्षेत्रः या वर्षेत्रः या वर्षेत्रः या

रेथार्थे दरा गुडेगासु दरा हगाया धेव रहा है। रेथार्थे से हिंदा यर विश्वास्त्रम्यम् दे तद्दे सेवार्ये मुडेग् सुद्दा भूद रेग् साधेत म्बूल्यकुर्वित्वा ह्याम्बुग्रुप्त्रम्बूब्य्द्रा रुखदेर्क्रबायाह्या गर्डम्'तुः यहम्बर्गाण्ये। हम्माम्डम्'में दें दें से हेंद्रायास धेर्यस्य स्त्रुर दें। हिमामिक्यामिक्तिम्मिक्तिम्भिक्तिम्मिक्तिम्भिक्तिम्भिक्ति व। ने क्ष्म वि वेश गुर वर्षेत् भेत्। हम मुडेम रे वेश भे क्षेर व प्राप्त व म्या में अर्थे राया दे मार्थ अर्था महिषा यं राय्दें दाया हिंदा स्र राया स्टार्ट्स शे क्रेंट पर प्रश्नात्वर खत केंद्रा गलत ग्रेंश क्रेंट पर शे खत है। दुः शंधेत यसमार्चमास्ते देने देने हों द्राया द्रा स्त्रा स्त्रा सामित सामार्थि देने देने सामित सामार्थि हो सामार्थि हो स क्रॅंदर्या श्रेवर्य है। ग्रेवर्या स्वाप्त देवर शुवर वेश्वर्य प्रदा हैग्राय प्रदेवर गुयादर। देवार्यायदेवागुयालेशयायदेगाहेवावाश्वास्त्रप्तां सेदायश नुषाकुः व्यवदासुदार्थे सावदिवाया नदा। यद्या व्यदिवासी क्रीनायका ने प्रयान भे दुर्विकार्से । अर्देका गुव निर्मे हिंदा भेव गावन हिंदा भेव पादी तक द रहेंवा वर्नेश र्नेव न्या क्रेंट हेर हेर में शक्या वा वे में कु लम क्ष्री हैं प्रमास्त्र प द्धरःबन् सेन्यरःस्वन्यर्वेन् छेन्ने। स्टःषे दें से क्रेंट्यर स्वायः स्व ૽૾ૼઽૢૢૢૢૢૢ૽૾ૹૻૹૹૡ૱ૹ૽ૢૹ૽ૢૼઽૡ૱ૹૢૣૣૹૹૢઽ૽૽ૢ૽ૺ*ઽ૽ૡ૽૽*૱૽ૣૢ૽ૼૹૐ૱ૢ૾ૹૡૡ૽ૺ*ૡ૽ૢ*૱ यः श्रेतः श्रुदः बदः येदः यम् या बदः यो वेदः दे। श्रः श्रूदः श्रुदः श्रुदः श्रुदः श्रुदः श्रुदः श्रुदः श्रुदः क्रॅब्र ये ५ र द्वार विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास वि विकास विका

यश्रञ्जिषायाष्ठिषायुर्दा हषायम्भ्रोष्ट्रयायम् वःस्रुत्सूद्र्यामम यायहेव वर्षा स्टामी दें वें सार्हें दायर द्युत यश्चुयाय प्येव ग्री वा श्रूत यायानहेवायरार्देवाद्यायरामु वराहेवाबार्ख्यायेदायश र्रम्भे द्वर र्खुय ग्रेका खे क्या र्रम्भे र्टे र्वे साग्वा प्रावेत र् द्वराय खेताय ** क्रॅंट: तृ वर्हें द: य: दे: दर्देश क्रेंवश ग्रेश श्वा व: यश दे: र्डंश व: क्रेंट: हेंद यहूर पश्चा थे क्या पर हिंदा या छेर वे यहेव शुवा ग्रेश हेंदा या पेव श्री गुवःह्नार्र्यः भेदः सेवः वेश इस्यायश्चायते वी क्रेत्रायरा वा र्वेद्रायम्दर्दे त्यक्षाः स्वादिर्यदेव स्वायः यव स्वाद्याः हेव स्वायद्र यहगार्ने तर्भा क्रेंदायर यश्चियाय र्ने व स्थेन हो वहिंग हो व स्था से व से साम के त दहेव की विभाय त्यकामानव यदि यदे व मुयादहेव या भे भेदाविभाय पर र्देशवर्षायार्भेटाव। युयायायायेवायदे देरादद्देवाम्ची गवि देखद्वार्भेटा षदःवःक्षुद्रःश्चुः अरक्षःत्रः स्रोरव्युवःक्षे। श्चुषः स्रोद्रायक्षः वयाः वाश्चुः स्रायः स्रो १८ अ.व. गुव हें य देव ८ अ.वा के अ.वा त्वाय ये द हेंगश्यायविवावी <u>षेव'य'वे' ब'क्रुद'ग्रे'केंब'क्सब्य ग्रे'यट'वें 'यट'यवेव'ग्रेब'दे'ख्र र ब्रूट'य'</u> षेव्यम् विश्वायम् वृदे। र्सेम्बार्श्व सुन् पुर्वे प्रदेशकें बादि सुस्राया प्रस्मा बाद्या है । दे प्रेन् प्रसा रदायंवेव ग्रीकार्षे दायया इदाय क्षेत्र देव द्राय स्मार्ग्य याय स्मार्थ यादेव म्यान्त्रप्रम्यान्याः यद्यान्त्रम् यद्यान्त्रम् अत्राच्यान्यान्यान्यान्यान्त्रम् ग्राबुदःदहेंव'गुव'हेंग'श्व'र्ळेंगशासु'गु'कुद'रु'श्वे'विदा दोवेंन'यर'दानुस्रश

याधिताया विवायावासुयाग्ची सुदायद्यात्री वादाववा वी वादाववा से प्राप्त वा स्वाया प्रशादित स्रीत स्थाति। यद्रा प्रति स्वापस्य प्रशास्त्र वर्ष स्वापस्य प्रशास्त्र वर्ष स्वापस्य स्वापस्य स्वापस्य ग्री'तन्नम्'त्र'अर्देन्'तु'नेत्र'न्रा मरानम्'में'यन्म्'न्राम्बरायः मञ्जमभ ग्री द्विमाबा प्रदेव स्थेत त् हिंमाबा प्रबास र जुला ग्री त्ववा स्ति तरा। यन्याः भेन् याकेशः हें यात्राः श्रीः अद्वितः यत्राः श्वीयः याकेत्रः श्वरः या ग्वरः स्त्रुयः त्रीअत्रः रपर्दः वेगा पर्दः से ग्वन् पर्दे सुरादर्गादर्गियापाँ मे पर्दे स्वापन ने'यदर्केश्वयद्द्रप्याद्द्रप्याद्द्रप्याद्द्रप्याद्वर्या देवे' या बुद्दा खुव्या शुः दें वें सेद्दा यर हेंगश्रव देर देंब केंगा के वाबव दुवहेंब य दे वसप्य से केंगि है। तयम्बायायुवा धुयायायदेवासेदासर्घरार्वेषावाम्बुदायायवेवार्वे। १८े.ज.चर्वा.श्रेर.शर्बेट.क्ंज.लट.चन्ट्र.श.चर्वा.त.केरट्रिय.रेश.ट्रींट्र. यदे न्युन् ख्यान् र क्रेंट यम गान्त्र यान्ययायम यु या शक्रुन तु खेनु यदे क्रिंशयर् क्रिंस्यश्राधिव की वास्त्र न द्वारे ने ने निर्मा के निर्मा विकास के निर्मा र्न्धेर्ण्येश्वर्षायाः अर्थेन्त्रिं विष्याने वास्त्रान्त्रात्रात्यायाः स्वान्याने वास्त्रात्रात्या वास्त्रात्या वास्त्रात् नुषान्यायन्यात्र्वेन श्रेयायायो श्लेन्यते स्वीतः दे। । नेयान सुराया स्वास्याया देवे रूट अर्डव शुवाय शुवाय देवा दु व्या शुः रेवाश यश द्युद यदे हें व केन प्रेंब प्राच्याया केन साम क्षेत्र साम स्थाय स् तुःत्रअःयः यदेवः अदः अः त्युयः ये। दिश्वावः श्रेश्चिः त्रस्यां श्रेश्चिरः यदेवः म्यान पृर्द्धे तर्दे ग्रायप्ते ग्रावे त्याय द्यापाय व्यापाय व्यापाय विष्याय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय

त्रुयायदे स्ट्रेट में प्रदेव सुप्राद्धे मुसाव राष्ट्रेत प्राय देव प्राय स्थित । यदेव:ब्र्या:क्षेत्रा:बेकाव्य:ब्रॅंग्वाक्य:ब्रक्य:क्ष्र्य:द्र्यंग्वाक्य:ब्रेट्रा र्'त्वुयायम्भू पहण्यायस्य गुर्वायहम् म्यायस्य प्रित्यह्म स्थित्यस्य स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः र्नेव नुयान्धिन प्रवान्त्रम्याः सुर्वा सुन् नुः स्वन् प्रवे स्वन्य स्वन् स्वयः स्वनः स्वा - तुयः श्रेंग्र श श्रु र ग्रें र केंश्र दर्दे : कुयः हेतु : त्यु र ग्रें : द्वर ग्रें श र दे : कुयः ब्रूट्य वे प्रश्नु से द क्रिंव से द द से द से द से द से द से द से से द न्तुः अदे मान्त्रः क्षेम् श्राम्बेशन्य न्त्रा त्या स्या स्मार्थः सूराम्बेतः नुन ब्रुयम् क्रुन् प्रमानीय गविय श्रीम क्रुट्ट पर प्रमानिय में टाये में र्र में मुर्वेश सम प्रा ग्रेश मर्देर वशक्की या मेर्र प्रायम र्मेग्श स्थित यदे हैं राय के दातु मान का या रामा हुत त्या देवे या देवे का दे त्या रामा है स्वार स्वार के स्वार स्वार के स्वार स्वार के स्वार स्वार के स्वार स् क्रेंदर्यादे या केंबाइयबारें विष्ठेत्येदर्या लेबा ग्रुक्षेत्र देवर्वय दिंदिर यंदे रेग्ना प्रमान्धर वर देदे रें में द्रीं द्रींग्ना शु सेर पदे हुन दे क्रूर यहमाश्रार्शे । स्टायबिवाभेदायाबेशानुःह्ये। देःद्रादेशस्यायबिवावदेः बिषान्स्रेग्राष्ट्रासेन्यदे स्वेत्र। सर्वत्रास्रोन्यान्या क्वेत्रायासन्यान्या । ने पर्वेन अर्द्धन के न से न पर्वा से न पर्वेन पर्वा से न पर्वा स षर'न्ग'अवत'न्र'। न्वेरबायार्बेग्बायदे'ऄर'मेबायसूव'ने। षर' देवे सेट में इस ग्रम्भ मानुन यदेन शुया से दाय ने साम स्मान वर्रे देव द्या र्यो र मेव वा ग्री वा द्या द्या दे के द्या द्या वा विकास विकास

য়ৢয়ॱড়৾৾য়ॱৢয়ৼ। दर्भॱয়ৢয়৽दर्भॱয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৾৽য়য়ৼ৽য়৽ৼ৾য়৽ৼয়৽ न्धिन् यस्न न्धन् वर्षेत् न्तु हेन्य से सेन्य दे स्व स्व स्व स्व स्व सेन्य सेन्य वेषायप्रवाषार्थे। दिषाव युमार्थवाषा महार्देषाव वामी स्ट्रेंटाया यनेव सुय सुरा स्रेंद्र यादे मावव स्रेंद्र स्रोव विका नेद्र अद मी केंका सुरा स्रोक्ष बःॠॖॖॖॖॖॖॖड़ॣॱज़ॕज़ॱय़ढ़॓ॱक़ॕॖॺॱॻॖॾॱॠॕॾॱय़ॾॱय़ॾॗॣय़ॱॻॖॱय़ॱऄढ़ॱॴ केंद्र:बेद्र:यर:पञ्चूय:बे:रुद्र:यश दे:वस्त्र:उद्देव:दुर्धेद्र:ग्रेश:स:यग्रम् यम। बःक्रुन्द्रः सेन्यदे यने सम्बाद्यम् व सम्बाद्यम् व सम्बाद्यम् व सम्बाद्यम् व सम्बाद्यम् व सम्बाद्यम् व सम् यश्रन्त्रावायार्वेत्रक्त्राया यनेत्र्युवायी विन्यमञ्जूराने त्रेत्रावायर बूटर्टि। । ब्रिन्यनित्रमुनःग्रीः विद्यायम् बूट्यायः देवायः विवयः वोद्यायः विद्यायः व में परे परं भ्रवशार्षे र दे। केंश इस्रशा कें दें पे र दें स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध सेन्यदेश्वाक्ष्रन्क्षुर्यादेशन्यम्तुः व्यक्षात्राने स्वर्यायेन्येन् श्रीकेंबाक्स्यं ग्राम्यादर्गेषां प्रदेश्च्यातुः र्षोत्व। देश्वद्वेशः केत्र देशः केत्रा द्वर्यात्याते । देवे दिसा वहें ते सुर गुडेगा से । विम्नास्य यस सूट के दा महता वा दिस र्वोत्रायः ह्रें रायार्या केंबा इसवा ग्री वाव वा स्वाव वा केंबा राया वा वाव वा यदे पदे न मुप्ता प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान मुद्राय अं अप्तान मुद्राय अं अप्तान मुद्राय अं अप्तान मुद्राय अं प्रभा क्षेंद्राहेव त्युद्रामी क्ष्याया ज्ञार तहुमा अवअप्या केटा ग्री देवा की हेंगा का यन्ता र्श्वेषयाम् व वयायाञ्चर्यायन्त्रवर्षक्षा स्रेत्रवर्षा स्रेत्रवर्षा स्रेत्रवर्षा स्रेत्रवर्षा सर्देराय। मञ्चरावहेंव सेरायदे सक्सायवमा द्वरासेर सेव प्रमायका सेव

ग्रम्। यनेवः श्र्यायायवा नामाया विष्याचारी स्रिम् किनाने त्याय स्राया स् न्यान्ध्रिन्यते रेषायाययान्दिया लेव त्रेष्ठ्रात्र्वाषा त्र्यायान्। यन्यायर्षेषाः श्रे तुषायर परेव गुपा वेषा नगगा वुः क्षा गुडेगा चैं ने भी हो सानु पक्ष राज्य न वहेंत्र पते र्त्ते व्यक्तें स्वाय गुत्र न्या की र्ह्ने द रेत् रहें महापति सूर्य पर सेट र पुत्र स निरामिल्रासम्बद्धान्या द्वार्या द्वार्या क्यार्या यो देव दरायम्य प्राये विमया प्राया प्राया स्याः अटः देविः यावशः शुः शुः सः यायेवः विष् । विष्ठेशः स्र अशः उत् । ग्रीः स्टः पावेवः ୖ୕ୡ୵*୕*୳୰୵୵୷୕ୣ୶୶୶୷୶୷ୡୢ୷୕୷ୖ୶୵୷ୄୖ୵୲୷ଵୣ୶ୢୠ୵ୢ୕୷୷ୠ୷ୡ୕୶୶ गुडेग'र्'व्या श्रेंग्रां भेत्र' भेत्र' यादेश'र्युर्'वर्बेर्'येर्'यूर्यं या या केश वस्र अंदर प्रदेश से दर्श स्थान देशयदेवु सुवा क्रेंदाय्य व्यवसायदेवु सुवादग्रानु द्वारा क्रेंदाय केंद्र पश्चितः चुः भेवः व। क्रेंबा घर्या उत् क्रेंग् क्राया प्रायश्चितः चुः तृरः ह्रेंदः यरः वश्चवानुः स्रेवाया वदेवाश्चवार्विः वास्रेग्नस्य पाद्यास्त्रे स्थापन्य स्थापन ন্ত্র্বান্তর্বা ব্রমার্ক্সবার্ক্সরমমান্তব্যক্ষর্বানান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বানান্ত্র্বান্ত্র্বানান্ত্র্বা रेग्रायस्य क्षेर्न्य प्रदेव शुवारवाद विषाय न्युन् न वे सिवद । क्रिंशम्हरम् । व्यद्मानुद्रान्य स्थानु अध्यक्षेत्र यहे वर्षु यह वे से से से दिए मी स्वाप्ति व श्रेरमोश्रायप्रम्थायादेश्रेराज्यायाहें प्रामुद्रान्या हे स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास तर्ने क्ष्रमात् निमान विमान क्ष्या प्राप्त क्ष्या निमान क्ष्या प्राप्त क्ष्या निमान क्ष्या प्राप्त क्ष्या निमान क्ष्या निमा निमान क्ष्या निमान क्ष्या निमान क्ष्या निमान क्ष्या निमान क्ष्य यदे मिले वमाया थेताया वमाया श्रूया दिन में भू देशवमाया लेन श्रूया तु वहेंत्र मी। वनायायश्यान्तत्र यदे हूया त्यी वहेंत्र यशा निविदे र हूया र्थें ५ : बेर् ५ : इंग्रहें विश्व के विश्व के स्था के स्था के के का कि के कि का के कि का कि के कि का कि के कि म्बर् श्रुयः श्रुवः श्रूदः यः पेवः यः ५८ः। वनः श्रुवः वहेवः यदेः श्रुवः श्रुवः अव्दार्भ क्रिंदालदा व्रुवार् विवादार वात्र वात्र क्रिंच वादा के दावादा विवादा व वर्षाञ्च्याये । देवे चर्षा या प्रमा देवे चर्षा चर् केंत्रामालवाची हैं दाया ददा। वया या सदादेत्रा वत्रा की हैं दाया सुरा र्सेग्राचरेत्रः शुचः श्रेंशः स्ट्रेंदाः दुवः ने निर्देशात्राः वर्षः वर्षः वर्षः *ऄॱऄॣॕऀ॔*॔॔ॱय़ॱय़ॗय़ॱऄ॔॔॔॔ॴॺॱॸ॔ॱऀॕ॔॔॔॔॔॔ॵढ़ॺॱऄॱऄॣ॔॔॔॔ॱय़ॱॸ॓॔ॱय़ॗॸॱॴ स्वास पर्व वीत थि। प्रसास सिंद्या किरा निर्देश वेदा सुर्दा प्रमानस न्नरायदे क्रियम ग्रीमायदेव श्रुया हु तश्रुमार्से । दिव द्राया दिव द्रायमा द्राया वर्जेन्द्रन्त्रेग्रायर्परापरापराय्येन्द्र्यायात्रे। ज्ञुःवदेःववराण्येम। वः क्षुन्यनेव यानेवाकायकान्धन्यवेत्र्व विषयायात्यम्याने ख्वाकार्यने था वययाची विभार्भेग्रास्टामे देखें यदेव पर श्वायाव यदेव श्वाया ग्वाय ग्रेंश है : क्षेत्र हें। डे :बेवा वी प्यतेव : ग्रुवा ग्रेंश हें हा। तेश व रहें : प्रहेंत वुश्रक्षेंद्रायदे द्या वर्षेया येदार्दे। विष्ट्रमा वर्षा या वर्षेया वर्षाया द यवेव। वग्यावेराभ्रुरायदे द्वयायराय वेग्वा वग्या वेरायहन्य वा र्डमायबान्मेयाबासुमेनाया । सुन्दान्यास्वासीयमाने स्थानाया वनायह्रव नेबायान्य । नेवे सुयावनायाना नेवाना वा क्षुन् नु या या वुयाया धेव प्रमा र्ह्ने प्रति प्रमुच के विषाय प्रति व शुप्त शो विष् प्रमा सु मार्गिका

ग्री वन'य'य'ब्रुय'से ५'ब्रुय'र्से ब्रुय'य देन सुय'ग्रे 'दुर'य र ख्रुर'से 'दर्गेश' यायरी प्रवित्र है। परेत्र शुपा शिष्ठ प्रमास अञ्चर प्रमाय प्राप्त ग्रापा व श्रुन् प्रमामा पर्दे श्रुम तु तर्दे नुमामी सात्री श्रुम ति हो । श्रुम प्रदेत शुवायग्या डेशाद्या दे वर्षेत्र दुः हैं वें केंद्र शुवाद्या स्यावेत श्रेश श्चायायात्रा र्या स्टाकी स्टाया क्षेत्र से स्ट्रिया प्राया श्चाया स्टायी स्टाया स्टायी स्टायी स्टायी स्टायी स उना गुराव्यायेव सेंदा ग्रे। वासूद्दु सेंदाये सेंस्य दे द्वा नी दें तें हिदाद भेग्रासु भेर पर अञ्चया रे इस्र अर्ग्या पर स्युप ध्या सेर् भा शुवादाविद्यां अर्थेष्या श्राम्य शुवा है। देवे ही रादेव देवें दार्श श्राम्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा श्रद्भात्राक्ष्याक्षाकः ददः करः वर्षेत्राक्षयः वर्षेत्राः क्षेत्राः क्षेत्राः वर्षाः व च क्षेत्र तुः षद सद मे का शुवाया क्षेत्र यस विष्य का या उँ या तुः तशुवा द में का ग्री दि'स'सुन'व'नदेव'सुन'गुन'से'विग्रायाम्यासुन'व्यदेव'सुन्दर। दें वें छेर सुव र्सेन्स गुर विम्रासम्बा सुम स्मान स्टामें दें वें सम्मान स्टामें से स्टामें से स्टामें से स्टामें वुश्रायायार्देवार्डाः षदासेदार्दे। दिश्रादाक्षदायायाव्यक्षराक्षराद्वारा न्वीं अः ऋ्र अः वा विश्वान्य देशः नेवान्य देशा विश्वान्य क्रम्भावाक्षरार्र्धरान्चेरान्चेरान्चेरान्चेर्यान्यम्भमानान्चेत्रान्चेर्येरान्चेरान्चेरान्चेर्येर्येर्येर्येर्येर्ये याक्नेदायत्यायाप्रेन्यम्बायाप्येवार्क्दाश्चन्द्वास्त्रद्वास्त्रम् न्ध्रेन्यम्नन्धन्यर्भन्तुंन्तुंक्रेन्कुदेःक्रम्यादेग्यान्यः भेन्ते। े देशर्धर यदेव'सेद'स'षेव'यदे'शक्षुद'ग्रे'र्केशग्रुद'षेद्'यश्र वर्जेन् सेन् यर रहा मालवा माले वा मार श्राया विवाद्। हैं वा नहीं ना श्रीवा

न्ध्रन पर्वेत रु. केन कंन व क्षुन रु. केन न वे का क्षुया या ब्रेन रुवा वी पने व ग्रेश्यायम्यायम्यदेव यदे र्ह्व श्रुव हो। देव न्धेन ग्रेश्या हेन र्ह्व व कुर्र्र्येर्र्य्वे अत्रार्वे अत्रार्देव र्देष्ट्रं श्री अर्द्युर् या वेद्र्र् विवा व्येट्र र्वो अर्ग्युट्र देश <u> बेर्प्यमा देवर्यम्पूर्वेर्प्यदेर्द्रमञ्</u>चेत्रमणे सेण्यायमायुम्रायाद्वरम् यः सँग्रासास्यायाः सान्सेग्रासायवेतः तु। देः यः सँग्रामीः यसः यदेतः सुयः ग्रीः वित्यमञ्जूमायम् वास्त्रन्यो तर्गेषायायाचे विषायम् तेमायने वास्त्रायां स्त्री र्वे 'केर'र्रेक र्वेंद्र'ग्रे प्रमाम व ऋर्ग्ये 'केंब क्रब्स ग्रे 'रे वें 'केर् या यामाया सेव् है। देशस्य सेव्या श्रिन् ग्रें केंश वस्र अउन् न्युन कें रन वे कें वे न्य्रेग्नश्रुः येन् प्रमा व्यार्थेग्नशन्तिन्त्राद्यः क्षुन् नुस्तर्यो प्यवायो र्क्षेत्रस्यायायहेव वकायहर्षा स्थान त्रअः र्केम्बायनेवः शुवः ग्रीः विदःयमः ग्रुबायः यवयः विमामीर्त्वेः मर्वेदः योदः याः इरावदेख्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राह्मे हुन् यूर्वे यूर्वे यूर्वे यूर्वे यूर्वे यूर्वे यूर्वे यूर्वे वुश्रायदे तुर्अ सँग्रास र्त्तु गर्ने दार्शे देश हैं भारते स्वार्श सुरा स्वार्श स्वार्श स्वार्श स्वार्श स्वार्श यमा दे.क.चमाम्यानेताने.चममायामाम्यम् दे.भवदायविः भ्री दर्गेग में देग राय राजे के के प्रमान में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के त्या केंग्राक्ष कर न्या ५८ व्यव व्यव उत् ५५ वर्षाय व्यव दें में केंद्र येद वर ब्रुवायाद्या वाक्ष्रप्रतुष्क्रीयवे श्रुण्या विषया विष देशव देशकायादे द्या मेशव क्षुद्र ग्रें केंबादे क्ष्य व दियं देशका केंद्र य'र्रा क्रुं'त'र्यर'वक्कुत'य'रेश र्केंश'रे'क्र्यश'र्रे'तें'र्छेर'र्यर' ५८। परेवः श्वापः ये ५ : प्रमान्य । उद्यापः अविष्य । प्रमान्य । प्र

येद्रायम् सुवाउँ श्रावर्हेद्राभेष्ठा देव्या देव्या देव्या स्थान्य स्था र्वे ५८१ वर्षे वर्षे भी वर्षे भी वर्षे भी वर्षे भी वर्षे वर्षे वर्षे भी वर्षे विन्यम् अञ्चर्यदेश्वन्त्रुन् ग्रेन्टेर्यन् द्रञ्जे यार्श्वेषाश्वर्यन् धन्यस्त्रेषाः होटेर वॅं ५८ क्रुं न र्षे ५ से ५ देव ५ स ५ हों ५ स दे ५ हु ५ स दे १ स द यम्बुवावार्दे वे लेट्सेट्स्ट्रिं पदेवासेट्र्ब्यूवायम् वुस्रायायदेवा यम्भूयःयासेन्छेसन्म।यनेन्यते क्रीःयानेस्यान्ये साम् क्रमान्धनःवर्भेनःतुःक्रेनःवःवनेवःक्रुःनमः। यनेवःश्वयःधवःषयः। यःक्रेनः यश्राचर्व, भेर् र्राष्ट्री, भेर् र् व्युच यश्राचर्व युच विग्राय पर रूप चर्व बेर'ग्रे'ब'क्रुर्'रेर'ग्रुप'र्वे। ।देवे'धेर'रेव'र्धेर्'ग्रेक्'बे'हेर'ग्रु। विन्यम्तु विकायदे तुम्रार्केष्व कान्मा क्रीया माष्ट्रे के ने वाक्ष्र तुम् . खुत्यः क्षेत्रः यात्रात्रत्रः त्रेत्रः यात्रेत् । यद्यतः खुत्यः खेत्रः यात्रात्रत्रः लेग्। न्धुनः यञ्चेन् स्रोनः यसः यञ्चुतः यश्चान्यगानु सः श्रेनः यः स्रेनः यर्देनः यः देवः शुवान्धनायाँन तुरार्थन स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान र्रञ्जे न र्रेग्रायान्य मार्चित् पर्वेत् र्रोत्य प्रमान्य स्थित । त्रा

र्सेम्बास्य से हिंदायर दें त्या ह्या है। न्यन प्रहें न्यां न्यने स्त्रा वर्ते स्त्रा वर्ते स्त्रा वर्ते स्त्रा बेरक्षश्चर्भरायग्रामायरम्भाया देवे। हुर्यस्य असूरायरायग्रामावर्देवः <u> ५ मुँ५ मुंबाब क्षूर मुंदिर वे वर्गमा यस भे त्यूर स्था बेर दिंद ५ मुँ५ मुंबाब </u> क्षित्रचर्यामा उक्षाय पर्दे च क्षित् त्र्येत् यक्षा येत् य मामाना यात्र यो । यह । क्षेष् देशःचनानाःयः वे र्केशःदे र्पार्देवः द्यायमः द्येनशः शुः येदःयमः चञ्च्यायः धेव प्रमा देने स्वापान प्रमें साने सामान वा वा क्षुन क्षम है हैं पे केन पश्चेत्रायदेवायाम्वेत्राक्षराञ्चे पार्यद्राया स्वास्त्राचे देवाद्येदाय्री नुधन्त्र-त्यायः र्वेत्नन्यः यस्यः ह्रेन् स्रीन्स्य यसः ह्रेन्यः केन्त् नह्यूनः र्श्वेग्रयालेश्वाचार्द्धाः बर्षित् श्रेश्वेत्यम् त्रुः प्रते ल्वम्यां स्वा ग्नियात्रः क्षरः रूटः मी यूनम् केन् ग्रीका क्षे याने केन् तु सेन् वाक्षन् तुवरः। वेशमञ्जदश्यदे रद्भा यद्भा यद्भा केत् ग्रेश वेशय शक्ष्र ग्रेश व्यासम् क्कें प्रार्थिय अपन्य प्राप्त के किया है कि अपने के प्राप्त के किया के किया के किया के किया के किया के किया के यदेव'श्रुय'ग्री'र्र्राचे'र्दे'चे'बेब'यर'र्गे'द्र्गेबावा बें'यवायातु'सूर'र्र्र रटार्टे विकालेकायदे द्ये प्रमा के मिन्या सु क्षे अर्थे दाया धेव सी। ग्नियात्र्दे स्टामी दें दें दे से दार दो स्व स्व स्व मिल्या हो से स्व दें व दे से स्व से से से से से से से से स य'तर्दे'शक्षुर्'यग्राग्'यदे'क्केंद्र'य'सुर'कर्'वेग्'पेव'यश्रा यलगासेन्यदे स्रेम्प्राचाम्यायम्यस्य स्रुसान्। वास्नुन्यमागाउँ य। श्रेश्वेराच ब्रेगाया स्रेम ब्रें राया हे राधे त्या त्र त्या करा वा ब्रेरा ब्रे राया कुता

कर्रिकां व्यार्थिया व्याय्ये व्यार्थिया व्यार्थिया व्यार्ये व्यार्थिया व्यार्ये व्यार्ये য়ৢৢৢৢৢৢৢৢ৴ৼৼ৾ঀ৾ৼ৾ৼ৾৾ঢ়৾৾৽ৡ৾৾ৼৢৢৢৢৼয়৾৾য়ড়৾য়ৼ৾য়ৼয়ৼয়ৢয়য়য়ৢয়য়ৼয় क्षरक्रिंद्रप्यविव रु.च क्षर हेव त्यूद्र मी क्षर्य व वे रुका गुव रु क्रुव या कर यमञ्चराया राष्ट्राचाञ्चराश्चीर्टेन्याये ञ्चराचा चुरामा तुय्यायाक्षातु।वात्वेरान्दाक्षें।वार्केषाकाग्री:कराष्ट्रीःक्षे। ह्याद्यास्याग्रीःष्ट्रीःविदा षवःयगः उवः ५८: षवः यगः यो : कः १ ऋ दः ३८: ३८: १३: ६: १३८ ह्ने र कुर ये द विकास स्थार स्थार ये द ये विकास स्थार स्था स्थार स्यार स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स ૻ૽ૼ૽૽ૼૹૢ૽ૼઽ[ૢ]ઌ૽ૢ૽૱ૢૼૢૹૢઽ૽ઌ૽૽ૡ૽૱ઌ૱ઌ૽ૼૹઌ૽ૼૹ૾૽ૹૼૹઌ૽ૢ૽ઽૢઌ૽ૢ૽ૹઌ૽ઌઌ૱૽૽ૢ૽ૺૼ<u>ૢ</u> शक्ष्र रागुः क्षरायरः थेव य देश व सूद ग्री रद प्रविव ग्राम्य प्रदर्भ ग्री विर्माण या सुराबदा स्रोदाय स्थादेवा सुर्या सुष्या वर्षा । यदी त्यादेवा दुर्धदा स्थादिवा कॅं 'न्याया कुं या बन 'बेया क्रें राधर 'चुर्च 'घंदे 'क्रें राध 'न्या हैं न 'न्या न्येंन पश्चिम्पानुस्यानुस्यादे शस्त्रम्यस्य स्वाप्तान्यस्य स्वाप्तान्यस्य स्वाप्तान्यस्य स्वाप्तान्यस्य स्वाप्तान्यस्य योष्ट्रेश विभायाञ्चर्याविकाञ्चेदायाद्वा वात्यदावी र में विदावी र काञ्चेदाया मैंशर्क्षम्बर्धार्थ्यात्वर्भेटाहेवरत्वुटाबुटाब्ह्यामार्देवर्त्रर्भेत्राची क्षेटा क्रियक्ति र्ख्या सुर्वे प्राप्त होता वार्य क्षेत्र क्षेत्र स्वेत्र स्वेत् प्राप्त स्वेत् स्व दर्न प्रवित प्रश्चें स्था प्रशासी वर मी क्रम उत्र लेगा येत कॅट्र ग्राट्य हू। इस्रायान्द्रियादहित्ते विवासीत्राया क्षेत्रायी स्वापीत्रायाया स्वापीत्राया यस्दि गुं ग्र्या सवर द्वरा ग्रीयायस्य या विषा य बुद द योग सार्ट् यद्रश्रें श्रें रद्र रद्रावी खुवाबा छे द्रश्चेश खुर वज्रदायर अहें द्र छेवा

यदेव:शुय:श्रे:खिद:धर:बाह्रव:क्षुर:श्रे:रुद:य:ददः। यदेव:शुय:दबाबा:खर: बॅदःवार्बेषाबाषाह्रवावर्हेत्ये। उदाविबात्वायाञ्चावासुबागुदाञ्चावायेवाया दे सुर ह्यु र व वे पदे पर से व व छै : भ्रू प्र व व र छै र छुट । व व अ प द अ यश्र भे रहें द्रा व्यायाय देव श्रुवा श्री शाहीं दा श्रुवा शे के श्रावस्त्र उद्दर्भ वृष्य से 'क्षेंद्र'। ग्वन पदि पुर्व गुर्व गुर्व से हिंद विष दसेग्र यश्याके यहें दर्भा यहें वर्षे दर्भा यहें वर्षे दर्भे वर्षे व त्यायार्केश उत्। यदेव यम येदादे। श्रुम यदे श्रूयश्वा ह्रिम यावे त्या य। नग्गानु प्रेत्र शुपा श्रेत्र र्ह्में दाय कु स्तेर रह्या दुया स्त्रा यह । वः श्रुनः श्रुवः हो। देः विदायः हैं भाउन। येनः यो अनि हो। हिन्य सामान्ये न स यदे स्री नियाया स्रायुत्र स्रीया यो क्षेत्र त्राया के स्वाया के स्वया के स्वाया के स्वया के स्वाया के स्वया के स्वाया के स्वाय र्बेर-विदेन्द्रकारबेद-यार्बेर-यायिदाधिदाधिदायि नियम्तु विकाल। केवायो न्व देशम्बन हैं र द्वर हु र तुर हु र जुर है र देश दम्य पाय है र वि र मुर । देव ही <u>ই বিরী শ্রীব্রমান্র মরী শাদ্র স্কিশ্বার্য রম্বান্তন, শ্রীকার শ্বন্ধুন, শ্রী স্কিরার্ব্বমর্বা</u> रद्र्यत्रुंदर्तुः अरब्बुदाय् सुरावबुद्रवार्वेद्रसूर् हेश्याया मुळेव पेर्तुः अरब्धूद यश वर्ने सु सु केंग में विवेद कें र डंग या प्येद की केंद्र हेंद्र व्यक्तिया यः इस्र राष्ट्रीयः ययसः वुः गयः वें रक्षेत्रः ययः देः स्वरः गत्रः सर्देरः यस्यायः धेव ग्रीका मालव समावा सुव त्यीव क्षा तर्रे र ग्रीका या धेव वि । ॱढ़ॱॸॴॕॖॸॱॿॱॸॿॹॹॼॱॼॸॆॿॹॗज़ॱॹॖऺॶॹॎड़ॱय़ॸॱॾॗॗॸॱॸॆॱढ़ॺॕऻॿॱय़ॱढ़ॸॆऻॸड़ॱ क्रिंद्र परि क्रेंच द्र्येव अवश्य स्रम्भ ग्रीभवव प्रव अर्द्र पा लव प्रमाय दर् *ॱ*ढ़ॣॸॱॸॖॖॖॖॖॹॱॻॖॖॖॖॸॱॸॕॣढ़ॱॴख़ॴॴॱॻॱक़ढ़ॱॻॕॱऄॸॱय़ॸॱॴॱॿॸऻॱॴॴॸॸॱॻॕॱ

शे. र्ट. बुब. इस. स. गुव. रू. ८ याया संतर या या प्रवासिया अ. ही ८ . स.दे. देग्राचयदार्श्वेत-नगयः प्रशासदाकुन्यये ग्रुपः अवयः स्वराने स्वरान्चा यदिन या इसका ग्रीका दे व्हार तर्हें वा या प्रा किंका बसका उत् यदेवा श्रीया से दायर षेर्या वृक्षा गुरायेग् वायायका दे र्षेत् गुरायदेव स्त्रूया ग्री हित्य या स्त्रूया यर भी रूट य देवे र्द्ध्य यश र्त्ते द्रावश येव हे रग्रश शुर्भेट व। अधर र्ट्यक्तित्तात्वर्द्धात्रम् तात्र्वेरावश्याविषाचरावश्चरावाश्चात्रे विक्षे ॱढ़ॖॸॱक़ॺऻॾॱॾ॔ॱॺऻ॓ॱख़ॖख़ॱढ़ॖॱय़ॖॱख़ऒक़ॕ॔ॿॱॿऻॱॶख़ॱॸ॓ॱक़ॖऀॸॱॻॸ॓ॿॱॿॖॻॱऄॸॱॸॕॱ निर्धेन रेग्न ग्रीस रें वें केन निर्मास सु सेन यर गान्त या या ने र्नेत न्यार्श्वेट केन नर्श्वेयाय दे श्रूयश्रास्य सुर्ध्या ने नट श्रूट य यबेव:र्। वर्रेन्त्र रेन्द्रन्त्र्यं श्वायम् द्रियामा स्वायम् वर्षे र्गेअशकें दे दरदेवे तर्दिन के तर्वेषाय के दे त्या क्या का क्र केंग्र के क्रे त्या <u>दे प्रतिव केंबागुव पासु मव पर्विम ग्रासुस्रा से प्रसाम स्वास्त्र पाद्व पाद्व प्राप्त प्राप्त</u> ब्रैंबायाक्रार्क्षेयांकाग्री तर् भिवाले या हेवा अञ्चर या शुरार रामा कुराया यदेव व्यामी यदे यदेव या से दार्दे विश्वासी राया मुश्राम विश्वासी से स्टि <u>र्</u>, वीं अक्षात्रःक्षुः अप्श्रास्य स्वरास्य कार्यो क्षात्रास्य कार्यो । स्वरास्य कार्याः स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य देवे तर्नु ने अन्ते अर्थे माध्य प्रदेश ने वर्षे माद्र माद्र से अर्थे अर्थे वर्षे माद्र में अर्थे वर्षे से अर्थे न्दंशःचेरः स्रावेदःगुः। वःक्षुन्गुःकेंशः क्रस्रशः सःनेःन्दः देतेः सर्वदः सरः

ૡૢૺૺૺૺૺૺૺ૱ઌૢૢ૽ૣઌૺૣઌ૱ઙૢૼ૱ૢૢ૽ૣ૽ઌ૽૱૾ૺઌ૽૽ઌ૽૱૱૱૱ૢ૽ૺૺ૾ૺૺૺૺૺૺઌૢઌૺ *ऄॸॱॻॖऀॱऄॗऀ॔ॺऻॺॱॹॖॱढ़ॊढ़ॱक़ॆॱढ़ॺॱक़ॸॱय़ॸॱऄॱढ़ॹॗॸॱॸॺॱॺॢॺॱ*ढ़ऻ यादः यादः व्याद्यः शुः सः दक्षेयायः समः वर्ष्क्षेत्रः यदेः वर्ष्क्षेत्रः यदे देवे देवे देवे व्यवस्थाने स्त्री वदरमेर्या भ्रेपामेर्यारेषा कर्यार्या ह्यायार्या ग्रेंग्'इ'र्5'र्शेग्श'ग्रेंशकेंश'कुंशकेंश'कुंशअकंत्र'यादायर'ये'त्युट्टें। ৻ৼ৴ৼড়য়৾ড়৾৾ঀ৾য়য়য়য়য়য়ড়য়ড়য়ড়য়ৼঢ়য়ড়য়ৢঢ়য়৾য়য়য়য়য় चक्कित्रभूराख्यार्यायात्रेवरक्षेत्राच्यार्यक्षाच्यार्यस्थित्राच्येत्राच्येत्रः स्ट्री मुंशका तार्ह्मिका ता थे. श्रुँचा तत्रा भ्रष्टेश चष्या ला. जेबा बना भ्राप्तर क्षे. यी र्दे चिं सन्सेम्बर्धार दे हैं दारा हे दासे चहुँ साम मानव चहे व सुवा से ब वर्तेव। ब्रूटाब्र्ट्राव्ह्नानु पङ्गियान्नी यायायायायेवावया हे स्रूटाब्र्ट्रा ଞ୍ଜିମ୍ୟ'୵ଧ୍ୟମ୍ୟ'ୟ'୍ୟ ପ୍ରମ୍ୟକ୍ଷିୟ'ବ୍ୟ'ନ'ଞ୍ଜମ୍ୟୟ'ଣ୍ଡା 'सूर'अ'षेव'हे। दर्रेश'र्दे! क्रुअश'यः दर्रेश'वेव'र्देश'यः वे'गवशासुग्राश हैंद यं केर र्रायम्बन यम हैं र केर प्रक्षें या ये के वा क्रूर प्राचे वा का सुर प्रक्षें या पल्यापः र्ह्हेर हेर र्झेसप्य धेव श्री केंश उव पर्झेस र्गे शप्य संवित्त है। कॅबाउव'क्सबायो'र्ययाबाय'रे'केबाउव'रेवे'केबावेर'योव'या यश्चन्दः यं प्रश्चन् पङ्ग्रीयः गुदः छन् ः र्ह्नेदः गः यः धेवः हे।

र्द्ध्यान्दासञ्चत्रायमाधेनायाञ्चेनायाधेतार्दे। ।हेर्सार्चेनातृर्द्धेत्रावस्रायना न्यंग्रा शु येन पतित हेन त्युर मी श्रूर य पशु येन यश श्री या येन चल्व. श्री. च. क्षेत्र. श्रेट. चीवर्यायाश्व. च. श्रेट. चल्वेच. वयायाश्व. च. क्षेत्र. श्रेट. यार्च्यात्, वृग्नात्रा ग्री वेत्राया ह्ये त्यया श्री त्रूप पार्ट वेत्रायदे न्नूपत्राय वेता हो। ୲୕୶ଡ଼୶୕୶୲ଵ୕୶ୖୄ୵୕ୣୠ୷ଡ଼୵୕୵ୡ୕ୡ୶୕ୄ୷୕୷୕ୢ୵୵୷୶ଊ୕୷ୢ୕ୢୠ୵୷୷ଡ଼ୢୠୢ୷ म्बलार् पर्यापायविवाली । दे स्वरामीस्वापसार्ह्याया वेदादा हेता वर्षे दार्या याः भूषा वस्रवाउदावसायाः तदायमः वे संग्रवादाः । वसास्रावदः भूष इयमाण्यान्य व्याप्त विवादित्त विवादित वि र्देव'न्य'क्क्षुं'येन्'गुं'न्द्र'यब'न्द्रन्यदेशक्ष्रन्'यन्व'य'क्क्षुव'ववावायादह्या' यानेबादहिषायबासे दियावबा सक्सायविषा हु र्ह्हेय केटा ह्वायाय क्षेत्रावा देवे कें क्षें या चेदा ये। क्षें देवा वर्क्षेया चुर्द्य या या या या या या विकास विका याधेवाय। वर्झें अप्वते चासून ग्रीकें बाह्म अवान्ये वाह्य विश्वेत स्थित केंद्र क्रें। यर से वेंद्र विषय यर से वेंद्र दे वस सम्दे ग्राह्य या विदर्शी |वयःविगःर्श्वेयःचेनःत्रेःन्नः। न्ङ्केयःचःर्हेनःवेन्गवेशःर्शेर्यःयःस्टानः র্ন্নি: ৺শ মর্ক্টবারশক্রিশস্তার দুর্মানাশমান শ্বিদান্তি ক্রানালি দেই বুল र्के। अनुसानविगान्देशायेवा गुनैशाञ्चरासेना नेशावाकेशानेनावा वसा

षदः दखेयः दश्चेतः सेदः यः वसः सम्वदः क्षः तुरः गुवः यः व्रितः गुदः सर्वदः सदेः वर्निका ग्री:ख्या डि: यदा ब्रोदा या दे दुका गुवा हु व्या आवत सूर ग्वावका वा क्रिंबार्चस्रवाउर्दे त्यवासी तर्वा वर्वायम् से वर्ष्या क्रिंबालेर ৾ढ़ऀ॔ऀॻॺॱय़ॺॱऄ॔ॻॺॱॺॖॱक़ॕॺॱॸढ़ॱय़॓ॱॸॺॕॖॺॱॸ॓ॱक़ॕॺॱॸढ़ॱॿय़ॺॱॸॸॱॸॆॺॱॻॺॣॺॱ यदे हिम्। यदे इस गुर्व सर्कें न स्व ही हैं द केंद्र गुर पेत्र विषया रायदे अन्यायन्यायी:त्राव क्या ने वार्केयावायमुन ग्री ब्रूट या त्यायावा हे ये न गुरा रद्यविदार्देन्यम्ययायदेः यो ने माम्या सदा गुदायो ने मार्येन्या देशमानेश्वासुरक्षेद्रायम्भूमान्यास्था । ऋग्वान्यामी देद्रामान्यास्य सम्बन्धान्यम दे-दर्भद्रादेशक्रक्षं वस्रश्चर्यं क्रि. स्टायविव रेद्र म्याया स्था स्थराया धेव प्रमा ५ सूरी ५ से मारा से ५ स्त्री प्रमा ५ स्त्री ५ स *ऀ*ॾॣॖॕॴॻॖऀॸॱॴॼॣॕॱऄॱॺऻॿॖॸॱढ़ॾॣऺ॔ॺॱज़ॣ॔ॸऻ ॱॸॻॖऀॸॱॴॱॼॣॕॱॹॖ॓ॱॺऻॿॸॱढ़ॾॣ॔ॺॱज़ॣॸऻ क्रिंबा न्वीन्बा धोव हे। तर्थे त्युर भेन ने रन नतिव क्रिंबा त्न्बा धोव हे। द्यीग्राम्हर्यस्व सम्मद्याद्या स्थित स्थित स्थान ध्रम्म । प्रानेश्वाचाप्पातुः द्वाप्ताचे द्वाप्तावान्ताप्ता । स्थाञ्चर यविश्वासाश्चिरायदे क्षेत्राचे विविश्वाश्चिराक्षं रदाश्चिराक्षा विश्वाद्या क्ष्या न्वीत्रामक्ष्याक्षेत्रायाध्येत्। न्यूर्वान्यम्याभाग्येन्यूर्वान्यान्यान्यान्या *૾૽ૢ૽*૽૱ૡ૽૱૾ઌૣઽૣ૽ઌ૽૱૱૱૱૱૱૽૽ૢ૽ૺ૱૱ઌ૱૱૱૱૱૱૱ |दर्ने:दर्न्, बाया चुर्या के बाया चित्रा क्षेत्र का विकास क्षेत्र का विकास क्षेत्र का विकास का विकास का विकास क

क्रें र्ने व न साम के बारा के बारा के व की न सम्मान के निर्माण के निर् <u> न्य्रोग्राज्ञान्याते क्रिंट केन्यात्राज्ञान्यात्राज्ञात्राज्ञा</u> बॅग्बागी ब्रेंबायबाद्येव यादे लेद की हिंगा थे नेबागी खुयादु वेंद्र यबाव देवें दें दें वें बेद या कर अध्यापा खुटा देश व दे हेव विदुर्ग क्षेट पा दर ब्रुवावबाळन्यवराबेयाबेर्नबाही स्टावीटीतेन्त्रीबाळन्यवरा भ्रेमवन् भ्रेन्विमभ्रेमवन्ययान्तिन्देशस्य स्थानि स्वाम्य स्थानिक र्द्धेम् अञ्चलका है। हो द्वार प्रत्याचित्र के कि के कि के कि कि का के दिन के कि का के दिन के कि का कि कि कि कि यदे केंबा के दाये केंबा के दारे देश के दारे केंबा के दारे के दारे केंबा के दारे के दार के दारे के दार के दारे के दारे के दार के दारे के दार तर्रियानान्त्रीयानान्त्रीयानान्त्रीयानान्त्रीयानान्त्रम् अर्क्षव प्रमः श्वापाय से दे प्रे प्रवास दे ते प्रवास दे ते प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व स्वारायार्भेश्वरायवरायमुन् व्यान्ध्रीयश्चरेत्रायीत्। नेदेःस्याग्चीशःस्रिशः য়য়য়ড়৻ৼৼ৻য়ড়ৢঀ৻ঀয়৻য়ঀয়৻ড়য়য়৻ড়ৢয়য়য়য়৻৻য়ৢঀ৻য়ড়৻ড়ঀ৻য়ৼ৻ चेबायर वि.क्री अध्याय छेट दि. ह्ये बाक्षे अटबा मुबायबादव बाव क्र्याःग्वात्रावर्ष्याः स्वर्धिव। पेंद्रसेद्राधेवर्धवर्धवर्धाः सवर्धवर्धाः सवर्धवर्धवर्धवर्धवर्धवर्धवर्धवर्धवर् में दिंशवर्शन है। वासून नियासुन निर्मा के किए ना सेवाने। ने या पेंनिया मेन्या महिकाधेवा महिकामेनमाराधरमारमाकायदिसम्बन्धारम्भेमाका यदेख्वेर्र्स् । प्रश्लेषश्चार्यासे स्थित स्थान स यमः वः ऋतः यान्याका क्षेत्रः श्री दिः देशि देशियाकी यान्याका कार्याका विकास क्षेत्रः स्थितः गुरा देवेर्देर्चे मुर्देद्व बद्येम्बर्स् सेन्यर मुक्बर गुन्ना वर्षय गुवेर

द्रियाबादादे त्यायो व्यायेदायबाद्येयाबायोदा स्टायो दे दिवादयाया या येवा **क्रॅिट हेर खेर ग्रुट क्रॅट यर टें चें का ग्रुट या क्रें क है। खेर्क्रेट या** ख्राबारम्याचेत्राची मानवायाय सुराक्षेत्रा या स्वाप्त्र मानवाक्षेत्र श्रेव र्त्रे। भ्रिंश वय धेव गुर र्सेश य धे वय धेव यश सेंश वय वेश यदे र्दे:चें:५क्षेम्बरश्चरक्षेत्र:दें। क्षेंद्र:य:दें:चें:केंद्र:केंद्र:केंम्बर:केंम् गी' হাস্কুদ্র র্ডমাস্ট্রা র্জিমান্ট্রিদ্র শ্রীমান্তর মী' শ্রার মান্ট্রা র্জিমান্ডর স্থ্রীমানাশাদ্র मी' सर्कत्र स' से द' परंदे 'क' त का दे 'त्या दे 'क्षेत्र 'या हमा का या प्यक्षा प्रमाण हमा मा हु' मलव.ज.भ.कूंब.तर.कूंब.चल.जूब.भ.एबंच.तवा ल.कूंट.कूंब.चल. त्यः ह्रेंद्रः भें : इंद्रुंद्रः भें : इंद्रुंद्रः भें द्रुंद्रः भें । वार्क्ष्यः सक्ष्यः सक्ष्यः सक्ष्यः सक्षयः स अन् नु र्भेन् प्रते र्केश क्रश्रा र प्राप्त र र में रे र र श्री र गुर क्रें र प्रति क्र क्र र प्रश ब्रूटॱब्रूट'त्रह्ण'णेव'पशः क्रूट'लेट्'यांवे'र्ब्ह्येर'ग्री'ट्वांटश्य'यः क्रूट'त्रकर' यह्याय। अटार्सेटा ब्रटा यह वा प्येष या वे प्रदेश में प्रदानी केंबा हो प्राधी व गुवाक्षे वाक्ष्राहेवाववुदामें स्वादात्रसम्बादारमें रामें दें विदायमें र ग्रिसक्षंद्राचर शुवादा दे विष्ठ्रम् वास्त्रदातु स्रास्त्रम् स्याने स्याने विष्ठ निर्ने नियुत्र देशस्य सुनिष्य हिन्दु निर्मे <u> ५६५ : प्राचेर वश्रायहण्या प्रा५६५ : प्राचेर देर द्राय प्राचेर देर देर श्रूट पा र्</u>ह्जेण हुः अर् प्रश्चरत्र्वाहुः श्वायाय। वः क्षर् दुः भेरायते तुः स्याया स्टावी दें वि शे र्ह्सेट य प्राप्त देव ग्विन व रहा रही हैं प्राप्त प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व क्रंट कु दर से क्रेंट कु ते केंबा घर दर पेत स्वा सुस्राय देश में

रें ते क्रेंट प्रवेत क्रूट । क्रुट प्रवेत क्रेंट प्राया थेत प्रमा स्टामी टें ते क्रुट प्रा शे हैं दाय वेता के समावत गुं हैं दाय दे त्या हु रावसा חימריאַ־אָביקרין रे विट र क्रेंट बुट र क्रुंट व से प्रति व के क्रिक्त क्रिक्त कर है। गैं दें ते केंद्र प्रतिव क्रूर प्राप्त क्रूर प्रतिव क्रूर प्रते देव। या ज्या क्रिय प्रति |क्रेट्रपाले**र्ग्नाञ्जाकाका | माञ्जाकायकाकावालायादी** प्राप्ती क्रेट्र र् देर्भ भेर्पम् वर्वभावार्यः स्ट्रिंप्यम्मेष्ठात्रः वर्षाः वर्वः यदे बूद मुद वो अधर खूद यश ক্রমারমমান্তর্মনান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত यो दाया विकास स्थान विकास स्थान विकास से प्राप्त का स्थान स् য়ৣ৾৾৾৽ড়ৄ৶৻য়য়য়৻ঽ৾৾ঽ৴ৼ৻ৠ৾৾৽ৼৣ৾ৼয়৸৽ঽ৾৴য়ৣ৾৽য়য়৾ঽ৻ড়য়৻ড়ঽয়৻য়৻ৠৢ৾য় तर बैट ब्रैग बार्स्य अस ह्या अधर खेट प्रश्न ह्या अधर ब्रेश चेट केंब ट्रें याववः ग्रें 'क्रेंट' लेट्' त्या से 'ट्रांचेश क्रिट्टा या लेट्ट 'कर्ट् ' अध्या ख्रुट्ट या स्टार्च 'टे ব্রমান্রর্মান্স্রারাষ্ট্রস্থান্ত্র্রাক্ররার্মান্ত্র্র্যার্থার্মান্ত্র্যার্থার্ वर्नेषायर्क्तर्त्ते। निःक्षत्वःक्ष्रमान्नेवःना यर्केन् क्षेत्रःयःने प्रमानश्चरायः व्हर्यत्र्वेया के ५ 'त्रा के का मालक क्षेराय का मालक स्टामी है है हो यो वा उं विगायम् । ने संयोज है। सुस्राय सरमो में में मने म से न से माने से हैं म यामात्याधेवासूस्रात्। नुस्रायायदेवासेदाधेदायुदार्झेदायावेदासेदादा षदा व्यादार्श्वेदानेदायेव। व्यादारायदायदावेदार्श्वेदादानेदायेवाचेयावा र्ब्हेट्ट्या हेट्ट्रा धेव प्यमाय सम्बद्धान प्राप्त के स्वर्थ प्राप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वय स्व क्रॅंटा व्यायदेग्वनेत्र्युवाक्रॅटालेकायदरास्टाया व्यायन्टाव्यायदे यदेव'शुय'ग्रेंग'श'द्र'ग्रद'श्रद'श्रेव'द्र्गेंश'ग्रुद'। ब्रिंद'ग्रेंशश'द्र'द्र्'त्रश' ब्रुट्यश्ववेषासेर्वाववायग्वाया वसायरे केंश हेर धेव या सर्कर है। रे विंद्र र यगमा प्रश्नम् म्या मी र प्रदेश से द र भूयाय प्रतिव है। स्ट ब्रिस इंगास्याः ञ्चूत्यः यावशः र्वेषाश्चर्द्दश। देशवः र्वेशयादः यद्वदः युवः ग्रीशः क्रेंट.त.भ.क्री_{र.}यर.क्रेंट.क्रेट.प्रक.येंट.भ्र.क्ट.यर.प्रजीर.ट्रा | व्याप्यय.तटा व्याय हैंदाय के नृत्विका त्रुदायका वाह्यन नृत्व्याय येन निर्वेका वाहित्य केंद्र-द्रिंश-विदेश-ह्रा-क्षेत्र-यम-ध्या क्रिंश-वाद-दर-वाद-यद-मर-वो-दि-विशक्ष्रित्यम् कर्ष्यक्षर्त्र स्थान्य स्थान स्था रदाविव व क्षेत्र त्येत्यर वय। तुम्र यदे रदाविव क्षेत्र य कित प्रेत यदे सुराष्ठ्रियाय दे द्या ये शायश्चरत्य श्री । क्रिंश वस्र शंखर स्ट्रेंट या हे द साम्बद्धारा व्याक्ष्रिया वा स्वत्त्र स्वत्र स्वत्त्र स्वत्र स्वत्त्र स्वत्र स्वत्त्र स्वत्र स्वत्त्र स र्भग्रान्त्र न्युन् ग्रेशन्यन् नर्वेन् नुवया स्टामेन्ट्र वे अस्ति स्वर्षेन्। यदेव श्रुय हि । यात्रव । यात्रव । या श्रुप हि । यादे के श्री उन्हें अउव। नैवन्यायर विन्यम्बय। नैवन्तिन ग्रीका येगावावाय दे *ब्रिम् ह्रम्भावसम्बद्धात्मा दे*न्द्वन्त्रः सुन्भुन् ग्रीः स्त्रम् सम्बद्धान्यस् यदेव.त्रम् बीय.त्रम् वजा ह्य.ट्रिंट्.ग्रीश्रम् विषयात्रात्रम् सवरायमार्जी विवयायमा हेवावशास्त्रमामारायमा विवेर् हेराया

वेर-रु-चन्रा विकामस्यमा विरागीःसमायास्यामा केर् ध्रेमहेवारवृह्यस्थेवायम्यवृम्य। भेर्चेदाम्पद्राचायदेवाश्च्या क्रॅ्रंटरपरि: क्षेत्र: हेत्र: रवृद्ध: प्रेत्र: या प्रेत्र: विद्य: विद्य: विद्य: विद्य: विद्य: विद्य: विद्य: वि र्थे मिन्यास्ते में प्राप्ते राषे दार्से दार्म मिन्य प्राप्ते दार्थ राष्ट्रे दार्थ मिन्य प्राप्ते दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्र राष्ट्रे दार्थ राष्ट्र राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे दार्य राष्ट्रे दार्थ राष्ट्रे राष ग्निसास्ते में म्बिर सेंग्रास्त्र त्युं त्युं त्युं स्याय दिने में में प्रायी दह्या विनाया वह्यामें विंद्रमें अर्द्धिरायाकेदाद्वाच्यायमानुवायाम् स्वाप्तायमानुवायाम् वर्रेन्'डेर्ना देन्'ग्रें'क्रेंन्पा'केन्'तु'त्ब्रुवान्नाश्रक्ष्रन्तु व्यक्तियात्रस्रसायावर्रेन् यश्राद्राज्यायी हिंदाके द्रायहार क्षेत्र द्रों में क्षेत्र द्रों म म्यायारा में साम में या साम प्राप्त कर में साम मान साम इनिः संप्यम्बानिः निवायाः हिनायबायन् निवानि वार्षेयाः निवास्य स्वार्थेयाः सिना बिद्रास्यामी द्रमें द्रसाय राज्या केंगामी विवेद सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र साथ सुमाना से विंग्यर लुट्री १५५१ नगमाय वर्ते नगा हे त्रायाय में दि दे सुया दु प्रस्था यम्भ्रानुःह्रे। देदेःदर्गेदश्यायाचयायश्चादेदःउगामीः यदानुः स्रमः तहितायदेः यव कुर रंग र्श्वेश या धव र्वे। । व कुर रेश ये से से र वहेव यवेव रा वहिषायम् वर्रेन् यात्री । ग्री सामान्य ग्री मान्य में मान्य ઌ૽ૢ૾૱કૢ૽ૼઽઌ૽૾ઽઌૹઽૹ૽ૼ_ૢૹૣૻઌઌૡ૽ૺ૱ઌ૽ૢ૽૾ઌ૽ૼૹઌ૽૽ૢઌૹઌ૽૽ૢ૽ૡૢઌૡૢ૱ઌ૽૽૱ दे। वर्षा पायमा माववायदे । भूषा पायमा भूषा भूषा प्राप्त । क्षेत्रात्व्यायर्थे । दे श्रुयाद्रा श्रीश्राश्चित्यत्रा हिंदाग्रहा श्रुयाम्बद

मुंशक्रेंद्रायायाधेवाने क्रुयाक्ष्राचीकाक्षेंद्रायर्थे। विकाक्ष्रकावाक्ष्रीवार्धेदायेद <u> २६५-२र्गेश्रामः। वयायाञ्चलाम्बर्धः स्ट्रियाधेत्रावेशायश्राकेत्रार्येता</u> त्या य बेंग्बा ग्वित क्रेंट र विश त्रूट य तदेश केंब घ्यब उर दें यें केर सेन्यम् क्षुप्रादे न्तुसदे तुम्रायाय यत्यासे क्षूर्ण्या मृत्रेश क्षुस्रे न्यदे र्केशकेर रेव रमा मर रेवावया में में मान माने या माने य ह्याम्बित्रमुख्याम् अस्त्रित्यकान्त्र्याम्बित्रस्त्रित्यकार्येव ने प्रते सुम् हु'त्र्युदा'यदे'सुर दुर्अ'य'त्रदुर्दे। दि'र्श्वेग्श्च'रेग्श्च'य'दर्शे'देश'ग्वद् वसूत्राक्षेत्राकुटातुः सुरादर्गेत्राद्यो । । वात्रतास्यात् सुराद्या वार्से अङ्क्ष्रीः हुं नु नु नु चु या चु या या चु या च या यो या हु या चु या च या या च या या च या या या या या या या या य बेबायदे क्षेत्र पर्दे केंबाउन। रगार्झें न उन प्येन पर्देन पदिन पदिन पदिन प गरमें नियर रु विश्वास्त्री त्वन परि द्वीर र्रे । । निर र्से विश्वासेन ने ते बुर महिना गा गुन हैं या नहीं ना होना स्वया दिना मी नयम तु हुना या धेना ना ही। क्षेत्रात्वायायात्रा त्रवेयायेत्यो प्राप्तापुत्रमुक्षायाये क्षेत्रायये स्रोप्ता र्भे । हम्बार्या देया देया दिवा मुदा हो। दरार्थे खुरायश्च। श्रेमा देशेमा मीश र्बेट लेश देव द्यायर हें ट र्स्य यन्द्र य तदि के सूर्य शु श्रेग श्रेग ग्रेश र्सेट से र्सेट प्रमुद्द प्रभूतका खुरायवा परे खेर द्दा क्षुन्द्र्भेग्रस्तिन्द्रिं स्ट्यं वार्षा क्षेत्रस्ति वार्त्य क्षेत्रस्ति वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वा क्रेंद्रप्य मुद्रा बेव प्रश्न या प्रवास देश प्रति हैं तर् क्रिय प्रमुख प्रश्नेत हैं। इस दिसे वा वा वा वा वा वा यार द्वीर पर्देश गाव स्टाय विव की शा सद सद दें दें त्य याव शाद्वीर। अद्यव

र्देशम्बन्धः र्देशर्गायश व्याप्याने यहेन यस्त्र मुश्रद्भानेता वहेगाहेव.सयायश्चाता विभागतिभागत्मे विभाग ब्रुयातुः सेवः या व्यावाद्या विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व भ्रवशः श्रुः अप्रवाद्ये द्याः द्वेषाः अनः नुः त्युः नः पदः श्रुः नः नः । ने स्थः नः नः । ने स्थः नः नः र्क्षेषावदावगवाची क्रेंबियादा स्त्रीत वाक्षेत्र दियाया स्थापन स्त्री क्रेंदावी वः क्रुन्न् नुअः यः चनेवः यम् सुवः यः धेवः यक्षा वः क्रुन्न् नुअः यः वुअः यका भे र्हेट्यान्या व्यायायनेवायराभाष्य्यायते।वश्येवावरावणाने। ब्रम् सु: सु: मुलेश गा श क्षुन गु: न्यम तु: युश्यम । यश यो नय ते न्यम तुरी |ग्वयःहे:बुरःदे:ग्वेशःगःदेव:द्यःदिंदःपदे:द्यदःद्यःदः वः भ्रेःदवदःदे। विश्वास्त्र स्वायान्य। युरायवायान्य। ह्रिंगकेन सेन नवान पुरावश त्रूर्याकुस्रक्षयाद्रा क्रिंद्याहेव त्युर्द्धातकरायते देव त्यक्षक्रस्यते क्क्रिवायले'न्रंभेगबायदे'स्वेरार्दे। हिगबाने'न्यादेशप्यलेव'ग्याक्रेनिव'न्या तर विभाग विभाग स्रोहें द्व। विभाग विने शुवा विभाग यदेव. श्वाया श्रीका क्रेंदावा त्रुया या त्रुया यका ये। क्रेंदा या त्रवावा हे। देवा द्रया न्युन्याम्बर्यायवर्षाम् स्रेटावसन्यन्य । युयायाबस्यायाकान्यकावस्य ह्ला खा स्वा ग्री प्रसार् प्रधुराव सुरुष्याय विश्वायाओ हेरायवस्रास सुर्यायापी केन तुम्राया तुम्राय का क्रेंदाय दे 'दें दें ता धेदाया। दे खाय देव यम माजूयाय दे र च श्रू ५ मुक्ष या विषय प्रति यहे व श्रु या से ५ रहें या विषा हि से ५ प्रते । धेरा र्देव:द्रश्रायम:श्रें स्ट्रेंट:व:यदेव:श्रुय:बेंद:य:द्राः। यदेव:श्रुय:श्रेद:व: त्रुयायात्रयादेशात्रवार्श्वेदायाधेत्रायात्रात्रदात्राचेताः तृत्युत्राचे।

न्ध्रिन यश्यन्त्र्युवायाक्षेत्रयास्यायाक्षेत्रकेषाष्ठ्रायते देवासया यद्यात्राचेत्राचेत्राचेत्राचे विदेशयात्राच्यात्राचे अर्देत्राचक्रुवः यर्डेशःगुरु यथ। केंद्र हेर् यसुर्जुग्यन्द्र यदे श्लेयका सुरोग वे सेग् ग्राक्ष्राप्ता व्याचित्र विश्व विष्य विश्व विश्य रंच के र ग्रीका क्षेर्य यस्तर प्राया किं र ग्रीका क्षेत्र की को क्षेर्य य ब्रुयोबाक्कबावशवाक्तरास्ट्राह्मविषा था. ब्रुटा तमा पित्रा यीटा पा. ट्रे. जीटा टेटा न्द्रें विषयि । विश्वस्थाय विन्यस्थि विन्यस्थितः विन्यस्थितः ववःग्रेशावशःत्रदःयःयशःवधश्यशःयावै। ग्विदःश्चेदेःदर्गेशःग्रेःदेगशयशः द्याया च . योदा त्याया पर्दा निया दे . क्रिया यालवे . दे ह्या समा निया या तसम्बायायायायेव न्याया हु यन्। हिं न्यो बा स्यायायायायवा विवाय दे यदेव स्यापाया परे स्या तु स्या पा दे देश सु तयद्र प्रशासिक है र हे त स लव्यत्यान्त्रित्वीरात्री विभायात्रराह्माव्यास्त्रह्माव्यास्त्रह्मायाव्यास्त्रह्मायाव्यास्त्रह्मायाव्यास्त्रह्म यश्चिम्यान्तेन् ह्रिन्यदे वीं से केन्ने हुन्यान यम सन् गुना ह न्याने क्रिंट यदे में 'क्रें क्रेंन्'य' न्टा मवना में 'क्रेंन्ट क्रेंन्ट क्रेंन्ट खटा मवना में ' र क्रेंट परे में के केंद्र प्राप्त केंद्र हैं। । यह ग्राम मिने माना प्राप्त केंद्र प्राप्त यर्व ग्रुं वर वश्य व कर् य श्रुं वर र्वो तर्व ग्रुंश क्रूं र य श्रुं त्र तर्रे श्रूर क्रॅंटरपाया र्देवामालवातुःशुरायदेःयदेवाशुयाश्चीः भेटागुवायहमावायाः दे र्येटा मी ऋष्ट्रा सुका ब्रेट्टिय पर तर्दे दाया देश। या के का ब्रूट के दाये देश कुराय विया मी हेंग्रशर्नेवरे।विवर्तिन्दिः क्षेर्यस्यविदः ह्रे। देवर्त्याययः केंबाध्यवाउत्ययः

र्देशवश्या भूँदा परा परेवा गुपा गवि भेरा दे दासा गवता गुना भूँदा रु कुषा गुरा दे सूर ने बायबाय द्या गहे बाबा दिन स्वाप पहिंचा सुराया हे सूर मर्वे ५ दे। सूर्य दे सूर्य हे र्डं अ में अर्थ ग्रुट महे शर् सूट सूर्य प्यादे हु गहन्याधीन ने । विविधा में द्वारा के दामे ने प्रमुद्दा दिन दिन प्रमुद्दा स्विधा ह्यंत्र:द्वांत्र:ह्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र: क्वांत्र हे रेंद्र मि पश्चा गुर येव यदे बाल्याबादे सदावबालयाय मानुबाही केंबा महामहायों दें पें पे वशसेदेखं य न्दर्देशाने रायायविव नुःईं राय केन्येव यविव नुः इर यर वकर य केंबा हेर ग्रेंबा चत्य्वा ब र्ख्या धेव यर में वा वसूरावमावासेरार्देवाम्डेमारुविकरास्टामे स्टामीर्देविकासे हिंदावि क्रिंशन्। क्रेंशमावन ग्रीशक्रेंट परिक्रेंट केन प्रश्नान रामधेन न क्रूट क्रेन र्र भेर पर रे वें वा वर्षाया चलेतार महिनाके का हैं राया र हेता वर्षाया बेर देव महेव में इस प्रवाहित्सर मुर्चे सम्बन्ध मवन में द्रार्थे र गुर दे વૈંદ-૨૬તે ફેંદ-૬ એ૬ વાર્સ્સ શ્રેસ ફેંદ ફેન ત્વુદ દ્વારા નહેવા હું ફેંગ્સ ધ यवित्वा गवनाः हो नवः येषा गुराने र्यं अर्हेन वार्षा श्रुप्त वार्षा हिराहेवः वर्ष्युद्र बुद्र वहुषा यो देव आवश्य य द्या योश गुद्र विंद दु हुद द्याद य है स्रेरं भेत्र केंगाया अविकास र हैं अस्य गावत स्याम्य विद्रम् में केंद्र र दे द इस्रश्रामुश्रायेषाश्रायमःश्रीस्रश्रायाञ्चीश्रायेषा वायान्ने। प्रवायिन

यनेव महिनामार स्टामी नयर तु चुनाय सेव है। सुस्राय सुस्राय साम से स्ट्रिंट या बक्ष्र-र्ना व्रमयविवयमार्श्वरायार्वे रामार्चे रामार्चे रामार्चे रामार्चे व दे निराधर से दर्दे ले वा व्याय के शास्त्र वा वर्षे यम मुवायश हें र है। ग्रेग्'र्र'र्र्अदे'र्रे'र्व्र'र्र्र्य्य्य्ययंदे'ह्ये ढ़ॕ॒ॻऻय़ॱॾॕॱॾॕढ़॓ॱॾॗॕॱॺऺॾख़ऻॕॸॱय़ढ़ॱॸॺऻॾॕॗॸॱढ़ॸऺॱख़ॖॱख़ॖॱॴॱढ़ॕॻऻॱय़ढ़॓ॱॾॗॕॱॺॾॱ 'ଯ୍ୟ' ଦର୍ଜ 'ଛ୍ଟିମ'ଟ୍' ଦମ୍ପିକ'ଶୁ ଦ' ଦଷଦ' ଦ' ଭିକ' ଦଷ' ଦମ୍ପି' ଓ୍ୟା ଦାଷ' ନିକ୍ 'ଶ୍ୱାବ୍ୟ' શેર-વ-ફ્ર-મવશ્રાય-ફ્રુશશ્રો-દ્રમ-શૂવ-લેવ-વર્શ્વુય-વમ-તશૂમ-ફે/ઘ-ૠૂર-તુ नुअयान्यस्था स्रेटान न्य नुस्यान ने स्यान स्थान मालक सेन करें मान्ये अपने के उने के प्रति मान के मान के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के प या इंदाया या यहावाया विद्यार विद्यार विद्या रवश्यात्रस्थरात्रशाहित्यो हित्रहेरा देश देश हेत्यम् हित्रमा त्रुस ब्रॅग्रास्टर्ह्नेटर् ब्रुव्ये स्ट्रिस्टर् स्टाकायये स्त्राकाया से तिवर् सम्यास्त्र स्त्रा रट लेग्रन राम स्वामानावन हैट रि श्रुप्त स्वामाना सम्दि प्रवास स्वामाना स्वामाना स्वामाना स्वामाना स्वामाना स्व सेर रगग रेत। सर्रे स्मार्या गरेर मारे स्मार्य स्मार्य स्मार्य स्मार्थ प्रस्ति स्मार्थ देवित्रक्ति, अध्य श्रुषाकु वर्षेद्र प्यादे श्रिष्ट के दाश्चा पा । ध्रुप्त प्य स्व अप्य प्य प्य याने स्वराज्य वास्वरान्य नेवान्य निवास्त्र विकास व ୢୖୢୠ୶୕୕ୠୢୢ୷୕୷୕ୡ୕୶୷ଵୡ୲ୢ୕୰୕ୢୡ୕୕୷୕୕୕୕୷ଊ୕୷୷ଽ୕ୡ୲ୢୄ୕୶ୡ୲ୡ୲ୗ୲ୠ୵୕ଌ୶୲ୠ୶ य रहार्देश व शाओ हैं हायर गलवा यहेव शुवा ग्रीश हैं हायदे गलवा हैं हा शु यायर्गम्भायेवास्यायं विगाव। हैं वर प्रभा मानुमा अ देव द्रभा पदेव

यागिकेश शुः श्रेन प्यदे ने भिष्म केन प्रमानिक स्थानिक श्रेम स्थानिक स् हैं पानिक अपूर्ण हैं नाय अपूर्ण पर्यापन राय दे। हिर उनाय येना न चन्द्रा में स्थार् दिया द्वार देवा वा विद्रालया विद्रालय क्रॅंट:श्रूट:वर्ञा हैं:वट:पंदे:र्देव:द्यायावव:क्रेंट:यो:ह्रेश:बु:व्याय:व:येयाय: यर वर्षा है। विर उषा बोबा गुव हैं या बाबव हैं दा। देव द्रार पर हैं दर् प्रमान्नित्मात्त्वात्या हैं वर्षायमात्त्राव हैय मर हैर। देव प्रमानविव हैर रुप्तरास्त्र पर्त्याप्य दर्गानियाम्य विषयाम्य विषयाम्य विषया ॻॖऀऺॺॱॸऻॖऀ॔ॸॱॸऀॺॱऄऀॺॱॸऀॺॱॻॖऀॱढ़ॿ॓ढ़ॱॾॕ॔ॸॱड़॔ॺॱख़ॱढ़ॺॺॱॺॣॸॱॺ॓ॱक़ॗॸॱढ़ज़ॸॱ प्रशास्त्र क्षुत्र प्रश्चेषा प्रदेश विश्वाप्त स्था देवा सुदाया स्था होता । प्रशासने स्थापना स्थापन ५ अः क्रॅंट के ५ ग्री रें व या र्ख्या प्रविव प्रमाय मिविया रे ग्रम व योगमा वडा श्चेर्विष्यायादेशक्षेंद्रपाकेद्रश्चेर्देवरवश्चवायाधेवरवश्च देवरेदेरवा कुर्'ग्रे'केंशक्रम्भारत्वे दें विशक्षेत्यर प्रमुवार्वेशग्रे। रददेशक्र शे क्रेंद्रप्यदे केंब्र लेग पेंद्र बर्ने यदेव श्वाप पव कें। ।दे सूर देव द्राप्त रहीं द्र यश्रन्धन् पर्जेन् नु शुपायवयापने वायर शुपाय सेन् पर्वे नु सुन पर्वे हेव तमुद्रामञ्जू भेद ग्री श्वदाय वदि वे श्वदाया महामबिव भेदा या वेदा तुः र्नेदेश रेंदि केंबा केर ग्रीबारे ख़रायेव या वेबाव क्रेंट हेव वयुट रेंव गरेग देः बः श्रूपः वर्त्वाः वे अवा से व्या श्रेषः श्रीः वर्धे वर्धे दः वर्षे वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ॱक़ॣॸॱॻॸॖॆॿॱऄॸॱॸॖॖॱॼॣॻॱय़ॱॿऻ<u>ॗ</u>ॹॖय़ॱय़ॸॖ॓ॱॻॸॖॆॿॱऄॸॱऄॿॱॿ॓ढ़य़ॱॾॣॕॸॱय़ॱ केराधिव विवा युयार्सेम्बायायनेव येरान्यार्झेरायदे शक्षुर यञ्जूयाया

क्रॅंट से क्रेंट में दें व दें व दस य र स श्वा य य दर। শ্বর'শ্বশা अन् पति नव सुनाव हे सुन पहें न गुन देव से तवायाया नवःशःधुरःयरः <u> ब्रे</u>भ:हेंब:प:प्रबे:५८:ख़ब:पश्याशुट:४ठ:ग्रे:५वेंदश:५व:यावय: र्क्षेयाची तद्येव से ५ 'ग्रीका द्राया चा चा न्या चा नु र र तदा ५ 'ग्री र स्वर । ব্যাষ্ঠ্য *कें* ५ 'हें गुर्श केंद्र' कें गुद्द विद्या विद्या का विद्या का का का का का कि का कि का कि का कि का का कि का कि येग्रबायर हें वायरे क्वें वबा मुखायरे प्रोंटबाया तकप्र यर अहें प्रेंग् <u>ୣୄ୷ୖୖୄୣୠ</u>ୢଊ୶୷୷ୢ୕ୢଌ୵୷୲ୄୖୠ୵ୢୄ୷ଊୣ୶୶୷୳ଽୣୡ୵ୄ୵ୠ୵୳ विग हेर निवासी। व हुन नुष्टि र्सन स्टिंग सेव पर विवास स्टिंग से ୄୖୡ୵୕୰ୖୢୠ୶୵ୠୢୄ୕୵୕ୄୢ୕୵ଊ୕୵୕ୠ୕୕ଽୖୄୠ୕ୠ୴୰୴୵୴୵୕୴ୢୠ୕ଽ୶୰ୖ୵ୡୖ र्नेवा हिंदाक्षरावा यदेवाबेदायदेवाशुयाप्तात्करास्टावाबेदाग्री क्षेटाया विद्वाक्षद्राहेव विद्युद्धा विश्वयायक्ष्य सेदायदे सावकराया वया प्यासी श्वेदा र् हिन विद्यूर में श्रूर या श्रुर र प्येर या इस्र विस्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान यमान्बान्नम्बार्यस्थम। यन्वान्यानान्येबाङ्गम्ययं मानवाङ्गम्पने विदुर्गि:श्रूर्वरम्भरवाक्षांबन्हे। यदेवःश्रूवामहवाक्षेत्रंश्रीकोत्रत्माम हेवं त्युर वी श्वर पर तकर शेर व है वे प्रेर रे से र श्वर शेर शेर शेर रे अ प्रेर वस्र अन्य ने ने ने ने ने ने निक्ष निक्ष के निक् *ॾॣॸॱ*ॻॱॸ॔ॸॱॻॸॖ॓ॿॱॻॴॾॣऀ॔ॸॱॻॱॺऻढ़॓ॴॱॻऻॿ॓ॱॺऻऄॺऻॱऄॿॱॶॕॸॱॻ॓ॿॱॾॣॕॸॱढ़॓ॸ हेव'व्यूट'र्'वळर'क्षुअ'व। दे'वेंट'में'र्'केर'य'केंब'उव। मवम'में'र्र् दक्रम'यम'श्रवा ग्वत ग्रे क्रेंट यं ग्वत ग्रे प्रदेश यें र तकर प्रते ही र

मालवः पराचः श्रुदः दुः सेदः पराद्यामा या स्टेश्यः स्वा श्रूदः परिः दृदेशः या मारा तुतरातकरा क्षेत्रायरा वाषा वाप्तवा क्षेत्रावे विष्यता प्रति दिन विकास स्वारा विषय त्युरक्षे श्रेन्यते स्वेर ने ने अन्ति स्वीत्यी स्वाया स्वित्य से नियम स्वाय स्वय स्वाय स्व श्चरं त् सेर पदे र्केश विवासेर पर प्राचनायायायाय दे ते ग्री वाश्वर तु र्षेत र्द्धन्य क्षेत्र विकास्य स्वाद्य स्वाद्य स्वेत्र स्वेत्र स्वित्र स्वाद्य स्वाद च क्षुन नु र्षेन यदे केंबा दरे क्रमानें व नमन्त्रींन यक्ष न्धन व नमें माना क्ष येद्रायश्राणे वृश्चार्ट्स तें तेद्रा श्रीश क्षें द्राय र श्रुवा श्रुवा श्रीवा क्षें द्राय विवास यश्रक्षरः र्ह्नेदः त्वावा सेन् नुः श्रुवा ग्रीवा श्रुन् नुः वा नुवा सेवा देवा हेवा देवा नुवा नुवा सेवा विकास व न्यायायायीताहै। देशाहिकादेवायीयाचियाक्षेषाक्षेषाक्षेत्राचाद्वाराया यव र्स्व श्रूप त्याय योव प्यादे श्री मारे बाव प्यापे व स्थाप प्यापे प्रेम प्राप्त प्रेम प्राप्त प्रेम प्राप्त प्रमाणिक प्राप्त प्रमाणिक प् न्यान्ध्रीन्युं न्युं न् विभाव क्षेट छेट हेव रविटार रक्त पर दे देव महन वशाने मान सेट । क्षेट हेव त्रधुट ग्रांबे ग्रंथा या यत्र संभे उट प्रांवे त्रण्याय उव तुः र्त्ते केंश हिंद ग्रीभाष्यान्त्रान्त्रात्रात्र्वेत्। ग्राव्यायायवराग्रवेशायग्यायान्यात्र्या र्श्चेत्रप्तर्हेन्यते। स्टार्श्चेत्रमावन्ययायमेयाप्तर्देयस्यस्यते। । धास्नुन्तुः येन् यः स्टार्टेश्वत्रश्चेरायः द्रा यदेवः श्रूयः ग्रव्याश्चेशः श्रूटः यः ग्रवेश क्रिंशमावन ग्री हें र हिन्। सर हिन से हें र परे न रें स रें या हु र पर । हु स युवर र्षेर या गुलव ग्रें वर सेर श्रुर यह से यव या चलेव वें। । गुलव ग्रें वर् सेर् मुब्द मुं वर् र्र प्रमान हिंद मुं खुम्ब के की । कि की सुस्राध रहा क्रेंदरणेव व क्रेंबर के प्लेंदा व क्रुंदर हु योदर व के क्राया व देवर दयर हींदर

यश्रावेषाश्रवः श्रुत्रः तुः अतः द्वींश्रायः तृरः। बःक्रुन्-तुःषेन्-त्रःन्त्रःन्यः न्ध्रिन्यमञ्ज्ञावेषाम्यमञ्जिन् ग्रीप्रमान्नुम्यान्यम् मन्त्रमान्नेमन्यम यनेव श्वयायने शक्ष्र न्युं न्यये सेवाबायबा दग्य र्स्य कें य कें य कें प्रें विम्बास्यस्य। विम्बास्य र्ने व र सार्ची र प्राप्ती सामा र विम्बास्य र विम्बास्य र विम्बास्य र विम्बास्य र विम् विग्रां त्र प्रदेत शुपा शक्षेत्र तुः वित्र प्रदेश । विस्राय देत दस दिस्त यश्रन्धुन् पर्वेन प्रवेन व्यासेत्। प्रवेन प्रयापास्य प्रयाप में निर्देश प्रयाप विम्बार्या अविम्बार्यन्त्रम् सुनिः हुन्ते हि दे स्व निव सुनि से डेशपरि:श्रुपानुनि:र्कन्यामनाधित। नेशन्यन्त्रम् गुप्रामुंदालेश वर्हेन गुररें व निर्देन ग्रीका सन्दर्भन का याने त्यका स्वार्थ में भी की के त्या स्वार्थ में मिल्ली की का स्वार्थ में स्वार्थ म क्षेत्रा रेश दंश या यव विवश शुरकेया वृष्य । श्रूट हें टा बुट यह त्रा दे किंव ୠ୕୵ୄୢ୕୕୕୕ୗ୶ୖୣଽ୶୷ୢୢୢୢୠ୷ୢ୕ୠ୶ୄଌ୕ୣ୕୕୕୕୶୶୷ୡୄ୵୷ୡ୕ୄ୵୷ୢୡ୶ୣୠୣୣ୷୷୶ୄ୲ र्ह्मेर केर केरा साजुर यह मारे मिं व केर हिंग्या हो र ग्री त्यया धेव वा हिंद *૾૽ૢ૽*૾ૺૹ૾ૢૼઽ૽૽ઌ૾૽ઽ૽ૡ૽૽ૼ૱૱ૹૣ૽ઽ૽ૹૢૻૺૼઽ૽૱ઌૡૢૼઌૢૻ૽૽ૼ૱૱ઌૡઽ૽૽ૢ૽ૢૼ૾ૺઽૼૺ૱ૡ૱ૻ भ्रीयित्यायम्। दे वित्र केंद्र ग्री देवायमा ध्री मार्धि वामायि स्वापी त्या श्री ॔ॱक़ॱॻॱढ़ॸऺॣॴॕॗऀ॔ॸॱॾॣॴॕॖ॔॔॔॔ॻॹॖ॓ॱॴॴॴड़ॴॴॸऄॱढ़ॹॕॱॻॴ<u>ऄॣ॔</u>ॸॱढ़॓ॸॱॸ॓ॱ व्दः विः वक्तुरः वन्दः गुदः दे विः वः वेदः ग्रेष्टिं व्यवः शुः से खेवः विदः त्व्वः विं विंदः श्लेट से हेरि। किंगा मो प्रहें द खुम्र अंगा में अ हिंद र ग्रेअ दे किं त लेद से हेंग्राया वःश्रुत्यायावश्यरणरः यदः ये त्युरः वश्विः व्यावित्रावितः यायवः बेसकाग्रीकायोई रायायाळेषायासा चार्षेष यद्यायदेवायायेवा सेवार्से वदा तुः द्वीयात्रायाने । विंत्रात्रात्रेतायाने या *ਬ੍*਼ਬਾਧਾਨ੍ਕਾਨ੍ਪੁੰਨਾ 55

ग्रेश्चन्धन्तः संन्द्रसम्बन्धः यन्ते वित्रम्भवः स्वन्ति वित्रम्भवः स्वन्ति वित्रम्भवः स्वन्ति वित्रम्भवः स्वन्ति वित्रम्भवः स्वन्ति स्वनि स्वन्ति स्वन्ति स्वन्ति स्वनि स् न्युन्वःचन्वः श्वाचः से न्येग्राचा चुस्राचः न्येग्राच्या चुस्राचः न्येग्राचः न वित्रस्य वात्राच्या यात्राच्या यात्राच्या वात्राच्या वा गर्वेश वित् भेतर्ते। । तेशव पत्रेव श्वाप डेश पर्देव पर्दे तर्धेतर श्वेशवा यद्याह्नेत्यायायम्याहेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्याष्ट्रेत्या <u> ५५५, जु.वज्ञाताकात्राचात्राचात्राचात्राच्यात्राचात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः वास्त्र</u> ५भ्रिं ५ भ्रे ५ धेव गुर देश देव द्यायर येद या ये प्रमाय व्याय देव द्यायर येद गुराहेव.पर्वुराषी श्रूराचार्ड्याये रायरायी विषयायथा देवाव देवार्या यर परेव शुपा वा स्नुर रु से र पविवा सुसाय वा स्नुर रु से रिका से पेका हेर्देव-दर्धेद-श्रीकायदेव-यामहेकाळम्प्यम्भी-द्रीम्बाक्री दिवावा देगावा नेशवः क्षुनः नुः से भेगवाधवालेवान्य। ने किन सा क्षेवा सेवा हेव क्षेवा बःक्ष्र्रः तुः स्रोतः प्रदेश्चेत्रायात्वतः क्ष्रीयः यात्ता वाक्ष्र्रः तुः प्रवेतः स्रोतः स्रो क्रॅंटायामानेशा क्रेंटाहेवायनुटार्देवामानेमातृत्वरायराहे क्षानुरासुटाह्री। वैंदर् अंदर्गवन्यं में द्रावकरवा अंश्वेद्याविवर्वे। विंदर्दे। १५७० में क्षेटार्चे पक्षाय। देग्राक्षुयार्हित्यादर्ते दर्ते है। तुम्रायात्र देते पत्र श्यामान्त्रात्रित्यादे। इत्रामान्त्राष्ट्रेत्यादेवःश्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्र त्यायायासास्यायासूर या चन्नम्बर्धेट्रद्यःश्चेर्येग्यम्बर्धेव्या

र्क्रेगायि क्षें वश्यावत प्रवात व्यायाय देव श्राया प्रवास स्वात स्वाया प्रवास स्वाप ह्रमायसङ्ग्रीदायाक्ष्रम्। ह्रमायाक्ष्याद्वेरायदेवासुयायहम्सर्वेदाद्वस्य दे तुम्रायायामे दार्गा के मान्नवाया भेंदा हो दान मान्याया ह्याया चलेव:रु:वशुर:र्रे। । यदेव:शुय:गले:शेर्-यदे:र्श्वे:यहगराधेव:यहा सुरा या यहेर्त स्याया माडेमा या यगामा रामा श्री सा हु यदेव स्यापाया विरमेद द्वीर यह मार्थ स्था है मार्थ है मार्य है मार्थ है मार् रेग्राशीकातुमायदे क्रेटर्नायग्या के त्यान्त्रीका है। तुमाया से वेटर द्रा र्ब्हेट्यायबेत्। तुर्यायायार्भेर्वेटार्भ्येट्रेश्येट्यो शक्षुट्र्यंयात्र्र्भूयाया प्रविव त्री । श्चि प्रप्रवाश विवासी खुया की खुया की खूरापा हु अका श्ची पर्दे वा का प्रवे । म्बिन्दे त्यत्राम्बन्धन् व न्द्रम्म न्द्रम्भ स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स ग्रांचायाधीवायंत्रा देग्ध्रमवास्त्राच्याच्याचीवायां वार्षावायां वा यदेव सुय गुंब प्राय हैंद लेब डेब से शु गलव पद से ही हस सा गुंब त्रुयायान्द्रान्देरायदेवाशुचामञ्ज्ञानुः नुयायान्याया श'रद'गवन'र्' न्रीम्बा म्बद्धान्त्रीम्बायबाविम्बायबानेन्त्रीत्रान्यान्त्रीन्यबा केट्-ट्-्रम्माक्षे-ट्रम्बाय-प्रमुक्-प्रे। दर-प्रहेन सूत्र स्रुक्-स्रुक्-र्युः बेद-स्प्या ग्रीः द्वयायद्यादे सुदार्थे द्वा या देया शाद्या यह मा के विवाद द्वा या द्वा या द्वा या द्वा या द्वा या द्वा या द्वा य पश्रत्वीयायाप्रविवादी। सिरान्ताकीयाच्याचीयाचीयाचीयाक्षेत्रायमास्थ गुरावर्षायेव दर्वे वार्येत्। हित्स्य व सुराये यात्रावावव परंदे वार वार्यो यन्यायीश्रास्टार्ये स्थार्य र्सेट लेशावश्रायेष प्रयोश्रासी । । शक्ष्र प्रयोग्ये ग्री-दिरासुअ।यासुअ।यश्राक्षेप्स्टि। सुअ।यायनेवासुयाग्रीकार्स्रेरायान्दा। ने

प्रविवः स्वयायः यार्श्वेषायायः स्वर्थायाववः हैः स्वेरः र्रापः से स्वर्शेः या वयायः बॅग्नरगुन्दें में दिन प्रतिहास है देन प्रतिहास स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स ने·ॡॱतु·नॅव·न्यःन्धेनःयशन्धनःवशःक्षेंनःशःक्षेंनःवकनःयदेःश्ल्रायशःकुः वर्षर्या के भ्रवश्रास्य वर्षा स्वयाय देश होता से देश होता के कि वर्षा स्वर्ष यर मुर्पायर्ष्या रम्याम्बन मुग्नासर्वेन पर्दे मार्न अदे स्राम्बाया केव'र्ये द्वस्रश्रं भुं वियायविशायेव यस्य यस्य वस्त्रिं वश्रव र्रेस्सर्क्र केव र्ये ५ ५ ५ ५ में कुर्वेश वित्र क्षेत्र क्षेत्र कि न महत्य प्रियोग परि ५ में अपा क्ष्र्र'ग्रे'केंबाक्रम्बायायदेवागुयायमार्केबाग्रेपयद्गाम्मार्देखें वर्देग्रन्थाया सेव्या क्षेत्रा चा स्नुद्रा तुः व्यद्रा क्षेत्रा स्रम्भावा व्यविषा छेटा यह्ना वशक्रिंद्यम् पश्चितादर्शेषा शुःषवि त्दर्या दे सुम पश्चितावा क्रिंद्र हिन त्रावितेत्रः येतः त्रा रें विं केतः येतः त्रा वत्रग्येतः त्र्यसः वते व्यवाहः त्युपातुषात्राणा वासूर्योः केंबाइस्राया मार्गे देशों से देशा न्ध्रिन् ग्री से । वेग्रास्य मास्य सुरस्य व्या व स्नुन्न् से प्रते से स्वापन्त गुया हु ह्यें यहग्रायायावदा विग् देग्रायाया द्यापा द्यापा द्याया विश्वाया देव วุลารูย์รานสารยราที่ : केंद्रायदे तक दार्ख्या वर्षे : कें। हे : क्षेत्र द्वा कर सर्वरणरा र्रुररेग्वराहे बवाहित्रहर्शिषित्रहेंदेग सुरसायार्थेश र्थेन। शुकु विद्वेव वर्हेन वर्नेन सेव के ने मेग्र या वर्हेन वर्नेन नमा ह्रा चैंयायमा ग्री मार्डे में क्रेंम हेन महनाया दिया हुया ग्री में मारमा मन्तर ग्री क्रुनः वा क्रीनः वर्ने नः क्रीका व्यवस्थितः व्यवस्थान विष्ठस्थान व्यवस्थान व्यवस्थान व्यवस्थान विष्ठस्थान विषयस्थान विषयस्यस्यस्थान विषयस्थान विषयस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य

यश्यादः वयाः ददः र्केशः ग्रीः यद्याः तर्वीयाः यो यदः वयाः ददः र्केशः ययायाः शें दर्गे अप्ते। चगाया व शक्षद से द सम्प्रमा सम्बाधिक सम्प्रमा स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन संख्युरःगासेर्'साधेव वस्क्रुस्य । रे'नेव ह यरेव है। र्रेव रस्य र्येर यश्रायद्यायादेशादर्वीयायो र्केशाद्यायादा वया यायायाया व र्वे (वे वे उया में राज्य र में व रहा प्रकार के व रहें हैं . इंदे रहा व रहें दा राज्य है रहा के का का का का जा का जा का जा का यगागावशक्षेंद्रायरावश्चियादर्गेशक्षायाद्रिशायग्यायायायवावावावावा यात्यास्त्रेत्रात्ते देवे कुष्यक्ष्यः वास्त्रुत् द्वितः प्रवेत्त्वतः तुष्यः व द्वितः द्वा है। देव-न्य-नर्धेन-प्रश्नाक्षन-क्ष्र-क्ष्य-इसम्-न्धन-व्याप्त्य-इस्-यर वश्चित परिक्षे देश द्वर वर्षेत्र वर्षेत्र श्चर वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य शुवायायाशक्ष्मत्त्रअवाद्युत्ये वर्षेत्रवर्षेत्रयायेवायात्या द्युत्वर्षेत्र्त् ब्रुवान्नायदेन ब्रुवाद्या स्याने दे विकार्षे दायदे वद्याप्त स्वरूप स्थाप १८८८ पत्रुपार्थे से रायत्य। देव र या र में रायका यान्येष्यायानेदेश्कें। यन्षायेन्यनेवायेन्योः नेवान्यान्यान्या क्रम्भानः क्षुत्र तुः वित्र प्राप्ते व त्रमात् वित्र प्रमात् वित्र प्रमात् वित्र प्रमात् वित्र प्रमात् वित्र प न्वरन्तुः वुकान् । वार अवान्दरः केवावार । धराने वान्वान । धराने वान्वान । धराने वान्वान । धराने वान्वान । धराने हुर से रसे मुक्त या विषय अया मानायत्या अयम्यायत्या ५५५ वर्बेर्याद्धराबर्धाः श्रेर्दे। श्रेर्वाचर्यायाकृषाः ग्राह्मेयावार्थः

ॱॱ॔ऀॸऻज़ॱॕज़ॱज़ॴज़ॿज़ॱॻज़ॹॴॹॱॶॗढ़ॱॿॱक़ॗज़ॱज़ॿज़ॱऄॱॎॺ॓ॴॗॴय़ॱऄॗॱख़ॖॱ <u> बे</u>ंद्रन्नुस्यायबार्न्नेदालेदायाञ्चाद्रातायेदागुदा। नुस्रायाः कृत्वे कें का ग्री में प्रेम् प्रस्ता क्षेत्र स्रोता स्रोता स्रोता ग्री मा स्रोता स देॱसूरःश्चानःयः यश्चान्यः अश्चानः अश्चेषाः अद्। वःश्वनः दुःहेन नशः 'ववुद्र'चरे'द्रचद्रमेश'चक्कु'अद्'तु'क्कुद्र'च'वद्रु'वमम्'अ'दमेश्र'व। देशक क्ट्रेंट प्रतितः क्टूट पा क्ट्रिट प्रतितः तुः क्ट्रेंट प्रति क्ट्रेंट प्रति क्ट्रेंट प्रति प्रति प्रति प्रति प <u> न्द्रें अर्घे के के ने ने जो अर्घ्य या सुआ ग्राट पर्क्षेत्र के तुआ या वर्ष अर्घ्य या प्राया अ</u> क्रिंशकेट्राग्रेसम्ब्राचायायदेरायादेषासायायावत्राग्रेसम्ब्राचार्याद्वीसाहे। कुःमिनेरायाः क्षराद्वेशायेंदे केंशाने दार्दे हा या वा वा गञ्जाबाक्षंद्रायद्य। क्रेंद्रायाकेद्रावाञ्चावाक्षाक्षांवाक्षा क्रेंद्राकेद्रायाके क्षेत्रः ग्रीप्तवाद्यायायादेव पुरायायाव विषयाया विषयाया विषयायाया विषयाया यंबेव र्कं य र्श्वेषा श्रवश्चर यंबेव र्श्वेर यं के दिन्दा । उश्चर । यमा क्रेंट्रपंतर्गुंशकेंशक्ष्यस्यशक्रेंट्रपर्धानुंद्रग्री केंशस्यश्रदाय केंद्र ग्रेस क्रेंद्र पर्दे। विश्वाम्बुद्र या सँम्बाय विवर्तु में द्र्येश ग्री र्कर्'रे क्रुट्। ब्रूट र्कट के क्रिट्य क्षेत्र या क्रुट क्रुट ट मावत विमान्नर्यात हिंदाय केंद्र ग्री देव हिंगू का या यका सेटा तु त्यु सावता हो। वस्त्राचित्रायाः सुराञ्चा देवायाः स्तर्वे स्तराववावना र्भेग्र प्रदेश विश्वासुरकायायर स्ट्रेंट्वेट केट केट के प्रवास करें यान्स्रश्राद्या यो यात्र न केत्र दें लिया यात्र दें प्राप्त स्वर स्वर स्वर स्वर या व्याप्त स्वर स्वर स्वर स्वर

मोर्द्रम्डेका प्रम्पाद्यम्याद्यादे स्वर्मात्र क्षेत्र हेन स्वरुष्ट्रम्यायीर्मा . स्याप्त क्षेत्र स्व क श्चेशञ्चरः सुरः यश्वयः र्देवः वेशः रगायः यशा सुरः यश्ववः यद्देवः यः द्वस्रशः गुः शुग्राबायायायायात्रायवात्रायवात्रायायाः क्रियामा स्टामी मिर्द्धाया र्ड्याया शुक्र दिंचे व र तु या न वीं दश्य समान में स्था सिरो से सा हिन त्या शुक्रा श यविषाः अर्दिन स्त्रेषा अङ्गात्ये। । । विषयः यनिवासे स्वास्य स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स व्याभित लेकाय। श्रुमायने तायान हो माभीन श्रीमाया श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाया श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाय श्रीमाया श्रीमाय गुव न्यायविका स्वाका अवर न्या को न्यार नु नुका गुरा ने हें के रावविका ख्यासामेव प्रमासामा वित्राची व इस्राम्ह्यायरि देव द्राम् श्री द्राप्त द्राम्ह्यायरे म्वस्य स्वास ग्राप्त सेव द सवर द्या में नव अ स्वा अ दे हैं अ है। हिंद शे स्वा अ ता वा स्व द दि र्षेद्रः क्ष्रंद्रः सद्यो दिः दे से क्ष्रेद्रः यस विश्वास्त्र स्था दे त्यक्षः विविद्य दि स्थान यदेव शुया शुंभा क्रेंटा लेखा वर्देदा यहा दे वह वें यदेव क्रेंटा दे केंबा बसबा उर् ग्री मेवका समाका का की त्या र प्रति हुं ता की विंद् ग्री समाका या शक्र दि र्षेट्र-र्क्ट्र-ट्रेन्ट्र-प्रायम् अपियाचा महाहैका से में हिन्द्र-प्रायमाया र्दर्रर्द्र्र्स्टर्स्ट्र्र्स्ट्र्स्ट्र्स्स्ट्र्स्स्ट्र्स्स्ट्र्स्ट्र्स्स्ट्र्स् विगार्स्ट्रिट्यम् विश्वासूट्यास्त्री वास्त्रन्तुः व्यन्तिः स्त्रीस्त्रस्यस्य सामी स्त्रीति । है'ॡर'त्यूर'हे। रे'वॅर'र्अर'र्केशवस्य उर्'ग्रे'ग्वर्य स्वाय सेव'रा वर्षेत्र वें। विश्व मर्डें वेंदे रेमशय दरे या दर्श हे रदि सेंद्र केर हे ॱढ़ऻ॓ॴॹॖॸॱक़ॕॴढ़ॺॴॴॸ॔ॸॕॴढ़ऻ॓ॸॱॷॴऄॴऄॱढ़ॎॾ॓ॺऻॱऻॾॣॸॱऄॣ॔ॸॱढ़ॺऻॴॱ

बेर-र्देव-मर्डम-रिक्स देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-र्देव-रिक्स-रिक् *ইবা'বডৰা'ট্ৰা'ড্ৰ*'ঝ'ঐব'ট্ৰা| ইবা'ঐব'ম*ত্*ম'বলবা'ঐ'ঐৰা'ট্ৰামবৈ'ৰ্ড্ডম' द्रीयाश्वायते खुवा आधीव प्रश्ना दे त्यद्वे केंगा यी हें द केंद्र या प्रवास प्राया प यान्वीं बाया छे विवार्षेत्। दे प्यम् केंबा बस्र बाउन ग्री में में देव न्यान् हींन यश्र भे नभ्रे मुश्र प्रशास्त्र हिंदाय हो दाया प्रति । यो प्रशास के बेर बेर् किंशवसम्बर्ग उर सर सर में दें वें के हैं र वेश मन सुरन रे सूर व। वःश्वरः परेवः परेवाकः प्रकार प्रदान वर्षेत्रः दुः देशः क्षेः त्यु रः हे। न्यु रः क्षे'चर्चेद्र'त्र'क्ष्रेद्र'यर'व्यक्ष'येत्र'देश्वाक्ष'त्र्वेत्र'त्रेद्र'त्रेत्र'क्षे' वशुरा दे भ्राव केंबादे पदिव शुराहित शुराव पदिव शुरा वावव शीका है क्षरक्षित्। यदर्देव द्यायदे क्षु य से विवाय यर वय है है क्षु य रद वी दें र्वे किर् न्या स्ट अर्ळव र्वे न्या प्रमासी विषया प्रमार्वे न न्यापदे क्री वा ๚๎ๅ๚๘๚ ฿ูา๛ๅ๛дมฬักฺฆ๛ัฆฮมฆฺ๖ๅๅ๎ัฦๅ๛๚๛๚๎ๅ๚๛ चलाहे। देते ह्रेंदालेदा सदेव सुसाहें मुकायते द्वाव सक्सायवमा ह्वदा बेर्दे देरे देर केंबा महा यह से बुदान दे सन्सानन विमा बुदा सेर्द्र वर्देन नुर्गेशन्। केंश्वाध्यक्ष उन् रहाने हें हों ये तकान्य्रीमका कुरोन् परि हें हाया भ्रे ब्रूट प्रम् तयम्बाय देवे अनुभावन्त्र देव विश्व के व उन्तिहेग्। प्रते क्रुमारक्रुमार्मे । क्रिका वसका उन्ते में नित्रे क्रुमार क्रिका क्रिका वसका उन्ते में नित्रे क्रिका क्रिका क्रिका वसका उन्ते में नित्रे क्रिका क्रिका क्रिका वसका उन्ते में नित्रे क्रिका क्

यशर्नेव न्यायर विन्यते र्सेव यो नेते खेर नेव न्या है गवायते ह्ये दिंर ब्रूट तुर्दर सेट है। कैंश वस्र उट गर्देट क्रा ब्रूट पर केंट हैं अर्देव सुअर्दे ग्रम्पाय धेव श्रेमा देश दे अदाय राष्ट्र मार्थ करि यम हेंद्राय हेंद्र ग्रेम केंब क्षम मेंद्र यम में होद ग्री ক্র্র্স'রমশ उर्-र्रामे दें प्रें अर्झें रापदें। विश्वाम्बर्ग देदे द्वेर तुम र्शेंगश्राध स्नूर रु:ब्रूटः व:क्रुब्रश्यः देंव:द्य:दुर्धुद:यदे:देंद:ब्रॅंट:ब्रॅंट:ब्रेंट:ब्रंट:देंव:देवाब:य:देंदे: र्देव द्व प्रतिव प्रमा वर्दे क्षम श्रम यह यह सम्मानु या स्वार्थ अपने प र्ने ऋ्रअ:तु:प्रथ्यात् । दे:वींअश्वात्रशः क्षेंप्रात्री:प्रया:क्ष्याशः क्षेंप्रशः प्रात्रः स्वा यात्रा क्रमश्रस्टान्दा यहेमश्रस्त्रमार्सेमश्रम्भाग्रीख्यामीकारीयार्देन्या वर्ष्यूरमी। वर्रे पर्वे न से से दें र लेश किर विश्व में है। न स्वार स्वार से से स वरःव्रश्नवःर्देवःवर्षायः। इरःस्टःष्रोःस्टःदेशवश्राःक्षेटःवर्वश्रायः मावन ग्रीका क्रें राध रामा प्रवास या या या ये रे वित है। ये ये रे या रे वित सा बेर दें लेब भेर या नुबा गुरा वरे पर में दें वेब के ब्रेंट यर भेर पर पर क्यात्र. र्कट.पहुर्यात्रात्रर्ज्यात्रर्ज्यात्र्यात्रस्यात्र्यात्राच्यात्रत्यात्र्यात्राचयात्रत्या भ्रेन्गी। यनेवासेन्छेबायदेः क्षेत्रान्ध्यान्य। स्यानीर्देश्वें से स्र्रियाया यदेव हूं द मावव हु र यदे ह्या हेंगा देश कर्मश हूट हेंगाश ही खुया ही दिंद सूर द्राय पर से हिंग है। दे ता हे सूर में समाग्र है तम से तदत दि। दिश्व स्ट्रिंट हिट् श्री सेवाब प्रवास निवास निवास है अप रुषा रहिर समा रहिर कें केंग रूर गर बना मी हैं में भी रुमान सम

न्यायाः चः व्यवः यानः वर्षायाः र्द्धयः नुः न्धनः वर्षे अः न्धिः भ्रीतः वियाः वर्धनः व्या देव:५२४:५धुँ५:५२४:वा८:३वा:५८:ॐ३:७)दे:दें।दगावा:५८४:४:५४वा४:५: दे'यार्केशन्दाम्पानमामानमास्रेन्छेश्वान्त्रम्नुन्तुश्रिन्। देश्वेर्केशन्दा यदः बर्गा अ'त्रेयाश्राण्यदा। वाञ्चतः त्रेति त्रेति होतः ग्रीदिनः केश्राद्यायान्य वार्षेतः यदे व कृत गुर ते कृत क्रीं व केत्र त्यावकाय प्यव वि । दिदे ही र दिकारी वि क्रिंशकेंद्र'ग्रेसप्यदेव'गिवेसप्यग्यायेद'तु'प्रकरप्य'गेंद्रिंद्र'ग्रे। देव'द्रय' अल्यायमायवर्षाः कुर्याके अञ्चेतात्र्वी अध्यायाः स्वेतात्रे । यह्षाः यम् । यद्षाः यमा विंद्रशी क्री या नादा ने प्रेव यम त्युमा वेषाद्रा दे केद्र या क्री व यहेगारेव क्रें अन्याया विकार्सियाया येटीये वटा ग्री प्रमास्त्री प्रमासाया क्रेंट्र ॻॖऀॱॖॖॖॖॖॸड़ॱऄख़॔ॺॱऄॱढ़ॺॕऻॺऻॱय़ढ़ॱक़ॣॗॖॖॖॸॱॸॗॖॗॸॱॶॗॸॗॖॗॸॖॱय़ॸॱॾॗॗॸॱय़ॱऄॱढ़ॿॸॱ यदे मन्द्र पश्च या दर् वया दश्च या दर् हूँ पा के पा मन्द्र या दर्ग व ह्या विर्'यर उव लेव पर्रेरवा वया त्यूर लेव पर विष्नु न्या विष्नु न क्रुट्र प्रते ख्राका से पर्टे र प्राचे क्रु सर्व है विवा प्रवा देश व येग रामर नव असे नव तरे मिले अत्यार्थे स्थाप्त असा स्थाप्त के ना से असि निक्र से साम से असि निक्र से साम से असि निक्र से र्रें र्षे द्राया कृत्य तक्रमा विष्य विष्य स्तुत्र सुत्र सुद्राय राष्ट्रे त्राया कृत्य दि र्ते विषय या हा क्षेत्रा सहिताया लेगा तका वगा केंद्रा ग्री देवा भी देवा ही देवा थी देवेॱमावदः क्रेंबा बसबा उदः सदः मी दिः विषा क्रेंदः सी क्रेंद्रः मी द्वादः क्रुंवा वदे त्या

व्यायम्भेषव्यक्ते स्ट्रम्ब्रूम्बेर्यक्त्राच्याव्यक्ते मृत्येष्यक्षियः देशः नेबार्ट्रिस्याय। देख्रादेबानेबाक्चेबाकेंक्ट्रिंदानेदायदेगाल्दा इस्रक्षाणुं वाक्षुन् क्षुम् रह्या यन्ना निक्षान्ना ना वा या प्रति स्त्री वा या व र्सेम्बरम्दायायब्रम्भागुदायम्यायात्रोदायमःद्विम्म्बदाम्बन्नानुत्वस्याः र्षेदःचम। यतः र्द्धतः क्षेत्राः मे। याईदः र्द्धयः उधः मुं मुयः सबतः यञ्चदः तमः स्दः दः सर्धेशंडे'नुःहे। हेंद्रंतेद्रंगुःदेव'नह्युन'यदे न्नूनश्रद्रा शङ्गद्रह्युन पदे भ्रवमायावम्यावम्। विमायेव दे तर्म भूटा पर्या देश देश विमावमा स्था ब्रॅंदे न्स्रू न का ग्री । प्रका खेद र र्सु या दे र स्थार । दे र पा दे के का दें दे र त्या द वीं र का या गडेग्'य्र क्रुवातुकात्र येग्रवाद्य क्रुयार्थे। । यद्रे में द्यत्र व्यव उर्-गी-क्षेर-ये नक्षायाधेव वे निष्ण । तुराकेषाव र क्षेप बॅग्राय पेर्ने व न्याय र न्युन कें। व क्षुन ग्री स्याय र र अर्वव या वर्ने न र िश्चे तासूर श्रूराय रूप अर्धन यादि 'र्नेन प्राप्ती प्राप्त स्त्राप्ती प्राप्त स्त्राप्ती प्राप्त स्त्राप्ती प्राप्त स्त्राप्ती प्राप्त स्त्राप्ती स्त्रापती स्त्राप्ती स्त्राप्ती स्त्राप्ती स्त्राप्ती स्त्राप्ती स्त्राप्ती स्त्रापती स्त्राप्ती स्त्री स्त्राप्ती स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्र शेरिश्वान निर्देश माल्या देवे क्षेत्र क्षेत्र स्वान निर्देश स्वान स्वा ब्यूय गुः विदः धरः श्रुरः व। ध्रिंग्या क्रिंया स्राध्या विदः धः वादः स्टः से विद्या स्रो र्येम्ब। व्यायक्ष्यक्षा याहणायम्बय। व्यायदेष्ट्रिम्सूय्य वरेव श्वाच श्री सुम्राय प्राप्ता वरेव श्वाच श्री में हमाय क्षेत्र श्रुप्त श्रुप्त के बाउव गिले अ श्रुव प्रशासिक के अ के अ के विश्व विश्व विश्व श्रिक के अ के अ के विश्व विश्व श्रिक के अ के विश्व विश् त्रुयाया गुर्वाया प्रेत्राप्यमा गुर्वाया प्रेत्राता येता युर्वा गुर्वा गुर्वा स्वाया प्रेत्राय येता य वियायां से त्युयाया दे प्रवेता द्यायायायायायाया पदेवायते श्रुप्त प्रदेश र्से मन्या सुदे क्री पाय विदार स्याया प्रमा दे अद्यव प्रवे क्री पर्मे मा

वश्चयः व्रः संवरहे। यदेवः श्च्याः सेदः यदः देशः श्चेवः त्यः द्रण्यान् से दर्शे शहेः रे द्रायंबेव वें। ।यदेवःवहेंवःउवःश्रेःदेंरःदर्शेशःबेरःव। यदेवःश्रेः अञ्चरणदा अवयःविक्रुं। यर्गेषाःमें देवाबायबाक्रुं। वासेदायराव्या नेशं वर्व भुं भेर पर दशूर वशरे र्रा वं वश्चुर उं र्गेश वर्व यदःश्चेर्यः वेशाविर्ययःश्चरःय। अवतः यविःश्चेरविष्यं विश्वर्यविश्चेरविष्यं वर्षेषायदेर्देवर्षेवर्शेर्देवर्षेवर्शेर्देवर्षेवर्शेषावर्षिद्वर्षेत्रात्वेवर्षेत्। वर्ष्ट्रद ग्रे क्रुं न रूट्यक्व नगमा व क्रुं न व क्रुं न त विम्रास्त्र है। ने सेव परे दिन हेव:ब:ब्रुंद:ग्रे:क्रुं:च:बेद:दें:ब्रुंब:तु:स्ट:क्रुंद:यश:चर्वव्य:यदें। ।वदेव:क्रुं: अवतः प्रवेश विवाश सुः सुना स्त्री वः क्षेत् ग्री क्षेत्र प्राप्त स्त्र प्राप्त प्राप्त विवास विवास स्वाप्त स्वाप सवरःचलियारः स्ट्रंमी र्ख्यः दुः र्षेदः या यादः योवः देशः यशा यालवः श्रीरः वर्देदः र्दे। ।देःमाबदःश्चेःतर्वीमःयदेःसेमाश्रयशःकेःव्यःश्चेःतर्वीमःश्चेःतर्वीमःयश्चदेदेः र्द्ध्यायह्रम् प्रमायम् प्रमायम् व्यास्त्रम् साम्राज्याम् प्रमायम् प्रमायम् विद्यास्त्रम् त्याया सदा यस्त्राया थी हो दाया में दाया वेता वेता हो । दिश्वा हा हा प्रसास स्थाप यःगुव्राहुर्नेवासेन्यम्यद्ग्यायम्यन्तर्ने। सिन्मेन्यर्नेवान्धेन्येश्रे यः सदः अर्द्धवः यसः ५ भेषाबः शुः भेदः देः यः स्वेदः वे । दिवे स्वेसः श्रन्तः त् क्षेर्यास्त्र अर्देत् अर्थायायदी यदेत् यदे क्षेर्या योदाया वेषा व क्षेत्र वुषा ग्राहर र्बेग्बर्ने व र्में र क्रीका अपनामा या चरे व स्वायायामा या के हैं। से वा वर्षे ଵୖॱୖୣୖ୕ଵॱॸੑ*য়*ॱॸऻॗॖॕज़ॱय़ॺॱॸੑय़ॗज़ॱय़ढ़ऀॱख़ॹॱॾॖ॓ॺॱख़ॱॿॱॺॢज़ॱढ़ॸऀॱख़ॱॻॸ॓ॿॱऄज़ॱ

ग्रीः क्री प्राप्त ने तर क्री क्षेत्र प्राप्त के शक्क मान्य प्राप्त के प्राप् यदे से व परे व यदे यश्चया वु प्रदा यहेव श्चया के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत रिते भी र तर्रे तर्दे श्रम्भ र वस्त्र स्वर्ग कर वर्ते व गुले वा के ব্যাঁশ-শা સેંદેઃૠૂંતર્સા ગ્રું: વૃત્રઃ વૃદ્દેન : સાગુરુ: તુઃ સુંતુ: વૃત્ર: વૃત્ર: સેંગ; મોર્સ: મદ: र्रेट है। श्रेन तुः महः में विक्रायकेट या सूम केर व्यव र्रेस श्रे नेता यम त्युरर्ने। दिते भ्रेरपदेव प्यायो दार्थ तहेव सूर्य तदे त्र हेव हिंदा ग्री देश दिंदे विश्व यो व स्था यो व स्था या विश्व में वि रु: सेवा ने अंडिम् प्यम्पन् सेया अप्यासेन हैं। । निर्दे ही मामने वासेन प्येन प्या र्चयाम्बर्यास्य वर्षावर्षावर्षा यद्य स्थ्याः स्वर्षाः स्वरं ष्ट्रीम। ब्रेंबान्यपद्रद्रियाबायेदायावबाख्याबायावम्यन्यवापीव। यदेवायेद ८८ हैं अ चया से त्याया है। हैं अ या चया चरि हैं या साम की या साम क यविश्वास्त्रविश्वास्त्रविद्वात्त्राच्याः ह्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या **षेवर्देवरे** षेव। केंबरवस्रक्ष उर्देश्वरायर दायाय दे ही राजेर ष्रायर न्य्रम्बर्भ्यत्रम्याम्बर्येवरगुव्यान्यः विन्यान्तेन्यः विन्यान्यः विष्यान्यः विन्यान्यः विष्यान्यः लट. क्र्या. श्रम. ग्रीम. श्रम. त्रम.ट्रेंच.ट्रींट.ग्रीम.ट्रम.त.चर्मेंट.ट्रं.टार्सेम.तम. अक्रयायल्याकी यो निषाद्रम्यात्र्यायदेव सेद येद येद येद यी व से त्या है व अत्री क्वें बादा ग्वि के विवायादादे क्वे मान्यावाद्य क्वे मान्यावाद्य क्वे वाद्य क्वा वाद्य क्वे वा शे क्षेत्र परि क्षेत्र में। । अर्दे म प्रकृत में तर्म म प्रकृत म प नवानानिः

क्रिंशः

क्रीः

नवानानिः

क्रिंशः

क्रिंशः

नवानानिः

क्रिंशः

क्रि

यादः चया र्डभः भः ध्येवः हे। देः देवः दभः सेया श्रायदेः दयायाः चुः ध्येवः वः यादयाः गर्वेश प्रवेत र सेर प्रमायश येत र वींश प्रभायत्या गर्वेश र्याया ग्रम विश्व विश्व द्यों श्राय देवे भी मा देवें केंद्र शुवादम । महाविष्ठ श्रीश्राश्चाय । ५८। यनेव: शुय: ५ ग्राग: चु: धेव: चु: ब: ऋ५: ५ ग्राग: चु: अ: धेव: यम: विश्व: योव: दे: 'क्रूम'देश'यम'र्थेव'हे। देव'गुम'रदे'रद्दे'क्क्य'यलग'रे'यदेव'गहेश'र्के' बेंदेर्नयम्तुः अञ्चर्यम्। र्नेवर्नुर्धेन् विविदेर्गम्यम् जुनेन्ववाकुः श्रेर न्यायाकुःयाकेश्वान्याया क्षें प्राकेत्राची देवा है। प्राकेत्याप्राकेत्याया है। *૽ુરા વઃశ్ગઽઃ* ગુઃર્જેચૠ્ચ૱૾ેર્વિડ્યુંડ્યું અંક્ષેંદ્રઃ છેડ્રઃ તું વસૂવઃવુઃ દ્રેંસાં ખેતુઃ ने हे 'क्षेत्र क्षेत्र च 'केन'तु 'त्युवाका विश्वन च नहार च ने प्रता के के कि का कि कि के कि कि कि कि कि कि कि क नुभेग्रायराम्याचञ्च्यायराम्याने देश्वेषाञ्चेषायाम्याच्या वर्षेते नुषा यदेव.बीय.क्र्यंबाज्ञ.बिट.तंत्रःश्चित.क्षेत्राक्षेत्र। द्वे.टिश्चे.ह्यू.टिय.टिया कुं ये नगग कुदे व कुन ग्रे में नें गढ़ेश भेंन ये केन पर्न नेदे में ये नुभेगम्यन्यन्यन्यम् नुर्वेभिन्ते। ने स्थन्य स्थान्यम् म्यान्यम् स्थित्या र्वे। दिःर्वे केन्यान्य्यान्य यादाश्चन्य विष्यान्य स्थान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विषया र्द्भग्रायाने रेने वार्याय रायग्यायाय वार्याया रेने वार्याय रेने शुवाद रा यन्यायिकेशययायार्द्ध्याने स्थान किंशान्याया केशान्याया के साम्याया स्थान बःक्षुत् सं त्वीवायां वे ते त्वार्देव त्यात् हीत दें स् सं त्वीवाया सं सं वित्त है। ते दगार्देव दयायर दश्चिम्बाव यद्याया के बार्य हा से में बाब की पूर्व प्राप्त व ५अ:धर:अ:५ऄषाब:धब:र्केश:५८:षाट:बष:षो:घ५ष:षाअ:र्दे:वे:छे५:५;शुव: यत्य्यायनेवःश्वयायेन्यदेश्वर्ष्यः वित्राय्येवः वित्रायाः विवायाः

*`*धेर`र्नेत'न्य'यर'य'न्येग्य'ग्रुट'।ब'ऋन्'न्'न्येग्य'य'वर्गेग्'ये'<u>शे</u>न्'ने। बक्षुत्तुः भेंत्रः स्ति स्त्रा से क्षेत्रः से क्षेत्रः से त्रा से त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा बः क्रुन् महन विगना सुरा सेंदा या ने । हिन न सेंन से सेंन प्राप्त सामा लवायाना नेदार्द्राक्षेत्रयाना स्वाक्षित्रया स्वाविष्या स्वाविष्या स्वाविष्या स्वाविष्या स्वाविष्या स्वाविष्या रे.मु.रम्भावातमा मार्धेर.ता.प्रयात. विषा.जन्मा रवावा.मु.विषा.ज्याना १रेबाशक्रुर् रिंद्र वेर्र की र्रेस के क्रूर्य व के रेदे रुबा बा बुर बर कर क्रूर यश्चयाया से ५ १ १ देव ५ देव ५ से वाया ५ से वाया दे हिंदा या ५ देव १ देव ५ से वाया वाया है वाया में क्रूट या शक्षु र ग्रें कें का महिका क्रूट क्रिट यमया क्षेत्र पेव या दिंका क्रियका ग्रेश्चरमुदायाधेवायश्यवदायायाचे के तदे नेशव। बःश्वर ग्रेप्टें या र्ह्या षदःत्वाया के द्वार्ति । के द्वार हे वा त्वार को देवा या देवा या शुरु दु वर्तेव या वर्त्वुदानी वाल्वार् र्देव वर्षामा व व क्षर् ग्री क्षर याल्या से वर्षामा चॱॠ॑ॖॸॹॖॖॱक़ॖॺॱॻॿॺॱढ़ॻॖ॓ॺॱॻॖॸॱॸॗॕक़ॱऄॱढ़ॻॖ॓ॺॱॻॱढ़ॖॱख़ॖढ़॓ॱॺढ़ॱख़ॖ॔ॿॱॿढ़ॱॻॖ॓ॱ क्रिंशा इस अपित निर्देश निर्देश विश्वायमा मान्या सुर निर्देश देश दि मिन स्रोत स्वर विश्वाय व। धः क्षुर् प्रणायाः र्रेया वार्यो व्याप्तरेवः शुप्तः व्यापा व्याप्ता श्रीः वित्रः प्रसः व्याक्षुरः वः व्याप्त यम्याञ्चरायाम्बदाविषानेमायस्याव। नर्देशावेदाग्री। स्याप्रस्टायस्व

धेव-दे-धेव-भेद-याम्डेग-यगमायाक्ष-युर-यश्वयावशाक्षेद्र-छेद-ग्री-में-देव-यरे स्वा द्विय द्विय प्रकर प्यता व स्वर यावा व से स्टाय प्रता प्रता व देश निष्णानुः धेवः श्री

क्रिंशः निरम्पानः अवायानाः अवः स्थानः सेवानः श्रीकः

क्रिंशः निष्णान्यः सेवानः सेव सेवानः सेवान गुवायबाद्यक्षर्णोर्टेचें केरावग्रायम्यम्यक्षेत्रे सेत्रयम्यरे तर्दे हेंद याभी सव या विवा त्युदाया वदी। दवावा या यहेन स्वा या स्व या या वा श्रुदा ग्रे दें में दें दें हैं से सुया वर्ष आवेग राय र दुः यहे व से द से त्युया या हे बुवान प्रदेन शुवामिन काया धेन प्रमान स्नाकी सामिन प्रमान स्नाने का प्रमान है न र्दुवावासी वर्षा वर्षा वर्षा अध्यामान वर्षा स्वाप्त वर्षा के वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व र्शे। । वर्दे माय है। हैं माय हैं दें न हुर या शक्रु द र वें द स्वें स्वयाय हे द नुग्रान्यस्थात्रम् अर्ड्या बर्रास्य अर्ज्ञाया अर्ज्ञा वास्त्रम् दे से र्षेन् क्ष्रमाव। सेन् सेन्। ने नेंव न्यान् मेंन् नेन् में क्ष्याये नेव न्याय दे - द्रयान्ध्रीतः चेत्रः क्षेत्रः त्र्ध्यनः यञ्जेत्रः व्यावेषात्रः । द्र्यनः यञ्जेत्रः यञ्जेत्रः विष्या यश न्युन भी पर्वेन या लेगा विषय गर्देन नु शुवा या ने हेश ग्री श क्रून वर्रेषाक्षार्ख्याधीत भी। र्नेत निर्धिन शी में महीन की विषा धीन या ती या धीत है। |रे'प्रविव र्रेव प्राप्य से अरे रेक प्राप्य से विकास विकास हिए ग्राप्य हें व न्यायालेश्यदे स्वापी विन्यायश्या वास्त्र न्त्रियायान्य विन्या यम्भवाने। देग्ध्रमाभ्राम्भवानादिवान्यमाभ्राम्याने।

विरमो र सेर पर पर्हेर पर दर। वन पर हुं असेर पर पर्हेर पर सा देन ५ तथात्रायदेवाश्चाताश्ची । सुन् वास्त्र क्षे सु धीव हों। दिव दश दर्धे द या ग्रिक प्रवास के से प्रवास के से प्रवास हो है दें हैं र्वें भें ५ : ब्रे५ : ५ श्रू ५ : ब्रेंग : बें। यदेव : ब्रुय : ५ ६ र देव : ५ व्या यदे : ब्रुट : यद : क्रुट : शेर्ज्याया नेःक्षांभेवावावयायाः सुरावरान्यानुः भेराने। वःक्षेत्राः मोः श्रुः देशः सदः द्वाः श्रुः क्षेत्राश्चात्वेदः दुः सः त्वर्याः व त्वर्वेदः दुः त्यादः वेदः । ૹ૾ૼૼૼૼૺૺૺૺૹ૽૽ૺ૾ઌૢ૽૱ૹ૽ૺ૾ૢૼ૱ૹ૽ૼૼૺ૾ૹૢૼઌૹૢ૽ૺ૾ૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૹઌ૱ૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૱ૹ૽૱ૹૢૼઌૺૢૼ૱ विगानुरानाधेवायरा। न्निंग्रीकान्नेकाविनायरान्वायनेरानुकावार्गीन्नुः येग्रास्त्री । यातुस्रान्। प्रसायेन द्वयसारे साय दे रद्या रेसाये प्रदाय दे राय र्केंग्राम्य मुन्दरात्र वित्र मान्य क्षुतात्र कें क्षेत्र न्या क्षुत्र स्वर में क्षेत्र स्वर स्वर में क्षेत्र स्वर में क्षेत् न्यादायम् क्षेयाया श्रेन्द्रवार्त्वाया हेवाया हेवाया हेवाया हेवाया हैवाया हैवाय यातर्क्षेत्रास्त्रानेश्वावाद्ये स्रिया वस्रश्चार् रहेत् वस्या ह्या प्रदेश ह्या प्रदेश ह्या स्व |यज्ञात्य| | वाक्षरास्त्रीय। वार्यायस्त्रीय। हेवायसायहवासा र्डभ'ने'सेट'मुट'यहुग्रां प्रेंट्र'र्डभ'तु'र्देन'त्स'त्युंद्र'यश्राद्युद्र'यदे'यग्रा हेश या ग्रुवा या धेवा ग्रीक्षरमुदावनम्बर्धित उंगायशक्रेशपदा में देवें कृरासेरायाया बास्नरार्द्येराचेराचेराची कर्मना धेवासेवार्धेरासेरार्र्स्सूयाचा श्रेव हो। गाय सँग्रास ग्रेटियं सन्स्राम्ययाया शक्ष्र न्युन पर सम्ब् हेशग्रेशवासून हे सून सुव। हेंगायशयहग्राया उंधायशवासून देंवे सेन्ता अवर्यन्त्रान्त्रा सिन्तो प्रायान्त्री प्रमहितायस्य प्रम्भवन्ते देरत्युरावरावय। हेवापशावहवशायार्ध्याग्रीवासूर्ग्युवाग्रीकेंशार्या

मीर्देश्वेरयम्बर्देरयदेश्वेम वर्देरश्चेत्रव्याया मयर्हेश्चरयर्ग ঐশ্বানেইশাইর মেই শার্বি মৌর শ্রী ঐশ্বান্ধান্তর্বান ঐর ঐর ঐর हिंग'यस'यम्मस'र्ज्य'ग्रे'च'सूर'एहिंग'से' द्युय'य'देर'मस्य। मान्य'णर' वःक्षुत्रः र्क्षत्रः क्षुतः वे द्वातः वे द्वातः वे द्वात्रः वे द्वात्रः व द्वातः व द्वातः व द्वातः व द्वातः व द रद्यान्यान्यायाः हेरान्यम् अत्यक्षाम् विषान्या निर्माणविषाः चित्रं खुत्र चे दे चे ब क्षुन् नु खेन नु वे का छै। है वा प्रकार नि न व का ब क्षुन् द्व-द्व-व्यवस्य उद्दर्भ-या युदायद्य। यद्व-क्रेब-व्येव-गुद्द-व-स्नुद्वे द्युयांची । देशकादेवाद्यायमाळेशायामायमामा देशकेताला पश्केशयर्दे दरदे लेशप बराय वस्य वस्य उर्दे मा प्रमुख रंभ र् . युव युर्ग वः श्रुर्र्र्र्र्र्वं अर्पर्र्वा यदि हेत्र व्युर्ग्यी रचर वश्या मर्ते र सेर्ये न्वर्यदेख्यानुः स्रूर्यदेश्रियान्यः स्वासायस्व स्थेन् स्थेन् याने त्याने अश्चातायाच्चातात्व्यतात्वातात्वेतात्वे । व्हिन्नश्चात्वेतात्वात्वात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्वेतात्व क्षेर् क्रिन श्रीय भी क्रिया चल्या घ्रम्य उर्द या चक्री व रहेट चर रख्यी र ही यक्षव यर्डे अया के अया त्या के 'त्री अया ग्राम । देश की के 'केंद्र धर हिंग यह माअ ર્ક્સ એકા કાર્ક્ષન શે કે ત્રેને એન યકા મુક્ત ફેંદ્ર શે મેં કેંદ્ર કા

यम्बाद्याः स्त्रां स्त यदः उदः त्यसः देवः स्रेट्री । श्चिं यावे र्डसः स्वयः स्वयः स्वरः याडेयः धेव पर हैं न प्रवाद न न का जार दे दे ने पर से र जुर है। अप वर्ष पर व श्चर रु से रवो प्रदे में प्रवेश की। रवो प्रदे में से रव रे ख़र वा प्रवेश हैं की स्वर्ध की स्वर्ध की स्वर्ध की स क्रेग्।याओर्।यराक्षदक्षं मुकायाक्षुद्रभाग्रहेरः तुः यका क्रेग्। या र्थेरः यरः यहमान्या ग्राम्प दे दे ने के स्थान वा निर्मा का निर्म का निर्मा का निर्म का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्म का नि तुषाया म्दाळ्या सुत्तु वा भी शुःता वा मुनि । या है ना यस वा निवाया यस विसार स्था यस हैं । वैं किन भ्रेम भ्रेन् वायायायायाया दिवान्यायम दें विन्यायम दें विन्यायम दें विन्यायम दें विन्यायायायायायायाया षीव या गिविस प्रवित्र । दि कें श्रुप्त दुः श्रुप्त सु भ्रुप्त स्था दे दे हु त्र स दि हैं क्रेन्याश्चरणाद्याश्चन्द्रन्यदे र्क्षन्यश्चर्यात्वम् कृष्णेन्द्रम् अदश्कुशः ઌ૽ૢ૽૱ૹઽ૽૱ૹૢ૽ૺઽઌ૽૽ૺૹ૾ૼ૱૱૱ઌ૽૽ૺૹૄૢ૽ૢઌૡ૱ૻ૽ૼ૽૽ૼઌ૽૽ઽ૽ઌ૽૱ૹ૽૱ઌ૽ૢૺ૱૽ૺ૾ૢૼઌ૽ૼ૱ पदिः र्कत् अवदः। व्हें अपान् नुनि हैं अपि नुनि हैं अपि नि नि में नि स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स् क्रिं अश्वातायर म्ब्रिट्शन्विष्ट क्षेत्र हेंगा यश्वर प्रम्माश्वर प्रेट सेट मुट यहमाना भेर रहें अपना माना में दिल्ली के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप है'क्रूर'व। हेंग्यबाधेवु'यर'यहग्बबर्क्द'धेवु'यर'दशुर'वे। दुर्ग य ख्रेया य ख्रेया अप्याय विव वि । हिंगा य अप्यें ५ य र य प्रमाश य उर्था श्रे अ र्षेर्यस्ये त्र्युरित् र्यद्ध्या तहेषा हेव की हिर्या में प्रविद हैं। हिंग

यश्रभेर्यम्याप्रमुश्रास्त्रं सेर्यासेष्ठाते। सुरायवायश्रासे से सामेर्यम् उन् अविताया भेतायमा भी त्युमाया यवितार्ते। । ने शतार्ने तान् अन्य भेता भीना था यावेशकें अंतर रात्याया श्रुता थें। वा श्रुता अंतर या या पश्चितः चुः वः श्वरः तुः हे ख़रः श्वरः चादे रहे चे रहे ना पश्चरः प्राप्ता वा वि न श्रेव यम हेव वसुर में श्रूर य मर हे र श्रूर र्ख्य यशु श्रेर ये प्य र प यव है। व क्षूर क्षूर खुन् का गुं दें का वका नविया नवें व क्षूर गुं दें नें पा व - इत्र क्षेत्र अरु शुन्य त्या विष्य विष्य क्षेत्र क्षेत्र अरु क्षेत्र अरु क्षेत्र अरु के स्था क्षेत्र अरु के स विगायग्र्या उंदर उंदि वादिया देश वादि श्राम्य विश्वास स्थित येन् ग्री-नुधन रायाम्ब्याधर है स्वर ब्वर विते बूट हुंवावा कु तव्यक्ष हैं। धुना छेर पर्यो च क्रुर रु अेर पर राष्ट्र या च क्रुर रु खेर पर न के का ना हिना यंश्वरे दरदेर प्रमुश्वायायश्च रदामे दिर्धि के दार्थ हे दायस से दाय यर्द्ध्दर्भागुम्। देवाद्यायम् येदायश्चाञ्च द्वादायेदायेदाये विदेश वःश्रूत्रक्त्वा्याः मुन्याः धेवायम। वःश्रूत्र्त्युयः र्क्षेष्वायः मुन्दिः देन येत्। येत्वः श्रुत् वस्र उत्त्यः श्रुतः यात्रे वर्षः यदे वर्षः यदे वर्षः यदे वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः बः क्षेत्रत्यंत्रेत्येत्येत्येत्येत्येत्ये क्षेत्युः क्ष्त्य्याः स्वाप्तः विष्याः स्वाप्तः विष्याः स्वाप्तः स्व बर्बा मुबाया प्राप्ती र्रेवायंदे शुवायवदाया वर्षे सूर्व से प्राप्त रख्या रे . १८ में . क्रिया क्युं तर्रामा प्रवाद रहा सुरादें रा राम्रमा उत् रहें या राम्य सुरामा

वर्षेराधाञ्चरास्त्रीयामानवासेरार्दे। । देशवाधाञ्चरातुः हेनायशयनमाशा यर्देव अञ्चत र्स्टर श्रुव द्वा देव से अञ्चत राम श्रुव राम राम से विकास वा र्वायश्वायं यश्वाव वे शक्ष्या ग्री पर्देश में से में प्रेन प्रमाश्वायं से स्वाय से से प्रमाश्वायं से से स्वय सर्वि 'यस' स' चुर्स पर 'यहँ वा र्सुय 'वा प्रव सो र 'यस। *प्*रायं उव कर सं र्क्षन् स्रोत्र द्वार्या वाक्ष्र प्राची वाक्ष्र प्राची वाक्ष्य क्ष्य क्ष्य विकास विकास विकास विकास विकास विकास अर्चे की. रेयर में श. लेव. तथा लेक. क्रे. अर चैय. अ. चौय. श. पर्वेक. तथ. नेबायाधेव सेवायबायविषा निर्वाचा वासून वस्त्र यर यहमाश्रार्थं या वा श्रूप् ग्री दिंग्ये प्या ध्या उत्र र्द्षप् या धीत सीत्र अन् गुःन्वर वें त्यक्षर वर्षे न्वर में काश्वर मुन्दर्भ में ने ने त्यका वन्का व शक्ष द र केंद्र श्रुव र केंद्र श्र ग्रिकेन्यरायरायन्ग्रार्थ्याधेवाव। देवेंदाराष्ट्रराव्यवाउन्येन् यशक्तुः शुवा है सुरार्षेत्। यत्यशयवि हेव त्युदाये सूरावार्षेत्व तात्रे व *ॱ*ॠॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖऺॱय़ऄॱक़ॣॖॖॖॖॖॖॖॗॖॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ पश्चर प्रतिम्बार्स्या ग्रीका शक्षर ग्रीपा प्रकार्यो केरा व । त्रा पा श्वर दगे'य'स्ग'य। से'य'कु'सँग्राचससाउद'वससाउद'तु'वय'यस। क्रंद' यार्क्षन् योवायो निःस्रम् यो त्युमावार्म्यायम्य यान्यायम्य यान्यायाः स्रीताः यार्क्षन् यार्क्षन् यार्वे यार्थे यार ग्रेश्वर्षे अर्केंद्राया दयदार्घे महिंद्र येद्रायाञ्चर प्रदेख्या ग्रेटेंदें वेद्राय र वःश्वर विश्व तेवे अर्थे। विषव पर । युव हें या ग्रे केंश इस्र में व

यहबाबार्ड्यायबार्यराष्ट्री दें ये दावे राया द्याया सुयाय बार्या से हैं रा वेशत्यार्श्वावार्ग्वाहें वायो केंशह्मवारा ने देश वेशहीं वादेवा या विवासी व मलव ग्रीका क्रेंट बेट पारदे मालेका दर्देका का तमाया है। নুমার্শ্বাশ্বান্ देशवकार्याः क्षेटाचरे दें चें केटा दें शक्षा शुर् शें दें चें प्रवास हेवायअस्य स्पत्रवाकार्ड्या ग्रेकाशक्षुत् यत्ववार्डे त्यात्वींका ইন্যান্তৰান্ত্ৰমান্ত্ৰাক্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰী, হুলান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰা तुम र्सेम् वार्केव उत्। रटार्टेव ववार्बेट यर वया हेंगा प्रमायर प्रमाम र्सा प्रमाय रहा है। दें में से प्रमायर पर्देन प्रदे म्रेमिवेशन्दा यदा तुम्रार्श्वेग्रार्ह्मग्यस्य प्रमानम्यायस्य प्रमानस्य मैं दिं दें और या अप्येव यम वया वुष्ठाय वुष्ठा यश्र भे क्रेंट यश्र महामे रें तें से क्रेंट यदे से मार्वेश दर्षेत्र के। । यट यें ५ या या से मार्थ श्वियाया *॔*॔ॾॱॠॖॸॱॻॖ॓ॱक़ॕॺॱॺॸॱॸॸॱय़क़॔॔ॺॱॻॖऀॱॸ॓ॱॸ॓ॱॸ॓ज़ज़ॖॆॸॱक़ॖॺॱय़ऄॱॸ॓ॱॸ॓ॸॹॗॱ व्यायर विदाय वाह्य विदाद दिया विदाद के इस्र के से दे प्यादे के बाले बाजु हो। दें वा की महा के विकास में दें बाल कर के प्यादे के प्राप्त के प्राप्त के क्यायर वितर मानुराय यं ५ 'य' य' से 'हम 'यं स् चु य' क्रे ' ५ दं सं से ५ ' हु सं स र्देव शुः संद : या अव : यश श्री *|*हुंव्य:प्रांते,यांक्टरम्,र्यांच्याः त्रंत्र,यांच्यः व्यट्ट त्या से महमा विदार के महा दूर का वयायावयायोदाउवाचेरा वदर। दर्भ वर्भ से अंदर्भ स्तुय रद्भ विषय पर्म में दिवा की । दे रद्दे र्रासर्व, रेंब्राचेरा सेर् क्षिराचित्रम्बा संबंदा संबंदा सेवा सेर्वा से

चॅराबेर्पदेखेर। देव्याप्राचः स्रूर्पात्रम् सर्पर्याप्यार। स्रेरार्षेर्पायः उत्रा र् । प्रकार्येव र वर्षे का यक्ष विकारी अधिकाय र वा इ. या वेकाय सिंद या दें का गश्रद्या नुःवःश्रुनःश्चुनःचनुःचःषवःगुनः। गर्वेशःगःर्षेनःश्चेनःग्चैःवहेवः सक्तर्यासंस्थान्य स्थान न्द्रंबार्चितः क्रेंबाङ्क्ष्यायां यवायानम्बाद्यात्ये स्व स्वेतः स्व त्रुः होनः स्वावान्द्रंबा चॅरमिर्हेग्राय:५८। ५६४वॅ:५ग्राय:यश्चन्त्रम्थायदे:ये५:यन्ते: र्वेदे च स्नुन र्षेन गुन र्ने न स्मार्थ के किया न स्मार्थ के न सम्मार्थ के न सम्मार्थ के न सम्मार्थ के न समार्थ के न समार्य बेर्'ग्रें' च 'ब्रूर' वे 'र्ने ब्रंचें' बेर्'यर वे 'र्ने प्रदे केर्'रे। वें व 'रेव बेर्'यर व वयायावर वैवार्शेगवायविवार्वे प्रणे ॥ यद विवार स्थारे दिन हिंगवादा मेर्यम्मर्यस्यम्भीत्वस्यस्य भेर्यस्य । द्यास्य देशम्बस्य स्वर्र्यम् नदे व्याप्ते विष्कृत स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वापते गुरुग'र्अअअ'र्श्नेट'्गे'र्स्नेट'र्रेट'र्हेग्र्अ'गुट'। क्रेट्टेट्टर्स्केंग्र्अ'य्यायाया याचित्रत्तत्त्रत्रम्मार्यस्यात्र्वियायार्षित्यम्बय। वेश्रञ्जूषात्यत्रस्यू यान्यान्तेन हिंग्यान्य अट्यामुकालेकायवर ध्या वेगायांच्या सुदा र्मन्यायाय प्राप्त मान्या मान् रेग्रायस्य वश्चिताया पेत्रा व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व हेंग्राबावाबाद्यां अस्त्राक्षां क्षांत्राह्या अहेंग्राबावाहेंग्रावाहेंग्रावाहें र्ब्रुबर्भेग पदेवरभेदरमवसरस्यासरभवर धुगरभेवरवरपदेवरहेंदरहेंगसर

यश्रम्भवस्य केत्र हे स्थर हे निश्च दे दे । । यदेव महिश्च स्टिन षो केंबा केंद्र अक्षाया केंद्र हेंबाबा वबा कवा वेंबा ग्रे । यदाबा सु अर्देव :दु : च्रेद्र याकार्यत्। नत्यायापाउँमान्त्रम् न्याक्षात्युम्। प्राउँमा सम्बन्धाः सुमा [य:उंग'अर्अ:कुअ:कु:२कु:२व। वेर:कुव:वे:अरअ:कुअ:ग्रे:५अरअ:वुत:क्रेंटः श्रेव'य'श्राष्ट्रेव'यर'वय। दे'विं'व'केद'हेंग्रब'यश्र्वरशः मुख'य्युदादेशः श्रेव प्रमा श्रेट हे प्र क्षेत्र श्राचर्से मुका स्वारमा मुका ग्री मु खुव सेव पुर वर्षेत्र न्वीं शर्भे । । 'नेव न्या क्षेय्रका पश्चेत्र 'ग्रे में का व्या प्रवेश प्रायक्ष में वेर यत्वः र्यः क्वः स्टः द्रद्युवः स्रेटः तुः वयः व्या । दिः क्षः वः सः यद्यः यः यद्यः यद्यः यद्यः यद्यः य र्वि'द्रि'प्रअ'र्'प्रम्टि'प्र'प्रम्पा र्वेषम्य'ग्रीय'बेद'स्वेद'स्वेद'स् हेंग्रथःपदेःर्ङ्केन्व्रथःअव्यायःवेदःहेंग्रथःग्रुटःश्रदश्यःग्रुःचःर्षदःपद् वर्देन व यन नगर में खुद र्सेग्सन्दर वगया वें। । है सेन वे सक्रा केन ୖୄଽ୕୩**୶**ଂଘରୖଂୠ୕୵ୄଌୢୗ୶ୖ୶ୢୖଈୣୣଽୖ୶ୖୠୖ୵୶୕ଌ୕ୡ୕୵ଊ୲ୠ୷ୠ୷ୠ୕ୡ୷୷ୡ୕୷ क्रुश्राची कु खुत्र क्षेत्र प्षेत्र त्वा क्तर स्टाया दे प्षेत्र प्रकारो प्रेत् त्वर दे प्र चिरः तस्यवाका ग्रीः हेर्याका या त्या चिरः स्पेरः स्तुत्यः यन् प्रतिका की । चिरः क्षेत्राका का सर्हेग्राज्ञ अर्थेट केट पाउँ द्वा हे से र हेंग्राज्ञ । यत्राज्ञ अया ज्ञा या वर्ष र प्र न्दा श्रुदा तद्वा सदा चिवेवा श्रेन्य स्या स्वावा स्याप्त स्वावा स हेंग्राश्चा । १८९ ग्रायाकी श्रेन विस्तृत्राक्त केन हेंग्राश्चार वे सबयार्वे वर गर्वियान्य अनुसानि नामियाया सेन्य न्या दे भाव सन्तर्भ ने दिन्न मान्य स बर्बा मुबायदे वेगा गुरुषा श्चितायदे रेग्बाया सुध्या सेरायर प्राप्त राहिर हैं।

ारे प्रविव सर्वत सर्दे इसाया गुव हेंदा गुरुषा संसवा देंदा ग्राया द्रा त्युर से ५ परे परे वासे वार ज़र ज़र रंद वी सबर सूर पर सेवा का खा बया है। <u>୲</u>ᢖᠵ*ᠬ*ᠵᠳᠬᢆᢠᢌᠡ᠊ᢧᡃᡪᢓᡱᠵᢌᠡ᠋᠋᠍᠍୶᠀᠋ᠴᡃᡊᡪ᠂ᢡᢅᢟᡠᢅᡃᡲᡪ᠆ᡃᢧᡈᡊᡏᢆᠴᠴ᠄ᢆᡈ᠂ᡓᠮ *ॅवे'*अबर'ऄ'ॻऻढ़ॺॱय़ऄॱॺॖ॔ढ़ॱॴॺॱॶढ़ॱॵढ़ॱऄॗॱऄॣढ़ॱॾॖ॓ॱक़ॆढ़ॱ र्धे ५८८५५५५५५४५५५५५ १ ६ हे मुक्ता व विषय स्थान व विषय हो । <u> श्रे</u>र-व-व्रेग-क्रेव-दस्याब-प-र-। स्याब-ग्री-देर-याबल-अर्देव-र्-पुबन्धर-र-ले'अवर'सुर'शेर'र्रे। । परेत हें र हें ग्राया शहेर अवर र गेंगा त ; दह्याः ह्रेयाश्चारका कर्याया वे सम्बद्धा सम्वद्धा सम्बद्धा सम्बद्ध बेर्प्यमहिंग्रायसप्तिम्यमा बेर्प्यम् । बुर्प्यन्सम्यावेत्रकेर्प्यमः हेंग्रां यस्त्रात्वे या द्विंग्रां या देग्रायि सुरायत् सुराया या सुरा सवरासूरायवरास्री विग्राकृ। श्रेन नराले या सराय विवासेन प्राप्त में ग्रास गुरा विःसवरः सूरायायवेदायिक स्वीतरायरा सूराययर सेरादे। सरायवेदा मेर्द्रियाया ग्रीया श्रेर खेदे अवता से प्रियाया मा स्थेर हे कि वया ले अवता वर्गेम्बान् वर्षेरायायाञ्चमान्बाङ्गीष्येतासेत्वा हेंदाहेत्हेंग्बाण्या वर्षिरायावात्सुरायाञ्चेरार्दे। ।रेप्तमाञ्चेराविदेशम्बन्यायो स्थान्यायाना यमा र्हेट हेन स्वायात स्वेट हे से क्वी या प्येत दर्गे या ग्रा हिट हेन स व। र्ह्में मालवर देवाया द्याया यह अपने देवा के प्राप्त मालवर देवा विकास मालवर के अपने के प्राप्त मालवर के विकास केंद्राची प्रदेश पर्मे मुकाब का स्टामी खुकाद्र प्रवेदका हुँद्र खा है। क्रमा का स्टामी गलक र्नेव त्याद लेग गले र या सँग्रास्त्र मुंब र त्या धें द्या धें द्या स्राह्म या सामार

र्धे 'र्भेग ब'ग्री 'रे 'प्रवित 'रेर 'र्हेग ब'यरि सहबार हुर प्राधेत है। रह में 'र्हेग ब' गुरदेख्र अस्त्रिक्ष या द्वर्य वा श्वर है पर वो वा क्षेत्र है पर वो वा के वा वे वा वे वा वे वा वे वा वे वा वे व वह्या अक्रम या केंद्र हेंग्राम यदे अधिम वचट अट रे वचैंट या लुन की मालवादिवायायायायादियायायायायाचित्। 🖁 याद्रा हिमाध्यायहमायाद्या शुं :र्कं ५ : श्रुच : प्रत्या : त्रे वा : देव ब्रुन:तु:गन्ग्राय:युअ:यदे:दें:वें:खेंन:य:दर्नेन:यब:बें। त्युरावदेःगुवाअवदाञ्चावाद्रात्रादिषादेवात्रेवात्राद्रवात्राद्वात्रात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र् येन गुःत्यार्सेग्रास्ट्रन्यते सूटार्स्यायने त्यावन पर्या स्वापार येन प्रमा वर्देदे होट वर्षा च ह्यू द र्पेंद्र केट र्दर प्रेव केव केंद्र स्वर ह्यू व हो। देव हे व यबारम्बापर् स्वापवर रहा तुर रेम केबाकेबाबेद सेवाबावसवा उर्'वर्भ्यात्र। श्रु'क्रेर'र्'वर्भ्यात्र्यायर'त्युर'वर्ष। रेव'र्क्ष'यर'स्युव' या ब्युया ग्री निधन र येन धराहेव लबुर मी नियम में से स्थर सूर्य देसूर ळुंयात्र सुरोत् ग्रीत्यावयाव स्वत्र कित् गुवा दहेषा त्यीया से। । दिते ज्ञा वया न्यम्बर्धान्यान्यसम्बर्धन्यसम्बर्धन्यस्य वर्षम्यस्य स्ट्रम्यान्यस्यसम्बर्धान्यस्य स नेदें दर्गेयाया क्रेंगा ग्रम्यायमा मुस्यायदे हिम। देव द्राप्य प्रमुद्रान चःश्रेन् स्त्रंन् स्त्रां स्त्राचा या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच् दे सूर अ शुवायर दर्शे थे। देव द्रायर र्स्ट्र अश् श्वाय अ शुवा ग्री दे वे केंद्र'सेद्र'यर'दर्देद्र'दे। सद्दर्शयायशके यर'द्विर'ग्रीशक्षायासुद इरका वका क्षुवाया रहें हे काय र रख्याया प्येव या भवार हो द व है के का ही क्षुण

नुम्बानिमा यनेवामित्रेबान्धिनायदेखनास्त्रामानुमार्स्यायने सुमार्ति वेबात्बा बैं। दिन'न्य'नधेन'य'य'य'के के यम धक्री 'नधेन' छेन 'छे केन यस हैं गुर्या য়য়ড়য়য়ঢ়ঢ়য়য়ড়য়ড়য়ড়য়ৼৢ৾য়ৼয়ঢ়ঢ়৾ৼ৾ঢ়৾য়য়ঢ়৽য়য়৻য়য়ৢয়৽য়৾৻ |अङ्गर्थ। । ॥ परा हमकाळेंबार्नेवामबुअाधान्न रुद्धारायदे छेंगामे द्या अग्राय विष्य मृत्व में दर्ग प्राय में दर्ग विष्य में दर्ग विषय में दर्ग विष केंद्रक्षेंद्रप्यदेकेंबाम्डेग्र के श्रेट्री दिखेद्रव देवेंद्र द्रकेंग्बार्सेंद्रप्य र द्युरर्रे। । द्याया च केंबाया विवासी का केंबा केंबा का का केंद्र र र पे केंबा विषाधाः भूष्टाचा अर्दे : प्रायाया विष्या प्रायाचित्रा स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स देग्रायाची प्रति । केंबा वस्र अन्य स्वापाल्य प्रति केंबा इस्र ग्रीसर्ह्मेद्रायाधीतरहे। माल्य प्रस्थाय द्यादर लेगा धोतर्से। र्गे'गुर्व'त्रभुषात्र। द्रिंबाश्चाताद्राद्राद्रायायायवेषायव्रवाश्चरायीत्ययायाद्री यदेवःयरः श्र्यायः अप्रायः अप्र देंब रम रम्बेर पदे रूर समामान मान्येषा वार्य क्षेत्र के माना वर्षे र दें अञ्चतः भ्रूपः मो रचुआया व्येष्टाया व्येषे स्थापन यदेवःयरः सेदःयः श्रुयःयशाद्यसःयः सेःयगायाःयरः स्रेशःउवः दःयवयाः वशा देखाङ्क्षयाळेंबा देवाद्यायम् येदायद्या यदेवाश्च्यायायाङ्क्षया न्वीं श्रायाधीवायश्रा सुर्यायाश्ची निवासी निवासी स्वापासी वर्देश्चे वर्षा वः क्षर् क्षेत्र येदः यार्वेदः येदः तुः युवः याः येवः युवः। वर्देवे हे अ अ व अभाव अ। अ अ द द देवे के अ व के या के या जा द देव द विद ग्रेश्रन्मम् मु:स्रेत्राय। यदेवःश्रुयः दयदः वेगः दमम् । मु:सेवः स्रुसः वर्शः दमम्।

वु: धवः वारः यः यावाः यश्रास्ट्रीयः हेन हिंवा श्रास्त्रायः यावीयः सः धिनः ने। नर्देशः ब्रुप्तादरार्द्धेताळें बाकुताते खुरार्ड्डेयात्र्वेवायुरा। देवात्यायरायेतायात्रा यदेव'शुय'सेद'य'सेदे'स्रीर'बेर'वे। गुरुष'त्'युय'र्सेष्राश्चारी'र्देषाश्चाराश सरीय. तर. बैर. पष्ट, विभातामारे भूबीयात्रप्तमाभ्रेटीताष्ट्रे अवीयात्राप्तमा क्रुः अर्द्धवः गाववः शेःश्चेनः यश्राश्चवः श्वयः नुः गुवः यदेः तुश्रः यः न्वि निर्धेनः ग्रीशः अप्राम्याना देव देव प्राप्तर से देव प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त से स्वर्थ प्राप्त से स्वर्थ से स्वर्थ से स गहन से ५ दे। सहन ह्रूट में हिस या है ५ देन दस यर विद्याप प्रदेश यम्बुवायमारखुमारी । दिश्वाचादेवासुवादगावाचार्या अवाबेमावादे अध्व *ॱ*ॾॣॸॱॺॏॱय़ॖॖॴॱय़ॱॸॕॖॺॱॸऻॗऀॸॱॻॖॏॺॱॸऻॗॶॸॱख़ऻॾॕॸॱॸॖॱॹॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱय़ॱऄॸॱय़ॱॸ॓ॱॴॺॱॺऻॿॺ रु: बेर् प्यस्पार्त्र शुप्त शक्रुर् रु: बेर् प्या विकाय शक्रुर् रु: बेर् प्यस्रेर् गुँठेशम्डिम् सेव प्रश्न प्रमान्य प्राप्त नेव सुव प्रमान स्थान स्थान वे 'र्नेव'न्धेन'ग्रे'ने 'य'न्धन'वर्बेन'नु श्रुव'य'सेन'य'सेव'ग्रे| र्नेव'न्धेन' ग्रैश्चन्धनःवर्भेनःवःवनेवःशुवःभवःय। नेःबेनःवःवनेवःबेनःभेवःयः यभा देव गुः मेदाव त्यायायभाषा नित्र प्रते प्रते मुना के भावा प्रति । <u> चुःडुरःबदः सेदःदे।</u> र्क्रेशः उवः तुसः यः त्यश्चः द्वदः पदे तदेवः शुपः वे सुसः यदे पर्वे मुप्ता भेव प्रभा दे प्रमाग प्रभावुम पा पर्वे भेट् द्वा भे यायेश्वाविदायदे तुस्रायदे यदेव सुयासे तिहेव हे किंगा में क्वें वशकेंगा या व'र्र'र्'र्'वेर'र्षेर'ग्रे। र्रेव'ग्रे'श्रेर'व'र्केश'उव'र्र'रेदे'र्केश'व'र्र'र्'

गुपाया से से न नियान सुन्याया से या परि सुन्याया से या परि सुन्य स्वापित से परि सुन्य से या से या से या से या स हग्यायायायायायायायावाही श्रुक्ताह्मायमायस्य दिवायते श्रुप्ति वार्षाक्षया याधेवायायवेवात्। नुस्यायायायदेव सुयायस्यायददादे प्रतिवासी रिका व केंगा में र्क्या यदे क्वें वका त्या या यदेव सुया मावव से का क्रें या य वर्हेन्-इर-षदा देव ग्री-दे विके स्ट्रेट व सुमाय केन् सुमाय महा ग्री-दे वि केंद्र ग्रें अप्रें अप्रेंद्र प्रत्या ५५५ प्रवेद्र ग्रें अप्रदेव प्रमासीया चः धेवः प्रभा चुर्या परिः दें र्चे र्वे दः क्रें दः परिः स्टा क्रें दः धेवः श्रीः मालवः क्रें दः मा याधिव। धवावागाचाञ्चयात्रमञ्जूदाय। यायदामी स्रेरे स्मार्झेदाया सुत् शुवाश्रीश्वाश्वराक्षेत्रहे। देविक्षेत्रहेरायादेकित्वदेवास्य स्वार्थिकायार्ज्ञिनात्त बेर दें। ।दे भे तंबर दे। सुम्राय मानव पदेव शुपामानव श्री मार्सेट पर য়ৢয়য়য়য়৾য়ৢয়য়ৢঀৼৣয়য়ৢয়ড়য়য়ৢয়ড়য়য়ড়ৢ৾য়৾ঀৢয়য়য়ঢ়ৢ৾ঢ়ঢ়ঢ়য়য়য় अः श्वापः पर्देः क्ष्मां वका सुअः या पद्देवः अदः प्रेवः यमः क्ष्मायः व व व स्थायः अः र्भग्रायायायरेवर्भराग्चीवात्रुराञ्चरायराबराग्ची। देशासुमायार्भग्रा व्यन्तेव सेन्से क्षेत्र में । विक्षित्र त्रीम्ब यक्ष वे यनेव सेन्से रख्या य है। शक्रुन्त्रियाबायायावेबायाबायबायेवायाधेवावधाशक्रुन्त्येंन गुरादे प्रदेव से द्वाराया वे। देव द्वेंद ग्रेंब साम से मुकाया प्रवास मानव सेन्द्री । मायाने स्याया शक्ष्र न्त्र ने से मायाने त्या देवाने देवाने देवाने व मुदार्देव मावव दामामार्गे क्षुयाव। देव मावव धेव व व क्षुर मी द्यारा ग्रेम्'रु'्य्य'र्सेम् अ'ग्रेअ'से'र्युर्'यर'यल्य्यात्रभा देव'ग्वत् ग्रे'यरेव'

रे रायंवेतर्वा क्षर् द्वार्य रायं वार्य वह्य रे र छेर शक्ष्र र र येर या भी रेंबर र में र येर येर यह या विवास ववेवाक्षी नर्वो बादा विवार्वे । इने बादा स्वेषा वो वा श्रून हुन हुन हुन हिन वर्षा देव शुं स्ट्रेट व पदेव शुपा धव गर पाया गाया वर्षा सुराया सुराय स्था शे हैं हा तुरुषा पदिवायका हैं हा हुरुषा पदिवा है दे दे प्रायमिन परि हा स्रोति है सञ्ज क्षरमा नर्देशमा त्राचनेत्रम् वाताति तहूं वात्र खेताले त्र लेताले त्र वात्र विष् धुरायात्र्याही त्यायातेन्योङ्ग्रियायायात्यायायन्त्राषुयाणे हुः हु दर्नेग्राजी व्यायायमान्त्रायदे केंग्रायव्यक्षात्राचित्राये अर्बेट्यायात्रुअयायायदेव्यायातृहिं अतिवाद्यायात्रवात्री अतिवाद्यायात्रवात्री स द्र्योग से तुषा गुरा सेंग देश देव शे हेर व देव दर्शे र शे का से द्र्या गृस् विषाः विषाः विष्याः विषाः विषाः विषाः विष्यः विषयः र्<u>देव</u>ॱयःदगयःचरःङ्काःचदेःबेःदर्देऽ देश्वेदःकेऽ धुवःकेः अःयेगःघरःहेनाकः यदे में या अर र् अंटाया धेव र वें। । सिंगा मो अर हे र सुर यहें द गुट रें वा तम्य सेन्द्रिक्वा सुस्रायायनेव्यासार्ह्वेन्यादेश्वाक्ष्र्राक्ष्रीवासेन्या यनेव यर यहमान्याय उद्यायन द्वार रामे दिया श्री द्वार प्रमान्य र्देव'डोद'तुष'यर' यवशयके। यदे वे देव द्या वेश मुः हो। वेश य शुर्शय य दे भी पश्ची ૱ૹૢ૽ઽ૽ઽ૽ૢ૽ૼઽ૽ઌૹ૽૽ઽઌૢઽ૽ૡૢઌ૽ઌ૱૱ૹૢ૽ઽ૽૽૽ૢ૽ૺૡ૾ૢૼૹૢ૽ૡૢઌ૽૽ૢૼ૾ૡ૽ૼઽઌ૽૽૾ૺ૱ द्याः मञ्जूदश्रावः क्षुत्रः गुवः हें चः हुः चहम् शः धें दः उंधः यः धें दः यरः धेः चलेदः ૅરેપ્વદ્ગનાઓં દ્રાસે : ક્ર્રેયા અર્જન છે. ક્ર્રેયા નામાં દ્રામાં પ્રાથમિક માર્સિક છે. ત્રામાં સ્ટામાં સામા સામ विं। । नदासक्व श्रेम विंदाव दिया विंदा देश विंदा देश वादि । द्वा वयः यात्रवः स्त्रं यात्रा द्याया यात्रा स्त्रे नायदे द्वारा स्त्रे नायदे नायदे नायदे नायदे नायदे नायदे न *સુ*ઝાર્ઝન અસાનુસા સુસાના ત્રામાં સામા સામાના સામાન સામાના સામાન द्रश्रेष्राश्चार्स्य वेराव। द्रयदानेश्चर्षायां वादार्षेश्चर्यां वादार्थः श्चा. ट्रे. प्रू. प्रचा. भेट. तथा थे. चुंबा श्वांबा ग्रीबा सर्ट्च. ब्रिंश श्रे. ट्रियाबा ली वहिमान्त्रेव प्रशास्त्र सामर सर्वेट दि। विसासमिय सुर्दे। विसासमिय ता चि.पस्र-रू। विषायायपः मे छुत्। बिट्राट्रा शिवायर्थाययाययायपः यायव्यात्रा विषायिष्यायायक्ष्याच्या विषाक्ष्याच्याव्याव्या वयायावरः स्ट्रायः त्य्यायः द्वीयः व द्वायावरः यावा व्यवसः स्ट्रायः श्रेया ने अः ग्री अर्धे दः कुः र्षे ५ त्वः या श्रुय अर्थे ५ त्य ४ त्यु ४ त्य ४ त्यु ४ त्य ४ त्या ४ त्या ४ त्या येद्रायंश्वरम्भ्रित्रश्रत्मार्मिः क्ष्रयायां वे र्षेष्यश्यम्भाग्ये त्र्षाः मे विश्वर् या धेवाया देवावावया अवार श्रेषा वेवा श्रेषा धेवा धेवा या प्राप्त वा विवा गुरः र्वेगः रेगः अर्थेदः चः यः वस्य अत्रदे स्रोदः च प्रग्रह्मा स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य रेषा केर पार्वे रहें बार्चे प्रवास पार्वे का स्टाबी हैं हैं केर पार्वे। न्देंबा भेन् वस्रवास्त्रां स्ट्रां में देंचें स्ट्रियर तुः पेन्त्र न्देंबा सेन् नुः से

त्युरित नर्देशर्ये प्रवेत हैं। विषा नेशयानहेन परिषेत् नेशहेंग वेत ग्री:बॅर्प, प्रमाने क्षा क्षेत्र के क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान क्षेत्र क् ने'य'यहेव'यदे'भेन्'वेश'ग्रेशने'भेंन'यर'हे'वृश्ररहेंग्रा समितः सर्वेदादे स्त्रुसायायदे उत्दासासर्वेदाया प्रेत्या उपादासासर्वेदाया स्तर्ने अस्ति मेरिययय विवासी अस्ति असि सिर लॅट्रा कु उं लेंद्र ं क्षेत्र'क्षेत्र'श्रद्भद्र'क्षेत्र'या व्यायहेत्र'या देव अप्यायदः योदाहेत्रा अदः *'ગું*ચ'એર્કેંદ'ત્રચ'ક્તું' ક્રેઃક્રુંદ'ગ્રચ્ય એ'ગ્રચ્ય ર્સેંગ્રચ'એર્કેંગ્રચ'એર્કેંડ્ર સુઅ'એ' દ્રસેંગ્રચ' र्शे। दिश्वत्वम्यामदर्केश्वमभश्येष्ठायश्येद्राणुः सुत्यत्तुः प्रविषाः पर्वे। न्द्रंबार्चे के त्यापार ब्रीयायम श्री होन्यते क्रिंट बटार्चेषा मेषा को बान्येव याता श्रेरःवयायावरःवेषाचन्नवायायायेव प्रमा विवारेषायायविदानवे हिंदाबद कःवान्त्रयाम्यतः विश्वः विद्यास्य द्वार्यः स्त्री विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वा श्रीदायायहेवायरादे सेदायरा सेश्रास्य स्वीत स्वार्मे मास्री या यावेदार्वे । विश यानदःदह्नाः हेवः शुः अदिवः शुःअः शुंभः शुःचः व। हे भः न्यनाः ने भः वयः यानदः र्षेर्प्यरम्बेर् श्रुवार्मेश्यः वे यहेना हेव रूट वस्व वर्षे श्राचा ना या धॅर्। न्यान् न्यायान्यान्यात्र्रम् न्यायाः वित्रायाः र्षेत्रपञ्चेत्रत्रअचेरत्। अप्यह्रषायरते स्ट्ररप्यप्रमुष्यप्य विर्वेशगुर रहेत् ऻॺॴॴॺढ़ॱॿॱॾॢॸॱॶ॔ॴढ़ॾॣऺॺऻॱॾॖ॓ॺॱॸॾॺॳॱॻक़ॗॺॱॻऻढ़ॴॻऻॸॱख़ॣॸॱ यातर्रित्री । अङ्गाया । । वारा ह्याया या से साम से रायर वे साय सार र वहेंव सूव क्री का से र्से मा पा सूर पारेव सुपा प्रमामा गुर क्रूर पा येर येर

ररः सरः प्रविद्याः वसादेः यसा याववः प्रदे प्रदेवः शुवाप्यायाः वस्तु सामान दह्व स्व अञ्चे अ.मी. खेब तीया अव शांत में व. में तीया पहुं . क्रम्याश्रदान्दायवामार्वेदार्शी हेवायवायार्थे। निश्व देवामाववाशीया क्रॅ्रायदे क्रॅ्रायाच नवा ग्रेका से प्यता । क्रूरायवेत पदे हेत त्युरारे वक्ष क्रॅंटर्य वेंग्ना अ. अं. क्रेंव्य या यदी ग्रादि त्युग्ना अ. क्रां विश्व व स्वयाय स्वयाय अ क्रेंदरवेशचा क्रेंदरवर्भक्षद्यांभवरही ब्रुद्यवेवर्क्रेदयर्द्य द्युदव वर्हेर् व्याद्येष्व अभेर र् लेग प्रकार्श विदेश्वय व्यूर परे रूर खुन्य न्दें अधिव। तुअयात्रुअय्वर्भक्षें द्वातुअय्वरे दें दें र सेवा स्वा सुन्तु हे सूर से शुप्त दे शुप्त गुर दे दर रह सह सर्व शुर्व शुप्त संसे रह द है 'क्षेत्र'भे'त्र् । ५५५'पञ्चेर'ग्रेश'र्शे'ले'व। त्रर'भर्कव'ग्रेश'ग्रुप'य'र्'र'। यरेव श्वयाय के बिर हैं बारीय रह कुर या रहें बाह्याय खेवा बिर रहा सा याध्येत्रत्र। ब्रिंदायादेत्राद्यादियाद्यायादेवादुः वयास्वित्रायाः विदाया ୕ୣ୕ୠୣ୕୰୰ଽୖୣ୵ଊ୶ୢୠ୶୷ୖୡୖ୶୷୵ୣ୕୵୶୵ୠ୕ୗ୶ୄଊ୶୶ୖୡ୵ୡୢ୕୵ଊ୕୵ୢୢୢୖୢୢୢଈ୶୕୵୵୕୵୵ଽୄ क्रेंश माउँ मा प्रदेश । 🖁 भरा नर्देश न र न्देश केन प्रत्या न विश यालेगायान्द्रसार्येदीत्युराषेवाव। देासाधमानुत्वायाच। सुप्रवादन्याया वर्षायानुवा विवामहर्षाया समानिवा है। सुरावर्षायहर्षा वर्षेता हैवा य बर् यत्रा लेग या धेत यदे हुँ र र्रा हुँ या यस हुँ। त्य्र स्तर खेत यदे *ફ્રેમ*ર્સા વિત્તર્સને તે. વસ્ત્રાસુષ્ટ કર્સું તતમાં સેં. યોને શત્ય લે. જો ટ્રાંસ ક્ષે. द्याञ्ची पार्षेर् प्रश्नामृत्य सेर् ग्राप्टर्रेश में। से म्याय सेर् सेर् र्रेश में स्

ब्रिंद के दा कुर तहा अप कर प्रवास के देश हैं पर हैं के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश हैं न्देशक्षर्भन्यम् अत्राम्भिन यां प्रवादा प्रति । वितास्य विवादिकायां विवादिकायां प्रवादा । ावर्रेर्न् ^{क्रें}र्न् केर्न् अर्न्र्न्यम् हिल्देर्न्य स्त्रा विमायायायेव यदम्बिमायाक्षेत्रायाम् अतायाक्षेत्रात्त्रमात्री प्रत्ये विष्या हो। र्देशर्ये धेवर्विशया देख्य विषया र्देश्ये सेवर्य स्थानि विषय योद्रायाद्रदेशयां भेत्रायश्चा विषाया सदाद्रदेशयां स्यो सुद्रादेश । वियाया योद्रा यन्दिना सेन्यं वायाविवार्वे । विषाया सेन्या सेन्या सेन्यं केन्यं केन्यं सेन्यं हे क्र्यायका पर्त्तेषा प्रकार विकास मिला प्राप्त है का मिला प्राप्त है का मिला प्राप्त है का मिला प्राप्त है का र्येदे'सेट'य'ङ्गे। नगम्य'न्देशसेन्'ग्रे'सेट'य'त्रे'नगम्य'महेश्रं'ग्रेश धेव व। नग्नाय महिन्न से त्याय प्रायत्या धेन सेन महिना प्रवासित हुन ह्येन प्राय श्रेव पर चया क्रुंदे क्र यठ ५ श्रे के यथ क्रुं यहें ५ य य यहे व व र न्देशन्देशसन्देरपान्तान्ता । हुन्देशसन्ति स्टार्सन्यदेनुशन्स लट् से से ट्रायम वया कु लेगाय द्रायम तेगाय गुरेश गार्देश दें से स यदे द्वेर विय है लेग स लेग गलेश यश गलत यदे हु से शेर यदे द्वेर दम्माना अरदम्माना के अरमा निर्देश में स्थेव व ने मिले अर्श्वेट दम्मा अवर मन चत्य। दे महिकाकु तत्रका भेव या दर दिका ची भेव यका की । त्याया हु र्देशकेर श्रूर त्याय क्षेत्र व। ह्या क्षेत्र या क्षेत्र गत्र क्षेत्र त्याय है। विया या विया प्रमा के ह्या यह शार्दे हा यो पार्टे हा रहेया उंधा यश है वा यह पारे । ध्रीरार्देश । "तर्देशार्चे वस्रश्चर्राच्याम्या प्रमायम् वयाम्या श्वरायम्या श्वरायम्या श्वरायम्या श्वरायम्या श्व

न्द्रश्योत्याविर्धाः श्रीन्यदे श्रीमः द्वी । यद्या । यद्यायम् यस्योः वीरवायश्यस्य यः क्री प्रतिः द्वीरा विषा पार्ने सार्थे । येता विषा क्ष्या विष्ठा क्ष्या विष्ठा विष्रा विष्ठा विष्र बे'खुद्र'यदे'यकुर्'युर्'वशयेद'र्वीशहे। धर'बे'बे'दे'दे'दे'य'बेर्। देः येदः वः सुवः यः येः श्लेः चर्त्रा । श्लेदः चरः स्वयः शुः र्केत्रः उव। सुवः यः येदः यरावया अराक्षे वाक्षेत्रायदे द्वेरादेराक्षरको केत्यादरावे यादिवः ग्रेगःक्षुयात्र। र्वेष्म्वयात् वेष्याचेष्ट्रप्यम् वयार्वेष्म्वयात् येट्रप्य यदे हिम्। ह ने प्रायम् मर घर तु तर्शे पा श्रेत्वा ह से त श्रूर श्रूर में मर वर्त्रुः अंतर्शे वर्ष्य हिने वा से दारे दिन हिम हिन स्त्री दिन यदे से अप महिमान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स क्रॅंबर-इंडेन्बर-ब्रुर-दें-एय:क्र्य-वा देखार्थवरहवर्डियम्बर-ब्रेन्यने स्ट्रियः বর্ষানুষ্যর দিয়ের র্মিনার দ্বিদ্যা দিয়ার্যার করে বির্বাহ্য করে । Ä'चेद्द्री दे'य'बेसब'सेद'यब'ब्रेंबब'बेंबब'र्थेद'से'वेब। ग्राह्मव बेद्रप्रकासक्त्रद्राद्री केंग्ना सेद्राञ्चा क्रिया क्री प्रवित्र प्रवित्र क्रिया क्री क्रिया षद्र सेद्र या देश देश श्रुवा श्रुवा या वा दे प्यव कि देश विवा स्वा सेद्र या स्व स्व स्व सेद्र या से द्र या सेद्र |ग्वित्याद्येद्रमुद्रः दे द्राप्तुः य। ग्वियायाद्युषातुरु वुषायुद्रः यदः स्म्रादर्गेत् पर्वे पर्वे म्रिक्षायुर्दे में का वाद्राद्य प्राप्त व्याप्त वाद्राद्य वाद्र वा म्चित्रात्रात्रुमः क्षेत्रिक्षात्रायदे प्रदेश्वदे क्षेत्रात्रे क्षेत्र बः श्रू ५ ग्रे ग्रु अ अंग्रायदेश हो । दे वे अ श्रू द प्रश्नायदेव स्त्राय प्राय । अद्रायमाने बागुमाना अधार वितार्वे वार्वे वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये

वनुस्रक्षक्षेत्रामी स्वापायदेश रे प्यत्र स्वाप्य वन्न स्वाप्य सिवुविरयासेन्यम् वयासिविन्यान्यस्व यक्षान्यस्व स्व र्बेग्राचर्राकृतयम् गुरादेराधयार्थेः । देशवग्रवादावेरह्गायादेखा ৡয়ৼ৻য়ৼৼৣ৾৻৸৸ড়৾য়৾য়৻ড়ৄয়৻ড়ৢয়৻ড়ৢ৻৸৸ৢয়৾য়৾য়য়য়য়য়ৣ৻ঀ৾য়৾য়৻৸৻ हेव वश्यव्युराय ५८ हें ८ छे ५ ५ व अग्रिय छ । स्थाप्त श्राम्य दि । र्बेट पर पर प्रसा परेत शुप र्से ग्रम श्री (छन पर से क्षुर हे ने क्षुर प्रस र्वोद्यायासेरायदेष्ट्रियार्थे। उद्येतास्त्रीयाद्यायार्थेयास्त्रीयास्त् कें'भ्रे'दगगाकुंदुर:बद'ख़गासर'वलगांधेर'दे'ख़राब्रुवा ब्रूट्यादरें र्बे अःगुत्रः ग्रेअः क्रेंटः यः यः युनाः अन्याः येत्। युनाः अः यान्ननाः यक्षाः यहाः व्याः बेर्'रे बूट्यायरे रूट क्रेंट केर्'रें गडेग यदे हिर में। विहेग हेव बूट य वर्षेत्रं में न्याया विवाधि वर्षे हें दाया वर्षेत्रं या वर्षे क्षेत्रं या वर्षे क्षेत्रं या वर्षे क्षेत्रं या वर्षे र्नेव तु । खन प्रस्थे श्रुर हे । यन निर्मा यान के राये निर्मा श्री । यन श्री वर्षाक्षेट्रपार्विष्ठां शुं शेट्रेट्रहेव त्युट्यो र्ट्यावेव क्षेट्रपा धेव प्रकारी १^{ॾॣ}ॕॸॱॺॱॺॖॖॸॱढ़ॺॱढ़ॸॆ॔ॱऄॱॺॖ॓ॸॱॸॊॣॱॸऻढ़॓ॱऄॱॻढ़ॏढ़ॱॿॕऻ<u>ॗ</u>ऻॸॕॗॿॱॸॺॱय़ॱ बेशनु पारदेदे प्रदायवेत मार त्यर अश्चाय पार्ट प्रेत या वास्नु र उसा याहेवातवूराषी श्वरायातरे योवायशा यव र्स्वातर् त्याया ये रामाणिक यायेवश्वत्राप्त्रायेवात्र्यवात्रा यदेवे स्टाविव वेश्वाय से वेदि स्टाविव से श्वाय से वेदाय से याह्रव क्षेयाबा त्यों द रेंगे। देव द्या द र्धे द रेंग बादे बाद दें द्या या यो ख़ुया द रें। यानेबायाक्षे। क्रेंटालेटाणेबाहेबातव्यूटाबीटियां क्राटाया बेयाया धेवाते।

विश्वाकार्त्वका त्रु पर्दे केंबा पदु विषेषा त्या तह्या पापन् प्रते कें विदेष भ यटारेराइवाया वहेगाहेवार्टेरामुकायदगावा<u>के क्</u>रायरामुद्रा विकाया व श्रून वस्र शर्म वत्र देन श्रुवाय सेव श्री वया वश्रून या पर व श्रून वित्यायायहेगाहेवादेयावित्रासुमहिन्याहे। यहेगाहेवाखेरायाहेवा ववुद्रमेशसूद्रवादरेख्राचसूर्येद्रक्षेत्रचेर्ये स्वाप्ति स्वाप्ति । वदिः है ॱढ़ॣॸॱॾॣॸॱॻॱढ़ॣॸॱॺॱॻक़ॖॺऻॴॴॱॸॗऻॖॸॖॱॻॸॱॺॎॴऄढ़ॱॹॖ॓ॱढ़ऻढ़ॺऻॱक़ॆढ़ॱॹॖ॓ॱॾॣॸॱॻॱ र्ज्जेन'र्रु' अंदर्'र प्रदेन'र्याचेन'यार'यर'यहेग'हेन'त्यर'यश शे'येन' वेश भी । । इसेग्रायश्याराय इट पर्टी हुँ र खुल प्रवर्ग परे अवमा दर्ने र्ने न्यायर न्यें न्याय विराय विष्य विष्य विष्य र तर्दि र भेग्र र पार्ये र भी सेर त्या इस पार से हिंगा पदि खे जे श ईंदा द श ईंस र्येटशर्श्वेशयाने प्रमाले प्रायायह्या से त्रायश्रम् से या स्वर्षी से प्राया यः ग्रवशायद्। दिशवः चिरास्त्रवः ग्रीः श्रेस्रशाद्राः कुः तत्रशार्षे द्रायः स्थावः इस्रबायार्बेषाबायाद्यागुराद्रसेषाबायाउव ग्रीक्षेत्रप्यातुः सुरायबाचेषा केव यश कुस्र या नुसेवाश या सेन या निर जुर नु त्वाश व र हेवा केव ही र्<u>द</u>ेव:८८:५व:तर:ब्रॅं.८ब्र्यूब:ब्रॅं। क्षिय्यश्लूब:ब्रॅं:पर्व:क्र्ब्य:पर्वे:क्रं यदे। । । वर्षा प्रें वर्षे वरत क्षात्व। । बोरायें ग्रोबरार्यायात्त्र्ये सर्देगाक्षात्व। । प्रथराये पत्तुः रूपाय्यात्वेः र्देश्यर्गाक्षात् । विरम् गण्यत्यास्र में यर्गा स्वा स्वि दें तर्द्या म्चेरमे वया अवदे अर्रेग स्मान् र्वेतशया हु अर्थे हु या का महार विश

<u> २व्वेयश्वत। श्राचले श्रेंगश्ययर देशत्रोशि व्याप्राक्षेश्यक्ष</u>र श्रे ञ्च पास्त्र त्रा गुक् त्या वेदश ग्रामा शास्त्र है । त्युर पाय में पार के में पार के में पार के में पार के में केंद्रा देट दें क्रें वर्त्य प्रश्राद में श्राय दे र्थे वर वेट । इट द में मश्रास्था की लय.जब कु.च.र्.रच। क्ट.च.क्रैट.र्.र्रस.ब्री.ईज.सेज.ज्ञ.च.श.जूट. अव्यापदे देशक्षात्। ध्रयाये पा अवाप क्षा अर्केंदे स्वा वा स्वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा यर्गेद्द्वर्थम्बरम्बर्धरद्वायम्दर्भेद्वा द्वो द्वा भेष्टा भेष्वर्ध दग्यान्तुःचद्याः युक्तेश्वाय्याः सुक्षाद्यायाः चुन्यद्याः दक्षित्रः युक्तिश्वाद्याः दिः युक्ताः बुद्रायदे ब्रुवायिक अर्थे। ।दे त्यायदा बयायी यदया देवाबायबादयाया वु धिद है। सुयायायनगारेनासंदासंदानाने। सिनायदे सार्वेन सँग्रासन्दा। दिन र्धेदशः मुद्रितः इस्रायः स्थान्यः दहिषायाः स्थान्या । विषाः स्यावाः वासुद्रयः दाः यविव र्ते। । देश विवाश यश यद्या वहें व विवाश है विवाश यश दे त्यश बुदः परं कें व सेंद्र व स्थान स्थान कें व सेंद्र सेंद्र विषय प्रवास निषय । यङ्ग्रंगुः तम् विष्यू कुः तम् कुः तम् विष्यू विषयः विष्यू विषयः विष सुर चें रवावाबाया धेव हैं। । धेवा केव ग्रीबाय प्राविध में वाबाय ब विम्बाराया दे।विम्बारायसास्यायउदामिक्राविम्बा दे।विम्बारायसञ्जीयः महिश्वावेषात्राक्षेत्रार्भवायषात्रवात्रात्रीःश्रदेःयर-त्रवषाव्यव्यायेःवेत्रात्रीःश्रुः विवासया रे विंदा र स्वास्त्र राष्ट्र स्वासायका दवावा ग्रु : प्येव : ग्रुट : प्यया ग्रीका स्रोव : विं। |यमः म्री: न्याया: म्रायन्याः वर्षेत्रः याते अः न्टः ने :यशः म्रुटः यः सम्मा

ग्राबाद्यायाः चुःचद्यायाः केबाः सुः सु याकेशयाश्चरयायाः चुः स्रेवः यः यावशः खन्याक केंब्र केंद्र द्या यदमा येद्र हेंग्बर याद्वेव स्वराय दि। ।दे प्यट देव दिवेद ગું: ત્રેના કા ત્રાચા ત્રાચા કુ. ર્જૂ કા ક્ષેત્રા કરા અદ્વાદ્વાનું છું તે. ત્રાદ્વાનું કુ. જે જે ત્રાચાન ત્રાચાન કુ. જે કા કાર્યા કરે. જોદું ત્રાં કુના કાર્યા કરા જો કા કાર્યા કરા કરી છે. बुवाय। वर्वाबुवार्गागानुरावर्देरार्गेशागुरा किंशावस्र असर रिंदी केर अेर्-ध-र्-वार-व्या-यो-घर्या-स्ट-अर्द्धन्वअ-स्ट-यो-दे-चे-अेर्-ध-स्ट्रेयान्य-वर्षा देव:र्यायम:र्यम्याश्रुःयेद:यायार्यो;र्योशाग्री यदेव:यूयायवः यारायाद्यायात्रायाच्याचा यदेवाओदादाशक्ष्याचायाच्याचायाच्याचा र्देव:५अ:घर:५अंग्रव:घरायदेव:शुच:ग्री:दिवेर:ग्रम्थअ:अं:५अंग्रव:ग्री। र्केन्रः इस्रकात्री तिर्वे र मासुस्रासी व्यापि देशा दे देश कर दे त्यासक्रा प्यस्य प्रकार प्रकार क्रा ब्रूट्सर्देव्युर्ग्युट्स्येन्यायाक्षेत्रेच्या वार्वेव्यद्याक्ष्यकात्राक्ष्येन्या र्श्वेटर्स्यन्दर्धे अर्देवर्श्वेर। देखश्चर्येव। देखन्वश्चवग्रस्य स्थित्यः रमाना ग्री रेयायन ने । प्रेंना ये स्थन देव प्रायम से प्रायम से ता यह व मुदायवाना मानेवाबायबार मानेवाबायवाना विवादा है साम मानेवाबा ततर रूप रेश अथेश यथ्यी ग्रीश शु. कूर्या तथा यथिश श्रेर कूर्या वयश येत। र्वेग् वः क्रेंट केट ट्रॅंब चेंदे तहेग्ब क्रुंट वयः व्या व्यवस्य विद्रा है वेव वेंग क्वेंन अंतर्भात्र अर्देव शुर वेंग शुर अर्देव अर्थेन। वयम् अर्थेन ग्रेंशन्यायत्वात् अर्थेवार्श्वेदा। द्यान्यस्ययाः क्यायार्श्वेदादेश ।देयावासर्देसः पर्यं व परेव महें अर्चे र से र से र से मह सम्बर्ध मह से मह सम्बर्ध महें मह सम्बर्ध महिला से स्वर्ध महिला से स र्श्वेरः यः प्रेवः श्रेष्ट्री यदेवः श्रेष्ट्राच्याः यो बार्च्याः व्याप्याः विद्यान्यः वि ळे। त्यायदे हेट र्'क्रूबायर्या तर्येया वा ग्री त्या या यो तर्येया यर है। <u> न्वीका ग्रम् क्रिका यन्वा त्रे सुमाय में कान्य यम्म में वाक्ष वा या वि</u> र्<u>द</u>ेव:५a:५;द्युअ:घ:क्षे:५क्षेष[अ:य:खर्की:५र्कीश्रात्त्री:व्यव:याप्र:५;क्षेत्र। देव:५a: यम्भ्रीत्र्यम्बक्तुः त्रुयायादे छेत् योवायम्बन्देवः महेत्रः त्रवेतः योदः मवत्रः न्यायाः कुर्दे कें बाद्या याया ने क्षेट हे न्ट यर खेत याद बार्या वा र्राह्मेरिकेत। यन्यासेनिहेयाबासाडिव रेयाबायबान्याया सुर्धेव वाने सेन यर क्ष पर्वे बायबा से त्वर बेर वा दे प्रवादित प्रायर से प्रेवबायर क्षिप्तर्वे बार्यामा दे प्रवासे प्रायम्भावात्य प्रवे बार्य विवास के बार्य स्थान सेर्'गुं'ग्वर्ष'युग्रा'क्ष'य'षेर्'यश्चेर्'रसेर्'त्'व्यासे'येर्दे विवास येव क्रिया मार्थाय दे दे स्था ने बार्ने व न साम मार्था के न साम हो। यायार्भ्भेत्राचे प्येत्रादे। यदेवा येत्राच्यात्राच्यात्र्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या इस्रमायमा क्री प्रमान प्राप्ते का स्थापन र्देर'से'सूद'वदे'सुर। ग्रेंश्र्यूर्व्यायदे अद्यायद्या म्रें। विग्र यश्रक्षेत्रोत्र स्वित्तर्भे त्वन्ते। देवन्त्रीन् श्री देवाकायान वःश्रूद्रद्रावेग्रास्ये द्र्येश्चर्यास्त्रं भ्रुवः सेद्राया यसः ग्रुस्याविष्यावः यसः अधरः ध्रेतः त्रशः गाँठेशः श्रूरः बदः यदे रक्षे रे : द्रगः गान्त्रः । वेग्राशः शुः दशुरः यश् बर्बा मुबाला क्रेट हे बैंगवा के अटल घाटा प्रावका सुग्रवा के गांचे ग्राव यर त्युर रें। रिश्व व क्षे य वे य देव गिर्व श र्श रें वें वें मुश्य सुद उव यें। विश्वायेव विश्व देशे स्टायश यदेव गित्रेश सुर वह्या दिवे र से द सें सें

रदःरेषाःषोः सुत्यः त्यकाः त्यकाः त्येतः स्रेतः दः हिषाकाः द्वेषिकः स्री ग्रेश्चूत्व्तायावे येत्रत्याण्यव्तायदे छे येत् उत्येत् प्येव व ये उत्स्री यदेव या के बा बुदा यह या यो देव अर्घेदा यदे हैं। कें सदा देया यो खुया धेव यमा द्वराहेंगामीमार्खेर् यद्यायेर् यदेश मुन् गुमायम्य यम् तुमाया श्रेव वें। विव गुरमित्र श्रूर श्रेव परिव श्रूर गुर में शही हैं अ लेंद यदेव गढ़िक द्विर येद घेषा ये ज्या गड़िषा छेदा 🏻 के के रूट देषा यका अर्धेट या या गरेश केंश में प्या अर से प्राची मान प्राची ग्रेक्-प्रदा क्रीक्री केर ग्रेक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक्-क्रिक-क्रिक्-क्रिक-क र्वे। । दिश्व पदिव मार्थेश दुन्जै र से द हिंगुश्व व मार्थेश श्रू र मी प्रमा कम्श गान्त र्येग तुर्ग गुं गाव्त रु श्रेत र्वे। । गाविश सूट मी प्रम् क्या स न् प्रते कें कें अन्ति निर्याणीयान स्यापादे नियान वस्यान नियान स्थापित है गानिवान वयन सेन सिविव या केंब्र केन धीव है। केंब्र केन विकासी वार्ष या द्वार हैंग येन्याविषानुः हे ख्रेन्यदर्केषानेन् ग्रेषायानस्यायाये खेन् उता केषा नेबायबादेवे क्रिंद्रायुवानेबाक्षेत्र्व्या विषाव सामानिवाम् केबाद्वीर सेर्'गी'मवर्ष्यस्य वार्षम्य प्राची प्राची वार्षिक्य केर् | ब्रे त्युम : क्वा मिल क्वा प्रदेश क्वा प्रदेश प्रदेश में स्त्री क्वा प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्त्री स्व यदे देवाबायबाद्याया चु सेवायायस ग्रीबाद्याया चु त्यदाद विवा सेवाया रेवाबायबायाविवाबायाययाचीबावेवाबावादार्देबार्चायाञ्चर येट्टी

वर्तवम् ग्रुं वस्तुर्दे । विह्याहेव परं वस्तु निर्द्वम् निर्देश्यम् ग्रुं निर्द्त निर्देशम् । वर्षेव श्री मानेव में मानेव मानेव में मानेव मे क्षेत्रः यम्रेन्सर्भेष्मभायकार्देश्वेरियर्ग्यम्प्राचार्यम् वास्त्रन् <u> ५ मुँ५ : प्रभः श्रुवः ५ मुंवः स्थः प्रदे : स्थः प्रभः श्रुवः श्रूवः श्रीः प्रभः श्रुवः प्रभः स्थाः प्रभः स्थाः । स्थाः स्थाः स्थाः । स्थाः स्थाः स्थाः । स्थाः स्थाः स्थाः । स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः । स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः । स्थाः </u> देशमें विवार्श्वेम् वुश्राणी वाह्य दुर्भा वुश्रार्शे । । यद्श्रायमान्य दुर्मा प्रेय वित्रायदेःदेशयार्श्वेवर्त्र्श्वेटर्यावेवरयर्श्वेयर्यदेःत्यसार्श्वेशयहेवर्याधेवर्त्वे। षदा न्द्रें श्रुप्तत्याने ते स्वित्र श्रुप्ति वादान्ता वादी वस्रवारु द्रियं वार्षा क्षु स्रोत् या त्रा सुदा द्रिया स्रोत् या स्रोत् वार्षा स्रोत् या स्रोत् वार्षा स्रोत् य শ্বর' वर्रेन गुं क्षेत्र य केंग्रा हे स्वर विदुर है। नगे केंश क्षुव य नगा के नगे र्बेट्टा वसका उर् दसे माना निका सुदार दें राष्ट्री राष्ट्री का की सुन्न मान का . स्वाबायार्वे। श्रें दायाः श्लें बार्वे दार्वे दार्वे वायात्व वायाव वायाव वायाव वायाव वायाव वायाव वायाव वायाव स्वाबायार्वे । श्लें दायां क्षेत्र वायाव वाय न्नर्देरमेर्प्यरमञ्ज्यकिर्द्धिम्ययम्। गुन्देनम्बर्ध्यर् र्अग्रायापियात्रायार्यार्वात्राहे। विक्रावर्त्रात्रार्वे रार्व्या र्केंग्रायायदेवायंत्रेकेंबासुन्ध्रयणया सूरायादे केंद्राग्री मान्यासुन्या न्येग्रन्थर्भेन्यम् । यात्रम्य । युग्र ने 'स् प्र हें ग्र ना ने 'स् र स हैं ग्र पर दे 'से स र न स है पर है 'दर ' गैर्यायह्मान्ह्रीयद्यामुयाद्याच्याद्याचेत्रार्वेत्रार्वे । विन्नुद्राद्यान्त्रीया ^{क्षे}यार्श्वेटान्नुटार्देरान्चेटाग्यटा। यावश्ययाश्चयान्नुटार्देरान्टर्द्रश्चेयाश्चरार्धेट्रा *ॠॖॖ*ॸॱॸॖॖॱॸॖऄॺऻॺॱय़ॱॸ॔ॸॱख़ॗॸॱॸॕॸॱॺऻॸॱख़ॸॱऄज़ॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱऄॱॸॺॕऻॺॱॸॖऻ

वर्न इस्र अधिक है। सेव व रे प्या मी मवर्ष ख्रा र रे सेव पर व सूर रे। *ऻ*ॸ्रेबात्रःकेंबाकेन्। न्यःकेंबाक्त्रः त्यायाः योन्। त्रः हेंबाबायायेः हेंस्। न्येवाबायोन्। षदः द्रमः धेवः वे । । मावका खमका यः द्रिमका सुः से दः ग्रुदः शः क्षुदः तुः द्रमळेंबाकेदाग्रीबादी प्रदेश्यदेव मानेबाबोदायम् । प्राप्त वा क्रुन्-न्य्येम्बर्यः प्रावेतः महिक्यः क्रेन्-यदे-न्य्येम्बर्येन्-य्येक्षेत्रः स्वर् पदे नुसेम्ब सेन पर्वेद च सून मुदेश कैंब इसका उन से सून पर नैंद रमायवराविषायमायण्याम् । । देशनाष्ट्रिशाश्चामान्त्रेशाश्चामान्त्रेशाश्चाम् ८८। महिकाक्षाम् मान्यस्य मान्यस्य मान्यस्य मान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्य स्य स्य स्य स्थानस्य स्य स्य यर्ने यर्ने गार्वेश शु यद्वेन यदे र्नेन येन हे सरश मुश ग्रेश अद्विन नश वैं। १ र्रायें वर्षायरेव गारी कारमायाय दिन मुं से का रेव र्मायर न्य्रेग्राक्षायाः व्यवस्थाः उत्तर्गेषाः यो स्थान्य । यदेवः श्राचा । यदेवः श्राचा । यदेवः श्राचा । यदेवः श्राचा सवर विवादित्वीदा दे द्या मी क्षेत्र वा मविषा खेना वे दूरिया दे देश हिं या वि यदःर्'र्'श्रेष्राश्रायःश्रेर्'यःश्रेष्रायःर्'र्देश्रेश्रेर्'श्चे'व्चे'वर्ष्रेष्यःयर् यदे से ५ ' ५ माना त्या मान का सुन का सुन के सा च ५ व ' सुन वे च ५ व ' या वे का कर सेर या सबद मंडिमा रूर दर्मम सुसाय है व ऋर र र वें ना दें न र स

यम्भेदाबेम्यायकार्देकाभेदागुम्। देःद्रषाःयःद्वैकादासुभायःद्वैत्राद्वभा यम् अन्त्व त्याय न्त्रि । त्यायम् अन्य वाष्ट्रायम् । यम् अन्य प्रमायम् । यम् अन्य प्रमायम् । यम् अन्य प्रमायम् 'क्ष'क'रेब'र्बे' क्षे'र्केट्र'यम्। यदेव'श्च्या'र्वेष्वब'श्चुं'यब'र्छ'त्व। शक्कुट्र<u>्</u> सेन्यदेर्केश्वरीन्स्रेग्रान्ययायेन्युंश वःश्वन्तुर्वेन्तंन्त्रंन्स्रेग्रान्ययायः वर्देन दर्भेशया ने प्यत्व क्षून्त द्वा से मान विकास के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन र्वेत्। देन्रः देव:न्य:न्धुँन:पदे:न्न्राम्यः धेव:पशः देव:न्य:पर:न्येव|शःपर: वर्देन दर्शेश्वर्शे । दे क्षेत्र व सुम्राय देव द्याय में प्राय व देव श्रुव दे ग्रेशकर सेर् पश्चावया नुयान्तर सुवायग्या स्वार् सुरा द्वारा प्राप्त देश हु वयेव प्रशासीय प्रमाण में क्रिंट हैं देश क्रेंट में के केंद्र हैं। केंबा बस्य उन् से क्रेंन्यनेव ग्या पुर व्यान दें। क्रिंन् केन वे नर्देशन देंश सेन ग्री सर्कन यावयवाउर् र्राच्यावया विवायवार्तराष्ट्रीयायार्गरार्थे सवदःवसमाउदःददःवयःवःसेवःव। क्रेंदःकेदःवेःददेशसेदःग्रेःसर्वदःसः ८८। प्रश्राचेत्र ५८८५ सेम्बर्ग ५५८५ । ५८६८ मा १८५८ सा १८५ स ग्रिंशकर प्रमेग्राय उत्राधेत प्रमा व्याय प्रस्थि संदेश सद्भेत यन्द्राचित्रे के के द्रान्ते का के का के के के देश के के देश के तुर्देश के वा का वा र्षेट्र प्रवित द्वायम देशायम मञ्जूम मुं क्या मारा यश देश प्रम है सूम ववुदा अहिंगा भे ने अहि सुर ववुदा गर्ने अञ्चर है सुर व्या है। हैं द ने द ने'र्यम्हेंग्रबाग्रम्। ने'न्यार्यवृत्यये कु' सेन्'यरि क्विरमें। विवया रूपि द्रशः क्षेंद्रः या या यदेव गाठेवा यं वाया क्षेत्रं ग्री क्षेत्रवाया वया क्षेर यव वाया यदे ।

र्बेंद्रायुवाद्देरक्षरावेदादे। विकायात्त्रस्यात्रीकागुदावाद्ववाद्दर्भरक्षेद्रायरा ૡ૽ૺૹૹૻ૽ૼઽ૽ઽ૽ૺૡૢૻૡૻઌૻ૽૱ૺૡઌ૽૽ૹૡઌઌૹ૽ઽઌ૽ૢ૽ઽ૽ૼૡ૽૱ઌૡૹૺઽૡઌ૽૽૱ઌૢૺ त्यायायमः र्नेषायाययम् य्रे वायायावेतः वे । ॥ ॥ यर् यर्वे ये र्ने ये र्ने ये र यमिर्देशस्य बेरावा इरम्यक्षयान्य की कार्बे कायान्य विवासी कर्ते। बिनामना येन है। हैं न नया ग्रम् सेन वेन नया पर विनास से येन यम्बिमान्य वित्र में क्षेत्र नुपन्त निवार निवार केंद्र केंद्र प्रकेश पर वे केंद्र ने र्श्वेश प्रयाणित पायश्वराणपार है। विश्वाप्तया विश्वराणित । गुरादे दरायह। उरायहाया हो दारा हो दारा हो है । ज्ञान हो हो हो है । जुरा हो हो हो है । जुरा हो है । जुरा है । ज तर् है। दर्भा वर्भावम्य हितार्द्धा । यदेव यदि सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे स बेंग्रां यहें व क्षूटका देव अञ्चव पीव यम यहे व यो द द वहें व या द र यह दें। हिन पश्चर धीन ने दर दे पर हो। हिंद पर हेन पश्चर भेद न पदिन भेद हिंद वशन्तुः अदे 'र्वे' अं केंन् 'यदे 'हुंम। 🕴 कें र्डअ'त् 'नुअवश्य'न्द्र त्तुने वस्त्रज्ञ प्रतृत्र त्यक्ष कुप्तक्ष्व प्रति देव वे। स्वर विषा यो विकासिय विकासिय निवेदे हुँ रामानाय मानाय रामाना रामाना होते हुँ रामाना स्थान होते हुँ रामाना स्थान होते हुँ रामाना स्थान होते ह ्यदेव:बेद:तु:दुंभेग्रब:यद्य:बेद:य:र-, घेग्रब:य:यश्व:अ: दहेंव खेता वर्षाक्षा विकान्यायारार् र्राट्या विकान्यायार् सेवाकाक्युर्रा र्रभेगश्रभेर्छर्र्र्भेषाश्रायम् र्सेट्य पञ्च क्षुत्रु त्र्रा सेट्य द्र्ये । १५व र्या यम रश्चिम्बा श्रायेन्यम्हॅम्बाव्यवः श्रुन्श्चायार्थ्यानुः न्येम्बाव्यवः

यम्भूनः यार्श्वेषात्राक्षेषात्रेष्ट्रा देवान्यायम् से न्यायम् स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम्यस्यम् स्वयम् स्ययम् स्वयम् स्वयम श्चे त्यायायायावेत्। द्रश्चे मार्था स्थित यविव वें। । देशव यदेव गाँठेश यग्य से द गें। द गेंश यदेव से द द र क्रुन:तु: र्षेन:या: तयाया: क्षेन: र्नेव यां क्षेया: हु: तकम: निका ने: क्षे: व : यनेव: ग्रिंश बुद तह् मृ'र्से म्रायसम्बादाये त्यस्य पद द्या पुर दर्गे दे। दिव दस र्देशसेर्ग्रे सर्क्ष्यास्त्र स्वाप्त हो देवर्ग्य देशेष्य सेर्प्य देशेष्य पर पर्वा प्रशास में भी विष्य है। यह र स्था र सिंग र वुषावर्दे। ।देःचलेवः भ्रेःह्याःयः धेदः याचेदः ग्रुटः। अवरः श्रुयाः योः देवः याः भ्रेः ह्रवायर प्रेयेवा श्रासे प्रासे प्राप्त स्वर्धे प्राप्त के प्राप्त स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वरं स्वर्धे स्वरं स्वरं स्वरं स्वर्धे स्वरं वर्षान्येग्रचायाः उवः वय्यायाः उत्रेग्नेयाः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्त वस्र अन्तर्गुन हैं या यश्र से यह य न्येग्रास्येन्'वे'न्व'न्य'य्य नियम्बन्यम्बर्भम्बर्भन्यम् अन्तिम्बर्भन्यः स्वान्त्रम् विष्यः स्वान्त्रम् विष्यः स्वान्त्रम् यात्रे ने राष्ट्रीत पदार्दा । द्रमे 🕴 यश्चर दार्घी या महत्रा सुम्रात्रा यात्री श्चिरःगवरःरु:अःश्वरःयःर्गायोःयस्यःद्रम् श्चिरःयशःश्चरःयःयगायाःय। श्वरः नमार्श्वेदायानश्चेतायाक्षरार्शेदात्रमार्देत्राम्डेगानुगत्रस्या यनुनायादे सं येन देव गरेग हैं ग्राय के न्या येते देव में ना धेव। देव के धे व या या केंन

व.र्बर.र्थ्याक्नीयविश्वीटीटीट्राज्यावाचावाच्यावट्राज्या क्रीटात्रपृत्तिमः ने सूर तबन पान्य स्वराय क्षेत्र व सूर प्रतर क्षेत्र प्रतर क्षेत्र प्रतर स्वर स्व क्षृत्यमहन्यभेदाने क्षेटानेदायी देन सेवानेटा केंबामंडेमायायन र्स्व यांच्या यो ने प्राप्त विकास के का के ने का के निकास के नि श्चेशव्यायेत्यात्रात्रां ध्रिम्याया देया व स्वयाया येत्या स्वास्य स्वर्भे म्यायेता यादे <u> चे चमा हे क्षेत्र या ब क्षृत्र तुः येत्र र्ख्या ग्रे खे चमा भेत्र यक्ष। वे यहेमाहेत्र यक्ष</u> हैंग्राबात्र्वात्रा स्टायवेत्रायेत्रायत्याक्षेत्राकेत्राग्रीक्षिण्यायर्गे । क्षेत्रा केर वे शक्षर रु भेर परे केंबा क्राबा मिरिन व बाक्षे पा सेर परे केंद्र पर यवश्यार्थो प्राप्ते वा दे या देवा द्वा श्रीयाश्ची या प्रवासित । वशर्मी दर्मेश्वराधित। देशव श्रुद्द स्थित यदि र्हेश द्वराश्वर व दे दे हेंदर यतर से ५ वर्ष ५ वर्ष ५ वर्ष वित्र उत्र से ५ वर्ष र महामानित है । के अ उव भेर परिकेंश केर वेर के शंगित्र मान्य ही स्पानिव र मान्य भेर र प्रान्त सेर र गुवःहें वः बूदः वः बूदः विदेषः देवः व देवः द्वायाया बूदः वेदा विदेषः व विदेषः व विदेषः व विदेषः व विदेषः व विदेष वदेः र्हुं रेवा व ब्रुट वदया गुव हें व र्षे द से विश्व यशा थे वश्व यववा से द द् में दर्भेषा देखेरवा दर्भगवाय दर्भ दर्भगवाया क्रेंट सूटा गुव हें या र्नेव:न्य:यक्य:य:श्रे। व्हिंग:न्दःर्येग:यदे:ख्वन:थॅन:ग्रुटः। हिंव:धे:देंटः त्त्रेरः येदः येवः परः वेशः परः तुर्दे। । । ग्रुवशः युग्वशः पदेवः पः तृत्रेरः येदः क्रेंबा न्वीनबा क्रेंबा या न्य व्राय व्राये ने हेन अर्देव नुव्वस्यये क्रेंन्याय ह विश्वाचेत्र से देशे विश्व स्थान स वहेंबया अन्यान्या

वस्रानुः नदा वर्द्देन् यमनुः वः व्यवाद्यम् याया ने स्वमारा स्वाद्या विषय स्वाद्या विषय स्वाद्या विषय स्वाद्या वहेंत्यान्वराष्ट्रियान्या क्रिंत्यान्या क्रिंत्यान्यान्यान्यात्रेत्या अव्दायाक्षरायाद्द्रीयो बुबायाद्दा विदान क्षेत्राचाद्दाचा विदान भेर् रु पत्रुट व्या र्से स्थितर्भ्यात्राम्यते प्रयास्यासे दार्से दासे द्राया स्थान वहेंब य वे वेब हु चलर गर ग्रे गवका है। क्रेंट केर रूट रे किं व केर ग्रे अंदःचर्हेद्रभेशःगुदःदेवःस्रुगशःर्धंअःतकरःअःस्रुदःचदेःसदःअर्धदशःस्रुगः यर प्रस्तुत पर बर दे। । दियर त परेत शुपा केर पर देवा वा परे त्यक्ष व्यादेशक्षेत्रायाञ्चेत्रायम्। यदेवायम्युयायायेदार्दे स्रुयायादमः। भेषात्रा यदे यम वर्षा वर्षे प्रति है । वर्षे गुवायेदायराषेदायाचेदायरायदाषदाश्चायशर्मीयीर्केदाया धियशर्केदा यदे विर्पेद्राय सूर्व ज्यार में शक्रें अध्यक्ष अवर व्याप्त से माना व सेन्यम्भेष्यायस्य न्युन्य क्षेत्र न्यान्य त्रस्य स्थाय साम्रीस्य स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स शे'रहें त'य' नदा। अवर'यवेदे हें बावयानु देवाबाय बादेबाय हे न'यदे छे' षरक्षेत्रहें त्र या महित्राय द्वार विष्कृति में मूर्य माना वार्षेत्र दे मुर्ग या विवर्षे । र्श्वेषा मृत्य में अर्द्धन या येन पारे नेवाबायबारम् नाया त्या मित्र येन येन मित्र विवासी रेग्रायान्येवात्युव। वास्त्रन्तुवयुवायरारेन्युव्युक्त्र्रेन्स्यू गवर्षास्यायस्य स्वरास्त्रवास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य यदेव से दर्द से मान्य पर के दर्द प्रमान में निकास माने के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के स्वीत के से से स

दे'श्रे'त्वर्'पदे'ध्वैर'र्रे। । अर्देर'व'रे'वेग'इश'ग्रद्शपदे'र्देव'द्श' ह्यूय यदे हैं। र्वे न्यायर न्युन वर्षेत् येन या वा विवास निवास निवास विवास विव *ऀ*नेॱसँन्ॱय़ॱय़ॱयनेवॱয়ॗॖय़ॱॹॖॗ॓ॱॿॱॠॖॸॱॾॗॗॖॖॗॸॱय़ॱॸॸॱॴढ़ढ़ॱॶॖॖॖॹॱॹॖॸख़ॎऀ॔ॸॖॱय़ॴ र्नेवर्त्रअयम्बर्धर्यर्द्रा यनेवर्धेर्न्नेवर्त्रअन्धिर्यम्पन्धर्वर्वेर्त् बेद्दार्भ क्षेत्र संस्था के वार्ति । विकास विकास स्थान स चित्राग्रीटारवायायायोदार्येत्। दे.क्षेत्र.यायवत्राच्चीत्राचयाद्विदारव्युवा र्सेन्। यनेव सेन् सेन् न्याया यी सर्वत सं र विव व व र ने याव व स्याया व र स व्याः हुः वर्षे द्वां क्षेत्रा व्यायमीयाः यः स्रम् व। वित्र योः स्रीतः केत् वित्र यो स्रीतः केता वित्र यो स्रीतः मुनार्नि नदे में मिन प्रमा नदेन मुना से न सम्बद्धा मुनासे न स्त्रा मुनासे न स्त्रा मुनासे न से न से मिन से मिन वशुराने। क्रॅम्बूमर्नेव गडिगायदे यनेव शुया सेन्य मे प्राप्त निवे क्रॅंटरपायविवार्वे। क्रिंग्स्यामा सेरायां वेरायदेवा स्वायायय विवासीवाद में वाही यदेव मुया भे वका आ क्रेका या त्याया या भेव मी। युया केंया का केंवा व्यवस उन्ने क्रे त्वाया विन्यं क्रेंट केन्त् क्रेंट केन्ति । विकाय क्रेंट केन्ते हेंगशयशयदेव सुय श्चे त्यांग भेर यम हेंगश हे में म्यवंव वें। । श्वर क्रॅंट ब्राय्ह्या वेंद्र व प्रदेव सुव हि क्रूंट पर दर्ग दे हैंदर प ब्राय्ह्र य र्वोश्वत्यदेव ग्रुपः रे द्वावेश्वरोद्यायत्रायः श्वदः श्रुवायः विद्वा ब्रेन्यायार्क्र्म्यकुषायार्वेन्ति। क्रेंन्यमाष्ट्रिष्ठा रे र ययदर हें द पर से मदग्र अस ले ता दे महत से द प्रें द स्था दे वर्षार्ह्मेर हेर ग्रे में अर्केर है। सर प्रविव सेर या रूप सेर प्रदे प्राप्त प्र है सूर देवेत। दें त ब्रिंत ग्रें खुम्बाय यत्ते सुय व क्रुत्त प्रेंत बेर रस

बेरका यदेव सुया लेकाय देव दुर्धे दार्शिका दुर्ध प्रविद्या यही यदेव. सर. श्वीय. सर्द. श्वीय. क्षर. ट्रेंब. रहिंद. श्वीश्वारम् स्वीत. यहंद. री. श्वीय. सर्व. वर्हेगायमा देशमून'त्वरायेन'र्येन। यनेवासुयाने'यर उं'वेगायनेवाया मुया डेबा मुले प्रयास देला यम से प्राप्त देश पर्देश परदेश पर्देश परदेश पर्देश पर्देश परदेश पर्देश पर्देश परदेश प न्धन् पर्वेन् या शक्षुन् नुतरा यो नाया या ने ने श्वा या यो नाया यो यो नाया यो नाया यो नाया यो नाया यो नाया यो यो यो यो यो यो यो यो यो यमा देवर्र्धर्ग्रेमस्मायम्बर्यस्य यदिवरमेर्डेमस्य मार्चर गलक सेन प्रमा देन ग्री खुम्बा त्या देन मिन स्वाप्त स्व र्देव'दर्धेद'ग्रेश'द्यअ'य'से'त्वेषि यदेव'श्चय'षव'ष्यर'य'त्वेषिण'यदे'स्चेर' यनेव श्वायायव या राय वर्षे या या यनेव से दाये खेवा या दे खेवा ये दे खेला है । तर्दे हैं राया दे त्यायायाय्व या राय हें दाय दे वें वाया उं या द्या राय वा श्रद्याद्वाप्त्रम्य विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वापत विष्यापत व चर्राक्षेट्रपदे क्रेंट्रप्य खेंद्रप्य वित्र मुद्रम् रूप्य क्रेंट्रपदे क्रेंट्रप्य क्रिक्र क्रेंट्रिट्रप्य क्र क्रेंट्रिट्र क्र क्रिक्र क्रेंट्रिट्र क् वशुरक्ष विदेख्नशङ्घेटमें केंद्रवास्थान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स ग्वित ग्रीश हिंद प्रति हिंद प्रति हुमा ग्राद्य संद से प्रति प्रति स्था म्याद्य से प्रति स्था मिल्य से प्रति से यालव.लटा क्रुंट.७८.क्रुं.यचक.ब्रं.तकर.तर.याब्ट्यात.क्रेर.व। क्रुं.य. येद्रप्तः श्रुः श्रेष्वश्रः श्रुद्रप्ति श्रुः वरः श्रुद्रप्तशः श्रुः येदः प्रवेदः प्रवेदः द्यूदः दर्ष्वा वार्षितः सुरावा यदेवः शुयान्दायदेवः सेदः शुः वहारा सुः वहारा विवास वार्षे । शे[.]शें५[.]दें।दे[.]चेंदर५५५६३भे५कुं,दन्नश्रुदकरशे.५५५५५वेव वें। दगः द्वान्त्रभूदः द्वान्यः विवार्देवः देवाक्षः श्रीः दवावा श्वान्येवः हे।

क्षित्र गुर क्षेत्र यम क्षुय त्र्वेत्र। व क्षुत्र तुः येत्र य वे व क्षुत्र तुर्धेत्र देवाराणीराजेदारात्याया वर्षास्थ्याद्रा त्राक्रिंग्रेराक्ष्यात्र ने अन्यम विश्व ग्रम् क्षें म वेन ग्री ने विश्व हैन स्था ग्रम ह्रेग्रास्तुसाह। श्रुपाश्चिग् श्रुपाश्चायायात्रम्यायायाया वेशस्यायायवेतः वै। दिश्व श्रु अ श्रेंग्राय देग हेव पश श्रेंट पर हैंग्राय पदे। न्दाञ्च पान्देशसेव प्यान्ते स्थान स्थान प्राप्त स्थान न्येर गुरुषात्। श्रूट र्कन्यने वासे प्रतिश्वास्ते रामे विद्या हेवा ्चः ग्रेंश अंग्रेश संग्रेश सेंग्रेश सेंग्र सेंग्रेश सेंग रद्यायदे त्रीश र्हेग्रभात्रे। यहेगाहेन:स्टाया:पदे:र्ह्नेशा सूट:पदे:र्केशयार्डगार्झेट:र्वेट:र्ट्स हेंग्रां के तुरार्के। वि. ग्रेंश्रां म्यान्य वि. या प्रांत्रां के वि. या त्तु माने अर्थेमा अर्ह्य के इंटर्ड अर्द्य में दिन्दी है नित्र दिन है । विमा <u> ब्र</u>ुयः ब्रेग्न बर्म्य प्रमुखः द्वार्यः द्वार स्थान मुँ र्दे र्दे रेते र पे व ब क्रुं भेर र र भेर वे ब है। व्युव मुंब मुंब क्रुं ब क्रुं व व्युव द र्देगिः कें त्यायाः यम्भेशाया ये वश्रुः तयायाः यम् यम् यम् वस्र अन्तर्भित्र प्रतिक स्थान का क्षेत्र स्थान स्यान स्थान स क्राका गुर्द्र। दि.ज.ञ्ज माने का श्रुवा श्रूप स्वाय स्वाय स्वीका प्रदेश स्वीवा स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व सेन्यविव सूर्या धेव यदे नेग्रायश्यम् सून्य व्यक्तिश्यस्य व्यन्ति । वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्षे वर्ष्यम् वर्षे वरत द्येश विश्वर्दा ग्राञ्ज्याशयार्श्वयाश्चर्रा अञ्चेशयश विश्वर्दा ग्राञ्च वर्ड (वु.क्री विकार्सेम्बाम्बर्ड्सायाविक र्वे। । दमे 🖁 धरावर्डमाक रो।

गद्राच्चग्रायद्रम्। दहेत्रची स्यास्ट्राचे प्रदेत्र प्रेत्राचेत्र प्रसेत्र प्रेत्र प्रस् यदःवर्गायद्याः सेदः पवः यदः दुः हैं यवः वयका सेदः हुस स्वा सिदः दे। वयाः वः पब्दान र्ड्या ग्रें बादरें क्षुयाय क्षुत क्षुत्राय के वाद्येग क्षुया वा यान्याकायां वे दे प्येव प्यादे द्वी स्वाद्य विश्व प्यादेव से प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप ब्रिन्' शक्षुन्' तुः सुदः वित्रः ब्रुदः वः ब्रुन्' तुः वित्रे तः विदेतः यदः स्रे वित्रे वाः ब्रे ग्रे:खुग्रबायायदेव:श्रुपायग्राम् सुरार्थे:ब्रेप्त्यमायदे:स्रुप्ता यदेव:दर्देव: शुं गिर्ग्यायावि व श्रुर् रुपेंर् पादे केंश इस्र शांधे व है। वग श्रुपाय वेव र्वे ; ॱॱॱॱॸॆॺॱॺॱख़ॖॸॱय़ॕॱख़॒ॱक़ॗॖॺॱक़ॸॱऄॱॺॣॸॱय़ॸॱय़ॱॹॗॸॱय़ऄॱय़ॸॱॸॖऻॱ॔य़ॸ॓ॿ बोर् बोर्यून पर वयाया | दिर् ग्री खन्ना यास्ट वें ख्रा केर् हें दाये ष्ठिरः सूदः प्रसाधीः प्रकेदः हो। र्ह्मे सामीवः ग्रीतः ग्रीः प्रमुखः मीवः प्रप्राद्धः विगाधीः त्सा र्बे । वित्रिं भुगमायायाय्युयाम्बि वित्रेत् । वित्रमाया केर्दे। । वि न्यर वेश्वाया सर देवा ये न परि वा क्रिया श्री स्थाय यो या यश्वाय देवा र्स्ते द्वरा वेशक्रें शंख्वा यदे स्वारी के या मान्या मान्या यह विश्व यायमाम्बद्धारी नेमायमार देर्दे प्रायं दे हो । देर्दे प्रायं सम्बद्धारी मायमा ङ्गा भे भे बाया बेंग्बाय दके तुषा ग्री वेभा नेभा नुभा वरुत वा हिंदा वा बुदा वा श्रीव वया है। यदे क्षा वे बाव दे रूट रेग हिर शुर है। क्षे खेर क्या वे बाद र सर्द्ध्यक्षत्रपुत्र पुराये के के राया दे के दा देश के बादा धित ही। दे के बादी दा नेशयाम्बदादर्गेशयाधेदार्दे। । द्येयदास्य नेशम्बर्मश्राम्यान्य

म्बेनासुर्ग्वेदम् रेगानुन्तित्वसमुद्राचदे रदम् क्रिंदाचर्ते स्वाधित्वस्य र ब्रिटे अपन्याया केवार्ये मानावायाय दे प्रवास केवाया के किंदा वा कार्य के किंदा वा कार्य के किंदा वा कार्य के क <u> नृत्युः प्राप्ते व स्वार्थे व स</u>्वार्थे व स्वार्थे व विश्वस्थान्यः में दिव। दयदार्थे संस्थान्य साम्राह्म प्रतिश्व साम्राह्म साम्राह्म साम्राह्म साम्राह्म साम्राह्म दिईव पर देश भी। नियम दें मालव भी खुल से ने शपदे दें व खेव पर सु વૃંટ. જ્ઞાત્રકા. તા. પીવ. શુંકાયનેટ.તા.જા.તાં.વરાશુંટ.ગ્રી. ક્ષ્યાપંત્રી તા. વજી વ્યાપજી ટે. શ્રી यदे के बार्ट्स अर्क्स के हो। वे बादा माडिया मी खुया माने बार के राही वह देन । की या निषाग्रीसार्ह्स्तार्यान्त्राम् व्यापित्राम् विषा । यथा दे । दर्द्द्रास्य अत्राध्य स्थेरार्थे। सँग्रास शैरदिंद्यायात्रा द्वानेकाग्रीकातुरात्राहाक्षुं अनुआतुःशैरवेकायरादर्देतः न्वीं अत्। अर्देव सुअ श्रेश प्रश्यापा । प्रश्यापेव पा क उटा न्वीं न्यें प्रश्याप गह्रमायदे हिंदायश्यावत सुर्विग मेश्रा ५५ म गवत प्राव्य देश ंभेषाःविकाःग्रे:खुत्यःतुःशुक्रःदादे।वःर्देषाःतृषाःन्यमःत्यमःश्रृःक्षेषाकाःखुत्यःषाठेषाःधेवः वयाद्यन्तराष्ट्रेव। ग्रेंचाप्येवन्यस्वन्ध्यन्दर्यवायाया द्यन्तर्प्येवन्त यांडेया'यो बा यां के बार में बार आ धोव । या रा द्या या उतर या कु अबा या रा त्या रा दें। पि निवेत स्ति क्षिया वा की क्षा की कि की का की कर के की का मित्र की की निवा गरिना श्राप्त निर्मा नि वित्रः भेषायम् विषान् न्याति वित्रान्ते वित्रान्ते । वित्रान्ते वित्रान्ते वित्रान्ते वित्रान्ते वित्रान्ते वि

श्रीश्रानिया यदायदेवायिकार्यो र्क्केन् स्था क्षेत्र स्था व्यवाश्य स्था देवा द्या स्था स्था स्था स्था स्था स्था म्बोम्बर्यायान्वीबर्यासेन्यम् वया देवन्तस्यम्सेन्यस्येन्वीसे क्रिंद्रायदे ख्रेम सिं श्लेदि मिलेस सूद्रमिलेस लेत्र वर्गे महायदे वस से द्रायम वया गुर्वाहेनामहेश्रुम्पेन्यश्रिंन्यश्रिंन्यश्रिंन्येन्येन्येन्यं यश्र भेर में भे रें दियदे हिम दे स्थर द तस्य वा त्य या स्थर परिवर्ष क्रिंश क्रेंट मी यश्र प्रश्नावश्य देश क्रिंग दर्दे हैं अर्थे तु क्रुश्य प्राय येग्न श्य उं विगायर्गार्शेसस्य विग वसास्य स्थान विवासिन स्थापिन स्थित वश्राह्मरा प्रवास्त्राच्या स्वास्त्राच्या स्वास्त्राचा स्वास्त्राचा स्वास्त्राचा स्वास्त्राचा स्वास्त्राचा स्व क्रिंग्रासुरायार्देवासेवार्यायदे सुगानुनात्वाराधेवाव। यदे यद्ये श्वासुरा यशक्षेत्राक्षश्चर्त्वः य्रोन्त्रीं यायदे त्वाः सुश्चायव द्याः हुः यवदः। में प्रश्राणमार्से म्युट्याययद्य श्रुमश्राय है केत्र में क्रिमामीश्रा धे में प्रा यश्चान्त्रव, त्राद्धाः सर्भितः क्षेरः वी. त्राद्धाः प्रशास्त्राः स्वी सार्विरः सहितः उंग ने ने । विषया नर्देशस्वर केंशलेन त्या सुगान्या सुरस्वन तर्केता त्:बेर्पाउदि:धिम्बः रेप्समञ्चरमायरेप्तेर्घञ्चरमदेवःयदेप्यवदः येव प्रते खेर रें। । वाय हे से र्कं प्रराह्म प्रायद कुर सर्व वावव के साम वश्चितःवरःर्भेरव्यवात्र। अर्देवःश्च्याःर्खन्। अर्देवःश्च्याःर्खन्। अर्थन्। अर्थन्। वश्य मान्य हे मा मुन्य प्राप्त मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य म यरत्युरर्रे दिशव व्रें अत्युक्षयाक हे सूर बूट व केंट्र ग्रें श्राध क्रुंट्र ઌ૾ૢ૽ૺૺૹ૽ૼૼૺ૾ૹ૽ૼઽૻઌૹૹૢ૿ઌઽ૽ઽૺઌૡ૽ૺૹ૽૾ૼૼ૱૽૽૱૽૽૱૽ઌ૽૽ૺ૾ૡ૽ૢૺ૱ૢૢૼ૱ૹૢ૾ૢૼ૱૱૽ૺૡ<u>૽</u>૽ૺૹ૽ૢ૽ૺ देशक्रिक्षे अं क्रिक्षे अक्षेत्र भेत्र भेत्र भेत्र भित्र क्षेत्र भारत्य क्षेत्र भारत्य भारत्य

र्श्वेतर्या श्रेतर्या शुः विवार्षे ५ १५ २ मा श्रे श्रास्टरया के राद्ये यम राद्यु मार्चे । । वाया *॔* हे ओर् कं न न न सुरान के केंद्रा न का शुना हो न केंद्रा न के न क्षं या प्राप्त विभागा यहे या प्राप्त स्था यह ता विश्व से से त्राप्त स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स यायायदे दे यश्चा द्वार विश्वायदे व। श्रेसश्ची गुन्तु हिंसे गायायश्चिर है। श्रेयश्रेन्द्राक्ष्यं म्हेंग्राह्म श्री यर्ष्ट्र या से दिन हैं। । गुन्ह हिंग या गृह त्रअः वृद्रः ले त र श्रे अर्थः यश्चे । अर्थः यादः त्र अः वृद्रः ले त स्था स्था अर्थः स्रियायायाः स्री । इ.स.इ.स.द. स्रियायादात्यसः चुटाले त्रा विषा स्रोते । प्रेया स्री द्वाणुः श्वेंबायदे प्रमाळम्बायदे । श्विंबायदे प्रमाळम्बाम्यप्रस्म सुरावे वा ङ्गः अङ्गः अङ्गः हे : अङ्ग् प्राच्छेत् : युद्धः अवतः अदः दें। । अवतः अदः युद्धः त्याः चे : युद्धः विद्धाः विद्या क्ष्र-शुर-ले व। बेसवान्द्रकें वास्त्रस्य वा ग्री-दे ने ने ने वास्त्रस्य वा स् बुरक्षे। न्रीमशसुर्वेन प्यायाने विषया सन्यवस्त्रीन सी श्रीन दी। । न्रीमश ૄૹૢૹ૽ઽૢૻ૽૽૱ૹ૱ૢૄ૽ૢ૽ૢૢ૽ૢૢૢ૽૽ૡ૽ૺ૱ૢૣૺ૽ૼૢ૱ૹ૽૽ૹૣૹ૽૱૽૽ૹ૽૽૱૽ૹ૽૽૱૽ૢ૽૱૽ૹ૽૽૱ सर्वत्रद्भाष्ट्राचार्द्भावे स्टाम् द्वाप्त स्थान स यः वादः व्यदः अर्घः द्वायः यः स्त्री द्वायः वाकाः स्त्रीय क्षायः स्त्रायः स्त्रीयः वाकाः स्त्रीयः स्त्रीयः स् सम्भागवर्षायायविवार्वे। विसासम्बर्धायायवर्षावेशादेशाळें। सम्सा मुश्रागुंबा न्याः बं प्रदायाः है। वया यावदः ववका से दः पदे सुरा है। ययर संग्विक की विकाम सुरकाय सूर में दिका व सम कर है। अवदः ब्रेंदः यः केदः यः व्याप्य अदिः वेदः येवा अवदः ब्रेंद्रः या केवा विवा |हे⁻द्धरगुव-हु-हेंब-य-उव-य| श्रु-त्वाब-८-य-२-श्वा-श्वाब-श्रे-अनुश्च-य

ब्रूट्या वस्र बार्च हिंगा पर्दे प्रयास की बाबूट विटारे ख़रावा कुरा हो प्रयोग वैश्वायायायेरारे गुवार्हेया देशायायरे उंधारु वरारी । । यरार्वायरावः र्दे विश्वास्य प्राप्त स्थान स्थान देवे हिम्बुम्ब सामवा सुमास सम्बन्ध सामवा सुमास सम्बन्ध सामवा सुमास सम्बन्ध य्रात्यूरमें। ।देवे:धेराये:वंदे:दर्देशःगवि:येंगःयाद्वयशयाये:यें। कंप्यदा [नेश्राञ्चत्र सेंद्रायदे दें राक्ष्य न्याया से त्राप्ति हियाय में स्रायदे हो ह्या में बाबा बादा श्रूप्ता क्षेत्र गुवा हैं या तुर नदा नदा में बाद होता प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश मा *৾*৾ঀ৾৻ॱঀৢ৾৾৴৾৽৾য়য়৽ড়য়৾৽য়য়৽ড়ঢ়৾৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য়য়৽ড়য়৽ড়৾য়৽য়৾৽ ब्रेन्यार्सेम्बर्स्यायनेबार्वेटर्नुस्त्र्न्यम्बर्धे । ।ब्रेन्ह्राम्बर्ध्यायदेरस्य ग्रेश्यायायम्याद्वाद्वाद्वा 🕴 द्रेश्यम्बदःक्रेश्वेदायाम्यावशः मुग्यक्वः अंदर्केयाचा हेंगायश्रायलगायार्ड्यायाञ्चम देदेः द्वीरात्रा द्वीरेत्वाची ये कंपा विषायदे मे पृषाका सेदे पाउं मार्च मुन्त केषा का सुम्य कर स्वापिक मार्थ मिला स्वाप्त कर मो हैंग प्रशायलग पार्ज्या यश द्वी देंत रूट न्यट तुः यश्चायाय यो मात्र प्राय विया दे.क्षेत्र.व.क्षे.वच्यात्रक्तात्र्य.श्रंभाव। भ्रातक्र्याचाद्र.क्ता हेव.वचिंद्र. म् बूद्यायम् अत्रक्त्युवायात्रप्तित्व। अक्षावाक्ष्त्य्य्य याः दीत्वा श्रीदे मार्चर श्रु उत्राया श्री कं या ५८१ वर्षत द्वा मीश्रादके दश्रा मार्वे ५ या असी यास्रवाराः स्वाराण्चेत्रासर्वेत्। सुन्तान्त्राः ययदाः सूर्वेत्वारासुः सूरायाद्याः |प्रकारमान्त्र ग्रें क्षें त्रकायो त्र प्रमेश ग्राप्त यो प्रक्रिम प्राप्त । स्माका ग्रीका ये ये के का का के ना के का स्वार्थ के का ये का के का का क यदे चेत् या श्रु केंग्राशु श्रू दाय। यश्य दर। यश्र या प्रत्र प्रत्य श्रु य

र्नेव व्यान्ने अप्यानिव स्थान स्थान स्थान स्थान है। कु की वर्धिय स युग्रवार्यो स्रु र्क्वेग्रवासु रयु र प्रवाद्य केंस्य केंद्र चु चु दे हैं स्र रेग्रवायासुरा है क्षरक्षरायायश्चुः सेन्द्रसङ्घरव्याद्युन्द्री। विवासी प्रमेष्यदे प्रयाणीया चिर् ह्री र र्स्य प्रह्मा प्रहेश प्रहेत ही की विर्पाय र दे प्रहेश ही ही पर त्रावारं वा त्यायने त्य श्रेष्ठेन या विन त्या विन त्य क्या य श्रु सेन सेन वें क्षेत्राव। बेंग गरें द सेंग्रस्य स्त्र स्ग्रस्य पक्षेत्र पक्षेत्र पदे च चेंद यदिक्वमारीप्रमेरप्रविष्यापारिक्षेत्रमेरम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्रम्भेत्र व। नेपनिवन्त्राञ्चीन्प्रित्नोप्तरायन्त्राष्ट्राचीर्याच्या यायां अंक्षां या या विषयां या नुषायानवित्र त्यो र्कं तुषा व्यार्थे दा श्रेन् श्रेम् वा वा वित्र स्थान यउर्ने तर प्रीर व रवेश व र्षेय । वर्ष या स्या से से देश हो से यो प्रवर व क्या क्षेत्र प्रतर्भाग क्षेत्र के अध्याप्त प्रतासी मार्गे प्रति प्राप्त क्षेत्र र्वे। । देशवः श्रेंगः गर्डेदः यः यः श्रेंगः गर्डेदः यमः वेशः यवित्। देशः ययश्यः यः यरे य वेर केश लेंग हेंग पंतर पका रेका त्वका तु यरे यरे यह के विव |गावदःसटानुटस्ताक्षेत्रकान्यकात्यकान्यक्षान्यक्षान्यदेः यर.क्रूर.बुटा। मुल.बुर.गुं.यरे.य.क्षे.वंदर.र्बंग.यर्कत.री.सब्रूट.य.लूर. र्सेन्'गुं'क्रेव्'हे'सूर'गुब्'गुर'दर्। बेसब'रर'हेन्'य'यने'न्रधेन्'यने। क्ष्म वर्षयान्द्रधीन् भ्रीति न्द्रिं अस्ति वर्षा निष्या वर्षे भ्राप्ति । विश्वापति । व। यरे क्या यव र्द्ध व दर्देश या वया यह से ह हैं। । हे यं वेव ह ह या या क्र

र्षेत् य दर भेत यदे गुन र्ह्सेटमी सेमसमी सम्बन्ध तका प्रमुट परे पकाया न्यों सी न्यो र वर्षेया यी वर्षे प्रयोदे स्थिय में अस र हैं या स्थान से साथ के में रिदे क्षेत्र व द्वो क्षेत्र को त्वका च त्व का साम के तर्के व किया की विकास व का न র্ভ্রমানমান্তর বার্ত্রা বৃদ্ধানমান্তর বিষ্ণু ক্রান্তর বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু ব सेव र्वे। | देशव द्वो स्वाम स्वाम सुरद्वा व्याप द्वी प्व सुर्या सेव सी साम होता यावी मुक्ति मारा पर मारा पर्के माना यादे हिना नु पुनि प्रमा मुना मुना मिरा पर पर माना पर पर माना पर पर पर पर प यः येदःद्वी ।देशःयः येदः यदेः य्वेदः यवदः व्येशः वुः व्येशः याश्वयः व्यायः येद्रायस्य वयाद्रवा की क्कें द्वार ये द्वार हैं। दि स्वर द रेवास या या देस या येद्र यश्रासिन् यहवासी सुदायमायशुमार्ने क्षुसावासी यशुमाहे। र्क्षेषाश्रामते सूरायुवात् सूरामते दियां केंश्रान्ता केंश्रानेता ने त्यां केंग्रान्ता केंश्रान्ता केंश्रान केंश्रान्ता केंश्रान केंश्रान्ता केंश्रान्ता केंश्रान केंश्रान्ता केंश्रान्ता केंश्रान्ता केंश्रान केंश्रा केंश्रान के वित्रद्रा कुः वर्षे अया के अप्तारमा ने क्ष्र राम वित्रमान ने प्राप्त कर् रेग्रायायेव हे व्ययपदा हे त्यवायावव हु ये त्युर है। हिंदे खेर खेर हैं हैं व चक्षः च : श्वर क्रेंद्रः च : कुः क्रेंग व : व : क्रेंग बर्स्यश्वरपरिश्वर्रित्र्यक्षान्त्रश्चरश्चर्यस्य पर्वेषायान्यायाः न्या यो । १९५ युर्द्र युर्द्र विश्व वि यम् यम् कम् मा भे सूराया धे मा भे मा स्मार्थ स र्केट या अद्यय मुद्रेम 'तृ के 'देश यदे 'क्क्रुंब 'र्षेट 'दें। । माय 'तृ 'दाम कमाश ग्री ' **ब्रू**राचा अध्यात्वातु व्युत्वातु अर्थेराचा या रास्टाया जेया कुरायते वा या व्याप्या और

वर्ग्यायमामर्स्ट्रम्ययम् वर्ग्यूमः स्वीतः स् र्शे शें या ग्राम्ब्रामा ने किना सम्में सम्ब्रा केना नु श्री या ग्रामा केना केना ब्यूयाधिवार्वे। १२ सः वतरा रे विषाधि पृष्वायास्य सुवस्य उपाद्वा ए सूरा लरक्ष्रे स्ट्राचामित्र विमानासा प्रविदाहे के स्ट्रा स्ट्राचा ही राधा स्ट्री राधा ५८:इवाः श्रेवाश्वापाद्यस्यवश्चार्येत्रः श्रेतः য়ৢয়ড়्रॅर्इस्यग्रीप्रध्याचेर्याचेत्रसूष्याच्याचेषाग्राम्येत्रभेत्रम्। विष्ठा न्गरक्षरक्षरक्षर्भ्यावायाष्ट्ररक्षर्भर्द्वया नेप्तिवहर्षेषाहेषाक्षर्भया व्यव्याध्यक्ष उत् अर्द्ध्दकार्के लेव। वया क्या वा वह वा से वह वा से वा वा स्व र्दर् दर् भेत्र विद्रार्थे । । अध्य दे दे दे दे भेर दे प्रमा कर्म भारी दे दे र्डमाणित्र पर निर्देश क्षें प्रका ग्रीका त्या पा के। निर्देश ग्रीका ग्रीका निर्देश ग्रीका ग्रीका निर्देश ग्रीका धुरा बेंगबायलेव र्रेनेबायर त्युयायी धिर्नेव खेंर खेंर खेंर सुर्यर यश्चितः तर्दः माबुदः वस्रमः उट्रासेखेमाञ्चदार्देदे द्वदाद्वाना हेर्षेद्वायस चलमायाद्वीत्यसार्यस्तिहसूर्यात्रविकार्वे । । निधन् छेरान्धन् व करामी चमा क्ष्मश्रामी हेत्र त्युराया अवराधुमाया ते त्रराया अरका मुकाय दे सुवा अवदे स्मान्त्रे। बेसबालेटाग्रेबावे बेसबाउव यहेमान्त्रेव रहा बेंग्याय विवार्वे। दिते स्रिम् श्रेन प्रमानम् स्थाना स्थान र्चेलायाधेवाग्रीप्रयास्त्रम्भाक्षेत्रकार्याक्षायकेरार्चेलाक्षेत्रचेत्रार्थेत्रम् গ্রীষান্ত্র্যার বিষ্ট্রামার্থে বিলম্পীষার্ক্তরা বিষ্ট্রেমার্থির বিশ্বরিষ্ট্রামার্ক্তরা বিষ্ট্রিষ্ট্রামার্ক্তরা मैश्रार्थिकं या विष्ठेमा मैश्राम्बर्भा विष्ठेमा मैश्रास्थ्रमा हो दार्श्वेमा स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप वर्षेत्रहे से दरसे सूर्शेष्य वर्षेत्र वर्षेत्र हैं। दिव्येत्र सुर्हे देत्र यदर दस्य द्

শ্বনাধার্ক্রবাধার্ম্রাপ্রাপ্তার্কার। বুবার্মির্নার্মনার্মনার্মার্ক্রবাধার্ক্রবাধার্ম্বর্মার্ক্রবাধার্মার্ক্রবা तस्याची हेन तस्र त्या संगाय वर्ष । सिया यह र व क्रिन यह र व स्था यक्ष ॻॖऀऺॺॱॻग़ॕ॔॔॔॔ॱख़ॱड़॓ॱख़ॸॱॿ॓ॺॺॱॻॖऀॺॱॻॖॺॱॸॖऻॱ॔ख़ॺॱॸ॔ॸॕक़ॱक़ॕ॔ॸॹॾॣॺॱॸॗॕऀऀऀ॔ग़ यम। भूर्यमाय्वेयः वूरि । र्रमायः त्र्रम्यः त्रमायः स्वामानः स्वामानः स्वामानः यार्थेषा नुर्वेश्वा नुर्वेषा नुनि ने के नुर्वेषा स्थाप के निर्वेश । श्रिका मेश र्शे | दिये से मायहें दाय दिन में श्री स्वाय स बेसबर्दे वें के र् ग्रे मा बुद पर्देव उव पर्देवें। । बेसब मा द प्रवासी हिंदि ग्रम्यायदे:र्वेट्रायश्विद्धः है। कुर्व्यायम् व्यावे कुर्यावेश्वर्षण्या गश्रद्यायायविवार्वे। ।देशवायार्वे में प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त त्रमा यदःजम्भूत्रं याम्बुसर्या स्रवदः द्याः हुः दशुरः स्यामा स्रुद्रमायः यत्वेव वैं। । देदे प्यदादशुर र्द्ध्य स्वा वना यउद व र्ह्म न व केव प्यवा दर र्धे'म्बि'त्रिंरत्र्वाप्त्रम्पट्याय्यायम् यस्रत्विरत्र्वासुन्धूरास्त्र मुब्द्र प्रमास्त्र किंद्र दे। दिदे द्वेर क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य व। श्रेश्च व्यः श्रृंव श्रेंट यी श्रद्धा स्थाय मित्रा यो प्राचित सामित स नदेगिर्देन्यदेयमें वर्षे से द्वार क्षेत्रका क् <u>૽૽ૼૺૡૢૻૣૠ૽૽૱ૡૣૢૻૡૻ૱ૹૢ૱ૡૻૹૺ૱ૣ૽૱૽૽ૢ૽ૺ૱ૹૢ૾૱ૹૢ૽૱૽૽ૺ૱૽ૺ૱</u> दववःवि । देवः स्रेरः सदसः सुसः दरः संसमः उतः सृ स्रे से देशः वः स्रे। स्रोधाना विष्यात्र स्थाने स

यः ५८: ५ अ. अ. अ. य. व. क्षेत्रः में । व्रियः विष्यः व्रियः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व ग्री:र्र्म् अप्यान्त्रम् द्राप्ते द्राप्ता वित्रम्बया ग्री:र्न्मे क्षान्त्रा ने किर्ने हिम् अर्हेग्राणी'यअदे'यश्चुरविरम्धितेर्द्वात्र्वेर्वेषात्र्वेषात् वे र्णेयाव्युवा गर्वेशमामितिर्दिन्माश्यार्हेग्राश्यार्हेग्राश्यार्हेग्राश्यात्रीम्यात्राम्यात्रात्रा ग्रम् विया स्वार सेन् प्रति तर्भा साम्य स्वार स् यदे त्व्याय भें निष्य के निष्य हेंग्राश्चाराक्षे केंग्यास्य त्युरारी । दिन्याश्वाय व्याया यहेत्य परे स्टामुप्य वें कुः या केंग्रा गुं। कुंदाव्या यात्रवाया यहेव यदे द्ये पदा से त्वदा दे। क्रुट्य क्रुट्य हेर् यम वश्चर में। विषय श्री रेंद्र म्याय श्री क्रुय श्री विषय श्यी विषय श्री वि व्यूवा श्रेंशश श्रवत न्या देंन यश्या शुं न्विन्श शुं व्रेश पार्श श्रेन ने विष्याने अन्यान माने कि निर्देश कर्ष कर्ष कर के विषय के कि विषय कि विषय के कि विषय कि विषय के कि विषय कि विषय के कि विषय के कि विषय के कि विषय के कि विषय कि विषय के कि विषय कि यक्यानुः यो वें नान् नें बार्शे। विंदान् बया क्रुमः ये। विद्वान बया क्रीः मु विश्व वश्व श्रेयश द्व त्विया व स्थि श श यर द्रिन ग्रेशया शे र्क्षा पर रू विष्युत्यार्थिः क्षुव्यात्र । व्याप्तात्र्यात्रेषाः विष्यात्रेषाः विष्यात्रेषाः विष्यात्रेषाः विष्यात्रेषाः विषयाः विषयः विषयाः विषयः मुं मुंद त्यं यद शया धेद संद। सुद मुद्द गुरा गुः स्वायश्वर देव या द्वुट रह र्षेर्पायमाम्बर्पाद्वित्मीः र्ह्मेमायदे स्रोयमानुराविता। यारेगायमास्रोयमा उत्रत्व्यायान्दा। सदासेषायकार्ष्येयायदेखेः विकामहेकादवृदाश्चेनायदे।

र्वित गुर ५ र् रूर षर दें र ग्राया यदे श्रूर क यश व्यूवा श्रेर श्रूय त् वर्रे ५ ५ दे दे दे दे दे दे हैं । दे बात मा बुद वर्ष के दे हैं के दे हैं व के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे ह वर् वर् वर्ष म्या प्रति हेना क्षेत्र क स्रायानियः त्यायाः श्रान्या श्रीयः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्र र्ने। दिस्रावःवर्षिमःवद्रसार्भगम्भाभःमेगाम्। व्युदःयमः विदःयः र्वस्रास्त्री। वर्षतेः स् वया ह्रिया अक्त में यात्र हिंद विश्व अक्त में प्रति विश्व में विश्व किया में व न्वेरका अका कुरा ग्रेका क्रेनि ने क्षरा ग्रुमा न्या या यनेका हैं ग्रका केवा ग्रे यविदःजश्रात्रे विवास्त्रे प्रदान स्वास्त्र विवासिक स्वास्त्र विवासिक विवासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स हुए ग्रेंबा सा प्रक्किंदा पर्दे मेव सेदा पर्दे वसा स्वापत सा प्रति देंदा ग्रामण है। यांबेद्रा ।यांबेखशयांबेञ्चरम्यां मुंबयाशुरा ग्रीञ्चरम्य प्राप्ते देत्रम्य तुःषे स्वराय विश्वपाद्या अदिश्वरहें द्वाय दे विश्वर्य स्वराय देश दें दावाय याधीरम्याविवार्हेग्रवाव्यवायात्रात्रेवाहे। देंद्राग्रवाचेवायावे धीरवेवा ॻॖऀॱक़ॖॣॖॖॖॖॖॖॖॱॵॱॺऻॸॖॾॿॱॻॖॖॏॿॱढ़ॿॖॆॸॱय़ढ़ॕऻॎॿऄॸॱख़ॖढ़ॱढ़ॕॸॱॺऻॿॺॱॻॖॏॿॱय़ॱय़ॱ बेव य दे बेद अप के देश है अब कि साम के सम्म के म्बर्यास्त्रिं ग्राटा खुका अर्देव (तु. चु. पादे : खुत्य : उत् : आ क्षेत्र : यो अ व : यो व : यो व : यो व : यो व ग्रीमात्रमाञ्चातमालेकानुर्दे। दिते धिरादासावका याउँ मायो दिदा

ग्रम्या महार्मेगा मी प्रया वा के म्रम्या वु या वह हैं म्रम्य में अपूर्व हैं। सु अ लवार्व। १८.केर.भ.वेंबाच.केर.रेवीश्रर.वेंबीबा.वा.क्र्यांबा.वीचा.वीटी. त्रश्चर्या की या पर्ट्रिया प्रशास्त्र माज्ञदा तहें वर्षी की क्षेत्रका है विया ग्री संवर ले ঀ৾য়ৠৢয়ঢ়৾য়য়য়ৼঢ়য়য়য়ৣঢ়য়৾৽ৠ৾ঢ়য়য়য়য়য়য়ৼঢ়ঢ়৾য়য়য়ঢ়য়ঢ়ৢঢ়ৼ৾ৼ 'स्या'ग्रे'न्यर्'मे् यातवुरायास्य न्रात्वुराववुराव्युराग्रे क्षरायाः श्लेव 'बेव' ग्रे'त्या वःश्वरःदेरःश्रेष्वशुष्परः। वृदःषे मुवःश्वर्वः द्रदः वर्ष्टेषावः मुवः व गल्व र इर् इर इर प्रा वर में हेव र वेय हैर र न न न न के विवास रिते मुन्द्रिय त्वुदान वृत्ये ति दिने के सेस्र उत् क्स्य ग्री प्रश्रा ग्री प्रवासी स ब्रूट वेट हैं बेट ट्रायह्व यर ब्रूट बेट। देव या बेबबाय है कें यदे रदान्यदाउव द्वारी नियदाय द्वीर यश्च श्वाया विवादीय हुराय र्टा इतिस्यामुन्यकारीम् व्याचित्रवयार्टा वित्यर स्वाम्य विद्या चॅर-बेसबाग्रुं-द्यदामेबाब्रु। यर-तुःग्वबा सबर-बेसबाग्रुं-द्र-तुः यगमान्ह्री भ्रेष्यमान्नीः स्थान् सूरायविवार्वे । दिसावायनुरायान्ने त्यान्सम् देशकेंगशर्दा अक्षेरमें अर्देरखुदायक्षशम्दर् 795.21 त्याया प्रतः यावे स्रोधास स्यास स्वासा स्वास यानदुः स्टायमानु स्वरायमान्यानु वयायानदार्भे सान्यानु से से अ यः अधिव है। बें अवा ग्री नियं में बुद्दें । ू हि यं बेव व्यासायर या न्दें अर्थे अन्यम् तम्माया भन्ये न्यें न्यी। नेते में त्रीन्यि मूरकत्र बेसकाग्री:८०८ मोबाबूट:०.५साबू:बेसकासे८:व.वसासिदे:घ:बूट्:गुट:से:

वर्ष्ट्राव र्देव है से प्रतावर्ष्य विश्व द्रिया विश्व द्रिय द्रिय द्रिय विश्व द्रिय द्रिय द्रिय विश्व द्रिय द्रिय द्रिय विश्व द्रिय द्र સેંગ્રસ:ગ્રી:ર્ફ્ટ.વર્સ્વા:ફે:સેંગ્રસ:ગ્રા=૨.૨૨.૨.ફેંગ્રસ:ગ્રી:૧૧૨.૨૨.૨૧૨.ગ્રી: શે. स्रामान्त्रे प्रमान्त्रे प्रमान्त्र स्राम्य स्राम स् र्धेदबासुः शुरुष्या वा विवाया योदा खेटा श्रीवाका वासुदबाया प्रविवार्ते । दिवे स्त्रीया ର୍ସିମ୍ୟାୟିଟ୍ୟର୍ଦ୍ଧ ଶିୟକ୍ଷାୟଟ୍ରି 'କ୍ଷମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟ ଶ୍ରୟାୟଟ୍ୟ ଅଧିକ୍ର 'କ୍ଷମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ମ୍ୟର୍ षे:वेश'गुं:दें:वेंर'ग्वक्श्चूर'ळें:बेशक'बद'य'षे:वेश'वेंद्य। षे:वेश'दें: वयायर बेयबा बुर से र्हे वा हो। वर्षे पर से पर पर पर पर देवा । बेवाबा प्रविव वि । दे रद्दे प्रे प्रे का सब र शुग दे । सदि । स्वि । `क्षेत्र`र्केश`तेत्' अव्यावुषाः र्शें' र्शेः त्रदः गोः 'देषाः ग्रुः केंशः ग्रुः त्रिदशः धेतः या देरःसवरः व्याप्यदेः याद्यदः श्रीकाः श्रूष्टः श्रीकः स्रोदः तुव्यस्त्रीयः स्रो याद्येशः ब्रूट उन हैं माननम्बा में दें हैं। वर्तु बान बान वर्तु बान वर्तु बान वर्त बान हमा हमा वर्ते । व श्रुत् ग्रिम्ब ग्रुट । त्रिट्ब ग्रुं द्रा त्र ते ग्रुं श्रु श्रेत्र ते ग्रुं श्रु श्रेत्र ते ग्रुं श्रु श्र र्वित् गुर्हें अं ग्री-द्वीदशं ते सेद्दाद्याया द्विय्यायां देया प्रदेशस्त्र स्थान सेन्यमा न्रें मन्रें मासेन् सेंग्रम्युं भें मादे सब्य वसमा उन्न्य व्या यदे द्वीर तर्भा अप्राचित्र के वर्ष के वर्ष के स्वाप्त क ग्रन्थरायाधाक्षरार्देवास्त्रव्याचेवायमाक्क्षेवासे र्युवासे । ।सर्देरावा यहूँ र अवतः यहूँ र विला हूँ मा अवतः से हूँ मा अवतः से अवतः से श्री क्रिंश उत्र अधर क्रेंश लें ५ त्य धुग हो। गलेंश शु यो ५ त्य ते क्रेंश लें ५ त्ये व वें। । दे थे:वेशरत्भायाः गुषाः गुपायरः ग्वन स्मा हेगायलग क्राया

य धिव। दर्रे हेंग्र व केंश्र वस्त्र उर् ग्रे ग्रे र होया य वेश प्रदे। भिटारव्युमाञ्चापञ्चापदे स्टेशः श्वयाञ्चाया । सिटारव्युमाञ्चापदे स्वया हिंग-१२-घदे:केंदिगशकेय:५:१२-घ-५गे 🕴 षटा। केंबागु:ब्रूट:घ:घयब: उर् सः यादेरावा सरामी हैंगा यदि द्यरामी शायलगा या उंधा आ गार्ने गाया देवा रदान् दे विश्वासुदाया सुदा बदु स्थेद स्थित हैं न स्थित हैं न स्थारी सं यर यहम्बारा से महिंदय है बेद से संयर संद समामुय है। बेसमास व्युवायम्रक्ष्यम्यम्बायान्यम् युवायर्वे । भ्रोक्षंयवे अर्द्धन् अर्म वहेंव य भेर व र क वर यर भेर व युव है। रे र्या श भेर भेर व र व र व र व यविव वि । विश्व यम हिंग यम यविषा यदि र्स् र समार या से यहेव या दे र्से से हेंगाये ने बादवुदायर देवुरार्ये । "हेंगायबायहग्रबायायबाग्वतायदे गुवःहें वः ग्रे क्रूरः वः ह्वार्ड्या येदः यरः वदः षदः। गुवः हें वः येदः यरः येः वश्यानि हैंग्यायनिक्ष्यायात्रस्थित्रार्थेद्राह्यून्ति इत्या त्र्र र तर्यः च बर रये थे. यु. यूर ब्रूर बर्यः मैंयः ग्रे. खेर. ब्रूयं अ. श्रे यहमाना यना वर्देमाना समन्त नेना या वा दे सुर न्या लेना महिना स्पर यश्रात्र हैं व ग्री में केंद्र य सेव य मावद ह्य उंस से हेंद दें। विंद द से कंव दॅर-वेंग-वेब-ग्रेब-नम्ब-बेंद-ग्रे। बे-कं-च-क्र-देब-देव-चेद-ब्ब-देंब-सुद्धार्द्धमा व्यवस्थित स्थान सेर में सम परे हेंग पहनाम लार्ते तर जैंग हे पहनाम प्रमास से त्युर प

यविवर्की । देश्वेरख्यू रायावेर्हिमायहमार्थमारुमा याद्रा मूर्गे स्वरायवेर छन् ग्रेश्रां । गुत्र हुर्हेग यदे अर्द्धत्या दे त्यश्र अर्गे व्यवि दे दे द्या हुःह्रेषाः प्रदेः ह्ये दः खुवा उन् विभाषानामानामानामाना । देवे विभायार्से दर्भायाञ्चे। विभागशुद्रभायाक्ष्म। नर्देशयाने नेदेश्वनु विभासी दर्वीयायायावित्रावेदाश्चीत्रायत्रार्श्वयात्रार्था । विद्यास्त्राद्धयात्रार्थयात्रीयायदेः कॅंकॅशवसश्उद्यक्त्रयासेद्यम्भिंशक्ष्य ।देवेःध्रेम्सेप्रस्यवस यायदःक्षरःयवयायःकेरःवावयार्थ। विर्वत्यः व्ययःवर्वत्यः याव्यः श्रेष्ट्रम् या प्राह्म ह्या या व्रक्षा या रायद्वी श्रेष्ट्राया स्था व्यवस्ति या प्राह्म स्था प्राह्म स नेबाग्रीरिम् यतुबानुबायतुबायानुबान्नान्त्रात्रीयावार्वे । । ब्रूटा यंबादिवार्ये । देख्राक्षेत्रक्षेत्रवाषायदे हेटादे वासुवासुया सुवा *ॸॖऀॱहें*न'य:उन्'ग्रें'गर्थ'वु'य:खेन'यश्ड्रद:बर्'खेय'य:बेर्'रे। धद:र्ना' यदे र्वेट्स रेग गे वेद सूर्य प्रम हैं या सेर रु हु ब्रम्स हे वर्व्य प्रम <u> २विट्राक्षेत्रं ग्रीकें त्स्</u>राध्यायमाय्यायात्रं स्वर्वा क्षेत्रं स्वर्वा क्षेत्रं स्वर्वा क्षेत्रं स्वर्वा स्वर्वा प्रवितः स्टर्मा र्सामा सुराया क्रामा क्रामा स्टर्मा स्वापी सामा क्रिया स्वापी सामा स्वापी सामा स्वापी सामा स्व मश्रम मी श्रूम य पर्में प्यते या सर्वन सेव सेव सेव सेव सेव सेव सून मून मु न्यंग्रायायायान्यमार्केषायानासुनासुनासुनासुनास्त्रात्वेषायान्यायान्यस्यायान्यस्यायान्यस्यायान्यस्यायान्यस्याया यास्रवतः नत्राक्षाः स्रोत्यायाः स्रोतः स्रोतायादेः स्रोतायादेः स्रोतायादेः स्रोतायादेः स्रोतायादे स्रोतायादे स

ये द्वा । अं दिन अं राज्य नियं । विशेष अं राज्य में के के राज्य में के प्राप्त के के राज्य में के प्राप्त के प | इस्त्रेय्यायायात्रे कुर्केव व्याद्वात्रे कुर्त्याया है। देश्य असूद्वात्र चते द्वीर हेव त्वेष श्रेव च लेग सूर श्रेश श्रे र र्हे। हिव त्वेष सूर सूर चते ब्रूटर्स्यान्त्र्युः सेट्रदेर्द्राचरातुः नुकाले। ब्रुण्या हेर्दराये वेशक्रें व त्यस केवः चॅंदेॱ८्यटःमेंशम्त्यप्यः चुःइस्रशःयः सदशः क्रुशः ग्रुः श्रुरः यङ्गवः हे र्केशः यङ्गवः पश्यवर व्यापी द्र्या में त्रार्थ प्राप्त मान्य भी प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र बेर्-गुर्-। यर-र्ग-यदेर्देन-हुर्हेग्र-यश्य प्रमाश्य उद्यायश र्देशचे र्रायक्ष्यायाये । के. यर विष्या क्षेत्रा क्षेत्रा यदे सर्वे व्यवस्थाया यविव वें। । दे सूर व अध्र धुग में देव य व व र द्वा में सूर य ध्व अ उर् रहा से समार् के रहा सूचा प्रेम के त्या के त्या स्थाप स्थाप के त्या स्थाप स्या स्थाप तक्यक्रक्षेत्रवाक्षक्ष्याच्यायहर्मे । द्वारा क्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष वै। मियाने से संपाधित पाउँ राष्ट्रीय विश्व पर्दे न। विनाय से संप्रमासे इट्ट्या इट्ट्या इट्ट्रिंट्यादेशदेख्राचेत्रार्वे लेशवलगामी श्रेयशयाङ्गट नदे र्सुय दे सेव पर खुय उव र्संद सादर । खुय रह में हैं से बार्स मुन देन ग्री खुम्बा या योन ने । । यर्कव यम यो दिह्नव यदे के व हिमा यका यहमा व यदेळ यश मुँच है से हैं मा धे ने सच मान सम्म धेन त्या है त्या के या न द से स र्कः यः यर् यः र्दः श्रूषाः यञ्चयः श्रेषाश्वास्रक्षतः स्रदेः र्द्रोषाश्वायः सञ्चरः रषाःषाःयः र्षेत्। देवेद्वर्यं अञ्जूष्मु मुस्द्युग्रसं प्रेत्र कृत्र स्वेत् त्य अग्गुं ग्रस्ट या यस्रसः શુંશ્રામાં લુવાયા તશુદાવાં ક્ષેત્રા હતા સુંદાવા ક્ષામાં કરાયો વેશાં શું रम्बर्धितर्ति। विवादित्रे अर्ध्वरर्त्ति विश्वरायाधितर्सित्। क्षायित्रे से ब्रिट्स

श्रेव वें श्रुश्चात्र। रे विषा सञ्चव श्रूर श्रुव सें राय पें र पें र पर्य परी सें विषे र र वुरावराने सुरायहें न पार्थेन सेन। नस्य दे नेवानु। से नेवानु सूरासेवा बेशदेरी । योश्वरायममा गुरायो संस्थान विश्वरा वे यो यो यो मा यमः त्र्रें अपने अप्राया ने अप्राया ने अप्राया में अप्राया में अप्राया में अप्राया में अप्राया में अप्राया में निषात ने में बूर भेत या है सूर पत्रा है। में गर में बार भे बाय दे खुवा वे त्रिक्षरक्षेव लेग्यहें रक्षे सेग्बरिः क्षेत्रस्य विगय वेश पुरेष्ण पेर यर तर्हेषा हो ५ से से ५ त हैं। श्रूर से द यर या र यो द यो द य र या से श्रूर य यदे: त्रावर्गान्य अदे: खुर्जा नदायदायः स्वार्वा संभित्रः याः स्वार्वा स्वीर खेरा वे व। ने व्याप्त स्वाप्त के बादिकावा के विषय के प्राप्त के प्राप्त के विषय के विष क्षेंग्रासन्दिन्त्राण्ची'यादात्रया'देवे'दॅरार्वेद्राण्ची। स्वयास्त्र विद्यादानी यादासूदादा श्रेवं यदे सं वेशयदे या संग्राशंग्रा गुः खुश्च प्रं न बेर रस्या रह ग्राव्य गुव यान्त्रः श्रून्यायन्त्रः श्रून्य शर्षेत् चेत्र। न्यार्यः स्त्रात्वाया स्त्रात्यः स्त्रात्रः स्त्रात्रः स्त्रात् शुः याञ्चरा अर्थे राज स्थर ज्ञा विष्या या विश्वा या देश राज स्थर यो स सदेखु अदेखु अदि देखु अदि । देखु देखी सामित सदि द्वी । देखु अदि ब्रॅंट्य ब्रे श्रेंद्राया तुषायां डेया हु क्रुट्य व्याद्य स्थायां विवासी स्थित वा र्'युयानुसम्मद्द्वसम्देसम्बद्धान्यम् स्याप्ते स्यापते स्याप्ते स्याप्ते स्याप्ते स्याप्ते स्यापते स्याप्ते स्याप्ते स्यापते स्याप्ते स्यापते श्रिम्बर न्द्रिंबर शुर अर्वेदर प्रांदेर मृदर बमार मुक्तिमार ग्रीटर श्रीर श्रीत्र प्रमाधिया बेरावर

वस्रवास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र विकायाः त्री वार विकास स्वास्त्र वार स्वास्त्र वार स्वास्त्र वार स्व गया है। व्या देश पडेंगा या शुश्रा या सुश्रा ग्राटा है। दे दे द्वारा यदेवा ग्री केश या श्री यादे।विं वद्यादे सूत्र सूत्र सुवा स्वीत रे विवा यश्र सञ्ज परे पर्य प्रमा क्रम्बरुव या यहवायर बेंग्बरह्मा हु दे स्वरम्बर्ध यदे ब्रूट या प्राया वे पर्व गुर्। रे रे यदर। यश्रस्र से अध्व परे स्विश्व ग्वा विव यायशञ्चरमे यायशमेत्रमें हो यायदेष्ट्राचना यायश्वर सर्वेट्य वस्त्र अन्तर्ति त्र स्त्र स्त मी श्रूट खुय मंडेम 'खे 'र्ने व व र्षेन 'श्रूय र हैं म प्यश्च नम्म शं ग्रुं च नम्म या श्रूय र्षेत्रप्तर्भेश्वप्तर्भेत्रर्भेत्। देखेग्धिर्देवपर्देत्पदेदेद्रप्ते देश्वर्ष्तवम् विष् र्के। । देशव हे सेद सहव सूट में क्रें चें तर् सूट में चग कग रासाय राजी तुषायाने लेनाया सूराणुयानु विवाया संसाधिव वि नि वि या से प्रमासूरा रुअं द्वां राया विद्यादा सेदादी से क्या कु मने राया द्वी यस यदे य। श्रे-र्नेश्रस्य प्रस्था पर्य सेर्द्रिग्राय प्रश्वर प वहेंव में अपविंद या त्या में अव या अव में अपवाद रें में अपवाद वेव है। सवरासेर्'ग्रे'ङ्गानङ्खासुँर'षर। से'र्र'ख्यासु'दखर्'पदे सेंर'न र्श्चेरावाञ्चरायादेग्यवायाववायेदाचेदा। देग्यवेवार्स्वरवादयायायेत्राया तसग्रापदे द्वार्गिय क्राया शुर्धित पदे प्रमाण्य श्रूत दे श्रूत प्रमाण हे ग्रापय

বদ্ধাৰ্মত্বস্থান্থৰ ই বিষ্ণা স্থাবাদ্য হৈ হৈ हिंगायशयहग्रशयाधेवः युरिदेख्रिरक्षरवर्षिद्यदेशर्क्षद्वयायुरियत्वगर्केम क्षरियदेशक्षेत्र `क्रॅंआयर क्रूटाय ॡर देंब रट देंबावबा ऑर दर्गेबाव पदेव श्रुपाह त्यूर ग्री बेन परदे रंभग्त हैं प्राणी केंश्रालय है। देश्रेन न देन राम रिवास हिंग'यशयर'यहम्बर्यार्डअ'वेग'गुव'हेंच'ग्रे'शुवार्ळद्'अधर'धुमायेव। र्ने प्रकारम्बद्धाः स्वीत् । प्रकार्वे स्वयं स्वयं स्वयं प्रकारम् । प्रकारम् स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स मझ्द्रअः श्री हिंगायशय्देवशास्त्र्यात्री यदे ते गाया यदे ते सुम्राया वर्रे वे वर्रे व वर्रे वे स्वा वस्य र्सेवास ह्या से ह्या स्वा वर्षा वुस्य स चुरा र्शेग्ना केंत्रा सूर्वेग्ना ग्री सर्वत समादहित छेटा वेत त्या द्रोग्ना यम चे<u>ि</u>प्ति । देवेर्देस्ये अव्याविष्णिक्या के शास्त्र श्वास्त्र स्वास्त्र स्व [अक्अ'केन'र्से'न्सेम्ब'य'र्नेब'न्स'ने'र्वि'व'केन'य। न्देंब'न्देंब'सेन् ह्रमा से ह्रमा सेमासा ग्री सर्वत सा से दाया या येता वा वादेवा से दारी सर्वत स्मारी स्मारी स्मारी स्मारी स्मारी स स्रमायहें स्थापार्थ हो नुस्रेषा स्थापा हम स्थापार हो । देश हो । इस हो । यमर्हेगायबायायहिंगाबायदे। विवार्केगाबागाबुम्बा यहिंमावर्गायबा ॱॱ॔ज़ॕज़ॱज़ॴॱक़॓ॱक़ॕज़ॱय़ॴॻॸॖॺऻॴय़ॱॴऄक़ॱॸॖऻॱॱॱॱढ़ॕॺॱॶॴॴॴढ़ज़ॴऄ॔। यहग्रा हेग्यायनायहग्राचन्त्रम् इत्यायन्त्रम् अत्यद्भार्यायन्त्रम् यहमांबार्ड्याधेव द्वीराद्यमांबार्ख्य यह यह विवाद स्थान स

न्रीम्बर्धार्ये। भी हें माध्यक्षे के रायर भी यह तार्थे र श्री हे ताय हुर में खूर यः येदःयमः ये द्वेदःदे। देशः हेषा सञ्चेदः चुन्यः चुन्यः विद्या विदेशः ह तु ग शुरायदे हैं श दु ग त्याव त्या में विंद दु न म न में विंद हैं विंद न न न में विंद न के हैं यां भेत्रायां रे क्रुप्त संतायन दिन दे से दिन से स्वार में क्रियां के स्वार में क्रियां के स्वार में क्रियां स <u> धुॅर-२े.ज.क्र</u>ुः अर्क्षवः गलवः यनरः रु: येर-छेर-यनर-ये: ५ गेँ अ:हे। वः श्रूरः ग्रीः इस्राप्तवर्ग परे क्षाप्तर्गामवदः सँग्राहे स्रमः सूरापा वस्राउर है क्षर श्रूर य दे य बेव द इस यर य विषा य प्रेंद य। श्रूर य दे हे द श्रूर य ग्वन्यदे र्नेन श्री रे र्ने रहेर खेर यदे श्रु अर्द्धन अर् रे । खेर न रेव र र शे र्रे:र्ते:क्रेन्:बॅन्:यम:व्युम:बेम। शक्ष्रन्:ग्री:कॅब्र:केन्:यनेव्:यम:युव:यब्र: रट.चलेव.क्रि.क्रि.व.द्र.क्री क्ष्य.क्रेट.क्री.क्ष्य.क्रि.क्षा यदे क्रीं व त्यय यदे देव हैं। देश व क्रिंश वस्त्र अर हैं मायदे द्यर मेश चलम्यार्ज्यार्नु, ले.चरार्यार्वराष्ट्रीयाल्यायाययार्विटाचाः क्षेत्र । अध्ययायाञ्चर वर्दः नवर में अन्यम् इस यम् हें मायदे नवर में अवत्माय उस त्या अन्य हर बर्सेर्रे। र्श्वेस्गुव्येस्रस्योक्ष्यायम्भ्रेप्तायेत्। देस्सर्देश्यसम्बुरसः याक्ष्रभर्भे । बिराबाक्षेत्रकानिक्षानिक्ष्यानिक्षयानिक्ष्यानिक्ष्यानिक्षयानिक्यानिक्षयानिक्षयानिक्षयानिक्षयानिक्षयानिक्यानिक्षयानिक्षयानिक्षयानिक्षयान हेर्द्भेषायदे द्वर ष्रेशयल्या उंग्राधेन वा देव मेर्स सुदे स्टाम्स्व मेर यमार्ययुमार्याहिषायसायामाहे स्थान स् हेंना यदि नियम में अप्री तहेंना या सु सुर्ते ने माना विदेशे हेंना यदे नियम

मैश्यविमायदे र्देव दी। शक्ष्र र तुः खुय द्वे र्देव से र यम। खुय उव र्ह्स्य यहमान्यायते देव स्रोत हो। हेव त्यवेष की द्वार मोना क्वीं त्य खुत्य हु न्नू र य र्डमाया दे: ५८ देर प्रवासमान माना माना है। दि द सुया मेदे र्क्षः चः चः क्षुन् : नुः स्टा को 'देः चिका देः स्वरः यो नः क्षुक्रः नुः खुयः खुयः उत्रः गर्नेश्राणि पर्सित्। ते ग्रिश्यायदर हैं गायदे त्यद मेश्रायत्या है। है यमा ग्री सुत्य सुत्य उत् न वित्र ते । दिश्व त में क्षं न म र्त्ती त्य श्रू म न में क्षं न यार्कान्य साम्राज्य क्षान्य प्रत्वा प्रत्येत् से देश में र्देश गर्वे अ लेंग य इस्र य प्रश्च से र त्युव हे रट उग पर्वे के यां श्री संग्रम् श्री त्युवाद में बावः देशी में मुकाहे। श्री या मुक्का कुर्केदाया ब्रम् शुः र्वेदः वः र्वेग्रम् श्रूः र्वेग्रम् प्रवेदः प्रवेदः प्रवेदः विकार्वः र्वेगः विकार्वः र्वेगः विकार्वः वी.च.विश्वाचरायश्वाच्यां वि.च.व्राचाक्षेत्राश्चात्रप्रश्चात्राण्याः स्ट्र য়ৢয়ড়৻য়য়ৣৼৼ৾৽ঀ৾৽য়ড়৽ড়য়৽য়য়ৢয়ৼ৾ঀঢ়৾ঀৼয়ঢ়ৼয়ৼ৾য়য়ড় ब्रूट्य-देर-ब्रूट-य-र्डंब-ग्रुंब-त्र-तुब्य-य-दर्देद-त्य। व:क्रुट्-हु। ग्रिश्यान्ता शुन्देशन्ता शुर्भाति स्त्रुता हिस्ता हिस्ता शिक्षा शुन्देश शिक्षा स्त्रुता दर्भ से न ने भे से सक्स या श्रम्भ न स्टाया न ही न प्याय के स्वाय हो न न में स

ची है स्मरङ्गरायदे र्वरातु हुन स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र ग्रेंशयां भ्रेगार्षे र तुः बूटाच। ह्युः अदे हा त्रुटाया देर वेशयदे बूटा यही। देर बूद र्डं अ श्रें अ दे रेंद्र रद रद के केंद्र रह रहा श्रुव रहा केंद्र हैं। । व क्रूद त्वुत्यसत्वुत्यते ब्रूट्यार्ड्स ग्रीक्षत्वस्य स्वेति हे त्यसेट् वेद्यत्व्यस्य विष्या श्रीकायहर्षा प्रदेशका वका स्थाप । भूष्याया ने प्रदेश देश देश हैं व देश हैं व देश हैं व देश हैं व देश हैं सेर्पस्यापरेव सेव। स्रूप्पार्डसार्षेर्पपाया हुव सेव सेव प्राप् पविव केंश वस्र अं उर् गुर रे र्र र दर्दे। 🎁 हें न र दे र र र र ने अ र विम यदे से र्जं य र्जेषा वा है सूर बूट य है त्या है सूर यह महामारी है सुर की देवे अर्द्धव केंद्र संग्वदर यह गाव द्वीव या क्षेद्र या केंद्र स्थेव यश्वा स्टाय बेव क्रुत्यम्बिरक्कानम् विराधिर्दि हिनायर दिन्दिर्मायर विराधिर विराधिर देवेंदेंदरमुश्राकेंदेरक्षरमाईदरग्रीदिवाग्रीस्टानिश्राम्याद्यां हे। प्रम्याव के श्राच्या शहर है। यह वा विकास के दाये विकास के प्रमान हेंग यं या अर्ळन हेन खेंन यम सूरन सेन्'य'लबाबुद'वदे'सुर'ळेबा वस्रश्चर् कुः से ५ 'त् व्यूर रें 'ले' व। से ५ 'दा प्रश्चर प्रेर दे। नमञ्चर निवेद सर्वद केर सेर मा सेद मा सर्वद केर सेर मेर मेर कें यश्चुरप्यामायार्थेर्द्री योवश्याञ्चेश्चायायेवप्यदेख्निम् देदेख्नेम्राकेश वस्र उर् वे सर्व केर केर के या स्वास हैं वा देर कूर या वर्ष केरा केरासेरायदे स्थेर। सरामी सर्वन केरा ग्रीका साम्रीका यदस्य राजेरा दर्ग रटायंषुव ग्रेशस स्रोश्याय खेश ग्रुटी | दिये र व स्तु य ग्रुश स्रूट दिया

क्किं अर्क्वेद्राचायवेदार्दे। क्किंग्यायेदादाक्षेत्रम् क्रियायायदाद्या वर्देशक्षेत्रार्थे। दिये वर्दे प्रतिवर्केश गुवागुर विकायर मुर्दे। दिश्व र क्रेंश वस्रवाउद्वे पो व वाक्षे त्याया क्रेंया वास्रवता व कुट्टा व वा वा क्रें । यवा पो व बेर्पर्दे। रि.लर. हे अ वैया माने अ खु खू राप दे कें। क्षू रा ल र र र पाने के जो र यः श्चुः अय्यः र्केष्वश्रयः क्षुः तुर्दे। दिदेः स्वेतः ष्यूदः द्याः द्राः पदः द्याः अवः यः र्सेग्रम्भ भे । प्रमाले वार्या है। यदेव सेव स्वाम्य स् सेर्'यर्दे। । तर्रे'ल'यर्वन्याक्षेत्रास्चे'क्षे'यर्वन्यंव स्वासंव स्वासंव नधन्। अव्यामावमान्त्रवे सूर्यो सूर्यने व स्वार्यम् या श्री सूर्या वस्र उन्'ले'चर'ले'चर्दे। ।ने्दे'स्चेर'र्स्चेर'र्स्चेर्रासदे'स्रवद'र्स्चेरास्चेन्'स्चेन्स्स् यञ्जुषायात्र। र्ह्वेश्वासेरायात्रे ह्वेंश्वासेराधेतायते ह्युस्स्त्रे र्ह्मेण्यायन्या न्द्रत्ते प्रति मिले के निर्मा के निर्माण के निर्मा क्रुट्'ग्रेक्'म्द्रम्बायम्'न्न'यदे'म्बि'सेट्'र्ट्ने । दिदे'स्चेम्'र्केक्'म्यस्व अक्'उट्'ग्रे' सवरः ह्यूं सः चलः लः द्युगः तसः क्रुं तः ग्रान्यासः स्रोतः हो। दः लाप्यास्या लेवः स्रोतः यश्व लेश स्वास प्रतिव दे। दि स्ट्रिस देश सर्वेत। सेवा सेवास प्रति प्रति स्वास प्रति । त्वा यका से द रा दे । यदे से मार्थे म र्क्षेत्राश्रञ्जूदायां छे लेश कु सर्वत दे त्या हेत त्ये वा ग्री प्राप्त केश यव गत्य हेव र वेया पवि या देशे हैं र वे व ने सूर हूर यदे हैं र वेश यहूर। रे.क्षेर.क्षेर.चयर.व.क्षेर.ग्रेश.वेश.ज. तर्रेश. वश्चुरःचवरः येदःद्री । वायः हे वाहे स्वाः चहेव ववायवा मुदः वेवावा ग्रीः

र्देव स्ट्रम्स् हिंगायायाय दे स्ट्रम्ब्रम्य वे वेंगाया ये दे वेंगाया ये दे विष् क्रग्रस्थायमार्से। विवास में स्थान में स्यान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान म दॅर-मन्यायमानुरारी दिंर-मन्याने हुँनायदे राजान गुन ग्री-स्या श्रेव परि र्श्वेम बार्ड रेम बाय वर्ष हैं माय दे र यह मी बाय विमाय उंग र ब्रु यायर् भारत् अर्थः अर्थः अर्थः अर्थः महिमाना ना भाष्ये । देवा न्या निर्दे । यमा हे अय्यक्ष दिन न वीका वर्ते हे मुकान का न सुन मुन स्वा वर्ते न प्रति । . अन्य अ.मी. स. अं. ५ . मी. स. ५ . मी. स. १ . मी. स. मी. गराधिव गुरा दिन क्षेत्रिं व से दिन स्थित स्या स्थित स् श्चेशवःक्षुरः र्द्धरः अश्युदाः र्द्धवाः भेषाः नेषाः नेषाः नेषाः हीः र्देवः र्द्धरः युदाः वदावः विषाः मोबायब्रुवात्। ब्रेदेर्कं वार्येमायदे ब्रेसबाउन देमबादरा। द्रेंबाम्डेमा **षे द वे च द द ग्रीक के त्या वा विकास के अल्लाक के का के का के कि के** सबर से त्युवा दर् न्युन्। हेंगा वलगा ने शत्रा धी नें तर दें न से तरें न श्रेते त्रमुश्रीद्वरदेर्न्यामे देर्व्यायक्षे देर्व्याक्षे क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् वर्ग्या अञ्चरक्रास्त्रम् म्याप्तिमा वर्षाः मानि स्त्रम् मानि स्त्रम् मानि स्त्रम् मानि स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् बद्बामुबाग्रीकात्राहे क्रेट्यबाग्रविषयाये प्राचिषाया मुनाक्षे क्रियागुत न्द्रमित्रेश्चास्त्राधाः अद्याचारे द्वीत्रावेद्वास्त्राच्या स्वतंत्रास्त्राच्याः स्वतंत्राच्याः स्वतंत्राच् र्श्वेसप्रिसंदर्सित्। देसप्तदेवःग्वेसप्तिःस्त्रेरस्त्राचेग्राप्येवःप्रसः सविव गिर्व सार्थ ५ दर्ग राज्य से तर से प्रसाय स्थान से तर प्रमा से साम प्रमाय से साम प्रमाय से साम प्रमाय से स

र्दे। दिःक्षरःश्चरःवः इयः यश्चिवः यवः यश्चरः यश्च। वर्षेरः वदशः दरः स्व ह्रेंदा या हुत त्र अभेद त्र अप्याहिया था प्र त्र अदश मुअ गुअ या विवास दर्श अहि। क्रमा अनुवर्धिव प्रति स्त्रीत्र विश्व विश् पर्दः स्टाप्तंत्रेत्रः हें गुर्या पर्दः गुर्जे गुर्या स्तुता प्रया प्रया प्रया गुर्या से । विपार्चे । त्तुः ग्रेंशः सुः सुः त्युवः श्रूटः धेवः दर्शेशः है। श्रेवः वः धुः देवः धेदः यदः त्युरायादेवासेदायुराञ्चरावायुयाञ्चरायश्यासे तदतायश गुवाहेता गुरुंशक्रूट्वस्थाउन् गुर्सेन् प्रित् सूट्यि सुर् प्रित्र सूट्ये क्रूट्ये षेव। देदे हिर बर्ब मुब ग्रें बाद गुव हैं या गाय पेंद् बेर व। ्र बु ग्रेंब कु: त्रु: त्रः र्श्वावायम् त्रुयः व्यूटः तृ त्रव्याः यः ते वः व्यूटः कट् यदे द्रवटः यो वायव्याः मी अरावार्डभावत्वयायवरामाधेनाही हेनावविषामी श्रूरावर्वे। १२ छेन त्व्यायर प्रहें र प्रश्रें व त्या के र रहुं य वे श्रायर हो र प्रते र हो र । दे र ह्र र क्रियायमान्वनायदमादमाद्वीयार्थेत् ग्री देवाग्यमाक्री सेत्रत्ति त्यायमाने। हेव.यविरालव.तबायकीय है। श्रु.च.८हूबाशायविकायपुर बैट.चर.यहूट. यदरहेवरवृद्गी देवकायका क्षु येदर् चुयायदे हुन। गुव हिया धव र क्ष्र विष्याञ्चराणेवासे प्रतिकासी विष्वा गिर्ने सुना महास्विता स्वीता स्वीता स्यास रटा सर पर ग्रुर व गस्या कर स्यास ग्रुर देव हे सर वि वा यनेव स्याप्त रित्रहेव यदे हैं मा श्रीय यद्याद मेया यदे हें व श्रीय स्वाह यन्दर्दे । श्रुमक्रम्भेद्रायां ने श्रुवायां भेद्रायां से देव हैं। । या के बाबू दा भेद पश्रावः हैं पा है 'क्षेर ब्रूट वि व किंबा बस्र अं उर् 'या यो व बा गावे बा खुं ये र यदे र र विवेद से र गुर । स्रूर व स्र मार्गे शस्त्र से सरद विवेद केंस

वस्त्र अत्र प्रति द्यार प्रतार विषय में स्वर प्रति विषय स्वर प्रता स्वर प्रता स्वर प्रता स्वर प्रता स्वर प्रता र्द्धेन्यस्य देश्वराचार्यसर्धेन्यम् स्थापित्र विषयात्रे अवसाहेश्वराचार्त्र स्थाप्ता स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य स्थापत स म्बेम्बर्यः न्द्रा यदेवः मृष्टेबः वः न्द्रः सेन् यदेः त्वः मृडेमः स्र-म्बेम्बः अष्ठित्र ग्रिका शास्त्र प्रति । यदि ग्रिका स्रामित स्रामित । यदि । ۲٬۲۲٬۱ *`*धुेरादर्देदे'म्बोमशर्द्ध्य'दयम्बार्याङ्ग्रीय'य;क्रुअश्चीश्राहे'यवित्र'मावयार्थे' व्याव। बें क्रेके अप्ते के ब्रेंबरिं। देवायदे प्रवर्ष्ण केंबरिंग ज्ञानिक यथा श्रद्भामुश्रागुःषे भेश्राद्यायात् स्थाने क्रेन्डिन्स्र म्युक्षात्रकार्स्कायम्य वित्रा धेन्डिक्षायतः मेवाकायकार्यावे तुश्वत्रदान्त्रवानेश्वात्वायासेन नेवायीकायीकायते स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्था स्वार्थ नुदे। भिः ह नुः पदुः पदे रहेश युः पर्श्वे दर्श्वेन रेदे दः पश्चे । बर्बा क्रुबाया प्रत्या हैं या बेदा ग्रुटा टा दा दा धेरा या बुट्बा या दाहे या हे व सञ्जन तह्ना प्रेन प्राप्त प्राप्त निमानी निमानी स्थान ब्रूट्याम्बेम्बायास्रात्मायायायावेदात्। ब्रूट्बेट्क्रुप्ट्योपेबास्य यांचेयाश्राणुद्रासाद्या दादे दिस श्रुवा गुव सुर ब्रूद वा दे सुर यांचेयाश्रावश ने'नक्ष्रव'य'श्रे'त्याय'हे; नेव'न्श्र'न्र'गुव'हेंच'दने'याहेशक्षे'गुव'वक्ष' वत्यः तेना पक्षः श्रवमा वत्या मी नात्रः सेना विना नो मी न व ना है। इनु प यहेर वें र वें अप्यदें। । 🕴 यर वि उंगान रे दिना अप्यान प्राची वि वें युर्। यस ग्रेशन्ग्रानु तु स र्षेत् बेर। ने के ले व लिव वें श्या दे यस

स्र स् के के अपने में कि से प्रतान के कि से प्रतान के कि से कि के कि से कि यवेव सुरात्। वव र्षे स्थापसामार समा मी यदमा यमामा प्रसाय दमा यहेव व्यापा देख्यायम्द्रियम् । देख्यायम् देखम् वर्षे देख्यायम् देखम् वर्षे वर्य विवास प्रसास्द्रिंदिर विवास प्राप्ते देवास प्रसादवावा ग्रुप्तवावा प्रदेश क्रिंदिस ग्रीसारबीय ही परेतु अधारा में सिट में सिट सिया यो वियाय कर या पर्येष या वर्रेर्क्ष्मशास्यायार्श्रेमशालेयायमधे। रेविधिमात्रमायस्थायीक्षा त्रअः पृथः त्र्याप्यश्वाद्यश्वाद्यश्चरा स्थाप्य श्चेतः श्चेतः श्चेतः त्र्यापः श्चेतः विष्यः र्द्धैर प्रार्थेग्रायम् प्रमानि एतु नेश र्थेग्रायायायायायायायाम्य प्रमानि प्रमानि । कर्यम् वर्देर् सेंद्रा श्रेस्रशः क्रुवः कर्देवः सेन्यमः मेष्रश्यासः स्वायः व्या यन्याः सेन् हिंग्रस्याः त्यसाञ्चरः से व्यापसायसार्वे वर्षोः श्चे । या प्रवासियासा रेग्रायश्च्यायः हो। देः द्याः गीः द्यायाः वुः वियाश्चारः देः द्याः स्थाः अर्थेदः गीः क्रॅ्रवश्रामुक्षाधेव में। गलव रुव तर् विषाये रुपते क्रेंया तहना विषायक रे विग र्रोयसारमाम् सामान्य स्थ्री स्थ्री सामान्य स्थ्री स्थित स्थ्री स्थित स्थ्री स्थित स्थ्री स्थ्री स्थ्री स्थ्री र्ट्यंत्राचरं अभग विग्राम्यास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य यदे क्रिंग पहुंचा प्रवेदा विश्वाम श्रुट्या दर्गे मा प्रदे क्रिंग पहुंचा में श स्थाया रे विवा विवाया गुरासुरासु पार्व केंद्राचयया उर्दे हिरायर हैवायाये. स्वासर्वेद्रावेशस्यस्य स्वासायक्षित्र वात्रस्य स्वासाय नर्वायानानानानानाने वित्यादे । वित्यादे । वित्यादे । वित्यादे । यन्यासेन्द्रियाश्यश्यन्यात्र्द्रियाः श्रीतास्त्रिस्स्यास्त्रिम् सुम्रासे सुर्वे । १०५ नेसरोर्प्यते क्रूँ अपह्रम् मीसर्पे क्षेम् र्स्यास्त्रम् मुन्यास्यासः ग्राप्तः गुनः गुनः ग्रानः स्वा

सरायुक्तायादे यक्ष। सुरार्क्षेण्यायतुवाक्केरि। याववायुग्वाकासूराव्वाकेका यशर्भेदिने देश्वा वायर देवा वाय केवा केव दिन दिन केवा वाय वाय विवास यसमीबादर्गिया मुदिर्केबा उप्पेव गुरसे दिं। सिर बेया बाकेबा कुवा साम - तुः Àतः यः वे वाः केवः यश्याः यः दे दे ते दे ति । युवः हे यः यथः श्रेः त्वावाः श्रः लेव.तर्मात्रम्थाञ्च.जुव.हे। लुव.व.बर्बाचिंग.ग्री.क.व.र्यीव.ह्य. याच्यासायात्रादारात्युरारी । यात्रेसासूदारेयासायसादयाया चाया चाया क्रिंश यत्वा येत् हिंग शयश द्विम माश्रुय तुःहें वा या खेंवा त्या दें वी यश क्रिंशवस्र अन्तर्भावे अवितर्श्वेदावेदा। सवराग्चेशामवेशस्रदायदाव्या है। यदेव लेव दरयदेव इंदरयलेव वें। या वेश इंदर से द्वरंगुव हें यह है स्रेम्प्रियात्राहि। गुत्रहें पायाहित्राञ्चराउत्राधितायमारेत्राक्षात्रुयात्र। तात्रा बर्ब मुब या गढ़ेब बूट में प्रम क्ष्म यह बर यह वित वर्ष म बर्बा कुबा ग्रें। बाव गुवा हैं या येदाया द्वा गुवा हैं या ये वाबे वाबाय र यमत्युम्भा दिश्वात्रातुन्द्वात्वे हेवातवुम्भो द्यम्भेशश्वमायदे श्वम याद्मस्याधिवाय। यादेवाः सद्यानुसागुदाय्वेरायद्यां ग्रीदिवायनुदायी स्रूदा या वसका उर् क्रुव कर पर या त्या त्या ह्या साम्राज्य का कर वर दे हुवा साम्राज्य हो का की म्बिम्बर्द्रेव के सिद्द्र मार्चिम्बर यदे द्वेर क्रियं यकु यर यत्वा क्रे विस्रक्ष क्षुं केंग्रक्ष दर सेंक्ष या क्षु केंग्रक्ष केंग्रक्ष सामित्र सामित सेंदिर ষ্ট্রম। ঐ'মট্রির'র'স্কুঁতর্ব্ব'ত্যন্ত্র'মার্-মান্তর'মার্-মান্তর'মার্-মান্ত্রম'ম। |देशव'र्राक्षण'र्राक्षश'या'ग्व'र्ह्स्च'र्रुशशामित्रश्रूष्ट'द्राच्छश्रायर'श्रूर'

षदः। अदशः कुशः गुःशः गुरुशः श्रूदः स्रे सददः चरः गुर्वेगशः पदेः गुर्वेगशः र्द्ध्या क्षें क्षेत्रेश क्षा हैं तसमाना क्षेत्रा पन्ना गुरा मानवा नगता है। इसाहेंगा से यदरः चेरः पदः वायोरः यद्वित। वेवार्सेग्वायात्र्यस्य। द्वयः हेग् यद्वः ग्रेश्चूर्यायार्षेत्ते। ग्रम्बर्यरायाच्या हेःस्रम्बर्येतरेत्रेरः । मुं वें त्रात्य्र प्यंते प्रायं प्रायं प्रायं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं नुसंस्ति हैं नुसंयायाया में हे बार्नेन याने। सन्यदे ब्रान्डेगाने हेन्तु वर्म्यः है। ने मश्चार्श्यायः हा हो से विद्यार है। नि से विश्वासीय राजीय देव तस्र प्रते अत्रित्र हेग् देर ह्र र द्रा क्षेत्र प्रते प्रते हर्ष प्रति । देर् क्रु गर्ने अप्टें प्रदर्श्य केया या धेव प्रवेष अप्टराया देखा अव हेया वर्। वेशयार्वे हेशक्षाय्यं द्वयायार्वेश सुवाहेव उंगावर्वेश गुरा र्दाया क्रियायदे समारि सूर क्रिया सीया दे सार्र के यार्सेम्बाग्रीप्रविद्वायाद्वार्यायद्वायस्य विद्वायायाय्वार्याः स्त्रीया दम्यामी स्रूप्ताय वित्राय के र कर्ष स्थान में मिल्या मुक्त स्थान स्थान हिना गर्डमामिकानक्षेत्रपाक्षेत्रपाके त्यापाक्षेत्। स्राप्तित्व स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्रापति अत्राञ्चेगाश्चायात्राच्ये । त्राच्चे । त्राच नगमिन्द्रम्येते केंबानिन्धिन याया सेन्द्रसे त्वूर्यं वर्षे स्वास्त्र यहमान्यायायेव दर्भेना यह विकास व

दम्यायायाधेव। दम्यायायार्क्षः म्याराहरा। द्वाँ दम्यायात्रुक्षः म्रेजाः ख्रान्य ने बयाये ने बन्धित। सन्व सन्त्वानि स्व विवासि व वयात्वुरायदेः स्वासाया सरासेवा नरागुवावि वासून् नुष्टि सेन् सेन् वारा विश्वायेव ने मान्या वा क्षुत् तु ने दे द्वा प्रविषा से तु परि स्वाय से तु परि स विश्व त्रेत् । देश दे श्रु र श्रु र द्ये देश देश देश देश देश देश है। विश्व र त्र श्रु र त्र र्न्धेर्नेत्र्रीक्षावेग्वर्न्क्ष्यः हेर्ब्वास्य प्रतिविद्यते । विव्यत्य स्त्राक्ष य। र्त्तें ने अ हो ५ व्येव प्य के ५ र ही अ ने अ प्य सेव प्य श्वा अ हें ग अ ५ र । अ र ये मार्या में मार्चे न में मार्चे न में मार्चे न में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार रद्धित्रदेश्वेश्वर्यर्युव्ययंक्षेत्रं गुर्श्वेष्य्यं । व्विष्यश्चिष्यं व्याप्यात्वर नेबायबार्क्रेगामे सदासेगामे वासूनासानुबागुदारुदा । यदान्यायस्त सरसे या मुख्य हो द माल्य से दर्भे श्रायर स्वायाय धीय से द्रा रहा महायाय श्रेव है। श्रव श्रेश श्लेय या श्रेव यश श्रेव । यह स्वाव श्रव यश सह श्लेय। स्या ग्रेश्वरायर्वेन सुरावशुराने। वर्ते वे र्वेन व्यायरान्धन पर्वे। । यह रेगा मी च ऋद प्य प्रमायायायाय के भी त्यों मा ऋदिमाया भी क्षाया यह मा प्रमायायी वःश्वरःर्देवःसञ्चरःवर्षेषाःग्रदःसः दर्षेषःश्वेःश्वस्य। सेःहः त्वःवदःष्ठिषः यदेः केंश्रायमुखान्त्र। है यदा मलक् रोयार्भें मा देव दर में यो मलक् रोया गर्नेश्वर्षित्। र्ह्में भावत्र श्रेयायदी याषद विवाह स्त्रीता हिंगा सेद सी ह्रींश ब्रूट:पर्द: ब्र्ॅं, वबः क्रेंव: पॅट:पञ्चट:पवार्क्ट्: क्रोव:व्यवश्चें क्राव्या वार्वायावः ૺ૱ૼૺ૱ૹઽૡૺ૱ૡ૱૱૽ૺ૱ૹ૱ૢૺૺ<u>૽૽ૺૢૼ</u>૱૱ઌ૱૱૱૱ हेवः श्वाःधीः मालवः श्रेयः ५८। ५७ यः यहेवः यः हें माह्नेदीः मालवः श्रेयः माहेश्य

गर्डेन्। तुअप्यक्षेर्राचे लेक्षप्यक्षातुअ क्षेत्र न्दान र्नेना क्षेर्राक्षेत्र मार्डेन्। तुअप्य शेंर चें के य वेश पश तुम भेंद शेर भेंद के सेंद गर्छे ए पर शेंग श श्वा वसश उन्यद्भयम्बर्धन् विन्ययः स्ट्रास्त्र स्त्र्यम् स्त्राम्य स्त्रायम् <u>। श्</u>रुषं मात्वत्र श्रेत्य ५८ त्यत्र स्तुत्र से ५ त्य स्तुत्र श्रे । क्वें ५८ त्या त्ये त्यात्र मा ત્રું સ્ત્રા સ્ત્રીન સાંગ્રે ક્ષુ ન ફેર્ન ગુદ સાવદ્રેસ માટે સેસ જે ખદ સાંગ્રેન્સ ક્ષુ કંસ ग्री तुबा पबा क्षेत्र है। पह्य वैषाबा भेटा पहाया प्राप्त है विश्व है प्रवासी बाबिया विं। दिन मी मानद रोवाया यह विवाह में वा व्याया व वह व वा या या व सेव्ययः सुः तुः सः प्येवः द्यायाः योः याववः सेव्यः हेः तुसः यः याः याः सेवः यः सुः तु। तुसः यायागायासेन्यासुस्यसेन्न्यायायोगावनुसेयाया । यदासुँग्रासायन्य युम्रामेद्रास्त्राम् भेद्रायायात्रे येददर्देन मुर्दे ये मेद्रासेदर्दमाना मेर्गान्न सेवर हेर्षेर्या सेवार्वे । इसावउर् ग्रेसेवरावर्या वसाय रहेर केरा गुर्देन नुः ह्वा ह्वा रा द्या रा ह्या या प्रहेन या न तुम या पह्नीया यतः तह्याः र्स्ता अटा तह्या वे श्चिया तह्या प्येव हो। स्याया श्वराया वे क्रेंत्रमः ग्रेमः तुमः यः विद्रमः गर्डेनः तुः शुवाः यदेः शुग्नामः ग्रेमः तुमः स्वाः स्वाः वंडर्'य'विग्रारेशव'रेशव'रेशव'रेशकीश्व'र्राश्चर्'यव्ययंत्रीर्'र्'यूर्'। દિંગ ફ્રુંચર્સ ક્રું' બે ફ્રિંગરા ગ્રેસ ર્ટ્સે ક્રુંપ્સું મુંગ્રે છે. ફ્રેંગરા ગ્રેસ એક ઘરા विगासमञ्जूनामानवायम्यायार्भेनायदे नेयायह्मा छेना मुद्री न्यदः वें र्हें हे अप्रह्न पदि पदे प्रकेंग द्योप कें न पश् कें न पहुन वस्रका उर् द्राया है र गा धेव यक्ष ही दर वर र यक्ष कें केंदि ह्येव

चब्रेग्राच्याययाययाय्य्यायायराम्याब्रुद्य। यदेःविद्यात्रुक्त्याक्षे। ध्रेःदेवः रे सेर विश्वाय स्वा श्वार देशवाश परि सर्वर सा वर्डिंट वर्षा देर सर्वेट ब्र्यामा ग्रीमा तमा तब् पार्याचा स्थान । स्थान प्रश्वदावी प्रीयाय विकास समानित स्थित स्थाप स्थाप स्थाप भूगशयोः नेशायोः दें पें पेंद्र द्राया होता यहें दें श्वाया हें शास्या द्रायेता होता होता होता है। भूगश्रायों के प्राया क्कि. जि. श्रूबीश बाद्धु. पूर, लुच. चंट. चंट. वीट. टी. बावश त्रां लट. जैबी. जी. *'*ष्ठे'श्रूटःग्वि वटाकी प्रवटायश्चा हुटाबेटा वटाकी प्रश्ना स्वाप्त स्वाप्त हैं। विट सूर्व ग्रीक ग्रुव परि प्रदे दिया परि या परि मुक्त क्षेत्र ष्ट्री'य'र्से'तु'चर'दर'तु'स्याबास्रे'च'र्सेग्रबांसु'न्सेग्रबायतम् गर्नेन् वश्रम्वायायदे देशयश्रम्भः स्वायायद्वर्ययस्य व्यायस्य व्यायस्य व्यायस्य स्वायस्य क्षात्वीं रापते त्रीं गिर्दाक्षरक्षरा श्रुत्तरा वे वदा वय शेंदे ह्यू याय ही है। क्रेंत्रमः असः तत्र्मः त्र्युरःग्रेसःतयम्भयः धितः यसः तर्ने तर्ते सुवायः देसः नेशान्तरायम् उत्रांक्षेत्राक्चरायम् अर्थरायम् वर्षाक्षेत्रायम् वर्षाक्षेत्रायम् वर्षाक्षेत्रायम् वर्षाक्षेत्रायम् ं बेग'यंदे'ग्वद्र-'खेर'देश'यर'रेर'श्रुअ'र्गदर्श्वे'खिर'यर'उद'७८'धूर'र्दे'। यदा ग्रे:र्हेर:र्श्रेम्बार्यकायश्चेद्र:र्मेश्वायादे प्रवित्रम्बेत्रायाका च लेका महारका विकास तर्भात प्रमुद्द स्था त्या क्षेत्र का भी भी दिस्स । विकास समित स्था का स्था का स्था का स्था हेंग्रह्म देयाया थे नेहा ग्री क्षुरा हिया है या स्था यहा हो यहा है या स्था यह स

संसम्भाद्येव त्या सूर्यस्केर र्वेय मासुसर्ये। । यो मेसार्व मानेव र्ये। सर प्रवित्रप्रकृत्र्वरंगुवर्हेषावेरश्चरप्रश्चे। प्रदेश प्रवित्र वित्र दुवा वीर प्रवित्र सेससम्बुद्रा महिसारा हें दाधित भी मह्मसारा मुद्रामित से दरारें दे विर्वित बैस्रबा सुदादा मुंडेया यो विदा है। देवाबा सन बेंग या बुसा देंग वर्तिता योवेशयदे:यन्यानुन्यक्षयाश्चानुन्यस्थायवे।यसुर्ये तन्तु यसुर्यादे । विष्रात्रः द्वारं विषया सुरवत्व द्वारा विषय स्थान सुराने र वा सावतः यःश्वेतः प्रवेतः र्देनः ग्रम्यायम् श्वृदः वेदः ने रः वेसः यः श्वे। श्वेदः पायवे ग्रावेतः वे ऋगवारम्य मुगाकुवा हो। ऋगवा वे गववा गव्या गुरु द्यु गबुरा वा द्येग्रायश्चा श्वराया शुर्या देया यविवा क्या शुर्शे दायदे। विष्या शुर्शे यश्युं धुग् कु यहेव यश्ये वेशग्रुस देस प्रेत्र प्रित्र विव क्री पर्देश दिशव यश न्याळेंगाणे नेयाग्रे धुगा कु त्यायहेव हे र्श्वेया यठवा श्वेया येन हेन हि र्श्वेया येन गुः हुँन प्रकाने लेन अर्थेन प्रमान प्रवेश प्रवेश मुका है। बेसबाग्वि त्यावाबायदे वावबाङ्गवबायवि तृत्र दे सासे दाये पो वे बा पोव यर ग्राह्मरका ग्री क्रेस्रका स्रोत्। क्रमान क्रमाका क्रमान क्रमान प्रमाप द्रमान য়য়য়৾য়য়য়ড়৾ঀয়য়য়য়৾ৼ৾ৼৢ৾ৼৢড়য়য়ৢয়য়ড়৾য়য়য়য়য়য়য়য় र्सेम्बर्भुटर्ट्रा देस्रयूर्यम् चर्वयाया धेर्मेबर्माम्बर्धरेर्भेट्र्ट्रा विस्रक्षाउन् सिंहेर् या नु सेन्या विद्यु राम सेन सेन सेन विद्या सिंहिका श्रेन् मुर्केन मुर्वे विश्वास्त्र में देवा स्वास्त्र में द्राया स्वास्त स्वास्त्र में द्राया स्वास्त्र में द्राया स्वास्त्र में द्राया बिट विम परे देंन ग्राम्य दर्मु मुन्य यम्पर्म स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्

वर्रिष्यदावादायश्चात्र्रात्रे क्याय्य स्त्रुवाय सः स्त्र प्रवर्त्त पूर्वे प्रवर्ते । यार ययर भे यहेव य भेव हे यत् श्री श्री श्री श्री हेव य भे श्री यदे ध्री म क्रुन्तुः यश्रा शर्वे कुः यः श्रेंगशन्ता श्रेशशः ग्रें प्राप्ता या ग्रान्य यदाः श्रे यहेव यम मुख्याय यहाँदी थि स्वेश मुख्य मुं दि से ब्राह्म । ज्ञा के अर्द्ध श गुः ब्रूटः चः म्राञ्जास्य विद्रामालयः या ब्रुः स्रोतः सुरः यदः चः यदः । रेया ग्रेंबाया ब्रूटा यकेन विवाय ब्रुया ग्रें या वर्ष सुराये हु। या वर्ष स्थाप क्षेत्रा स्थाप क्षेत्रा स्थाप क्षेत्रा स्थाप स्थाप क्षेत्रा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप कर-दु-दुन्कानदे-कु-पका-कु-निवेद-सूर-न-मिकेश-दिम्पानर-मिसुन्का-की | तर्दे : नाया के। 🕴 परा । श्चु : तस्या नायर श्वेर : नो : कु - तक - दारे : श्वेर अ तर्रमान्द्रवाश्ची मानवार्क्षम्बा श्रुवा स्रोवाया माश्रुम् । स्त्रामानवाया माल्दा श्चा यश्व रें व रव्यवाका केंवा रें व यो यश्व यादे व व केंवा का की । प्र र ये र्क्षर्भायगादामालुरामी मान्द्राक्षेम्बात्यायाली हिम्बादायाली र्मादा गशुमा मनुमायायो पर्यानित केत्र केत्र मेरित मनुम केंग्राम समामि । १८८ च्.लप्ट.चख्री श्री.बा.इब.ता लुब.प्टींट्र.क्ला विष्.बीश्व.चर्चत.ता श्राह्य. सुरायदे मान्त्र केंग्रां । १८८ में दी। सूट से ८ ग्रे कें सहस्र संस्था के स्वर स्व र्नेव'न्य'न्चिन्ब'षे'बुन्'यह्म'मन्युन्'मे'षे'वेब'झ्कुत्य'र्द्ध्य'म्डेम'र्य' लंब है। क्रैंब वस्र ब उर्दे दर रहें या या बार साम है। महिबादा श्चेत्रः रावः हैं यः श्चाप्तरः यो भेत्राः शुः श्वाप्तः यो प्रित्यः शोः सदः प्रायेतः यात्रः स्तर्भायते सूर्या धेत्रायते द्वीरा ग्रास्त्राया त्री गुत्र हें ता पर प्रेता प्रास्त्र यार्वेशर्केश्वरत्। यत्रस्त्रयार्वयायीश्यार्वेषाः वीत्रः वीश्यत्स्त्रयश्चिरः र्वेरः

सेन्याधेवाहे। दें वें बान्न्युयायदे धेन वर्षाये। न्वेरासेन यदे मन् शास्त्र वा क्षेत्र क्ष ૽૽૱ૹૢઽ૽૽૽ૢ૽૽૽ૢ૽ૣૼૹઌૹ૱૽૽ૢૹ૽૱૽ૡૢઌૡ૽૽ૼૹ૽ૼ૱ઌ૱ઌ૽૽૱૽ૢૺ૱<u>ૹૢ૾</u>ૼઽ यायां यो द्वारा से स्वार से स्वार से स्वार से स्वार से साम से चक्कि द्रियसके अञ्चा निवास मुख्या की मिन कि मिन कि मिन स्था है। रेग्रास्था धेःवेश्वास्थित्रमायविवातुःग्वास्यये स्वेरामे । ग्रास्यायावा ୢୖୄଌ୕ୣ୶୲୰ୄଌ୕ୢ୕୶୶ୖଽୖଢ଼୵୕୷ୡ୕ଽୣୡ୶୲୕୕୕୷ଽ୶୷ୡୖୄ୵ୡ୕୵ୠ୷୵୷ୗ<u>ୄ</u>ୄୖଞ୍ଛ୕୶୷୶ୠୡ୵ न्याः केन्यते द्वार्यान्यायाये वार्षः निवान्यायाये विवान्यायाये विवान्यायाये विवान्यायाये विवान्यायाये विवान्य र्चरात् अनुरायाधिव है। रदायनिव साशुयायार्चरा शुर्वा स्वाह स्वीप्यये ध्रेम अरायार्देव वेदात्रायायाराद्या गुतास्यादा अरायरादेव वेदा भे त्राय येंग यदे ग्राव हैं य गावेश केंश उव। ग्राव हैं य उंभ दुः सव्साय धेव है। महार्देश स्वराय प्राप्त स्वर स्वराय माना वादी से मा स्वरा ग्रद्भार्द्रस्य ग्रद्भाया धेव पदि र्देव द्या ग्रेश र्केश उवा यदे देव द्रा दर्गेर पर्व दें में केर दि केर है। <u> ५ विद्या दे 'वे 'षे 'व्या षे 'वेया ५८' गाउँ या व्या खुग्या प्येव '</u> यदे द्वीर। यद र्थेन में ग्रुव हैं दा निव केंब केंब उव । श्रु दर ये ने ब ग्रुं द्र्येय वर्वेर-त्यक्राक्षे। अरावदेग्वन्यः स्वाधियः वेश्वन्यः विश्वा यदे द्वेर री विवेदावी ब्रूट ख्याबार सम्बद्ध प्रदेश विवेद रदि । इस्र अंक्ष्यं उत्। यात्र अंत्या श्राचन्या केन केत विनः विनः यो अंतर्भ विन्या यात्र या हु:देश:य:प्येव:हे। गवश:खुग्रश्यवर:ब्रुग्:दुर्धेद:यदे:देग्रश:वेश:ग्रेशदे:

वै। भूगमान भे र्श्वेराय रायस्वायदे र्गाः स्क्राउव। सुर्म्य स्वार् गुरार्द्व वसम्बादाधित हो महेत दें बाबादा या धेत त्या दे हें हें मुबादारे यदे मान्व केंग्राय है। केंश्र इस्राय ग्री केंश्र देन केंश्र उत्र हेंश्र यदे रहा विव रें र पर अवद गरिग हु श्वा या या यो व है । दिन र व र श शे खुर य · श्रु र्र्केन्। त्युव र्रेन् या प्रत्य त्य का स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त उत्। सद्यत्याउँमान्त्रदेशयासेन्यमञ्जेमध्यम्यस्य सम्प्रो रदायविव उरायदायायायायवायाये हिरासी । यदी इसका वे कु वा उपा यायार्सेम्सायम् रेम्सायस्य वश्चयायत्य महत्र स्रीम्सायमे प्रस्ति । स्रीम्सायस्य ग्रिग्'दा'त्य'र्सेग्र्स्यद्रम्याद्रस्य द्रित्युद्र'त्रेत्यात्र्र्स्यात्राद्र्येत्र्याद्राद्र्येत्र वर्गेयानः स्यास्त्रस्य स्यास्य विद्याप्तरः निर्देशा । द्यो हि यदः। विद्राणीः स्राप्तसः यान्या कुन्द्रसान्यास्रेत् बेरायास्याकेरा क्ष्यार्स्सायास्यासा गल्दामी क्राबा महिंदा वे केंब्रा येदाया मुम्मल्दा इसादमा हुन है न र्थे द्वायक्षीं प्रदेश्य क्षेत्रक्ष क्षेत्र क् धेंद्राया पश्चतःपः ५८। ये. प्रेया श्वाबापश्चतः सङ्गः श्चेरः प्रथा यावेशास्त्रः प्रवासः यश्चे र्स्स्याय प्राप्त कृत् ने स्थाय व प्राप्त स्थाय यार्षित् यश्रा मुम्यूर्यार्वे वृदे यस्त्वा भेव र्कत् अदश्मुश्रा मुश्रेर भेव यर श्रेअश्रयाद्यायोशः सुद्रास्त्र अर श्रुशायाददे द्य श्रद्धाः सुशासुशासीः यगादः र्ह्वेदः देव रक्वेः यश्रञ्जायः पदः द्वाः हुः श्रेः यञ्चदः ह्रे। दुशः दर्वेदः यशः हुः

यार विं विदेश अप के प्रायम या श्रीत्र प्रायम यो के स्मार्थ वि विकास विका र्देन्त्युः र्रेषाराज्ञुः श्रुप्तिन योवायायवेवावी । प्रियावः हिषायो हेवा येपाया दंशाया वेशास्त्रम् श्रुप्तायाक्ष्मा कुर्यायाक्षेत्र कुर्यायाक्षेत्र किर् नेबाविराधरास्त्र व्याधिया स्वाधिराधरास्त्र स्वाधर्मित यत्य। न्युन् मञ्जा ग्रें अया न्या परि क्रिन् प्रमा उत्र सर्वे मर्थे र देश प्रश् यालवर्र्द्रहेगायोश्चर्धर्यार्द्या इर्धेश्वायः क्युग्यायो र्वाट्ट्राध्याहे क्युर् लेव.त.श्रुव.तर.शर्बूट.।श्रुव.त.लुव.तर.शर्बूट.च.श्रुट.तश्री टे.कॅ.चेबट. *क्षेर-५८-स-विवा-क्षूर-केवाक-वेद-चेक्षप्यम् क्षप्यम् हे क्षे*द-वन्द-र्क्षद-चेक्ष्य-मुयास्त्राक्षरायायवेत्। रात्राकुरायेवायरायर्तेरायाययार्थेकेथारायीर्ग देशउव गुं मु अर्द्धव उं प्यट से त्तृ वा यश केंशन द केंश सेव इस त होन गी केंश श्रुव दे से द शेंच व साम हिम्बा कुर पेव सेव मिक्ट में दि द माद নশ্বেষ্ট্র ইঝার্মঝার্থার্থ্য নাম্মার্ক্ত্র্যার্থ্য ক্রিয়ার্থ্য ক্রিয়ার্থ্য নাম্মার্ক্ত্র্যার্থ্য ক্রিয়ার্থ্ र्षेट्यासेट्या कुट्सेव्यम्यविष्यास्स्राम्यवरसंविष्यम्यस्स्रास गर्डेन् पर प्रत्ने अंश शुरावना व येगवा की । अङ्ग या । व श्रुवाय। मुयार्ग्वायावेवायदे यो नेवायया में दें हे हें वादे ख्याव हें ग्राव निक्के क्षेत्र श्वम् शहेदे पद्भ द्राप्त में द्राप्त हिते क्षेत्र हिते क्षेत्र हिते क्षेत्र हिते क्षेत्र हिते क्षेत्र १५'गुव'र्षेदश'र्सेग्रार्सेंग्रार्से व्याप्ते अदि सेन्य हेव'रदी'व'र्के सामित्र

୲ᢖᠴᢃᢅᢠ᠂ᠴᡬᢌᢩᠵᠴ᠈᠗ᢠᢆᡏ᠂ᡱᢅᢩᢖ᠘ᠵᡆᠬᢀᠴ᠁ᠬᠳᢃᡧᢙᢅᢩᡸᠴᢃᢩ᠘ केव क्रिंद यदे कु महिर दसेया होत र्घमश येत क्रिं अकेत गु सुह महेवा <u>।इस्र.र्या. म्याबाराद्यःयार मिर्बा क्षेत्रः क्ष्र्याबाह्ययाच्यायाच्यायाद्यः स</u> स्या । अवतः न्याद्वसः न्धिनः यादेवाः तृः चर्ष्यायः यहसः न्ययः न्छीत्रायदे हैं। हेर ग्राम्या १ । पर्व ह्यें र मु अर्कें र मु ने म्यायि हुत हें द ह्या प्राप्त प्र र्क्तेयःक्षेत्रःक्षेत्रःग्री । माध्यःदेःचर्ज्ञेताःयःकेत्रःदयदःगन्तरःक्षेत्रात्रःदेग्नात्रः यदे में हे हे प्राप्त प्रमुशम्। प्रार्थे प्रदेश प्राप्त प्रमुश्चे प्रमुश्चे प्राप्त प्रमुश्चे प्रमुश्चे प्राप्त प्रमुश्चे प्रम श्रां श्रीत्र त्र त्र त्रीता दिशर् त्र केंश्राणी मुला श्रेत्र त्येषा श्रीत्र यावश्रायता स्तर न्यरान्युकान्यहेन। १ ।क्षुनारमार्ने रायुदेः मुनाळकार्याः क्षेमायकेयः क्विं राञ्चा धार्मे अप्ती अप्ती अप्ती अप्ति राज्ञें राज्ञे राज्ञे राज्ञे अप्ती यहवा:य:चक्कित्:ग्री:व्री:द्रिर:स्रावस्य वित्रहरःवित्रस्यायस्यः स्री:द्रिर:स्रेतः वर्षेग् वर्के सेन न्यम् सेंदे वर्षे से मार्टिसमा ७ । साम् सुसान्न सम्बर् योचेयोबादादुःत्यसासर्क्र्याः त्रुःसोद्दास्याः स्थाद्दाद्दाः । सिवदः द्याः इसः दुर्धे दः दुनः ग्रीशकेर:इंदशस्यानुदासिव्यान्यस्य द्वितायदे हिंग्यानुः । स्येग्नशायरामञ्जीया यशक्रमश्रीं र र्षेव प्रवादि यह पर्देश मुद्रा प्रवादि । विश्व केर ञ्चिम्यायस्य संमासुरा हेसायदे त्मामिवया भ्रेंता से ता से ता स्वार स्वीर सर्केम |बाट. बा. बाबाबा तरु. ट्रे. टार्ब्ब. १८. वीट. वीव. रि. मी. कुबा राष्ट्र मा खाता. खिया |र्देग्रबार्स्य: वीदः प्रदेशहरः द्वेश्वः स्वः द्वाः हुः ग्रहेरः विते धिः श्लाः स्वाशः स्वा *ୗପ*ୱିଷ୍ଟମନ୍ତ,^{ଞ୍}ଞ୍ଜ, ପହଣ୍ଟ ଟର୍ମ, ପମ୍ପର୍ମ, ମୁଣ୍ଡ, ଅନ୍ତ, ଅନ୍ତ, ଅଧିତ, ଅଧିତ, ପ୍ରଥିତ,

वर्षा । कुः श्रू र श्रें भो रेंद् : बेर रें अश्यिव प्यट प्यट प्रेंद : या श्रेव : व्या श्रेव ५ । अट.र्.पन्र भू र्रें बार्ड माट मो लियबा खेव र्हे र सु गो फ़ गाया । अर्प ढ़॓ॴय़ढ़ॱॾॣॕॺऻॴॱ॔ॻऻ॔॔॓य़ॿऻॕ॔॓॔ॾॻॱॻऀॳड़ॣॴ*ॼ*ॸॱॻॷज़ॱढ़ॣॱज़ॴॱऻॺऻ॔॔ऀज़. चिद्रः मुं मुं मार्थुः सु मुं न सु मार्थे मार्थि मा ख्व में रश्यवंवय यह गरादेश सकेंग सुर दे सुर समें व र र यह श १देतेः त्वयास्य त्येग्रचन्त्र च्यूत्र अर्केग् श्चेतः यदेः देशः तृतः क्रुतः गुर्हेतः छेटः [वग] सेन्'ले'नदे'स्कार्क्षेनकाळेम:क्काइस्'र्स्य संग्रह्मनास्त्रान्त्रेन:स्व *।दर्ने ॱॡदे ॱळेंचा ॱद*बुॱब्रंडेवा र्डं अॱख़ॢॱॸ्चॸॱढ़ऄॗ॔ ॸॱचदेॱॾॕॸॱॺॏ॒ॴॹॖॺऻॱऄढ़ॱ |মহন:১বা.ধি.বু.১.১.খি১.ঋব.ঘৰ:১ূথ.পহিব.পহিব.মুবাৰা.ছপৰা.পড়ৰা.নুম यहूरी र ब्रिट.ता. ब्रिय. क्रुंत. ब्रीट.क्रिट. क्रुंट. क्रुंत. क्रुंत. क्रुंत. क्रुंत. क्रुंत. क्रुंत. क्रुंत. ।ୢୄୠୗॱ୵ୄ୕ୄ୕୩ୖ୕ୡ୕୕୴ୠ୕୕୷ୖଽ୕ୡ୕୕୷ୢ୕ଈ୕ଈ୲ୄ୕ୢୄୠ୷୕୷ୠୡ୕୷୷୷ୡ୕ୄ୵୲୷୲ୠୗ *৻*৴ৼ৻য়ড়য়৻য়ৢয়৻য়য়৾৾৻৻ড়য়য়ৼৄৼ৾৾ৼৼৢ৾ৼ৻য়৻৻ঢ়ঢ়৻য়য়য়য়ঀঢ়৻ৼৄৼ৻য়৻ড়৻ *|ঘট্টব:ব্ৰাইব:শ্ব্ৰ:শ্ব্ৰ:ঘট*ে এম:ঠ্ৰ্ডিয়ের্ম:মট্ট্রিব:বিহ:ঘ্রহ:এ:র্শ্বর निया (। १ द्वे र प्यन्या र्से न्याव प्यम् न्याय दे विषय स्थेव प्रकर गरि है गर्वेव ग्रेश कि पर पश्चिर देश ५५ ५५ ५५ व व ज्ञान अपन য়ৢয়য়৾য়ৢয়ৢয়। ।ढ़ॸॖऀॱढ़ॸॖढ़ॱऄॺऻॴॸऻॸॱख़ॗॕॺऻॴॸॖॖॴग़ऻॖॺॱॺॱढ़ॿॗॸॱॻॾॱ न्त्रीव प्रते न्द्रिश म्डिंग हा । अर्धे द व अ खू म प्रते प्रकार प्रश्रा प्रश्य प्रश्य प्रश्य प्रश्य प्रश्य वर्षेर रहारहें दुर्दे अरुप्त सुद्धार में १० १दे त्यर्थ सुद्धार वर्ष रहा दे रे सेर्भ्रयाय्व विराहते क्वि प्रवादार्थे । । मराप्रविव रेर्प्य विषय वर्षा प्रास्त <u> २वि८८ वर्षेत् त्रुप्ते स्थायास्य । अवस्य पंत्रे राशुराह्माष्ट्रयासूत्र सुता</u>

यव निर्देश स्वराखेर तत्र अखा निष्ठा । श्री द मा श्रु अ तकेर निर्देश राज्य र या यक्ष्मा मी विषय या श्री विंदा ने मा परि ह्यें या यहा या मुविद यह के हा ग्री हैं। वस्त गरेश रूप कुश ब्रीटमी द्वेत हुयावगा निश्व दक्षे से दर्दि सूट रू पक्षेव अक्ष्मबाया ग्वेब यदि द्विव ग्वेद इस्य सु ख्वे ग्वा गुरु ग हि पक्ष वर्षावयाप्तश्राचर्ष्वेषापास्री यदेशागुदावर्षे गुवादेशाया अर्केषाया र्श्चेर प्रति शुरु श्चिर देश दर्शेय । अर्क्षेत्र'त्र्वे प्रचार रवा नाम्या नमा स्थाप्त विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया स्टार्चे तिर्वेग्रायते र्योटा । । । । । । व्याका लेका ग्राम् कार्ये विकास केरा स्वादि स्वादि स्वादि स्वादि स्व र्जेट्र-दी विविधान्नेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्र चॅर्णिर रेर्पाया शिवरहेंगा इर श्रुर सकेर परिस्रो श्रमा मीश । रेमाश यदे क्रिट सुट क्रेट वका तकवा यदे सुरा डिं से द स्वा हुव द नार तु रश्यद्री । यार श्रु.श्यदहें व त्यारश्य यदे स्वायद्य या वेश हिया यदे : यव:रु:कुयःच। ग्राम्यदेर:वेशःख्वःधेर् ग्री:ग्रुम्रेय:रमः। क्षेत्राश पठन बुद सू र्वेश पठश विद हुय हु (क्षेत्र १५ येग्राश वर्वे र ह्यें। ।र्हेग'गेदे'र्द्ध्य'दहेंव'र्हेग'गे'यश'द**्श'यदे। ।**बदार्सेदे'र्केश'श्रुव'ङ्व' यदे प्रमेश महिन दुरा । इस हैंग क्वर राष्ट्रेश प्रकेश प्रमेश प्रमेश प्रमा |ग्रामान्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा | सिंहेवरम्यादेत् वेमानुः प्रकार र्यः अहं अया । वितः श्वाका नृत्या वाकायः वया अवितः हे वाका अन्यः व

|पर्जेद:यरःगर्केयःवेकःवु:प:अ:दर्गेकःग्रुटा| |दुकःग्रु:अवरःश्लेकःयः यर्वाः क्षेत्रस्य । यायह्वाः श्रुप्यश्चाववः यायदाये दे क्रुप् । यस्वाश्चर्यस्य ૄચૂર'য়ৼ'Ҁ৾'৻ঀয়'য়য়য়ড়'ড়৻'য়ৢঀ| ऻॎॾॗॗ৾য়'য়৾৻ঢ়ৢৼ'ড়ৢয়'য়৾য়৾য়ৢয়'য়ৢয়' કેમા |ર્ક્સેન'ય'ને સુરાકિન શેમાં અદ્યુન ત્રશુરા અર્દિન | ૧૨૯ ક્રુન છેમાયલે 'તે' याश्चरावतःश्चर। । मवार्गमाःश्चास्यावार्वायास्यापार्गः। ।वेयामवायमः स्र्वेत्रः सर्-दिन्यादे मान्यदे । विद्युत्यः त्रुः स्र्वेत्रः द्योः य र स्यायः य यम्बा । अप्रवासक्याः त्राचार र्या मुक्या स्वास्या स्वास्य स्वास्य *ୣ*୲୶ୖଈ୕୵୶ୢୄଌୣ୕ୢଌୗୢ୕୕୴ୣ୲୶୲ଵଽ୕୵ୠ୕୳୕ୄୠ୷୷ୠଽ୵ୡୢୖୠ୕୵ नगर देव के। ग्रुट नबर देव नबर अहल रहें द क्रेश वर्ष खर महिल वियायस्याम् प्रमास्य सर्वे स्व्यास्य स्वयायम् विवासित् हे न्याय रावहें नाय पें ना हन यहान हुन सुन स्वाय हिन सी हिन सी ना सुन स यासूर देश शैं विश्वभूशया श्रेशाय वेता विता केता या प्राया से या दे येता ङ्ग्याचामाकेशसञ्ज ङ्गदानु गुपायमापङ्गित से तुर्शायस। इत्याचामाकेशसञ्जा विवेद्यस्यो अञ्चत्यम् व स्व ग्राम्य अस्य मुक्षाय ग्रामा य सेव या द्रास्त्री |५'गिलेब'ग्री'५८'देब'वे'अवर'व्या'५वें५'यते'र्रग्रब'यब'तवें५'याथबार्युट' र्डभ्रञ्जूतकाशुः भे त्यूरावायदेव वें। । १५५ द्रार्थे वेंवा भेदा ग्री द्रापित यदा विवाक्रितः देशः देतः क्षे अर्दे खुदः इस्र शकः कः नदः वी दर्वी दर्शायः है वा श नुर्-त्याचेयावाववाव्याक्षेत्रायावाद्यामुवान्त्रवरायी ध्रियावास्यायस्त्रवरायाः स्व

ই'ম্র'শাস্কুদ্রমা ୖ୵୶ୄ୷୵୵ୣ୕୶୵୶୰୰ୠୄୠ୕୴ୄ୶୵୶୷୵୵୰୰୶ୢ୶ୢୣୢୣୢୢୣ୕୶ୄ୲ यादबाउवाध्यादस्बावबास्ट्राटार्क्षदायेवाबायवदा के या वाववादे स्मार सेवा यन्ता अयान्यदेश्वासदेश्विन्तुनस्तर्भन्यसे सम्बन्धान क्षेत्रम्बुद्रस्य पृष्ट्रम् सुय तुर्वा देवा याद्रम् याद्रम् याद्रम् याद्रम् वस्रक्षउ८,२,२,५,५,४ देश'य'ऄ५'ऄॕ५। ॷगशक्य'ॼढ़'यदे'ग्राह्माख्यश्चर'दब५'यर'व्छेद' ग्रेशर्द्भेनशत्रायदे द्याञ्चर पुर्दे। । वय देव दर्देश ह्या यर श्वेर य वेव यश्राद्यामा क्षूत्र ग्री स्वेग क से र्से सायाद्याया बाब त्याया स्वया सा केश दाव मा यर्देशपदेशमुद्राचे । श्रेश्रश्रद्राचित्रात्रीत्राचे वाले विश्वासी श्री श्रायद मुेव प्रविदे व्यव सेमका से प्राप्त से मित्र प्रविद्या के सेम का से मित्र प्रविद्या के सिम्बर सेम का शंश्रित्या नेपलेव कुरव्यश्वस्था उन् श्रुम विषा सेन वशक्त गुंशरह्ण गुर। यन्यायहेंत्रयांत्रेश्चर्याः भूत्रः रेयाः र्वेयाः सेन् त्रश्कृतः स्वाशः स्रायह्याः यं भेत्रयम्। इं भर्दे हें भें भेर् या शेर् या शेर गुर रहा हें शा शें शिमा दिहें त्र शुं र् त्रा शुः श्रू अरदिहें त्र देश यम खें र से र में त्रा या प्रदेश वित्र खारा वित्र खारा वित्र खारा व्यायाणी विस्वाय दर्भा वे पारे हेव र्पाववा में ग्रीं र केव पारे ग्रीं र स र्क्षेषाश्रायउर् देवे देवे सुवाश्रायर्थी यट दे सुर येव से वर्षाश्रायश्राद्याया त.भह्रे.क्ट.कॅर.ब्रूट.लट.चेश.रच.क्रीं.च.प्.श्रुट्च.प्रेच अ.श्रुय.ता. ज्ञायत्र्राञ्च प्रमुख्य तद्रेम विमाध्री वास्य स्त्राच स्वाप्य प्रमायमः ह्रेश्रायह्रमामावद्रायाक्षेत्रायम् विष्यात्रीय अद्यास्त्रमामा क्रियास्त्रमा

गुगामेशपडर्पायामे गुरायडर् डेशपाया सँग्रापायेते दे। । रुश यवर प्रश्रुश कुर र श्रु त्या लेव यदे र कुया परमा वश रेव या हेव छिर इस्र न्वे र्श्वेष्य नर्श्वेष हे श्वा क्रस्य या स्रम सर्ना या स्रम सेना या स्रम सेना या स्रम सेना सेना सेना सेन वयायायदे पर्दे सेव वेश ये ग्रुप्य पर दे प्रमुख सर्प पर दे प्रमुख स्थाप र्षेत् गुरावके। उंशक्षा प्रसाक्षा प्राचीता वित्राचीता व गुररहर। ष्यगुरर्देवर्गिवर्क्ष्याम्नेयर्हेदर्ख्यर्वस्यव्यक्ष्यावश्रंत्रम् ક્સાસુપ્રસાવહેં સાત્ર સાર્ટ્સ ગુસાયુન શે. તુસાને દ્વાસાક્સાવદેન પાંદે તુસાસુ वयायायस्यायते रगायदे र ह्या वा विया गुपा र्ख्या ग्राह्म स्टा वर्रेन नर वर्हेन र्ख्या गर गैनियरनुषुषाग्रमक्षार्केन हेर विविते ह्यूर र्बेट्। वस्रअः सेन् महिनासेन् सेम् अत्वीमायनेन् मुः पेन् प्रस्तायनेन ग्रीराम्बुदबायदेर्देवायादर्क्य। र्बाङ्गीयार्द्दम्बाबामे प्रवासियायाः स्रूर मुब्दर्भयाया अयं अर्थं अर्थं देव निर्मानी निर्मा सुन अर्थं है मानी बेंग्रायां में द्वे प्रायम्बायाद्यां में बार्स्ट्या सुरू का सेट्र द्वे वायर ब्रूटा 5-9८-वो ग्राब्ट वें प्रचेश श्रुप्त के प्रचे प्रवेश के प्रचे प्रवेश के विकास के प्रचेश के प्रचेश के प्रचेश के प यानश्चराण्या देर्वाष्ट्रस्यार्धेश देख्याल्ट्देर्वासर्वेट्कुः से तर्वा उर्भ श्रुभ पाया केंग्र कुषा कुषा वा नाया त्र वर्ष प्रभा केंग्र मा स्मान पर्वे पर्देरे ग्रम्बरद्वेव वव पश्चिषा स्रोव ग्रास्ट्र ग्रम् । वव ग्रीका पश्चिषा स्राप्त गुरःर्त्ते र से मित्राचा धेवा स्वीका सुरत्से वाचा के बावा के निवास सुराचका

॔ॱढ़ॱॸ॔ॱॸ॔ॱॸ॔ॱख़ॢॺॱऄॺॱय़॔ढ़॓ॱॾॣऀॸ॔॔॔ॾॺॿॺॱऒ॔ॺऻ॔॔ॺऻॴढ़ॸॱऻॎॱॱख़॓ॺॱॶॿॱॶॿॱॶॿॱढ़ॿऀ॔ॸॱ यादासवार्स्त्रात्व्राक्षेत्रायासुद्रसायासूत्रात्वादेतात्वा देता उर्'यारे क्षेत्र श्रुत्र हुत्र हि।वस्र रार्ट् श्रुत्र हुत्य राष्ट्र हुत्य हुत्य हुत्य हुत्य हुत्य हुत्य हुत्य सरमें पन्त्रस्थेत्। दे त्र्ये क्षेत्रमा वाल्य यद्र अर्दे क्रिन् द्रेवा वाव कर्त्र प्रवास कर्ता विद्र प्रवीद्र करिया विद्र प्रवास करिया विद्र प्रवास करिया वि यम्भ्यान्यम्भ केंग्राक्षन्ये द्वाराष्ट्रम्य व्याप्य व् ৰ্ষ্ট্ৰ্ৰাম্য দ্বালী বিদ্যানী ৰ বিশ্বী কৈ বিদ্যান্ত কৰি কৰি কৰি কৰি বিশ্বা कु:वेवरहर्द्धराया अपनेशकु:र्द्धराये राया दुराबदावेशयाने वुरावर्षे भ्रानिश्रायाचुरावरात्ग्रेश्चर्यासर्तायात्राया ग्निस्रश्यंदेयमेश्वाकेत्रकेत्रवेशम्ब्रियानुत्यनुत्यन्ते प्रवस्य स्वर्णान योव। देव हुर हे द लुका दे उद्याप। देव के यायदेव या के कार्र में दिन हो रायेद केंश्राणु न्वेरकायार्नेव न्यायवर बुगाहु वर्नेन प्यंदे खुगावासूर वाने न्याचेनाकार्देराचरेवानाकेकाचार्राच्यार्यात्रार्याच्यात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्यात्रात्राच्याच र्क्षेत्रवासु है : सूर सूर । के के रूप मार्थ रेया पर गुप्त दे प्रवेदका र्से का नुवा दयदःविगादेःग्रोबेग्रयायादेवःद्याग्रोबेग्रयादेः वः स्नूदः क्रीत्रायेदः यदेव गरे अदि वि च ५५ ५ सुं य के सूर मुर दे त्यव वि ग दिव ५ सा सबर यदेव गावेश दें वें द्वे र येद दें व द्या या धेव यर श्वा यो व व त्रश्चरत्य। र्यावःहूचःश्चरःश्रवःतरःद्यश्चरःह्य। । देःक्षःवःश्वरश्चाक्चरःश्चेरःश्चरः

षदःचरेवःगर्वेश्वःवःददःत्याञ्चेग्रयःदर्गेश्वःश्च। चरेवःगर्वेश्वःवःददःत्वेवः चलेश्रासद्दायायायवदायाञ्चयात्त्रस्रेदार् इता इत्यम्ययायदे चिदेन गुंत्रेश बुद दह्या गुरा द्वेर सेट या यद यहूँ द या इसका गुद है। देगका क्रम्बास् र्रो प्यान्यास्य स्वान्य स्व श्चरः उव दरा देव द्राया के अञ्चर ये दर्श स्वरः र्से म्या दरा देवा है मार्से माये द ब्रैं अ ब्रें अ क्षेत्र केंग्र मार्के अ गांधिव यदि कया केंग्र ब्रु अ या दिर्देश देगाया श्रेव-व-त्याय-च-वेश-च-मावव-चर्य-ग्रुट-श्र-ह्नेद-चश्र-मावव-य-त्याय-वर्हेर देव सेर दे। । सर हें व से हैं है वरे व सेर सेर स्वाप हैं र य हुर कर्रद्रा यदेव भेर् श्वें बाया इस गुव सर्वेग स्व श्वे श्वें र वेर खिर खे ब र्देव र से से र स्वरे म्या सर्वे स्यात्वा मार्चे मार्च मार्च स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष वें केंगा मो हिंगा केवा सर्दा पारदे पद्चे खुम्बा द्या त्या क्षु कें देखें देखें देखें का प्रा शुःगार्श्वयाविदा। योदाद्मामार्श्वेदामुदामीर्स्वेशायविद्यम् क्रिवादीस्यान्त्रे सह्याया स्रोटामुनाकार्येन् उसाम्रीहेन्यस्याया र्ग्रेअप्यम्प्रतिकार्यम् पर्हेर्स्सर्ग्रेप्ते विकानुः र्श्वेस्य प्रतिकार्यः गश्रद्यायाप्यायेवायगरेर्द्धयास्या हेर्द्रातेत्रस्य हेर्द्रात्रे

८८। दर्वः अः र्वे निव्याधेवः विश्वादाः अर्दुदश्चायमः महः स्वेनाः निश्वादाश्वा र्त्वेशन्देश्वेशक्ष्याचर्हेन्द्रियेन्यम्यम्द्रवा गर्वेशस्वरत्वायादेः गुंबाह्में वाबायर प्रविद्या स्वाहित्य हुं या प्रहें दि दें प्रिय स्वाहित स्वाह वर्षव वहें दासे स्टावर विश्वाव। यार्स प्राप्त ख्रेंदे रे से स्वारा सेवास देॱदर्ॱवस्रक्षरुर्'यावयाळेबा ळेंगायासे हेंव देंव याहेव पदे र्ख्या श्रेका यन्द्रात्रात्रे दे त्रे दे वर्षे वर्षे द्राया देशा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या व त्युराया देखावार्रेदायार्केवायीर्खेषावात्रार्यावेदी । यद्यायेदार्हेषावा यदे ने बार या क्षेत्र के क्षें क्षेत्र में बाद वा का का का के कि ना के निकार के कि ना के ना के निकार के कि ना के ना के निकार के न ૡ૾ૢ૽૽૽ઌ૽ૺ૱ૡ૽૽૽ૡ૽૽ૢૼ૱૾ૢૼ૾ૹૺૹ૱૽ૢૢ૿ૢૢૢૢૢૢૢ૽૱ઌ૽ૻૡ૽ૼૢૡૹૢ૽૾ૢૻ૾૽ૢ૽૱૽ૢૢૺૹ૽ૺૹ૽ૢ૾ૢૢૼ૱ૡ दे'चब'यद'व'खुब'र्षेद'य। वैब'य'ग्बर'व्बर'वेब'वुब'कु'्षेव'व'क्व चेंबाक्षां के ब्रुँबा वसवाउट के बारवाट राख्य प्रदेश केंगा या वबरावरा ग्रुद्र्यायार्ड्यार्केः । भृत्रेःश्रुवार्ळ्न्ययायान्य्रेग्र्यावार्य्यार्थ्या ग्रम् मुर्यं या अस्ति । स्राम्या मुन्यं विकास देशत्रायाप्तायास्य हेश हेशप्यमास्य वर्षेप्यास्य स्थापाया क्रेरः प्रसम्भायदे त्रदेव त्युग्रम ग्रीस पर्हे पः या प्रतायम् पर्तु प्रस्त ग्रीस यश्चियाव श्रींव भेर रंभ यहें र शुंदे र युवाय भाषश यदे लया या भेर रें। |र्ह्सेट ने दे त्या कर अधित से या तुर्स पे दिया गाविस या का गाद । र्ह्हें द ने दे ते दे ते दे ते दे ते दे ते द विकास में कि कि से प्रतिकार के स्व र्वावा तरे इंस यवा मुद्र या धेव यश कर अवत तर्वोवा यदे व्याय विभा अर्केश गुव हैं य र्कर थ र्सेंट ५ वें श यश ५ उट यशेर विद के यर वाषर र्क्य प्रेव गुरा केट. इसाय ते. श्वा वा हे. या प्रटा खुरा वर्ट ही वा बा या वर्ष शु. या देश ही वा वर्ष शु. या देश ही व

व्याप्तराप्ताराष्ट्रीयाकत् स्वायाः स्व ब्रूट्य हैं। ष्यायक्र हेट र्से यावा बाहे। हैंट हेट हु त्व बाबा तक वार्ष्य में विरायनेव गिर्व में में प्रीय से कि में प्रीय में प्रीय में प्रीय से में प्रीय से में प्रीय से में प्रीय से में য়૽ૢૠ૾ૢૼઽૻૻૻૹ૽ઽૻ૽૽ૢ૽ૺ૱ૹઽૻૹ૽૱૱ૹ૽ઌ૽ૻ૽૽૱૱૱ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽ૻ૽ૼૢૺૺઌ૽૽ઌ૽૽૱૽૽ૼઌ૽૽૱૱ ૽ૺૼ૱૽૽ૼ૱ઌૢૼ૽ૼૡ૽ૼૼઽ૱ઌ૽૽ૢ૱ૹ૽ૼૹ૽ૼઌ૱૽૱૱ઌ૱ઌ૽૱ૹૢૼઌૡૢ૱૱<u>ૢ</u> *ॾ्*चि: हु: बॅंदि: ब: यदेव: य: यां हे श्रः कर: बॅंदि: बेंदि: बेंदि: यदय। दे: यां हे श्रः याद: व्यद: येव पर्दे भें ५ र्जुय सुर मासुय पर्दे में कें ५ पर विमायर्थ। दे प्रविद देव न्यायेन्यायनेवायाकेशकरास्य। म्बन्द्राची ये केन्र र्ख्यायहम्। यंरामाञ्चरायदे पार्टेराया दे तर् द्वीरा वा क्षेत्र दुर्गा द्वीया स्रामा विव यश्र भेर में केंद्र वा रे प्यश्यावन दें न र भर् से र प्य भर में से केंद्र प्य मु श केव में द्वारा स्थान स्य र्दे प्रमुख अहर र्वेर एर्ट या अबिव परि श्रुव बुर र्वं या वांचेवा श कु बुर व येग्रह्मा अःसर्कर्वादार्देश्चा हेन् पर्देन्याहेन्यते ह्वा विद्यान्य प्रमान नम्दन्तं क्षेत्रं उद्याया वक्षेत्रा क्षेत्रं देशे का है। देते वद्यान स्वाया वि तर्रमञ्जूषाय। श्रुप्तते तुरकेत मेग्राचारे तुषा श्रृप्तवा श्रुष्य। । यद विषा अप्तम्भारेटर् भ्रिट्याय। क्रिम्स स्ट्रा में द्रम्य श्रेत्र स्यापिय। सिट् से विश्वायते दें दश्याय अर्धे या तें प्रविश्वा । दिशे श्वा ये दश्चा यक्षा यदा ही स |मिष्ठित:पञ्चराष्ट्रित:ग्री:गशुरशःचेर:र्त्ते:श्रूट:गशय| 때도'고환자 र्पर व्रिंग्य र व्रीम्थ स्थान स्थान प्राचन । अभे मालव पर र मा क्रीस

यर्गेशकेशवहें व वेंग सिंदाय केंद्र यो गहिव सिंदा है। से गाय दे पो ने वा गह्न सु: भेका । यदमा यहें न इस हें मायह दा छे दाये। । यह वा यह दा सर्केन हिंदि शुर देन किंश शे दिवस शे विद्या शिव हिंदि । शुर हिंद स श्वित यदे तुर्वे र गुवा विकारय केव येदे अकाय श्रेषा यदे। श्रिर ग्रेर अकेषा |कग्राङ्गरार्कःग्<u>य</u>रादवयःयाया বিঘর্ষা-প্রসান্ধর স্ত্রী श्रुं र प्रायंश्र <u>। त्रुमासुद्भारत्रे वाचे प्राप्ते । श्रुवाया अर्केमाप्तार्वे प्रा</u> ग्रूम उंग । द्वेव या प्रहेव या देव ख्व लेटा । इस ग्रेय स्व प्र प्र प्र प्र मु विरामेन। विषानमाञ्चनामविराम्यानम् विष्याम्यानम् शुराउंग । धाक्षुराक्षेया यो पार्हेराकुंया क्षाक्षेया वा गुप्ता । दिवाया आवका प्रका न्ध्रन्'व'वगव'सेन्'सर्वेन्। *ऻ*ॸ॔ॺॕॸॴय़ढ़ॱख़ॖॱक़ॕॱॸऺॴॸॕज़ॱॿॖॱॺक़ॕॱॶ |तर्र्भायमःशुमान् स्ति। ।तर्ने प्राये स्थान् । ঘরেরেশ্বর্রা ।ইঁল্'মই'রুমঝ'ঐ'ঐ'বারঝ'র্ক্তু'মর্ক্ট'বৃম্ঝা |মন্ত্ৰির'শান্ত্র সার্থির'বিদ্যান্ত্র ब्रिंग्रास्त्रस्यस्यम्बद्धानुराज्यः । उसायदरःगुःसःयेःषः हेर्त्रसःस्रोदःम्बद शुः हैं । शुरु । गुग्न शायश विश्वाय । द्यो । येग्न शायवेय । क्रुश्च या गुः विश्वाय र । गुः र उम दमद्रा